He Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 1 3 । नई बिल्ली, शतिवार, मार्च 26, 1983 (चैत्र 5, 1905)

No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 26, 1983 (CHAITRA 5, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उग्व न्यायात्रयों, नियन्त्रक्त और तहालेखारीक्षक, संव लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 फरवरी 1983

सं० ए०-32018/1/83-प्रशा०-II—श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थाई वरिष्ठ प्रोग्नामर श्री जे० के० खन्ना को 18-2-1983 से तीन मास की श्रवधि के लिए श्रथवा भर्ती नियमों के श्रिधसूचित होने तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्रबन्धक (इ० डी० पी०) (ग्रुप 'क' इ० 1500-60-1800) के पद पर स्थान्नापन्न कुप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. प्रबन्धक (इ० डी०पी०) के पद पर श्री जे० के० खन्ना की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर है ग्रौर इससे इन्हें प्रबन्धक (ई० डी० पी०) के पद पर नियमित नियुक्ति ग्रथमा वरिष्ठता का ग्रोई हक नहीं मिलेगा ।

ए० के० एफ़० कुजुर उप सचिव (प्रशा०) फुते ग्रध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० ए०-11016/1/81-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा भ्रायोग के निम्नलिखत भ्रनुभाग श्रिधकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रविध के लिए श्रथवा भ्रागामी भ्रादेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क श्रिधकारी के पद पर तदर्थ भ्राधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

ऋम सं०	नाम	7	विधि
1. श्री एस० सी०	जैन	7-12-82 से	6-3-83 सक
2. श्री पी० एस०	राणा ·	7-12-82 से	6-3-83 तक
3. श्री कृष्ण कुमा	र	7-12-82 से	6-3-83 तक

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासितक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एस० (१) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के श्रनुसार रु० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 2 फरवरी 1983

सं० ए०-32014/1/82-प्रणा०-III--संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के सहायक श्री भगवती भरण को राष्ट्रपति द्वारा 12-1-83 से 28-2-83 तक ग्रयवा ग्रागामी ग्रावेशों तक, जो भी पहले हो, श्रमुभाग ग्राधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

> य० रा० गांधी ग्रवर सचिव (प्रशा०), संघ लोक सेवा ग्रायोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० स्० विभाग

केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1983

सं० ए-19036/1/79-प्र०-5---प्रत्यावर्तन हो जाने पर गुजरात राज्य पुलिस से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में प्रति-नियुक्त श्री बी० के० णर्मा, पुलिस उप-ग्रधीक्षक की सेवाएं दिनांक 21 फरवरी, 1983 के श्रपराह्न से गुजरात सरकार को सौंप धी गई!

सं० ए-19036/17/80-प्र०-5— प्रत्यावर्तन हो जाने पर, पांडचेरी से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री एस० रामास्वामी, पुलिस श्रधीक्षक की सेवाएं दिनांक 21 फरवरी, 1983 के श्रपराह्म से पांडिचेरी सरकार को सौंप दी गई।

सं० ए०-19036/1/81-प्र०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, ग्रसम राज्य पुलिस से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में प्रति-नियुक्त श्री रणजीत कुमार घोष, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं विनांक 21 फरवरी, 1983 के श्रपराह्म से ग्रसम सरकार को सौंप दी गई।

सं० ए०-19036/12/82-प्रणा०-5—श्रसम पुलिस से प्रतिनियुक्स निरीक्षक श्री डी० भूयान जिन्हें केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में दिनांक 26-7-1982 से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उपाधीक्षक के रूप में प्रोन्नत किया गया था, को दिनांक 16 फरवरी, 1983 के श्रपराह्म से निरीक्षक के रूप में प्रत्यावृतित किया जाता है।

दिनांक 5 मार्च 1983

सं० ए०-19013/1/80-प्र०-5---प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एम० महेन्द्र रेड्डी, भा० पु० से० (भ्रांध्र प्रदेश-1953) संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय श्रन्थेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 25 फरवरी, 1983 के श्रपराह्म से श्रांध्र प्रदेश सरकार को सींप दी गई।

दिनांक 8 मार्च 1983

सं० आर०-9/65-प्रशा०-5---ग्रपनी बढ़ी धवधि के समाप्त हो जाने पर, श्री राजेन्द्र लाल, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली दिनांक 28 फरवरी, 1983 के प्रपराह्म से सरकारी नौकरी से सेवा-निवृक्त हो गए।

सं० एस०-161/67-प्रणा०-5—श्रपनी बढ़ी श्रवधि के समाप्त हो जाने पर श्री एस० पी० भारद्वाज, श्रपर विधि सलाहकार, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली दिनांक 28 फरवरी, 1983 के श्रपराह्म से सरकारी नौकरी से सेवा-निवृत्त हो गए।

भ्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक ग्रघिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशक के०रि० पु०बल नई विल्ली-110003, दिनांक फरवरी 1983 शुद्धिपत्र

सं० पी० सात-4/80-स्थापना-I—इस महानिवेशालय की प्रधिसूचना सं० पी० सात-4/80-स्था०-I— दिनांक 2-2-1983 के संदर्भ में ।

2. निम्नलिखित अधिकारियों को पदोन्नति पर पुलिस उपअधीक्षक के रूप में उनके पदाधिकार ग्रहण करने की तारीख निम्न प्रकार से संशोधित की जाती है जो उनके नाम के सामने दिखाई गई है :—

	के बदले	पढ़ि ए
1. श्री विरेन्द्र सिंह	11-3-81	14-2-81
2. श्री करम सिंह	9-3-83 (ग्र4राह्न)	16-2-81
 श्री दयानन्द 	18-2-81	14-2-81
 श्री सत्तार सिंह 	29-3-81	16-2-81

दिनांक 1 मार्च 1983

सं० श्रो० दो० 1098/78-स्था०—राष्ट्रपति ने किनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० श्रो० ग्रेड-II) डाक्टर रिवन्त्रानाथ बेहरा ग्रुप केन्द्र सी० श्रार० पी० एफ० नागपुर को केन्द्रीय सिविल सेवा (श्रस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के श्रनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 2-3-1981 के श्रपराह्म से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

ए० कें० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कायलिय केन्द्रीय <mark>श्रीद्योगिक सुरक्षा</mark> बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 फरवरी 1983

सं० ई०-16013/2/3-74-कार्मिक----प्रपने राज्य काडर को प्रत्यावर्तित होने पर, श्री शिवराज सिंह भारतीय पुलिस सेवा (राज्य पुलिस सेवा उत्तर प्रदेश) ने 21 फरवरी 1983 के प्रपराह्म से केन्द्रीय श्रीश्रोगिक सुरक्षा बल, नई बिल्ली के सहायक महानिरीक्षक (श्रासूचना) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

विनांक 24 फरवरी 1983

सं० ई०-16013(1)/2/82-कार्मिक--प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री हंसराज स्थान, भा० पु० से० (हरियाणा-57) ने 8 दिसम्बर, 1982 से उपमहानिरीक्षक (पश्चिमी क्षेत्र), केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, बम्बई के पद का कार्य भार संभाल लिया।

सुरेंद्र नाथ महानिदेशक, कें० ग्रौ० सु० ब०

भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 मार्च 1983

सं० 10/4/80-प्रशा० 1—हम कार्यालय की तारीख 17 जुलाई, 1982 समसंख्यांक ग्रिधसूचना के अनुक्रम में, राष्ट्रपति नई दिल्ली में, भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में निम्नलिखित कन्सोल श्रापरेटरों की सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पदो पर तक्ष्यं ग्राधार पर नियुक्ति की श्रवधि को तारीख 30 जून, 1983 तक या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरे जाएं, जो भी श्रवधि पहले हो, विद्यमान शतीं के आधार पर सहर्ष बढ़ाते हैं:—

कम सं० नाम	म् स्थ	ालय
1. श्री ग्रार० एल० पुरी	नई	दिल्ली
2. श्री ए० पी० गुप्त	नई	दिल्ली
 श्री सत्यप्रकाश 	नई	दिल्ली

पी० प**ध**नाभ भारत के महारजिस्ट्रार

विस मंत्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग) प्रतिभूति कागज कारखाना होणंगाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1983

सं० एम०-6/12469—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक एम०-6/9365 दिनांक 9-12-82 के तारतम्य में श्री बी० एल० शर्मा, सहायक श्रीभयंता (यांत्रिक) की वेतनमान (650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200) की गई तदर्थ नियुक्ति को 30-6-1983 अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, इनमें से जो पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

ण**ं रा० पाठक** महाप्रबन्धक भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग कार्यालय महालेखाकार-प्रथम--पश्चिमी बंगीक कलकत्ता-700001, दिनांक 28 फरवरी 1983

सं० प्रणा०-1/1039-XI-X/5869—महालेखाकार-प्रथम, पश्चिम बंगाल, ने अगले आदेश तक स्थाई अनुभाग ग्राधकारी सर्वश्री सुधांसु कुमार वाम और शांतिपद बासु को तवर्थ तथा ग्रस्थाई तौर पर ग्रस्थाई और स्थानापन्न रूप से, जिस दिनांक से वे वस्तुत: लेखा ग्राधकारी के हैं सिमत में अपना कार्यभार सम्हालते हैं, लेखा ग्राधकारी के पद पर, नियुक्त करने की कृपा की हैं। इसे स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि लेखा ग्राधकारी के संवर्ग में पूर्वोक्त प्रोन्नतियां जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मुकद्दमें में निर्णय निलंबित रहे तब तक पूर्णतया ग्रस्थाई रूप में है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किए गए 1979 के सी० ग्रार० केस सं० 14818 (उब्ल्यू) के ग्रन्तिम फैसले के ग्राधीन है।

लेखा अधिकारियों के संवर्ग में उनकी प्रोप्तित होने पर, सर्वश्री दास तथा बासु की संवाएं कार्यालय महालेखाकार द्वितीय पिचम बंगाल में सर्वश्री सी० श्रार० पुरकायेत तथा एन० मजुमदार, लेखा अधिकारियों के उस कार्यालय से स्थानान्तरण के कारण रिक्त स्थान पर सौपी जाती हैं।

कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय-पश्चिम बंगाल से स्थानांतरित होने पर सर्वश्री सी० ग्रार० पुरकायेत तथा एन० मजुमदार, लेखा अधिकारियों की संवाएं, कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय में वर्तमान रिक्त स्थान पर सौंपी जाती हैं।

जो० स० मेहरोत्ना वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा डाक-तार दिल्ली-110054 दिनांक 4 मार्च 1983

सं० प्रभासन-III/564/23 (ए०) (2) ग्रिधिसूचना— डाक-तार लेखा परीक्षा संगठन के निम्नलिखित लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी निवर्तन पर उनके सामने लिखित डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों से दी गई तिथियों से सेवा निवृत्त हो गए हैं:---

कम संख्या प्रधिकारी का नाम डाक-तार सेवा-शाखा लेखा- निवृत्ति परीक्षा कार्यालय की तिथि जहां से सेवा निवृत्त हुए

1. श्री सुमत प्रसाद जैन दिल्ली 31-7-82 (श्रपरास्त्र)

1	2	3	4
2.	श्री पद्म राधवन राजलक्ष्मी	मद्रास	30-4-82
			(भ्रपराह्न)
3.	श्री बी० नारायणस्वामी	हैदराबाद	30-11-82
			(भ्रपराह्म)
4.	श्री पुंगतु वादीवलू इन्द्रप्रकाशम	मद्रा स	31-7-82
			(भ्रपराह्न)
5.	श्री सुधीर चन्द भाटिया	विल्ली	31-5-82
			(भ्रपराह्न)
6	. श्री रामजना पाण्डेय	मुख्यालय	31-1-83
			(ग्रपराह्न)
7.	श्री किशन पॉल	कपूरथला	31-10-82
			(भ्रपराह्म)
8.	श्री ग्ररूणकमार सेन गप्ता	कलकसा	31-12-82
			(भ्रपराह्न)
9.	श्री ग्रनिल बरन चक्रवर्सी	भ० नि०ता०	31-12-82
		जा० कलकत्ता	(ग्रपराह्न)
10.	श्री डी० एन० प्रसाद	पटना	31-1-83
			(भ्रपर⊺ह्न)
11	श्री विश्वलिगन रामास्वामी	बम्बई	31-5-82
			(भ्रपराह्न)

भारत भूषण श्रीवास्तवा लेखा परीक्षा श्र{धकारी (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 3 मार्च 1983

सं०- प्रशा०-1/1877/5/1--श्री एन० सोम सुन्दरम, ग्राई० डी० ए० एस० को, दिनांक 14-8-1983 को 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म-तिथि दिनांक 15-8-1925 होने के जाएण, (दिनांक 31-8-83 श्रपराह्न) से पेंशन स्यापना को श्रन्तरित कर दिया जाएगा श्रीर तद नुसार व मूल नियमावली के नियम-56(ए०) की शर्तों के श्रनुसार दिनांक 31-8-1983 (श्रपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

भार० के० माथुर रक्षा लेखा भ्रपर महानियंत्रक (प्र०)

रक्षा मंत्रालय श्राइंनैन्स फैक्ट्री बोर्ड डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता-700069, विनांक 22 फरवरी, 1983 संव 4/83/ए०/ई०-I (एन० जी०)---श्राइंनैन्स फैक्टरियों के महानिदेणक महोदय श्री यशपाल शसीन, श्राशुलिपिक ग्रेड बी/वरिष्ठ पी० ए० को श्राशुलिपिक ग्रेड-ए०/पी० एस० (ग्रुप ''बी'' राजपितित) के पद पर वर्तमान रिक्त में स्थानापन्न श्राधार पर दिनांक पहली जनवरी, 1983 से श्रागामी श्रादेश न होने तक प्रोन्नत करते हैं।

> डी० द्यार० ग्रय्यर डी० डी० जी०/कार्मिक **क्वते** महानिदेशक, ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-16, दिनांक 2 मार्च, 1983

सं० 12/जी०/83—-भारतीय ष्ट्रण तथा फार्मेसीयृटिकल्स लिमिटेड, मद्रास में तारीख पहली धगस्त, 1979 (पूर्वाह्म) से स्थाई रूप से विलयन करने के फलस्वरूप श्री एस० श्रीनिवासन, स्थानापन महाप्रबन्धक ग्रेड-I (मौलिक एवं स्थाई ग्रेड-II/उप महाप्रबन्धक) उसी तारीख से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 4 मार्च, 1983

सं० 13/83/जी०—वार्षक्य निर्वित्त द्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री जे० इष्ट्यू० क्वेथेकर, स्थानापन्न महा-प्रबन्धक (प्रवरं श्रेगी J/स्तर-I) मौलिक एवं स्थाई महा प्रबन्धक, श्रेणी-II) विनांक 28 फरवरी, 1983 (प्रधराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

सं 14/जी 0/83---सेच्छा निवृत्ति पर श्री वाई ० सी ० सुब्रद्भाप्य, स्थानापक्ष डी० डी० सी० उ० एफ० स्वर-I, दिनांक 28 फरवरी, 1983 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० कें भेहता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1983 आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1381/82-प्रणा० राज०/1434--राष्ट्रपति, श्री बी० ग्रेषण, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवर श्रेणी के प्रधिकारी ग्रीर इस कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायास-निर्यात को 28 फरवरी, 1983 को दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की ग्रनुमति देते हैं।

> वी० के० मेहता, उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायास-निर्यास कृते मुख्य नियम्त्रक, ग्रायास-निर्यास

(वस्त्र विभाग)

हथकरचा विकास भ्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी, 1983

सं० ए०-38012/1/83-प्रशा०-II (क)—राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालय, (वस्त्र विभाग) हथकरघा विकास प्रायुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत बुनकर सेवा केन्त्र, वाराणसी में सहायक निवेशक, ग्रेड-1 (बुनाई) श्री हरिहर पांडे को निवंशन की श्रायु होने पर 31 जनवरी, 1983 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हीने की श्रनुभति देते हैं।

िधनय झा, श्र<mark>पर विकास श्रायक्त</mark> हथकरघा

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 मा**र्च**, 1983

मं० प्र०-6/247/(340)/61—स्थाई सहायक निरीक्षण प्रधिकारी तथा निरीक्षण निदेशक, कलवक्षा के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण प्रधिकारी (श्रिभियांन्निकी) भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III प्रभियांनिकी काखा के ग्रुप 'ए' श्रो ग्रार० पी० मंडल निवर्तमान श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1983 के प्रपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

एस० एल० कपूर, उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रौर खान मंझालय (इस्पात विभाग)

लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनांक 28 फरवरी, 1983

सं० स्था०-1-12(54)/82—लोहा और इस्पात निवंत्रक एउद द्वारा श्रो जगबन्ध बोध, ग्रधीक्षक को पदोस्रति पर इस कार्यालय में सहायक भुगतान श्रायुक्त के पद पर दिनांक 1-2-1983 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सुभाषचन्द्र, संयुक्त लोहा धौर इस्पात नियंकक

(खान विभाग) भारतीय भूवेशानिक -सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1983

तक श्री एस० रूद्र, प्रशासनिक अधिकारी, पश्चिमी क्षेप्त, जयपुर, भारतीय भूवैज्ञानिक नर्वेक्षण के अधकाश रिक्त के स्थान पर, पदीन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2027 बी०/ए०-19012(3-ए०के०जी०)/80-19 बी०--डा० ए० के० गुप्ता सहायक रसायनक, भारतीय भूवेज्ञानिक सर्वेक्षण को 24-7-82 (अपराह्म) से त्यागपत्र पर मुक्त किया जा रहा है।

सं० /ए०-19012(4-एच० भ्रार० के०/82-19 बी०--भारतीय भूबैजानिक सर्वेक्षण के किनष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री हेमन्त रावजी कथने को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-य० रो० 35-880-1000-द०रो०-1000-40-1200 ए० के वेतनमान में, स्थानापम क्षमता में, भागामी भाषेश होने तक 28 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2050 बी०/ए०-19012(4-प्रार० एस० एस०)/
82-19 बी०--भारतीय भूर्वैज्ञानिक सर्वेक्षण के परिष्ठ
तक्रनीफी सहायक (ड्रिलिंग) श्री रणधीर सिंह सैनी को ड्रिलर
के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-74035-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200
६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, भ्रागामी म्रादेश
होने तक 20 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्र से नियक्त किया
जा रहा है।

एस० के० मुकर्जी, महानिधेशक

भारतीय खान ब्यूरो नामपुर, दिनांक ंड मार्च, 1983

सं० ए०-19011(42)/70-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री जे० वास, स्थाई उप-खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 31-1-83 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनाँक 19 मार्च 1983

सं० ए०-19011(58)/77-स्था० ए०---राष्ट्रपति श्री के० वेंकटरमैंया, स्थायी वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान न्यूरों में क्षतीय खनन भ्विज्ञानी के पद पर विनांक 17-2-1983 (पूर्वाह्म) से तदर्थ श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

व० च० मि**श्र,** कार्यालय **ग्राघ्यक्ष** भारतीय खान क्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून-248001, दिनांक 4 मार्च, 1983

सं० स्था०-1-5916/पो० एफ० (स्वप्न चक्रवर्ती)---श्री स्वप्न चक्रवर्ती, जिन्हें इस कार्यालय की दिनांक 16/17-1-1978 की श्रधिसूचना सं० स्था०-1-5333/594-प्रबन्धक म्रन्तर्गंत सहायक प्रवन्धक (मानिषक्ष पुनरुत्पादन) सा० सि० सेवा ग्रुप 'बी' पद पर नियुक्त किया गया था, द्वारा दिनांक 6 अक्तूबर, 1982 को दिया गया त्याग-पत्न दिनांक 11 नवम्बर, 1982 (श्रपराह्म) से स्वीकृत किया जाता है।

> जी० सी० भग्नवाल, मेजर-जनरल, भारत के महासर्वेक्षक नियुम्सि प्राधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिषेशालय नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्चे, 1983

सं० ए०-32014/3/81 (जे० आई० पी०)/प्रशासन-1/ एम० (एक० एण्ड एस०)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ते श्री के० जयरमन को 24 मई, 1982 के पूर्वाह्म से 12 सितम्बर, 1982 (अपराह्म) तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में पुस्त-काध्यक्ष (लाइबेरियन) के पद पर पूर्ण तथा तद्दर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

श्री कें जयरमन के सहायक पुस्तकाध्यक्ष के पद पर परिवर्तन हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 12 सितम्बर, 1982 के अपराह्म से इस संस्थान के पुस्तकाष्यक्ष के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> पी० एन० ठाकुर, उप-निवेशक प्र०

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी, 1983

सं० ए०-12025/1/82-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री एम० एस० सहगल को 20 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप-वास्तुविद के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-12025/1/82-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री ज्ञान इन्दर को 17 जनवरी, 1983 पूर्वाक्क से श्रागामी ग्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिधेशालय, नई विल्ली में उप-वास्सुविद के पद पर श्रस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

श्री ज्ञान इन्दर के उप-वास्तुविद के पद पर नियुक्त हो जाने के कारण फलस्वरूप उन्होंने 17 जनवरी, 1983 (पूर्वाह्म) से इस निदेशालय में सहायक वास्तुविद के पद का कायभार छोड़ दिया है।

> न्निलोकजन्द्र जैन, उप-निदेशक प्रशासन (भ्रो० एण्ड एस०)

ट्रेक्टर प्रशिक्षण केन्द्र

हिसार-125001 विनांक 21 फरवरी, 1983 सं० 2-1/83व्यै० मि०---केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड फरीवाबाद के नियमित भ्रधीक्षक श्री हीरालाल वर्मा को दिनांक 21-2-83 के पूर्वाह्न से श्रागामी भ्रादेशों तक ट्रैक्टर प्रशिक्षण केन्द्र, हिसार (हरियाणा) में प्रतिनियुक्ति श्राधार पर प्रशासन श्रीक्षकारी के श्रस्थाई पद पर नियुक्त किया जाता है।

> व्ही० ए० पाटिल निवेशक

भाभा परमाणु धनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 23 फरवरी, 1983

सं० जे०/159/एफ० ग्रार० डी० स्था०II/422— श्री पुथेन पुराक्कल साम जैकब, वैज्ञानिक ग्रिधिकारी II/एस० एफ० पद कापद भार 31-12-1982 (ग्रपराह्म) को सेवा निवृत्ति पर छोड़ दिया।

दिनोक 2 मार्च, 1983

सं० श्रार० / 1891/डी० डी० /स्था०-।। / 6020 -- श्री गुडिपिट रामनाथम ने वैज्ञानिक श्रिधकारी / एस० डी० पद का पद भार 18-12-1982 (श्रपराह्म) को त्यागपत देने पर छोड़ दिया ।

विनांक 3 मार्च, 1983

सं० डी०/166/एच० डब्स्यू०डी०/स्था०-II589— डा० शरवचन्द्र मनसुखलाल दवे वैज्ञानिक श्रधिकारी/ ग्रेड एस०ई० पदका पदभार 11-2-1982 (श्रपराह्म) को स्वैच्छिक सेवा निवृत्त होने पर छोड़ दिया ।

पी० एन० क्रष्णमूर्ति, नियंत्रक

बम्बई-400085 दिनांक, 16 फरवरी,1983

सं० पी० ए०/78(4)/80-मार०-III— नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री गोपालनकुष्णमूर्ति, भाशुलिपिक (एस० जी०) को सहायक कार्मिक श्रधिकारी (650-960) रुपए पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 17-11-1982 (पूर्वाह्न) स 31-1-1983 (अपराह्न) तक की समयाबध के लिए तदर्थ रुप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 मार्च, 1983

सं० पी० ए०/79 (4)/80-म्रार०॥।—नियंत्रक भाभा परमाणु म्रनुसंघान केन्द्र, श्री वसंत पुरुषोत्तम कुलकणी सहायक को सहायक कार्मिक म्रधिकारी (650-960 पर पर कार्य करने हेतु इस म्रनुसंघान केन्द्र में 20-1-1983 (पूर्वाह्म) से 25-2-1983 (म्रपराङ्क्ष) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 मार्च, 1983

सं० पी० ए०/79(6)/82-म्रार-॥।--नियंत्रक, भाभा परमाणु मनुसंधान केन्द्र, डा० ललित हरि शर्मा, भ्रस्थाई वरिष्ठ हिन्दी ग्रनुवादक को हिन्दी ग्रधिकारी पद पर कार्य करने हैंतु इस ग्रनुसंधान केन्द्र में 1 मार्च 1983 (पूर्वाह्न) से ग्रग्रिम ग्रादेशों तक नियुक्त करने हैं।

> बी० सी० पाल, उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 2 मार्च 1983

क्र० न० प० वि० प०/प्रशासन/26(1)/83/एस०/2417—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना नरोरा के मुख्य परियोजना प्रभियन्ता, परमाणु खनिक प्रभाग में स्थायी 'सहायक' एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिधकारी श्री मुकुन्द सिंह जो नाभिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला, श्रीनगर में कार्यरत थे, को, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 ६० के वेतनमान में दिनांक जनवरी 29, 1983 के पूर्वाह्न से श्रिप्रम श्रावेशों तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एस० राव, मुख्य प्रशासन श्रविकारी

कय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, विनांक 1 मार्च 1983

सं० डी० पी० एस०/41/2/83-प्र०/6939—परमाणु ऊर्जा विभाग के अध्य प्रौर मंडार नि देशालय के निदेशक ने सहायक भंडार अधिकारी श्री एम० एस० गंगनाईक की भंडार अधिकारी के रूप में पवोद्यति हो जाने पर स्थायी मंडारी श्री एम० राजू को रुपये 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000 दे०रो०-40-1200 के वेतनगान में 19-5-1982 (पूर्वाह्र) से 19-6-1982 (श्रपराह्र) तक के लिए तदर्य प्राधार पर इसी निवेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रीधकारी नियुक्त किया है।

ह० ग्रपठनीय प्रशासनिक ग्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद-16, विनांक 28 फरवरी 1983

संवप्रव ख व प्रवन्न 1/25/82-भर्ती — परमाणु अर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतव्हारा श्री बीव बंगाराराजु को परमाणु खनिज प्रभाग में 16 फरवरी, 1983 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस बीव" नियुक्त करते हैं।

टी० डी० **वाडगे** वरिष्ठ प्रशासन व लेखा ग्रधिकारी महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, विनांक 22 फरवरी 1983

सं० ए० 32013/16/82-ई०-І--इम कार्यालय की दिनांक 1-12-1982 की अधिसूचना सं० ए० 32013/16/82-ई०-І के कम में, राष्ट्रपति ने श्री बी० के० कार्लरा की निदेशक संवार, पालम के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 11-12-1982 में 29-12-1982 तक जारी रखने की स्वीकृति दे दी है।

विनांक 25 फरवरी 1933

सं० ए०-35018/6/79-ई० 1—राष्ट्रपति ने एस० के उपाध्याय भारतीय पुलिस सेवा (टी० एन० 1976) फी नागर विमानन मंद्रालय के नागर विमानन विभाग में र० 1200-50-1500-60-1800 के वेतनमान तथा र० 300/- प्रतिमास विशेष वेतन में विनाक 17-2-1983 (पूर्वाह्म) से 16-2-86 (श्रपराह्म) तक तीन वर्ष की श्रविध के के लिए प्रतिनियुक्ति पर मद्रास में सहायक निवेशक नागर विमानन मुरक्षा के पद पर नियुक्त किया है।

सुधाकर गुप्ता सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1983

सं० ए० 38013/1/82-ई० सी०—नागर विमान विभाग में वैमानिक संघार संगठन के निम्नलिखित श्रिष्ठकारियों ने प्रस्थेक के नाम के उपमिन दी गई तारीकों पर सेवा निर्वतन श्राय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप श्रपने-श्रपने पद का कार्यभार त्याग विया है:—

अक० सं ०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवानिवृत्ति की तारीख
1	2:	3	4
सर्व	ब्र ी	-	
1. एस	० शंकरा- वे	० स० स्टेशन,	30-6-1982
	ायण संचार धेकारी	मद्रास	(भपराह्म)
2. एस	० एस० गिल, ध	तेस्रीय निवेशक	31-7-1982
संच	गर ग्रधिकारी	का कार्यालय,	ग्रपराह्म
	f	दिल्ली	•
3. धा	र० एन० बेनर्जी, ः	वै० स० स्टेशन,	31-8-1982
নৰ	त्नीकी म्रधिकारी	कलकत्ता	श्रपराह्य
4. ए	के० बागची,	नै ० स० स्टेशन, 👚	30-9-1982
ন ব	न्नीकी ग्रधिकारी	कलकत्ता	(श्रपराह्न)
5. স্পা	ार० जी० रवि, ः	वै० सं० स्टेशन,	31-10-1982
तर	हनीकी श्रधिकारी	मद्र ास	ं(भ्रयराह्न)
6. जे	० सी० 'राय, 🔠	वै० सं० स्टेशन,	–वहीं–
तक	नीकी प्र धिकारी	कलकत्ता	-
7. प्र	त० जयरमन, 🗀	वै० सं० स्टेशन	–वही
লা	रि० तक० म्रधि०	मद्रास	•

1	2	3	
			4
8.	स्रो०के० दे, वरि०तक० प्रद्य०	रे० नि० वि० एकक नई दिल्ली	30-11-1982 (ग्रपराह्न)
9.	एस० एन० सम्पत, तकनीकी भ्रधि०	रे० नि० वि० एकक, नई दिल्ली	-वहीं -
	ए० के० मुन्शी, संचार श्रधिकारी	वै० सं० स्टेशन, कलक्षा	31-12-1982 अपराह्म
11.	ए स० ग्रार० ग्रयर, संचार ग्रधिकारी	बै० सं० स्टेशन, दिल्ली	-वही∽
1 2.	एन ० के० राय, तकनीकी ग्रधि० प	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	<i>-</i> वही
13.	के० बी० ऋपलानी सहा० तक० श्रधि०	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वहीं
14.	के० एन० एस० मणि, वरि० तक० श्रिष	वै॰ सं० स्टेशन, मद्रास	–वही⊸
15.	एन० के० सेन, तकनीकी ग्रधिकारी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	31-1-1983
16.	एम० वी० रामानन्, तकनीकी भ्रधि०	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	31~1−1983 (भ्रपराह्म)

दिनांक, 28 फरवरी 1983

सं० ए० ज्32013/7/80 क्व सी० राष्ट्रपति ने नागर विभानन विभाग के श्री ए० के० मिश्रा, वरिष्ठ तक नीकी ग्रीधकारी को जो इस समय ईराक सरकार के पास प्रतिनियुक्ति पर हैं, उपनिदेशक/नियन्त्रक संचार के ग्रेड में दिनांक 29-9-82 ने ग्रीर 11 फरवरीं, 83 तक नियमित ग्राधार पर प्रोफार्मा पदोन्नति का अनुमोदन कर दिया है।

प्रेम चन्त्र सहायक निदेशक प्रशासन

वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 29 जनवरी 1983

सं० क० 16/292/82 स्थापना-I---श्री ग्रार० के० राठौर को, श्रांखल भरतीय मृदा श्रौर भूमि उपयोग सर्वेक्षण संस्थान जो कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के ग्रधीन है, में सहायक मृदा सर्वेक्षण श्रधिकारी केपद पर घयन होने के फलस्वरूप, श्रध्यक्ष वन श्रनुसंधान एव महानिदेशालय, देहरादून उन्हें 28 दिसम्बर 1982 की श्रपराह्म से वन मृदा शाखा में अनुसंधान श्रधिकारी के पद के कार्यभार से सहर्ष मुक्त करते हैं।

रजत कुमार कुल सचिव वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय कार्यालय मुख्य कायुक्त (प्रशा०) एवं झा० झा०, प० बं०-1/र् कलकत्ता-69, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

ब्रादेश सं० 767

I. पदोश्नति

प्तं० 2 ई/28/75-76- निम्नलिखित प्रायकर निरीक्षकों की, कार्यभार ग्रहण की तारीख से ग्रौर ग्रमिम श्रावेश तक, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में ग्रायकर ग्रधिकारी, वर्ग "ख" में रथानापन्न रूप में पदोन्नति की जाती है।

सर्वश्री

- 1. रनेन्द्र सेन
- 2. टेक बहादुर क्षेत्री
- 3. मुकुल कुमार दास
- 4. नेपाल चन्द्र पाण्डे
- 5. तरण कान्ति मजुमदार
- 6. दिलीप राय

ये नियुक्तियां बिल्कुल अस्थायी और अनिकास रूप से की गई हैं, और ये अन्य पदोश्नित-प्राप्त व्यक्ति, की तुलना में उन्हें उस स्थान पर बने रहने का अथवा वरिष्ठता का दावा करने का अधिकार प्रदान नहीं करती। नियुक्ति को किसी भी समय खरम किया जा सकता है। यदि खाली जगहों की समीक्षा करने के बाद यह पाया गया कि पदोन्नित के लिए रखी गयी नियुक्तियां खाली जगहों से अधिक हैं अथवा उनकी प्रतिस्थापना के लिए डिरेक्ट रिश्नूट सुलभ होने पर उनका परिवर्तन किया जा सकता है। उन्हें पश्चिम बंगाल के किसी भी जगह किसी भी समय स्थानान्तरित किया जा सकता है।

भायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 124 (1961 का 43) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं निर्देश देता हूं कि—

सर्वश्री

- 1. रनेन्यु सेन
- 2. टेक बहादुर क्षेत्री
- 3. भुकुल कुमार दास
- 4. नेपाल चन्द्र पाण्डे
- तरूण कान्ति मजुमदार
- 6. दिलीप राय

श्रायकर श्रधिकारी वर्ग "ख" के रूप में निपृक्त होने पर, वे श्रा० श्र० के सभी कर्तव्यों का पालन ऐसे व्यक्तियों के या व्यक्तियों के नगीं या ऐसी श्राय के वर्गों के लिए या ऐसे क्षेत्रों में करेंगे जैसा कि उनको उक्त नियम के श्रधीन समय-समय पर सुपुर्व किया जायेगा। III. वैनाती

पदोन्नति प्रर सभी श्रधिकारियों को मुख्य श्रायुक्त (प्रशा०) एवं० श्रा० श्रा० प० बं०-1 के कार्यालय में वि० का० श्र० के रूप में तैनात किया जाता है।

> एस० एन० सेन मुख्य आयकर श्रायुक्त (प्रशा०) एवं० ग्रा० ग्रा०, प० वं०-1

श्रायकर, स्थापना

कलकत्ता, विनांक 5 फरवरी 1983

सं० 553 एफ० नं० 2ई०/41/82-83—-श्री इन्द्रवेव प्रसाद को 24-11-1982 पूर्वाह्म से ६० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-40-1200/- के वेतनमान में, सामान्य भत्ते समेत, श्रायकर विभाग, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में हिन्दी श्रिधकारी के पद पर स्थाना-पन्न रूप में कार्य संपादन के लिए श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

डी० श्रार० चक्रवर्ती मुख्य ग्रायुक्त (प्रणासन) एवं श्रायकर श्रायुक्त, पश्चिम बंगाल⊸1,

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त (संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी) श्रादेश

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1983

सं० 121—श्री रंजीत सिंह, (श्रनु० जाति) श्रायकर निरीक्षक, मेरठ प्रभार को श्रायकर श्रीधकारी (ग्रुप "बी") के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से धौर ग्रन्य ग्रादेशों तक पदोन्नत किया जाता है। यदि बाद में पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से श्रिधिक की गई है तो वे पदोन्नत किये जाने के योग्य होंगे। पदोन्नति पर उनकी सेवायें आयकर श्रायुक्त, मेरठ के श्राधीन सौंपी जाती हैं जो कृपया उनका पदस्थापन श्रावेश जारी करेंगे।

्रमुधाकर द्वि<mark>येदी</mark> श्रायकर आयुक्त संवर्ग नियन्त्रण प्राधिकारी

शुद्धिपत्न

लुधियाना, विनाय 1983

म. नोटिस 269 डी० (1) से संलगित शैंडयूल में मई 1982 को रजिस्ट्री क्रमांक 2064 के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ा जाए :— "विक्रय पत्र मई 1982 क्रमांक 2065"

- ब. नोटिस 269 डी॰ (1) के अनुबन्ध 3 में जिन 8 पार्टियों के नाम लिखे हैं, के स्थान पर नीचे लिखे नाम पढ़े जाएं :—
 - "1. श्री लच्छमण दास मुपुत्र श्री पिरथी चन्द।
 - 2. श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह ।
 - 3. श्री प्रेम चन्द सपुत्र श्री रोशन लाल।
 - 4. श्री पन्ना लाल सपुत्र श्री सीता राम । सारे मारफत मकान नं० बी-6-1983, वौडा बाजार लुधियाना ।"

सुखदेव चन्द निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

बाय्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 14 फरवरी, 1983

सं० एल० सी०-614/22-83:—यतः मुझे, बी० श्रार० मायर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-6-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्--- श्रीमती मिठीबाई एलियास सुबैदा

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती ऐशू

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8.881 cents of land with a residential house as per schedule attached to Doc. No. 2166 dt. 25.6.1982.

बी० द्यार० नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 14-2-1983,

प्ररूप बार्द.टी.एन एस.-----

आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

1. श्री बी० जे० जोसफ

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० विनयराघव

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16, दिनांक 15 फरवरी, 1983

सं० एल० सी० 615/82-83:—यतः मुझे बी० श्रार० नायर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 7-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुदिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, धही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

9.568 cents of land with n double storeyed building in Sy. No. 707/1 of Glasskalam village vide Doc. No. 1936 dt. 7.6.1982.

बी० ग्रार० नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 15-2-1983

प्रकृप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16, दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० एल० सी० 616/82-83:—यतः मुझे, बी० म्रार० नायर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो एरणाकुलम

में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 19-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नीलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधिल में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी इंग्लेग खससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आयपा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुधीम, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, वृष्ति :— 1. श्री वी० जे० जोसफ।

(अन्तरक)

श्रीमती ग्रोमना, भुवनेश्वरी ग्रौर राघा।

(ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से.
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबढ़.
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18.975 cents of land with a building in Sy. No. 1383/2 of Nandama village in Tripurithura, vide Doc. No. 2100/82 dated 19.6.1982.

बी० ग्रार० नायरॅं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

तारीख: 15-2-1983

मोहरः

प्रकृष कार्द्री, की., एवं , एसं ,------

बायक दु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० ग्रार० 1/4743/82-83—ग्रतः, मुझे, ग्रार० के० बकाया, वायकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृष्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एन० एस० नं० 10/3722(पी टी) है तथा जो घोरपवेव रोड, टक बन्दर रोड में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 18-6-1982। सी० एस० नं० 1/750 (पी टी) श्राफ माझ गांव डिव्हिजन, डाक्यमेंट नं० बाम्बे 2154/81

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती मणीबेन नानजी बिडे ऑफ णिवाजी रामजी केणवजी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुकेश मणीलाल शाह।।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम्बे 2154/81 श्रौर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 18-6-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई।

तारीख: 15-2-1983

त्ररूपु आद्दैः, टी., एनु., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-I वम्बई,
बम्बई, विनांक 17 फरवरी, 1983
निर्देश सं० ए० ग्रार०-1/4833/82-83:—ग्रतः मझे, ग्रार०

के० बकाया, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 33-ए सडहर्स्ट रोड (पिष्वम) इस्टेट श्राफ बाम्बे म्युनिसिपल्टी है तथा जो सडहर्स्ट रोड, (पिष्वम), बाम्बे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के श्रधीन, तारीख 1-5-1982 डाक्यूमट, नं० 1/4524 श्रीर कोठारी मणन नाम का मकान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योधय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. श्री चन्द्रकुवरी जैन दातावया ग्रोपधालय ट्रस्ट। (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स हर्ष ट्रेडर्स (पी०) लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

3. भाहोती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग, में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत संस्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्वध्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रतिनयम के श्रध्याय 20क में परिमाधित है, वही भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भनुसूचि जैसा कि विलेख सं० 1-4524 और जो उपर्राजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> न्नार० के० बकाया मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई।

तारीखा: 17-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 अम्बर्द।

बम्बई, दिनांक 17 ग्रन्तूबर 1983।

निर्देश सं० ए० म्रार० 3/2200/82-83:—-म्रतः मृझे, म्रार० के. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् उक्त अधिनियम काहा जाएगा) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1075, 1076 भौर 1107 है तथा जो बाकोला, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5-6-1982 डाक्यूमेंट नं० एस० 550/78।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री मूनिर श्रसगरश्रली 2 मुकबिल श्रसगरश्रली, 3. महमूद असगरश्रली 4 गोल्ड काइन बिल्डर्स।
- श्रोसीसेस इंडस्ट्रयल त्रिमाईसेस कोग्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए , कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यक्तं सची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 550/78 ग्रीर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनोक 5/6/82 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> आर० के० वकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, 3 बम्बई।

तारीख: 17-2-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 16 फरवरी, 1983

सं० राज/सहा० ग्रा० प्रर्जन/1695:——यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो सोजत सिटी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सोजतिसटी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4 जुन, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त संपर्ति का उभित बाबार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तय वामा मया प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्बत में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है स्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बायस्त, उनस अधिनियम् से अधीन कह देने के अन्तरक से दायित्य में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत्ः अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घृकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तितुर्यों, अर्थात् ः—

- 1 सर्वश्री गोपीकिंगन, बस्सीराम, प्रवरलाल, दिपका राम (5) खीमाराम (6) मोहनलाल पुत्रान गणेशी लाल एव श्री गणेशी मल पुत्र रिधजी, भेरा भावी, सोजत सिटी। (ग्रन्तरक)
- श्री हेमराज पुत्र श्री हीरा चन्द जी जाड़न नियर डाक बंगले के पास सोजतिसटी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए। कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों से 45 दिन की अविध् या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कहा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकांगे।

स्पस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिश्चम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अपुस्ची

भिम 9 बीघा स्थित डाक बंगले के पास, सोजत सिटी, को उप पंजियक, सोजत सिटी द्वारा कम संख्या 1171 दिनांक 4-6-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ध्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर।

सारीख: 16-2-1983

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 फरवरी, 1983

निर्देश सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1697:—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा विकिन्स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सोजत में हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सोजत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. विकासित व्यक्तियों, अर्थात :--

3-516 GI/82

 सर्वश्री गोपीिकशन (2) बस्तीराम (3) श्री भंवर लाल (4) टिकम राम (5) श्री खींवाराम (6) मोहन लाल पि॰ गणेश जी (7) गणेश राम पुत्र रिहाजी मालीयान सोजत।

(ग्रन्तरक)

2' श्री लक्ष्मीचन्द पुत्न पुखराजी (2) हर चन्द पुत बसतीमल जी (3) जनरीलाल पुत्न घीसालाल (4) ग्रशोक कुमार पुत्न हुकमीचन्द, हुकमीचन्द एण्ड सन्स, सोजत सिटी (पाली)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 11 बीघा 10 बिस्वा स्थित डाक बंगला, सोजत सिटी, जो उप पंजियक, सोजतिसिटी द्वारा कम संख्या 1173 दिनांक 4 जून, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 फरवरी 1983

निर्देश सं० राज/सहा आ अर्जन/1696:---यतः मुझे, मोहन सिंह.

नायकार वीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० भूमि है तथा जो सोजत सिटी में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सोजत सिटी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4 जन, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ---

 सर्वेश्वी गोपीकिशन, बस्तीराम, भवरलाल, किक्काराम मोहनलाल पुत्र श्री गणेश जी एवं श्री गणेश राम पुत्र रिधाजी नि० सोजत सिटी।

(ग्रन्तरक)

 श्री मरूधर ऐसोसियेटस द्वारा हुकमीचन्द ब्रदर्स, सोजक्ष सिटी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया ही।

अनुसूची

12 बीधा भूमि स्थित जाक बंगले के पास, सोजत सिटी जो उप पंजियक, सोजत सिटी द्वारा कम संख्या 1172 दिनांक 4 जून,82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी महासक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, जयपुर।

ंदिनांक 16-2-1983 महिर प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को वभीन सुणता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्वेश सं० खरड़ /12/82-83--- श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ज के जभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रा. से अभिक **ह**ै ग्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 37, फेज 9 है तथा जो मोहाली, जिला रोपड़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्वादय से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक

स्प् से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सींधीयबंध के बंधीन कर दो के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंधने में सृविधा के लिए; और्/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, कुर्वात :-- श्री अस्बिन्दर सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह वासी जी॰ टी॰ रोड गोराया, जिला जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्री बखसिन्दर सिंह पुत्र श्री मिलखा सिंह वासी मकान नं० 14, सैक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्योकरणः-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

्लाट नं० 37, फेज्रा 9, मोहाली जिला रोपड़ में स्थित हैं। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2573 श्रगस्त 1982 में दर्ज हैं।)।

> सुखदेव चन्दः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 15-2-1983

मोहर 🔅

प्ररूप गाई. टी. एम. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 फरवरी 1983

निर्देश सं० चण्डी/70/82-83:— ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 5 मरले हैं तथा जो गांव बुड़ियाल, यू. टी० चण्डीगढ़ सें स्थित हैं (श्रीर इससे उपावश्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, जून, 1982

को पूर्विक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रजिन्दर सिंह पुत्र श्री शिवराज सिंह वासी गांव बुड़ियाल, यू० टी० चण्डीगढ़।

(भन्तरक)

 श्री मोहिन्दर कुमार नन्दवानी पुत्र श्री केशो राम नन्दवानी वासी कोठी नं० 17, सैक्टर 19-ए०, चण्डीगढ़।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस, से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 15 मरले है श्रीर जो गांव बुड़ियाल, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 363, जून, 1982 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीखं: 11-2-1983

महिर 🛭

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 फरवरी 1983

निर्देश सं० चण्डी ०/71/82-83:—ग्रतः मुझे, सुखदेव सन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरुधास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 719, सैक्टर 40-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन, तारीख जुन, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह िर्श्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों नर्थात् :--

- श्री मुरारी लाल गुलाढी पुत्र श्री गोपाल वास गुलाढी श्र श्रीमती सुखिबन्दर गुलाढी पत्नी श्री मुरारी लाल गुलाटी वासी 1386-ए, सैक्टर 20, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- कैप्टन परषोतम लाल टण्डन पुत्र श्री सोहन लाल टण्डन व श्रीमती इन्दिरा लाल पत्नी कैप्टन परषोतम लाल टण्डन वासी 2125, सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरितौ)

को यह सृषना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना, के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परिस में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पध्यीकरणः --- ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 719, सैक्टर, 40 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 395, जून, 1982 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-2-1983

महिर :

प्ररूप साइ . टी. एन्. एस्. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 फरवरी 1983

निर्देश सं० खरड़/8/82-83 :-- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिशयम' कहा गया है।, धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का[्]कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अभिक है श्रौर जिसकी संब्प्लाट नंव 803, फेज तथा जो मोहाली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते श्रह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके एक्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और

बन्सरिसी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण

निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के शिष्ट;

 श्री बासू देव पुत्र श्री भीमा राम वासी नेहरू नगर, माजल टाउन, पिट्याला।

(भन्तरक)

2. श्रीमित रधबीर कौर गिल पत्नी श्री धर्म सिंह गिल मकान नं० 203, फेस 1, मीहाली ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित विश्व किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस स्ध्याय में दिया नमा ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 803, फेज नं० 3-बी-1, मोहाली। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1948, जुन, 1982 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजैन रेंज, लुधियाना ।

अतः। अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्।---

तारीख / 11-2-1983

मांहर 🕄

प्रकृप बाइ .टी.एन.एस. ---

कायकर अभि<u>र्</u>तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीत सुचना

शारत तरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 फश्यरी 1983

निर्देश सं० चण्डी०/76/82-83 :—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 335, सैक्टर 25-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट है और मूओ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिक कव, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण मिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारण वन्ति हैंसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सिलक राज ब्रिहान, श्रीमती सुरिन्दर बाला,
 श्रीमति पवन भसीन वासी 216, सैम्टर 16-ए,
 चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती बलबीर कार पत्नी श्री चरणजीत सिंह वासी श्रार०, 38, राजौरी गारङ्न, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्ति ;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनलची

मकान नं. 335, सैंक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 427, जून, 1982 में धर्ज है।

> सु**खदे**व चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारो**ख** - 10−2−1983 —

प्रकृष बाइ, टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 फरवरी 1983

निर्देश सं वण्डी ० / 74/82-83: — अतः सृक्षे, सुखवेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० मकान नं० 35, सैक्टर 27-ए, है तथा जो चण्डीगढ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में

सौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जून, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्तह

प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किप्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनरी, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब् उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण वाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को जधीन, निम्मलिबित व्यक्तियों, कर्यात् हिल्ल श्री सत्तपाल कपूर पुत्र श्री बाल कियान वासी, आई० बी० आई० हौंसिंग, कालोगी, जाख्य, शिमला, (हि०प्र०)।

(भ्रन्तरक)

2. श्री संजय होड़ा (माईनर) पुत्र डा० सुभाष चन्दर होड़ा व डा० (श्रीमती) शीमा होड़ा पत्नी डा० सुभाष चन्दर होड़ा, मकान नं० 119, सैंबर्टर 6-ए०, चण्डीगढ़।

(भ्रम्तरिती)

(3) श्री जे० एल० सौन्धी वासी भकान नं० 35, सैक्टर 27-ए,चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के एअपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्बारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थल्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों जीर पर्वों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा यो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसुची

मनाम नं० 35, सैक्टर 27 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 16, जून, 1982 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-2-1983

मोहर

प्रकप बाद् . टी . एव . एस . ------

णायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1983

सं० चण्डीगढ़/73/82-83--फ्रतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 1290 सैंक्टर 34सी हैं तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधवारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाव की वाबहर, उक्त अधिनिय्स के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

अतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

(1) कैंग्टन भुखदेव सिंह गरेवाल पुत्र श्री चमन सिंह ब्लाक जिबलपमेंट व पंचायन आफिसर जालंधर पूर्व।

(श्रन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार गोंयल व श्री विन्दर पाल गोयल पुतान श्री चिरन्जी लाल ग्रोबर मार्फत एम०बी० इंडस्ट्रीज 87 फेज 11 इंडस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़ 1

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वध्वीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसुधी

प्लाट नं० 1290 जोकि सैक्टर 24 सी० चण्डीगढ़ में स्थित हैं।

(जायबाद जोकि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 402 जून, 1982 में दर्ज है।

मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज लुधियामा

तारीखा: 10--2-1983

मोहर

शरूप बाई.टी.एन.एस.-----

भारत २ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1983

सं० चण्डी०/65/82-83--- प्रतः मुझे सुखदेव चन्दः, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त स्थिनियमः' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 495 सैंक्टर 20 ए० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी ग्रधिकारी के कार्याक्य चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त् अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाइर प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए थी, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गनपत राम शर्मा पुत्न स्व० श्री शंकर दास व श्रीमती मुक्ता पत्नी श्री गनपत राम शर्मा वासी मकान नं० 1572। सैक्टर 18 डी० चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री राम लाल, व शाम लाल पुद्धान श्री ग्राश किरण वानी मकान नं० 495, सैक्टर, 20 ए, चण्डीगढ़

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं॰ 495, सैक्टर 20 ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 326, जून, 1982 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 16 जनवरी 1983

निदेश सं० हिसार/37/82-83—यतः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 7 मरले है तथां जो सात रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

कते पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री भाग चन्द्र, बाला, बिरसाला, ऊधा पुतान श्री तेजा पुत्र मुखदास--4/5 भाग बलवान, कोलू पुतान कालिया--1/5 भाग निवासी सात रोड, हिसार।

(अन्तरक)

(2) म० विनोद श्रायल एवं जनरल मिल्स, देहली रोड, हिसार द्वारा श्री भगवान दास, पार्टनर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पैंदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

सम्पत्ति भूमि 15 कनाल 7 मरले, सात रोड, हिसार में स्थित है जिसका प्रधिक विषरण रजिस्ट्री संख्या 1024, दिनांक 7-6-82, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में विया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, रोहतक

तारी**ख** . 16—2—83 मोहर : प्ररूप मार्थं .टी . एमं . एस . ------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के यशीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेज, रोहतक रोहेतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदेश सं० हिसार/66/82-83---यतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रत. से **अधिक है**

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 100 कनाल है तथा जो बीर, हिसार में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीखा जून, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिशत का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रति-फाल, निम्नीलिखित उ**द्द**ेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; जॉर/बा
- (म) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा भा किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविभा के लिए;

अल: अ.व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, **बनुसरण** में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार्ग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भी हसनव सिंह पुत्र वलीप सिंह पुख़ चाम्द सिंह निकासी एडीशनल प्यारा बाली गली, बीर, हिसार ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री लाजपनराय, यशवन्त राय, वीरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, नरेन्द्र कुमार, पुतान बलवन्त राय, पुत्न भगवान दास, निवासी बाजार खजानिचया, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसद्धद्व किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 100 कनाल, बीर, हिसार में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री संख्या 1262, दिनांक 22-6-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **रोहत**क

तारी**व**: 16-2-83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदेश सं० हिसार/49/82-83—यतः, मुझे, ग्रार० के० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. रो अधिक है

प्रौर जिसकी सं० भूमि 88 कनाल 19 मरले हैं तथा जो बीर, हिसार में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं िकसी आय को बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री विजय कुमार खेड़ा, पुत्र सुख दयाल खेडा, निवासी हिसार द्वारा श्रीमती सुदेश कुमारी खेडा विश्रवा सुख दयाल खेडा, निवामी नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र कुमार, बीजेन्द्र कुमार पुत्र कुंज लाल श्रीमती मेवा बती विधवा कुंज लाल, श्रीमती सरोज रानी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद श्रीमती संतोष रानी पत्नी बीजेन्द्र कुमार निवासी हिसार मार्फत रावनी इम्पोरियम, राजगुरू मार्केट, हिसार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 88 कनाल 19 मरले बीर में स्थित है जिसका ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री संख्या 1322, दिनांक 23-6-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखाः 16--2-83

इक्ष्य जाइ .टी.एन.एत.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम भ्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि 100 कनाल है तथा जो बीर, हिसार में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1982

को प्वाँक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुं इं किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अप उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री करमा घन्द पुत्र श्री गोपी नाथ राम चन्दर नि० बीर, प्लाट नं० 11-पी०, हिसार ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण, नायू राम एवं गिरधारी लाल, सूरज भान, चन्दर भान पुक्षान श्री नारायण, नि० सोनीयान, हिसार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 100 कनाल, बीर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री संख्या 1207, दिनांक 17-6-82 पर दिया है।

> ग्नार**ं के० भयाना** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहप्तक

तारी**ख**: 16-2-83

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निवेश सं ० हिसार / 52 / 82 – 83 – यतः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 50 कनाल है तथा जो बीर, हिसार में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) डा० जी०बी० प्रिमिहोसी, पुत्र सोम नाथ श्रीमती जीवा बाई, बीर, हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राज सिंह एंड सन्स, एच० यू० एफ० द्वारा डा० ग्रार० एस० मलिक, हिसार ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकींगे।

स्पद्धीक्रण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 50 कनाल, बीर, हिसार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री संख्या 1419, . दिनांक 29-6-82 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

तारीच : 16-2-83

अरूप **जार**ं. टी. एन. एस. ------

लाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के लभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निवेण सं० हिसार/217/82-83-यतः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्परित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रू. ते अभिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 3 कनाल 8 मरले है तथा जो विजय नगर, हिसार में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार से राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नीलिक उद्वेश्य से उचत अंतरण शिक्ति में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उसत निभ्-नियम के अभीन कर दोने के अंतुरक के सामित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए और/का
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या कत्य जास्तियों को, बिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकता निधित्यम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या का या किया जाना चाहिए जा, जियाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) म्रनिल कुमार एवं विपन कुमार पुत्रान राज कुमार संरक्षक पुष्पा देवी क्वाटर नं० 15, 8 मरला, कालोनी, पटेल नगर हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. कृष्ण लाल एवं सुभाष चन्द्र पुन्नान बनशा राम निवासी श्राबादी बाग गेखों मुलतानी चौक, हिसार—32/100

- भजन .दास पुत्र मूल मन्द निवासी बी, XII-108 हिसार --- 12/100
- राजिन्द्र कुमार पुत्र गोरधन दास निवासी बी, XIII-263, हिसार,
- 4. राम प्रताप पुत्र गोरधन दास निवासी बी, XIII-263 हिसार — 5/100
- सुभाष चन्द्र पुत्र भजन दास,
 बी-XII हिसार--12/100
- 6. कृष्णा वन्ती पत्नी राम किशन ृगीता भवन, रामपुरा, हिसार—8/100
- लक्षा राम पुल गंगा राम 8/100, 4 मरला कालोनी, फतेहाबाद
- श्रीम प्रकाश पुत्र लधा राम निवासी रेलवे रोड, बीकानेर,—5/100
- राम प्यारी पत्नी हरी चन्द्र नि० लाल मस्जिद, भिवानी—-5/100

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां, करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्धों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 कनाल 8 मरले, विजय नगर, हिसार में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रेजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रेजिस्ट्री संख्या 988, दिनांक 5–6–82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख** : 16—2—83

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

र्जिन रेंज, रोष्ट्रतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदेश सं० हिसार /202/82-83--यतः, मुझे, स्नार० के० भयाना.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 43/382 भाग 19 कनाल 02 मरले का है तथा जो हिसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण इप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख सितम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक ल से, ऐसे दश्यमान प्रतिक ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिकल, निम्नितिचत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक इप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निलि**सित व्यक्तियों, अर्थात् :---**5---516 GI/82 (1) नन्द किशोर, मदन लाल, रमेश कुमार पुत्रान श्रीमती विमलेश श्रीमती परमेशर बाई विधवा श्री दीना नाथ, निवासी चार मरला कालोनी, फतेहाबाद।

(अन्तरक)

- (2) 1. रविन्दर कुमार पुत्र भीम सैन,
 - 2. श्रन्जना पत्नी यगदूत,
 - सतपाल, प्रशोक कुमार पुत्रान क्षी उद्या राम,
 म०नं० 221,ब्लाक 18, मौ० डोगरान, हिसार
 - श्रीम प्रकाण पुत्र गोरधन,
 निवासी मुलतानी चौक, हिसार,
 - रमेश कुमार पुत्र परमात्मा वित्ता मल, निवासी ढानी
 - 6. सन्जला, निवासी फतेहाबाद
 - 7. भजन दास पुत्र मूल चन्द
 - 8. सुभाष चन्द्र पुत्र भजन दास
 - राजिन्द्र कुमार पुत्र गौरधन दास निवासी मुलतानी चौक, हिसार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 19 कनाल 2 मरले का 43/382 भाग हिसार में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 2389, दिनांक 15-9-82 पर दिया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायळऱ श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-2-83

प्रस्प बाई . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदेश सं० हिसार/220/82-83-यतः मुझे, श्रार० के० भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 51 कनाल 7 मरला है तथा जो बीर, हिसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए गय पाया गया शित-फल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिक्षित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिणान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती सरता देदी पुत्री श्रीमती विद्या बन्ती.
प्लाट नं० 58 ए० बी०, बीर, हिसार, पी० ग्रो० सैक्टर-2, हिसार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगपाल सिंह, राधा कृष्ण, गंगा विशन, रघुवीर सिंह, कांशी राम एवं सुखबीर सिंह पुतान श्री चन्द्र लाल, गूजर पड़ाव गुजरान, हिसार, ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 51 कनाल 7 मरले बीर में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार ^त में रजिस्ट्री संख्या 1135, दिनांक 12–6–82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-2-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा ३७- घ(1) के श्रिक्षीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदेश सं० पानीपत/77/82-83-यतः मुझे, ग्रार० के० भयाना भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके अनात् 'उपत निर्धात्यम' कहा या है), की धारा 26 म है है प्रश्नीत नज़म प्राधिकारी का, म विश्वास रहते मा मार्ग है कि स्थावर मंगीत, जिमका उचित बाजार मुब्द > 5,000 - २० में ब्रिकित है श्रौर जिसकी सं० 2 बीघे 8 बिस्वे 9 बिस्वानी है तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध **ग्र**नुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख जून, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पनदृह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त जिमानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्क बचने में सुविधा के लिए; और/मा

्षे हवा प्राथ मा किसी वन या अन्य आरित्र मों को, जिन्हें भारती आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) मा उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्य अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गमा वा मा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः कवं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बन्तरण में, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के विधीन निम्निसित व्यक्तियों, वर्णातः (1) श्री देवी लाल पुत्र चिरन्जी लाल पुत्र हीरा लाल, किशन चन्द, ग्रौम प्रकाश, जगदीश प्रसाद, पुतान, रती राम पुत्र तिरखा राम, वार्ड नं० 11, पानीपत।

(श्रन्तरक्)

(2) म० केवल कृष्ण मेहरा पुत्र श्री धनी राम, टैक्सटाईल मिल्ज, 1/5 घी मंडी, गेट, ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत संम्प्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यायलयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2 बीघे 8 बिस्वे 9 बिस्वानी, तरफ इन्सार पानीपत में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या 1561, दिनाँक 3-6-82 पर किया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-2-83

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदेश सं० पानीपत/78/82-83—श्रतः, मुझे, श्रार० के० भयाना आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 2 बीचे 8 बिस्वे 8 बिस्वानी है तथा जो तरफ इन्मार, पानीपत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रिध- नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख जून, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देहरेय से उचित अंतरण निस्ति में वास्तिबक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण सों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री किशन चन्छ पुत्र श्री रती राम पुत्र तिरखा राम निवासी वार्ड नं० 11, पानीपत।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० केवल कृष्ण पुत्र श्री धनी राम, टैक्सटाईल मिरुज, 1/5 घी मंडी, ग्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

को **यह** सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उनक सम्मीस को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस तूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से । 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीकत्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

मनुसुची

सम्पत्ति भूमि 2 बीघे 8 बिस्वे 9 बिस्वानी, तरफ न इन्सार पानीपत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 1662, दिनांक 3~6—82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 16-2-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निर्देश सं रोहतक/50/82-83-यतः मुझे श्रार० के० भयाना, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० प्लाट क्षेत्र० 847 2/9 व०ग० है तथा जो रोहतक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रोहसक, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुरु यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विधा के लिए;

जत्तः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित्:—— (1) श्री गुरमीत सिंह पुत्र चंचल सिंह सुख चैन सिंह, पुत्र दर्शन सिंह मकान नं० 580 बार्ड नं० 16, ध्रार्य नगर, रोहतक

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण सिंह पुत्र श्री बख्तावर सिंह जयनारायण सिंह पुत्र बखतावर सिंह जगबीर सिंह पुत्र गजे सिंह वीरेन्द्र सिंह पुत्र माल्हा राम इन्डस्ट्रीयल कालोनी, रोहतक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसव्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुस्ची

सम्पत्ति प्लाट जिसका क्षेत्रफल 847 2/9 व० ग० रोहसक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्सा के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीसंख्या 1610 दिनांक 30-6-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना ़सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-2-1983

प्ररूप बाइं. टी., एत्., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदेश सं० सोनीपत/138/82-83---म्रतः मुझे ग्रार० के० भयाना,

श्रायकर श्रिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख श्रिधीन पश्चम प्राधिनारों की, उर विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या दुकान है तथा जो लाजपतराय मंडी, सोनीपत में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 82 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरितों की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी वन या अन्य शास्तिया को जिन्हों भारतीय आय-कर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री दलीप पुत्र जोघा पुत्र बदलू (भ्रन्तरक) रिसाल सिंह चन्दर भान, करतार सिंह पुत्र जयलाल पुत्र नोनन्द नि० किडोली, प्रहलादपुर ।
- (2) श्रीमती राजरानी पत्नी सेवा राम पुत्र रामेश्वर दास नि० बेसन मन्डी, सोनीपत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्विक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान लाजपतराय मन्डी, सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 881 दिनांक 9-6-82 पर दिया है।

> आर० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसुख्या है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 16-2-83 मोहर: प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अघीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन येंज, रोहतक । रोहतक, दिनांक 16-2-83

निदेश संख्या सोनीपत/39/82-83--- ग्रतः मुझे श्रार० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान है तथा जो लाजपतराय मन्डी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जून, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना नाहिये था छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1! के अधीर, निम्निलिखित क्यक्तियों, अधित्:—

- (1) श्री कृपा राम, बन्सी, जुगलाल पुत्रान लख्ठमन (ग्रन्तरक) दरिया पुत्र बिहारी लाल वेद प्रकाश पुत्र स्रोम प्रकाश रामपाल पुत्र राम करण नि० किडोली प्रहलादपुर ।
- (2) श्रीमती मुमिल्ला देवी पत्नी रोशन लाल पुत्र जानकी दास नि० बेसिन मन्डी, सोनीपत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनका वर्ष

सम्पत्ति दुकान लाजपतराय मन्डी सोनीपत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 883 दिनांक 9–6–82 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-2-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 16 फरवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रूज. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि 5671 व० ग० है तथा जो कुन्डली में हि त है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोनीयन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 1) के श्रधीन, दिनांक जुन, 82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण. लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री भारत भूषण मार्फत मैं० मोहन लाल एन्ड सन्ज, 27/29 ईस्ट पटेल नगर, देहली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० एन० केजरी लाल पुत्र एन० पी० केजरीयाल सी०--6, साउथ एक्सटेन्शन पार्ट--JI, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति ग्रां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य अविकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 5671/व०ग० कुण्डली में स्थित है जिसका श्रधिक वरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपन में, रजिस्ट्रीसंख्या 41 दिनांक 11-6-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 16-2-83

प्रारुष् बाइं.टी. एन . एस . -------

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त जायुक्त (निर्शेक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० सोनीपत/40/82-83 अतः मुझे आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित राजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या दुकान है तथा जो लाजपत राय मन्डी, सोनीपत में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक जून 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगपाल सिंह पुत्र श्री सरदार। नि॰ मीर खेडी

(अन्तरक)

(2) श्री राम निवास पुत्र रामेश्वर दास रोशन लाल पुत्र जानकी दास दुकान नं० 35 ए, लाजपतराय मन्डी, सोनीपत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजएतृ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सम्बद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

सम्पत्ति दुकान लाजपत राय मन्डी सोनीपत में स्थित है जिसका ग्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण संख्या 886 दिनांक 9--6-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहेतक

तारीख: 17-2-83 मोहर: प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहराक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1983

निदेश सं० सोनीपत/57/82–83––श्रतः मुझे स्नार० के० क्याना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या भूमि 5680 वर्ण है तथा जो कुन्डली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 82 को पूर्वोक्त सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबस, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों. अर्थात:—— (1) श्री भारत भूषण पुत्र मन मोहन नि॰ वेह्नशी।

(बन्तरक)

(2) श्री के० एन० केजरीबाल पुत्न एन० पी० केजरीबाल नि० सी–6, साउथ एक्सटेन्शन, पार्ट–II नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उसा अध्यायः में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 5680 व०ग० कुन्डली में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में, रिजस्ट्री-संख्या 1243 दिनांक 29-6-82 पर दिया है।

> न्नार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- रोहतक

तारी**च**: 16-2-83

प्ररूप **नाइ^१.टी.एन**.एस.,------

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 16 फरवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 59-ई० है तथा जो माइल टाउन हिसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का
बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूपु से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उक्क व्यक्त में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ७--- (1) श्री अवतार चन्द्र पुत्र विशनवास पुत्र निया राम, भाडल टाउन, हिसार राम गोपाल पुत्र वर्शन राम, हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री नदून्द्र नाथ पुत्र डा॰ द्वारका दास श्रिनल कुमार पुत्र नन्द लाल पुत्र झांगी राम म॰ नं० की-ई० माडल टाउन हिसार।

(बनारिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जंभ के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो छक्त घणि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो छण अध्याय में दिया गया है।

अनु**स्**ची

सम्पत्ति मकान नं० 59-ई, माडल टाउन, हिसार में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 999 विनांक 7-6-82 पर दिया है।

> मार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-, रोहतक

तारीख: :16-2-83

त्रक्ष आई . सी . एवं . एस . -----

भावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा ? वश-च (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० नोटीस सं० 510/82-83-प्रतः मुझे, श्रीमती मंजू माधवन

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा यया है, की धारा 269-क के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वधास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिषत बाजार मूल्य 28,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या सीएस नं० 122/1, ब्लाक नं० 15 वार्ड नं० 3 होसूर हुबली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची म भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-6-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्मां लिखित उद्वेष्य से उच्च अन्तरण विश्वित मा वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुन्हें किसी आय की बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी जन पा अप्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय शाय-कर भिष्ठित्यमः, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधितियम, या अन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, क्रिपाले में धुनिश्वा के लिए:

अ्त:, अ्ब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नृतिखितु अ्यृत्वित्युर्हें, अधीत् थ —

- श्री बी० मास० जिप्पेस्वामी (ग्रन्सरक) नं० 407, सदािषाय नगर, बंगलीर ।
- 2. श्री पी० के० लालगें सराफ़ हलीकाल साल हुंबसी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वीक्त सम्मृत्ति की वर्षन की निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृतित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भं प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ↓5 दिन के भीतर अनद स्थावन सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य अधिक ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्किरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 706/82-83 दिनांक 23-6-1982) संपत्ति जिसका सर्वे नं० सी० एस 122/1, ब्लाक नं० 15 वार्ड नं० 3, होसूर हुबली में उपस्थित है।

> मंजू भाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, बंगलर

तारी**ख**: 14-2-1983

मोहर ध

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 142/4, है तथा जो V कास, राजमहल विलास एक्सटेनगन में स्थित है (ग्रीर इसते उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन दिसांक 30-6-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफट के लिए अंतरिती की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकद निम्नौसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की अपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिश्चित ब्युक्तियों, अर्थात् :-- श्री आर० अनन्त राजम्या ए० राजन
(मैनर) ए० सरोजा नं० 142/4-ए V कास
राजमहल विलास एक्सटेनशन, बंगलूर। (अन्तरक)

श्री बी० एस० वेलायुदन
 142/4, राजमहल विलास एक्सटेनशन, बंगलूर
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन का दारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नन्सूत्री

(दस्तावेज सं० 947/82--83 दिनांक 30-6-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 142/4, जो V ऋास (फ़स्ट फ्लोर) राजमहल विलास एक्सटेनशन, बंगलूर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बंगसूर ।

तारीच : 14-2-83

मोहर 🗓

प्रस्प बाई. टी. पुन. एस.. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 9 फरवरी 1983

नं० सी०श्वार० /35308/82-83-पतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 2997 है तथा, जो टम्पल रोड, वाणी वीलास मोहल्ला मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मैसूर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख 15-6-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब् उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन: निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) डी॰ श्रीकंडपा
 - 2. श्री दी० वी० नागराजा राव बै० पी० ए० हील्डर डी०एस० एन० राव
 - 3. श्री डी० श्रीनिवासा
 - 4. श्री डी०वी० सेंसुराम राव
 - 5. श्रीमती डी० विशालक्षम्मा
 - 6. श्रीमती डीं० सरलम्मा, नं० 2997

टैप्पल रोड, वी०वी० मोहल्ला मैसूर

(श्रन्तरक)

(2) पी०एम० चन्नबसवन्ना सन/म्नाफ श्री पी० मल्लका, नं० 2707, I मैन, वी०वी० मोहल्ला, मैसूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के गुजपूत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 1255/82-83 दिनांक 15-6-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 2997 जो टैप्पल रोड, बानी विलास मोहल्ला मैसूर में स्थित हैं।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकुर आयुक्स (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज, बंगसूर

तारीख: 9-2-1983

प्ररूप आर्थः टी. एन . एस . -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयुक्त (निरक्षिण्) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1983

नं० सी० ग्रार० /35447/82-83---ग्रतः मुझे मंजू माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थाबर सम्परित, जिसका उण्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या एम० टी० एम० 719/506 है, तथा जो पेटे बीदी, मन्डया में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मन्डया में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 24-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंत्रण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कार्यन क्या है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बांबत., उक्त श्रीभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्य में कभी करने या उत्तत बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी बाब मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जुधीन। निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधृति :--- एम०एस० प्रभाकर
 पुत्त श्री डा० सीनप्पा
नं० 14, IX मैंन,
 36 कास V स्लाक,
 जयनगर, बंगलूर II

(म्रन्तरक)

(2) नीला मेघनाथन नं० 85, पैप लैन XI कास, मल्लेंग्रवरम, बंगलूर-3

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवस्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर अधिकत स्वानतां में से किसी व्यक्ति स्वानता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाड निवित में किए वा तकोंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्की

(वस्तावेज सं० 804/82-83 दिनांक 24-6-82) सम्पत्ति है जिसका सं० एम० टी० एम० 719/506 जो पेटे बीदी, मन्डया, में स्थित है ।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज बंगलुर

तारी**च**: 10-2-83

मोहुरु 🗓

प्रकृप वार्च. दौ., एत्. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

सं० सी० ग्रार० 62/35431/82-83---यतः मुझे मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० 120, 121, 135, 136 ग्रौर 137 है तया जो केलालावाडी विलेज, जयपुर, होली मैसूर तालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सी ग्रीधकारी के कार्यालय, मैसूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-6-1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्देष से उक्त जंतरण लिखत में वास्तुषक रूप से किथा गर्मी किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम,, निम्नुलिखित व्यक्तियों, नर्धात् ः— (1) श्री शिवाजी मोहिद्दीन बी॰ नं॰ 3207/6, लशकर मोहल्ला मैसूर

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता मौन मुनिराबी, पत्नी श्री मौन श्रबु महमेद नं० 166 (1666) हनुमन्तराव स्ट्रीट वेबराज मोहल्ला, मौसूर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माध्यीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मनुस्ची

(दस्तावेज 227/82-83 दिनांक 23-6-1982) सम्पत्ति है जिसकी सं० 120, 121, 135, 136 घोर 137 जो केलालावाडी विलेन, जयपुर होक्ली, मसूर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रजैन रेंज, बंगसूर

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप बाईं, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-**प (1) के अभीन स्पनन**

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फ़रवरी 1983

सं० सी० ग्रार० 62/35200/82-83--- ग्रतः मुझे मंजू माधवन

गायकर गृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तित जिसका उचित गाजार मृख्य 25,000/- सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 142/4 है, तथा जो V कास, राजमहल विलास, एक्सटेंभन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिज्स्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधीनसर में स्जिस्ट्रीकरण ग्रधिवियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5+6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्मान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावृक्षेक्त संकित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) करारण से हुई किसी अस की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में ००० अन्य या उससे बचने में सृविका के लिए; बीर∕मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपथासा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) म्रार० म्रुनन्तराजय्या ए० राजन (मनर), ए० सरोजा, नं० 142/4ए V कास, राजमहल विलास, एक्सटेनशन, बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री बी०एस० राजगोपाल नं० 142/4, V क्रास राजमहल विलास, एक्सटेंनशन बेंगलूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचिता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सहारित के अर्जन के सम्बन्ध में केंद्र भी माध्येप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारित से 45 चिन की जनिय या तत्सकारि व्यक्तिका एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जरे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 948/82-83 तारीख 5-6-1982) सम्पत्ति है जिसकी सं० 142/4 जो V कास (ग्रींड फ्लोर पोरणन ग्रोनली) राजमहल विलास एक्सटेनणन, बेंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगजूर

तारीख: 14-2-1983

मोहरः

7-516 GI/82

्र प्रहर्प आ इर्षे. टी. एन्. एस. ----., 1961 (1961 का 43) की

अाय्कर ऑधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1983

सं० सी० ग्रार० नं० 62/509/82-83--श्रतः मुझे, मंजू माध्यन

नायकर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

क्रीर जिसकी सं सी टी एस नं 542 एंड 543 डी है, तथा जो हाथी कलसाला एम जी मारकेट, हुब्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्री क्रिंसी अधिकारी के कार्याक्ष्य, हुब्ली में रिजर्ट्री वरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शधीन तारीख 30-6-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन. निम्निनिश्चित स्थितिसयों, अर्थात् :---

- (1) श्री महदेवा नारायणसा मिसकिना सावाडी ग्राम रोना तालुक
 - (2) श्रीमती बेकूबाई, पत्नी श्री बेंकटेश चावान, इस्लामपुरी, गंगावति

(ग्रन्तरक)

 श्री वादासाहेब नामदेव जादव हाथीकलासाला, हुब्ली,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सभ्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है

अनुसूची

(दस्तावेज 787/82-83 दिनांक 30-6-1982) सम्पत्ति है जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 542 और 543 डी, जो हाथीकलासाला एम० जी० मार्केट हुब्सी में स्थित है।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 14 फरवरी, 1983.

मोहर : :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

नगर्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1983

सं॰ सी॰ ग्रार॰ 62/35836/82-83--श्रतः मुझे मंजू माधवन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 56/55, हौस, नं 9/26 है, तथा जो कारावाले वाउगा, ब्लाक नं 9 मडकेरीट।उन में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, मरकेरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-7-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित्त की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, जिम्मिनियत उपविश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तरिक रूप से कियत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ए'सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्भात्ः— (1) श्री एम० एम० पूनच्या पुत्र श्रो एम० पी० मनदाया ग्रसिस्टेंट इंजीनियम पी० डब्स्यू० डी० वीराजपेट

(ग्रन्तरक)

(2) डाक्टर जास्सी पैरेरा पुत्र श्री जी०ए० पैरेरा "स्वीट होम" किश्रिगोली डीं० के०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अर्वधि, जो भी अध्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्वस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा ही।

अनुसूची

(दस्तावेज 434/82-83 दिनांक 2-7-1982) सम्पत्ति है जिसका सर्वे सं० 56/55 जो कारावाले बाडगा ब्लाक नं० 9 मडिकेरीटीन में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रज़ंन रेंज, बंगलुर

तारीख: 10-2-1983

मोहर

प्रकृषे वाह .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 11 फरवरी 1983

सं० सी० आर० 62/35355/82--83----- प्रतः मुझे मंजू माधवन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 58 है तथा जो धरमराजा कोइस, स्ट्रीट शिवाजी नगर, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिकस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जून, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्पमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्पमान प्रितिफल से, एसे अध्यमान प्रितिफल का वन्त्रह प्रितिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रितिफल किन निम्नलिखित उद्दार्थ से उक्त अन्तरण निम्नत में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, डक्स अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तिसारों, अर्थात् ६—— (1) श्री जनाव के० महुमद, जयानुलाबुद्दीन प्रालियास बैजू, नं० 61/58 धमराजा कोडल स्ट्रीट सिविल स्टेशन, बंगलुर--1

(म्रन्तरक)

(2) के० एल० महमद कासिम भीर 6 लोग, नं० 9. ई० नं० II स्ट्रीट, लुब्बे मसजिद स्ट्रीट, कास सिविल स्टेशन, बंगसूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करकं पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीक रण:--६समें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसभी

(दस्तावेज सं० 874/82-83 दिनांक जून, 1982) सम्पत्ति है जिसका सं० (पुराना मं० 61) नया सं० 58 जो धमराजा कोइल स्ट्रीट डिचीजन नं० 54, बंगसूर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्दाक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलूर

तारी**यः** 11-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 फरवरी 1983

सं० सी० प्रार० 62/35439/82~83 - न्य्रतः **मुझे** मंजु माधवन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 158/2, 160/7, 160/2 श्रीर 154/4 है, तथा जो मेकेरी, चिलेख मेडिकेरी तासूक में स्थित है और इससे उपाबेद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मरकेरा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-6-1982

को पूर्वोक्स सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की गायत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक क वायित्व में कमी करने या खससे गभने मे पुषिधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किर्मी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 {1922 का 11} या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

द्यतः प्रवः उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अमृसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अभीत्:— श्री पी० उत्तम्या
 पी० यू० झानदम्या
 श्री पी० बी० बालकृष्णा,
 भेकेरी विलेज महकेरी तालुकः

(भ्रन्तरक)

(2) नीका सुकुमारन बैंक/ग्राफ एस० सुकुमारन, केयर/ग्राफ श्रीमती सी० के० मुसन्ना टेम्पल रोड, मडकेरी टीन।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई श्री आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को लारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की वविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियु का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(५स्तावेज सं० 382/82-83 दिनोंक 15-6-82) सम्पत्ति है जिसका स० 158/2, 160/7, 160/2, 154/4, मेकेरी, त्रिलेज मडकेरी तालुक में स्थित है।

> मं**जु माधवन** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) संजीन रेंज, बेंगलूर

ताची**य** : 9-2-1983

प्रकप बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 फ़रवरी 1983

निदेश सं० III-662/मर्जन/82-83-म्प्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं तोजी सं 5225, 14850 खाता सं 28, खसरा सं 1150 वार्डस 34 हो स् 478/267 है तथा, जो पूर्वी वोरिंग रोड पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजरद्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारीख 4-6-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रीमती इला रानी देवी पित स्व० गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह दुन्दू थाना बागमारा पोस्ट— दुन्दू जिला धनबाद

(मन्तरक)

(2) श्री मधुरेन्द्र कुमार पिता सिधेश्वर प्रसाद ग्राम—शैलवा—शाना थोडा सहन पोस्ट भेलवा —सिकन जिला पूर्वी चम्पारन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकवा 1 कटठा 5 धुर और 11 धुरको है तथा जो पूर्वी वोरीग पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 5325 दिनांक 4-6-82 में विणित है तथा जिसका निवन्धन जिला श्रयर निवन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न द्वारा है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन परिक्षेत्र बिहार पटना।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीच : 15-2-83

प्रकार नाही दी . एत् . एस . ------

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना। पटना, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० 3/663/ग्रर्जन/82-83--- ग्रतः मुझे प्रबोध कुमार दूवे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० तौजी सं० 5225, 14850 खाता सं०—28, खसरा सं० 1150, वार्ड सं० 34, हो० सं० 478/267 है तथा जो पूर्वी बोरिंग रोड, पटना म स्थित है (श्रीर इमस उपावस अनुसूची धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 4-6-82

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- बिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण संसुद्ध किसी आय की वायत, उक्त अभिनिय्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के किए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अत्य आस्तियां करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया भाषा किया जाना बाहिए था छिपानं में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उद्दत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, िम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती इला रामी देषी
म्ब० गुप्तेष्टवर प्रसाद सिंह
टुन्डू थाना बागमारा,
पोस्ट---टुन्डू,
जिला --धनबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शैलेन्द्र कुमार पिता श्री सिधेष्वर प्रसाद ग्राम--भेलवा, थाना---थोडा साहत, पोस्ट--भेलवा सर्विल, जिला पूर्वी चम्पारन

(भन्तरिती)

का यह सुधना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति से सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय पनका मकान जिसका रकवा 1 कट्ठा 5 घुर भौर 11 घुरको है तथा जो पूर्वी चम्पारन बोरिंग रोड पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 5326 दिनांक 4--6-82 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला मबर निबन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुम्मा है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्न, बिहार, पटना ।

तारीखा: 15-2-**83**

मोहरः

प्ररूप जाई. टी. एन. एस्.-----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) कं अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजेन परिक्षेत्र, बिहार, पटना । पटना, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निवेश सं० 3-664/म्रर्जन/82-83---मृतः मुझे प्रबोध प्रबोध कुमार दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० तौजी सं० 5225, 14850 खाता सं० 28, खसरा सं० 1150 वार्ड नं० 34 हो० सं० 478/267 है तथा जो पूर्वी वोरोग रोड पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध म्रमुस्ची भीर में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मिश्वकारी के कार्यालय पटना रजिस्ट्रीकरण भिश्वतियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 4-6-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसमों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती इलारानी देवी
पित स्थ० गुप्तेक्त्रर प्रसाध सिंह,
टुन्डू थाना बागमारा पोस्ट—टुन्डू
जिला धनबाद

(अन्तरक)

(2) श्री सिधेक्वर प्रसाद पताका नाम स्व० बैजनाथ प्रसाद निवासी ग्राम शैलवा थाना सहन पोस्ट भेलवा सर्किल जिला पूर्वी चम्पारन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि , को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति देशाः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्स्ची

जमीन मय पक्का सकान जिसका एकवा 1 कट्ठा 5 घुर भ्रौर 11 घुरको है तथा जो वीं बोरोग रोड पटना में स्थित है एंच पूर्णरूप सवसिका संख्या 5324 दनांक 4-6-82 में विणत है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुम्रा है।

> प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 15-2-83

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

ेभारत, सरकार,

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिह्र(र, पटना । पटना, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निदेश सं० 665/प्रर्जन/82-83--प्रतः मुझे प्रबोध कुमार

दूबे

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं तौजी सं 0-5225, 14850 खाता सं 28, खसरा सं 1150, वार्ड सं 0-34, हो 0 सं 0-478/267 है तथा जो पूर्वी बोरिंग रोष्ड पटना में स्थित है (भौर इससे उपलब्ध मनुस्वी ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-6-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविका के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती इला रानी देवी
पित स्व० गुप्तेम्बर प्रसाद सिंह
टुन्डू, थाना बागमारा,
पोस्ट---टुन्डू, जिला---धनबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री योगेन्द्र प्रसाद पिता—श्री सिधेश्वर प्रसाद ग्राम—भेलवा, थाना घोडा साहन, पोस्ट—भेलवा सर्किल, जिला—पूर्वी चम्पारन

(भ्रन्तरिती)

क्को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्जी

जमीन मय पक्का मकाने जिसका रकवा 1 कट्ठा 4 घुर श्रीर 11 घुरको है तथा जो पूर्वी बोरोंग रोड पटना में स्थित एंब पूर्ण रूप से है बासिका संख्या 5223 दिनांक 4-6-92 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कृमार दूबे सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, बिहार

तारीख: 15-2-83

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनाक 15 फरवरा 1983

सं \circ III 666/ग्रर्जन/82-83--ग्रतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तोजो नं० 51, थाना नं० 189, वार्ड नं० 2, हो० सं० 697, है तथा जो नावाटोंलो, डालटेन गंज, जिला पंलामू, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय प्रलामू, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पृवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लादिए था, दिल्पाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण म, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्री बासुदेव लल्लू, भाई ब्यास (उप नाम श्री बसुदेव व्यास) पिता श्री लल्लू भाई ब्यास, मोहल्ला, नावाटोली, शहर डालटेन गंज, थाना डालटेनगंज, जिला पलामू।

(ग्रन्तरंक)

(2) श्रीमती शारदा बैन पटेल, पति— श्री छोटा भाई पटेल 2. श्रीमती मंजूला, बेन पटेल पति— श्री गोर्धन भाई पटेल, मोहल्ला, नाबाटोली, शहर, डालटेनगंज, थाना/पोस्ट, डालटेनगंज जिला पलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 किन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धतिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय पक्का मकान जिस्का रकवा 16 क्सिमोल है जो मोहल्ला, नावाटोलो, शहर, डालटेनगंज पोस्ट/थाना—डाल/टेनगंज जिला पलामू में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 5787 दिनांक 30-6-82 में विणित है तथा जिसका निबंधन अवर निबंधक पदाधिकारी पलामू के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रवोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक स्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> स्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 15-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कां 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 फरवरी, 1983

निदश सं० III 667/ग्रर्जन/82-83—ग्रतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० तौजो नं० 51, थाना नं० 189, वार्ड नं० 2 हो० सं० 737 है तथा जो नावाटोली, टालटेनगंज जिला पलामू में स्थित (ग्रौर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कायलिय पलामू, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 30-6-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसा आय या किसा धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकड नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बासुदेव लल्लू भाई ब्यास, उपनाम श्री बसुदेव ब्यास, पिता श्री लल्लू भाई व्यास, मोहल्ला, नावाटोली, पोस्ट/थाना डालटेन गंज, जिला पलामू

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स गोधन भाई पटेल एंड ब्रदर्स द्वारा इसके सहभागी, (1) श्री गोधन भाई पटेल पिता स्व० मोती भाई पटेल 2. श्रीमती शारदा बैन पटेल पति श्री छोटा भाई पटेल, वैगेरह नावाटोली, शाना पोस्ट, डालटेन गंज जिला पलाम,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिं के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उंक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रूण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय जिसका रकवा 25 डिसीमल है जिसमें दो किंता पक्का गोदाम, दो ब्राउट ब्राउस है तथा जो मोहल्ला नावाटोलो, (स्टेशन रोड) थाना डालटन गंज जिला पलामू में स्थित है एव पूर्ण रूप से वसिका संख्या 5788 दिनांक 30-6-1982 में विणत है तथा जिसका निबंधन जिला ब्रायर निबंधक पदाधिकारी रलामू के द्वारा सम्पन्न हुँब्रा है।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पटना

तारीखाः 15-2-1983

महिर 🤃

प्ररूप आहें .टी एन एस . -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) की सभीन सूचना

नारंड सर्वार्

कांयतियं, सहायक अायकर आयुक्तः (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनोंक 14 फरवरी 1983

निर्देश सं ० III 668/म्रर्जन/82-83--म्रतः मुझे प्रबोध कुमार

्रूबे,
आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य
25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मौजा सं० 7, खाता सं० 136, प्लाट सं० 3114, वार्ड सं० 2 (पुरामा) 4 (नया) हो० सं० 640 पुराना 132 (नया) है तथा, जो मौजा हीरापुर, परगना झरिया, पो०/जिला धनवाद में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, धनबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-6-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिक्रल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिक्रल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्य था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अवस्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मतिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री देव नारायण बनर्जी, वस्य स्त्र०
सुधीर कुमार बनर्जी

2. श्रीमती पुणिमा देवी जौजे
स्व० सुधीर कुमार बनर्जी
निवासी—हीरापुर,
परगना — झरिया,
पोस्ट/जिला धनबाद,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती फुलमणी देवी जौजे, श्री विनोद बिहारी महतो, निवासी चीरागोरा, परगना—झरिया, पोणीजला धनवाद

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तरहम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस सूज्ञमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में शितकड़ किसे प्रान्य क्यक्ति द्वारा, भ्राभीतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकैंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और प्यों का, को उनक वीधीनयन, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन मय मकान जिसका रकबा, 20 कर्ठा है तथा जो मौजा हीरापुर, परगना, झरिया, पोस्ट/जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसिका, संख्या 6815 दिनांक 1-6-1982 में विणित है तथा जो जिला अवर निबंधक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 14-2-1983

मोहरः

प्ररूपः बार्षः टी. एनः एसः -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, पटना गटना, दिनांक 14 फरवरी 1983 निदेश सं अधि 669/ग्रर्जन/-8283--ग्रतः मुझे प्रबोध कुमार दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्य 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संव सीव्यसव प्लाट नंव 878, खाता नंव 53, तौजी, नंव 40, थाना नंव 11 है, तथा जो सनदसपुर पटना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध सनुसूची में सीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा स्रधिकारी के कार्यालय, पटना सीटी में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 17-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्रिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपेभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभित् :---

(1) श्री इन्द्रादेव प्रसाद, पिता श्री राम देव महतो, निवासी, सनदलपुर, थाना मुल्तान गंज, जिला पटना,

(अन्तरक)

(2) श्रलका सहकारी गृह निर्माण समिति लिं० द्वारा संकेटरी श्री राज केवल शर्मा पिता स्व० रूप लाल सिंह ग्राम श्रमहरा, श्राना बिहटा, जिला पटना, वर्तमान पता, जगत नारायण लाल रोड, श्राना कदमकुंश्रा, जिला पटना।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जाली करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्बा 32 डिसीमल मर्थात् 10 कट्ठा 4 धुर, एवं 16 घुरकी है, तथा जो ग्रोम संदलपुर, थाना, मुल्तान गंज जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विस्ता, संख्या 3337 दिनांक 17-6-1982 में विणित है तथा जिसका निबंधम मबर निबंधक पदाधिकारी पटना सिटी के द्वारासम्पन्न हुमा है।

प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी संद्वायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

सारीख: 14-2-1983

प्रका आई. टी. एन. एस्.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 फ़रवरी, 1983

निर्देश सं० IIT 670/अर्जन/82-83--अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० सीं एस० प्लाट नं० 372, खाता 560, तोजो, नं० 303, थाना न० II है तथा जो, सनदल पुर, पटना में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता, ग्रिधकारी के कार्यालय, पटना सिटी में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-1982।

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए 'अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सूं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्त्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए राय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की,बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिये; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती <mark>दुवारा प्रकट नहीं किया गया</mark> भा या कियाँ जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनिधम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--

(1) श्री सुखदेव प्रसाद पिता श्री राम देव निवासी, सनदलपूर, थाना सुल्तानगंज, जिला पटना,

(म्रन्तरक)

2) अलका सहकारी गृह निर्माण समिति लि.० द्वारा सेकैट्री श्री राज केवल शर्मा पिता स्व० रूप लाल सिंह, ग्राम, ग्रमहरा, थौना बिहटा, पटना, वर्तमान पता, जगत नारायण लाल रोड, थाना कदमकुंग्रा, जिला पटना,।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारो करके प्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ,वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 28 डिसमल ग्रर्थात् 8 19 चुर एवं 4 घुरकी है, तथा जो ग्राम संदलपुर, थाना सुलतान गंज, जिला पटना, में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका, संख्या 3341 दिनांक 17-6-1982 में हैं तृथक जिसका निबंधन ग्रवर निबंधक पदाधिकारी सिटी के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 14-2-1983

प्रस्त्य आहे. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार
..
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 14 फ़रव री 1983

निर्देण सं ाा 671/ग्रर्जन/82-83-ग्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० प्लाट नं० 878, खाता नं० 53, तौजी, नं० 40, थाना नं० है, तथा जो ग्राम सनदलपुर, पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण•रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता, ग्रिधकारी के कार्यालय, पटना सिटी में रजिस्ट्रीक्रण अग्रिधिनयम, 1908 (1908 क्या 16) के ग्रिधीन तारीख 17-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर दिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, के उक्त अधिनियम की धारा 259-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती गीता सिन्हा पित, श्री कमल देव प्रसाद सिन्हा, निवासी, सनदलपुर, थाना, सुल्तानगंज, जिला पटना । (ग्रन्तरक)

(2) अलका सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा सेकेट्री श्री राज केवल शर्मा पिता स्व० रूप लाल सिंह, ग्राम अमहरा, शाना बिहटा, पटना, वर्तमान पता, जगत नारायन लाल रोड, थाना कदम कुआ, जिला पटना, ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के , अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में *प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायम संपर्दित भी हित- बक्त रिक्ती अस्य कि कि कर प्रति के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 30 डिसमल स्रथीत् 9 कट्ठा 12 घुर है तथा जो ग्राम सनदलपुर, थाना, सुलतान गंज, जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 3340 दिनाक 17-6-1982 में विगत है तथा जिसका निबंब क पदाधिकारी पटना पिटी के द्वारा सम्बन्ध हुआ है।

> प्रवोध कुमार दूवे, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण**) ग्रर्जं रेंज, पटना

तारीख: 14-2-1983

प्ररूपै वार्षं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रंज, पटना

पटना, दिनांक 14 फ़रबरी 1983

निर्देश सं ० III 672 श्रिर्जन / 82 — 83 — ऋतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं सी श्री एस व प्ल ट नं व 878 खाता नं 53, तीजी, नं 40, थाना नं II, हैं तथा जो ग्राम सनदलपुर, पटना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कै। योलय पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 17-6-1982।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इद्यमान प्रतिफल से ऐसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्स अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री चन्द्रा देव, प्रसाद पिता श्रीराम देव महतो, निवासी, ग्राम सनदलपुर, थाना सुलतानगंज, जिला पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रलका संहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ पटना, बारा सेक्टेरी श्री राजकेवल शर्मा पता स्व॰ रूप लाल सिंह, ग्राम श्रमहरा, थाना बिहटा, पटना वर्तमान पता, जगत नारायण रोड, थाना कदमकुंग्रा, जिला पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन का छ। कार्यवाहियां करता हुं।

उनीत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षक्यों और पवों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषिर है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

वन्त्र्ची

जमीन जिसका रकवा, 30 किसमल, ग्रंथीत् 9 कठ्ठा 12 घुर है तथा जो ग्राम सनदलपुर, थाना-सुलतानगंज, जिला पटना में स्थित हैं एवं पूर्ण रूप में वसिका, कं 3339 विनोक 17-6-82 में विणित है तथा जिसका निबंधन अवर निबंधक पदाधिकारी, पटना सिटी के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 14-2-1983

प्ररूप आहा.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं । III 673/ग्रर्जन/82-83-श्रतः पृश्ले, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सी० एस० प्लाट नं० 878, 883, खात नं० 53, एवं 992, तोजो नं० 40 है तथा जो सनदलपुर, पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री म श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), (रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17-6-82

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----9---516 GI/82

- (1) श्रीमती सुधा मेहता पति श्रलख नारायन मेहता मोहल्ला, नंगला, थाना मालसालामी, पटना सिटी। (ग्रन्तरक)
- (2) म्नलका सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना द्वारा सक्रेटरी श्री राज केवल धर्मा पिता स्व० रूप लाल सिंह, ग्रामश्रमहरा, थाना बिहटा, पटना, वर्तमान पता, जगत नारायन रोड, थाना, कदम-कुमां, जिला पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यचाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्मध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 30 खिसमल श्रथीत् 9 कट्ठा 12 धुर है तथा जो ग्राम सदनलपुर, थाना, सुलतानगंज, जिला-पटना में स्थित है एंव पूर्ण रूप से वसिका संख्या 3333 दिनांक 17-6-82 में वर्णित है जिसका बिधन अवर निबंधक पदाधिकारी पटना सिटी के द्वारा सम्पन्न द्वसा है ।

> प्रबोध कुमार दुबे सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन परिक्षेत्र पटना बिहार

तारीख: 14-2-1983

मोधुरु 🗓

प्ररूप आह्र .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14-2-83

निवेश मं० ।।। 674, /ग्रर्जन/82-83--ग्रतः मुद्ये प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी० एस० प्लाट नं० 879, खाता नं० 563, तोजी नं० 303, थाना नं० 11, है तथा जो ग्राम सनदलपुर पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन धिनांक 17-6-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित सों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तियक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्चिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में मभीन, निम्नलिखित म्यभितयों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्रवन देव प्रसाद सिंह पिता श्री वासुदेव प्रसाद सिन्हा निवासी सदनलपुर, थाना सुलतानगंज, जिला-पटना सिटी।
 - (2) श्रतका सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ पटना द्वारा सेक्ररेटरी श्री राजकेवल गर्मापिता—स्व॰ रूप लाल सिह, ग्राम अमहरा थाना विहटा पट नावर्तमान पता—जगत नारायन रौड, थानाकवमकुश्रा जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूपना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पंध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

जमीन जिसका रकबा 28 डिसमिल श्रयीत् 8 कट्ठा 19 घुर एवं धुरको 4 है तथा जो ग्राम सदनलपुर, थाना सुलतानगंज, जिला पटना में स्थितं है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 3338 दिनांक 17-6-82 में विणित है जिसका निबंधन श्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना सिटी के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र**र्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख : 14-2-1983

मोहर 🛚

प्ररूप प्राई• टी० एन• एस•

प्रायकर **प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 2**69-थ (1) के मधी**त सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 14-2-83

निदेश सं० ।।। 675/ग्रर्जन/82-83--श्रत मुझे प्रबोध कुमार दुवे

आयकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सी० एस० प्लाट नं० 879, एवं 372 खाता नं० 560, एवं 563 तोजो नं० 303, थाना—11 है तथा जो ग्राम सनदलपुर, पटना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 17—6—82

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास बरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में हास्तविक का न कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत उक्त बीध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मकल देव प्रमाद में हता पिता श्री राम देव मेहता नवासी, सनदलपुर, थाना, सुलतानगंज, जिला-पटना।
- (2) श्रलका सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ पटना (अंतरक) द्वारा सेकेटरी श्री राज केवल शर्मा पिता स्व॰ रूप लाल सिंह, ग्राम श्रमहरा, थाना विहटा, पटना, वर्तमान पता जगत नारायन रोड, थाना कदमकुत्रां, जिला पटना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वांक्त सम्मित्त के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 17 डिसमिल अर्थात् 8 कट्ठा 17 घुर एवं 12 घुरकी है तथा जो ग्राम सनवलपुर, थाना सुलतानगंज, जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप मे वसिका संख्या 3342 दिनांक 17-6-82 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन अवर निबंधक पदाधिकारी पटना सिटी के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रवोत्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन परिक्षेत्र **विहार, पट**ना

तारीख: 14-2-1983

माहुर

प्रकृत नार्वे हो एक एक ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

सारव परुषक्ष

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, पटना

पटना, धिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश संख्या III 676/ग्रर्जन/82-83--ग्रतः मुझे प्रवोध कुमार दुवे,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इस्में इसमें इसमें परवाद 'उन्त अभिनियम कहा वना है), की बारा 269-स के अभीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कराण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी ० एस० प्लाट नं० 878 है, तथा जो ग्राम सन-दलपुर पटना में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सिटी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 जून, 1982

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिश उक्ष देय से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाब्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अभ्यासक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्नुसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सोनापित देवी पत्नी श्री बासु देव प्रसाद सिन्हा निषासी--समदलपुर, थाना--सुलतान गंज, जिला--पटना (ग्रन्तरक)
- (2) भलका सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पटना द्वारा सेक्टेरी श्री राज केवल शर्मा पिता—स्व० रूप लाल सिंह, ग्राम श्रमहरा, थाना—विहटा, घटना वर्तमान पता—जगत नारायन रोड, थाना—कदमक्श्रा जिला—पिटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 30 डिसमिल प्रथात् 9 कट्ठा 12 घुर हैं तथा जो प्राम सनदलपुर, थाना—सुलतानगंज, जिला—पटना में स्थित हैं एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या 3348 दिनांक 17—6—82 में वर्णित है तथा जिसका निर्वधन प्रवर निर्वधक पदाधिकारी पटना सिटी के द्वारा सम्पन्न हमा है।

> प्रबोध कुमार द्बें सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारी**ख**ं 14-2-83 मोहर् ड प्ररूप बाईं. टी. एन्. एस.-

न्नायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269व(1) के खबीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983 निर्देश नं० ए० पी० नं० 3941—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'ढरन प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारज है कि स्थावर सम्पति, जिन का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो चक्क हुसैना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बानत उक्त विधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड़/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन एा अण्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रमारिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाडिए था, जिपाने में सविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र भगेल सिंह ग्रौर ग्रवतार सिंह, पुत्र मुलक सिंह वासी गांव चक्क हुसैना, लामा पिन्ड, तहसील जालन्धर

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती तरिपता रानी पैत्नी सुरिन्दरंपाल वासी 935-ङी० मोहल्ला रियाज पुरा जालन्धर
 - (2) तरसेम लाल पुत्र बिहारी लाल वासी पोहलरी वाला तहसील जालन्धर
 - (3) श्रीमती ऊषा शर्मा पत्नी प्रेम प्रकाश सेन्ट्रल स्कूल नं० 2 जालन्धर छावनी

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना गारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना ह ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस युचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्से अविध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 39 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती ही. के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (व) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कॅगे।

स्पद्धीकरण:—इंसमें प्रयुक्त जब्दों ग्रौर पदों का, जो उसत ग्रिश्वित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा जा उस ग्रध्याय वें दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 1621 दिनांक ज्न, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. ------

श्रायकर मिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

र्निर्देश नं० ए०पी० नं० 3942--यतः मुझे जे०एल० गिरधर

कायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो चक्क हुसैना लाला पिन्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1982

को पूर्वो कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्वेदय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सीमित्यम, से सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए. था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, नर्षात् क्र--- (1) श्री प्रीतम सिंह पुन बगेल सिंह श्रीर श्रवतार सिंह पुन्न मुलक सिंह नासी चनक हुसैना लाला पिन्ड, तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सुकाहीया देवी पत्नी किशन लाल एन० सी० 33 रेलवे रोड, जालन्धर
 - (2) सन्तोष रानी पत्नी चरणजीत नाथ वासी ई० जी० 1035, गोविन्द गढ़, जालन्धर
 - (3) गुरदेव सिंह पुत्र गुरबचन सिंह वासी होशियार पुर रोड, जालन्धर

(श्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यिम करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व थे 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाद लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 1622 दिनांक जून, 1982 के रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घायूक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 29-1-83

प्रकप बाइं.टी.एन.एस. -----

भारत व्यक्तिसम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर,दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3943—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

भौर जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो विरयना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किमी आध की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविद्या के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना शाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मंगू राम पुत्र भुला राम जनरल ग्रटोरनी श्राफ सालिग राम और सत पाल वासी 615-श्रार० माइल टाउन, जालन्धर

(मन्तरक)

(2) श्री राज कुमार पुत्न श्रमर नाथ श्रौर जीवन राम पुत्न हेम राज वासी जालन्धर शहर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं ० 1511 दिनांक जुन, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख : 29--1-**83

प्रक्ष आई टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3944---यतः मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो वरियान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्नितिशत उद्वर्ष य उक्त अन्तरण सिश्वित में बास्तिमक इप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी थम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री मंगू राम पुत्र मुलका राम मुखतियारे-याम सालिग राम सत पाल वासी 615, माडल टाउन, जालन्धर

(अन्तरक)

(2 श्री राज कुमार पुत्र श्रमर नाथ श्रलियास श्रोम प्रकाश और जीवन लाल पुत्र होम राज वासी जालन्धर शहर

(अन्तरिती)

(3) जैया कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैंगा विलेख नं० 2059 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) **धर्जन** रेंज, **जालन्**धर

तारीख: 29-1-83

प्रकृष् आईं.टी.एन्.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्वर्णन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983
निर्देण नं० ए० पी० नं० 3945---यतः मुझे, जे० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मक्सूदपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आगा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शंकर दास पुत्र श्रत्तरा द्वारा मुख्तयारे-याम जोगिन्दर पाल वासी बलन्दपुर तहसील जालन्धर

(अन्सरक)

(2) जसबीर सिंह पुत्र कैंग्टेन बलवन्त सिंह खेरा (2) सुरजीत सिंह पुत्र मोहिन्दर पाल सिंह (3) स्वर्ण सिंह पुत्र चमन सिंह वासी खेरा काउजा सिंह तहसील

नकोदर ।

(अन्सरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ है।

को यह स्थान जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशिष्ट्रियां करता हुं।

उधत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींच सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबेव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 शास लिक्षित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ठक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं॰ 1533 दिनांक जून 82 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालक्थर

तारीख: 29-1-83

मोष्टर:

प्रकृप नाइ टी. एन. एस. -----

मायकर म्धितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3946—यनः मुझे जे० एल० गिरधर

जीयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मक्सूदपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी वे वार्यालय जल्हा म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय रा किसी पर या अस्य आस्तियहं की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री शंकर दास पुत्र श्रत्तरा द्वारा मुख्तयारे-ग्राम जोगिन्द्र पाल वासी बलन्दपुर तहसील जालन्धर

(श्रन्तरक)

- (2) (1) श्री श्रनूप कुमार पुत्र सरवारी लाल वासी मकान नं० 31 मोहल्ला नं० 18 जालन्धर छावनी
 - (2) राजेश कुमार पुत्र संग्दारी लाल वासी जैसा कपर लिखा है
 - (3) सुमित्रा देवी पत्नी मासादीन वासी मकान नं० 21 मोहल्ला नं० 1, जालन्धर छावनी
 - (4) श्राषोक कुमार चौपड़ा

 पुत्र बाल कृष्ण वासी जे० के० 133,

 मोहल्ला शिवराज, गढ़

 जालन्धर और औम प्रकाश जुलका

 पुत्र राम प्रमाद वासी 51-स०

 मोहल्ला 10, जालन्धर छावनी

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में धिन रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ है

को यह सूचना जारी करके पूर्वों यत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1578 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख : 29-1-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निदेश नं० ए० पी० नं० 3947—यतः मुझे, जे०एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूद्ध्यर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शंकर दास पुत्र श्रतरा द्वारा जोगिन्दर पाल मुख्तयारे-श्राम वासी बलन्दपुर तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक दीवान पुत्र ईश्वर वास
ग्रीर श्रीमती पुष्पा दीवान पत्नी ग्रशोक दीवान
वासी मकान नं 12 मोहल्ला नं 6
जालन्धर छावनी
ग्रीर सुरेश रानी पत्नी मंगत राम
वासी डब्ल्यू० एस० 263, बस्ती झेख,
जालन्धर ग्रीर श्रीमती कौगल्या देवी पत्नी
दीवान चन्द वासी 9-स्वर्ण पार्क
कपूरणला रोड, जालन्धर
ग्रीर दीपक रानी पत्नी कमल देव वकील
वासी मकान नं 48 मोहल्ला नं 10,
जालन्धर छावनी

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा नं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हतबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनृसुधी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं० 1609 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, जालन्धर ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 29-1-83

प्ररूप आई. टो. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3948—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्ष्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—→

(1) श्री शंकर दास पुत्र भ्रतरा द्वारा श्री जोगिन्दर पाल मुख्तयारे-श्राम वासी बलन्दपुर गुँजालन्धर

- (2) 1. श्री राम सिंह पुत्र सुरिन्दर सिंह वासी दारा पुर तलवन्डी
 - 2. हरबंस कौर पत्नी तरलोक सिंह
 - 3. पुष्पा देनी विधवा खरैती राम वासी म० न० च० 31, नीला महल जालन्धर
 - 4. निरंजन सिंह कलसी पुत्र ग्रमर सिंह वासी निजरा जालन्धर
 - 5. विजय कुमार पुत्र सोहन लाल वासी माडल हाउस, जालन्धर
 - 6. परमजीत सिंह पुत्र क्रुष्ण दयाल सिंह वासी धारीयाल जिला गुरदासपुर
 - 7. जसपाल कौर पत्नी परमजीत सिंह वासी शिवराज मंडी, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसानं ० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्तव है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा पम्पत्ति जैसाकि विलेख नं ० 1702 विनांक जुलाई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83

मोहर 😲

(अन्तरक)

प्ररूप ग्राई० टी• एन•एस•-

ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के ब्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निदेश नं० ए० पी० नं० 3949—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना प्रवित्तियन' कहा गया है), को बारा 269-ब के अबीत अजम बाबिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिलका उचित बाजार पूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो मक्सूदपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिशत से प्रश्विक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक का ने किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसो श्राय ने बाबा, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री शंकर दास पुत्र श्रतरा द्वारा जोगिन्दर पाल मुख्तयारे-श्राम वासी बलन्दपुर जालन्धर

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री कृपाल सिंह पुत्र संतोख सिंह
 - (2) फूलन रानी पत्नी मोहिन्दर सिंह
 - (3) सरदार सिंह पुत्र संतोख सिंह
 - (4) पुष्पा वती पत्नी सरदार सिंह
 - (5) बनवारी लाल पुत्र सन्ता दित्ता मल,
 - (6) सोम नाथ पुत्र लाल चन्द वासी बाजार शेख, जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2082 दिनांक जून 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83

प्रस्य बाह् .टी.एन.एस. -----

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निदेश नं० 2 ए० पी० नं० 3950—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भंकसूदपुरा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन 1982

को पूर्शक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रिपान में मृतिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शंकर दास पुत्र श्रतरा द्वारा जनरल श्रटोरनी जोगिन्दर पाल वासी बलन्दपुर जालन्धर (2) श्री सदल लाल पुत्र धनपत वासी माडल हाउस जालन्धर

> (2) रिटायरड सब मेजर ज्ञान चन्द कालिया पुत्र मोहन लाल वासी रिवदास नगर जालन्धर

(3) सुरजीत कौर पत्नी कंवलजीत सिंह गिल वासी ई० क्यू० 344, रोनक बाजार जालन्धर

(4) बिमल कुमार पुत्र सोहन लाल वासी डब्ल्यू० डी० 9 बाजार, शेख, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया। है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2163 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 29-1-83

मोहर :

(ग्रन्तरक)

प्रकृप बाइ .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निदेश नं० ए० पी० नं० 3951—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणतं है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्द्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अर्र अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कर निम्निल दृत उद्देश से अर्थन अन्तरण निम्निल का वास्त्रांधक है पर से अत्वरण निम्निल का उद्देश से अर्थन अन्तरण निम्निल कर निम्निल हों किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजन में मुविभा के लिए; और/म
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के नियए

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों अर्थात:--

(1) श्री शंकर दास पुत्र ग्रतरा द्वारा मुख्तयारे-श्राम जोगिन्द्र पाल वासी बलन्दपुर, जालन्धर

(म्रन्तरक)

(2) 1. श्री बलजिन्द्र कौर पत्नी रामजी दास 2. निर्मल देवी पत्नी केवल किशन

- वासी ई० के० $22\sqrt[6]{4}$ फगवाड़ा गेट, जालन्धर
- 3. सावित्नी नारंग पत्नी देवकी नन्दन वासी 98 विजय नगर, जालन्धर
- कमल किशोर मेहरा
 पुत्र स्वर्गीय रोशन लाल मेहरा वासी 94—
 विजय नगर, जालन्धर
- 5. श्रीमती धन रानी पत्नी साहिब दास गोगिया
- 6. पुष्पिन्दर मोहन गोगिया पुत्र साहिब दास वासी ई० ग्रार० 5, पक्का बाग, जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रुखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2236 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83

प्ररूप माई० टी• एन• एस०⊸⊷

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) के अभीन सृथना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

ि निर्देश नं० ए० पी० नं० 3952-—यतः मुझे, जे० एल० गरधर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में है तथा जो मकमूद्दपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफंत निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शंकर दास
पुत्र श्रतराद्वारा मुख्तयारश्चाम
जोगिन्त्र पाल वासी बलन्दपुर
जालन्धर

(अन्तरक)

- (2) श्री भ्रमरनाथ पुत्र ठाकुर दास वासी विजय नगर जालन्धर
 - (2) श्रोमतो देबी वासुदेवा पत्नी बलराज रेलवे वासी होशियारपुर,
 - (3) योगिन्दर सिंह सेठी पुत्र भगत सिंह बस्ती शेरव जालन्धर
 - (4) सत्य भामा पत्नी श्रोम प्रकाश मकान नं० 34 मोहल्ला नं० 13, जालन्धर
 - (5) राम श्रवतार पुत्न भगवान दास वासी मकान नं० 19, मोहल्ला नं० 8, जालन्धर छावनी

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसानं० 2 में लिखा है(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्तः क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदी किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास। सिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्यी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2314 दिनांक जून 1982को रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 29—1—83

भोहर :

प्रकृप नार्चं टी पूर्व एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश नं ० ए० पी० नं ० 3953—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृन्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूक्पुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-, रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीपीनयुत्र, के जुबीन कर दोने के जल्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्तः अब, अक्त अधिविसम की धारा 269-ग के अनुसरण सों, मीं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :—
11—516 GI/82

- श्री शंकर वास
 पुत्र ग्रतरा द्वारा मुख्तयारे-आम
 जोगिन्द्र पाल वासी बालमपुर,
 जालन्धर । (अन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती पुष्पा लता पत्नी ध्रशोक कुमार वासी डब्ल्यू० जी० 94, इस्लामाबाद, जालन्धर।
 - (2) सुरजीत सिंह पुत्र जम् सिंह वासी एन्० एम० 90, मोहल्ला करारखान, जालन्धर ।
 - (3) घ्ररिजन्दर कौर बतरा पुत्र हरकीर सिंह वासी 16 बन्दा बहादर नगर, जालन्धर ।
 - (4) अंग्रेज देवी पत्नी राम लाल वासी डब्ल्यू० 51071, बाजार णेखां, जालन्धर। (भ्रन्तरिती)
- जैसा नं० 2 में लिखा है
 (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (व) इब ल्वा के राजपन के बकासन की वार्तीय हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्थ किसी अन्य व्यक्ति प्वारा ख्थाहस्ताक्षरी के पास जिला में किए जा सकोंगे।

स्थाकीकरणः---इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत विविधित्तम्, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु वर्ष होगा, जो उस मध्याय में विया नवा ही।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2501 दिनांक जुलाई 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83

मोहर 🖫

प्ररूप नाहर ेटी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1982

निर्देश नं प्राप्त पी० नं 3954—यतः मुझे, जे एल० गिर्धर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी मं० जैमा श्रानुस्ची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के दिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाचार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उना अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उथक जीधनियम के अधीन कर देने के जंतरक के वाजित्य में कभी करने वा उज्जस बचने में सजिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नकः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

- श्री शंकर दास
 पुत ध्रतराद्वारा मुख्तयारे-याम
 जोगिन्दर पाल वासी गांव बलन्दपुर,
 जालन्धर । (अन्तरक)
- पत्नी जे० पी० गुप्ता (2) कमलेश गुप्ता पत्नी सत्या पाल वासी सफान नं० 19, मोहल्ला नं० 7 जालन्धर छावनी ।
 - (3) राजेन्द्र कुमार पुत्र गोबिन्दा राम वासी शाहकोटे
 - (4) बिमल देव पुत्र देव राज मोहल्ला नं० 48 जालन्धर छावनी ।

(भ्रन्तरितीं)

(3) जैसानं ० 2 में लिखा है

2. श्रीमती ऊपा गुटक

(वह व्यक्ति, जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर नूबना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दुभ किसी जन्म स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिबित में जन्म किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण: --इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्तै अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पित्त जैसा कि विलेख नं० 2643 दिनांक जुलाई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा । जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83 मोहर: प्ररूप आह^र. टी. एन. एस.-----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 🕒 1983

निर्वेश नं ० ए० पी० नं ० 3955—यतः मुझे जे ० एल० गिरधर

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी सं जैसा ग्रमुभूची में लिखा है तथा जो मकमूक्पुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का, गन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के जधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

नतः नव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनसरण ते, मैं, चक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शंकर दास पुत्र ग्रतरा द्वारा मुख्स्यारे-ग्राम जोगिन्द्र पाल वासी बालमपुर, जालन्धर

(अन्तरकः)

- (2) (1) श्री म्रानिल चोपड़ा पुत्र राम चन्द प्रिंसिपल, सेंट सोलिजियर पब्लिक स्कूल 324 शहीद उद्यम सिंह नगर, जालन्धर
 - (2) नीलम कटियाल पत्नी रवी कटियाल, वासी गाव मकसूवपुर, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह ध्यक्ति, जिसे ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को महसूचना जारी क्रारक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वे उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित कृतें, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2785 दिनांक जुलाई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा र

जे० एल० गिरध सक्षम प्राधिकारी

सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जीनवरी, 1983

ानर्देश नं० ए० पी० नं० 3956---यतः मुझी, जे० एल० गिरधर

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला जा-लन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूष्यमान प्रतिफल से एसे रूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने को सृतिधा के लिए? और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् \mathbb{S} —

(1) श्री गुरदयाल सिंह श्रीर स्वर्ण सिंह पुक्त सामुन्द सिंह वासी गांत्र खुरला तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती महालक्ष्मी कोश्रापरेटिय हाऊसिंग बिल्डिंग सोसाईटी लि॰, पता दि जालन्धर मारबल कम्पनी नकोदर रोड, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसानं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबझ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (ज) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में - परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 1569 दिनांक जून 82 को राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर **सक्षम प्राविकारी** स**हामक ज्ञामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण**) श्र**र्जन** रोंज, जासन्धर

ना**रीख: 29-1-83**

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन, जालन्धर जालन्धर,<mark>दिनांक २९जनवरी, १९८३</mark>

िनिदेश नं० ए० पी०नं० 3958—स्यतः मृझे जे० एल० स्थार

गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संज्जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फरी क्लोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूचीमें श्रौर पूर्ण च्य मोंबिणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फरी क्लोट में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन 1982

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापबोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उदत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किशात नहीं किया बया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिधिब व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ज्ञानचन्द पुत्र सोहनामल जैन वासी बी-चार-200, जेल रोड, फ़रीदकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमति सुजान बाला जैन पत्नी परस कुमार वासी बी-चार-200 जेल रोड, फ़रीदकोट

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1919 दिनांक जून 1982 को रजिस्क्रीकर्ता श्रधिकारी फ़रीदकोट ने लिखा।

> (जे० एल० गिरधर्) सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक स्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83

मोहर ः

प्ररूप मार्च टी. एन. एव. —-

आयकर क्थिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निदेश नं० ए० पी० नं० 3959—-यतः, मुझे जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो फ़रीदकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फ़रीदकोट में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिष्; और/बा
- (क) एसी किसी जायं वा किसी भन या बन्च जास्तिनों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिथिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

(1) श्री ज्ञान चन्द्र पुत्न सोहना मल जैन वासी बी-चार-200, जेल रोड़, फ़रीदकोट (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुगन माला जैन पत्नी परस कुमार वासी बी-चार-200, जैल रोड, फ़रीदकोट (ग्रन्तरिती)

(3) जैसानं ० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सस्पत्ति में विच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की बविध, जो भी नविध वार्ष में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्ध व्यक्ति क्वार्श अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाचाकरणः — इतमे प्रयुक्त सन्दौं और पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं ० 2977 दिनांक प्र सितम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, फ़रीदकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिन्दात व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 29-1-83

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 जनवरी 1983

निदेश नं० ए० पी० नं० 3960---यतः, मुझी, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो फ़रीवकोट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फ़रीवकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्लरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर्ट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शान चन्द पुत्र सोहन मल जैन वासी बी-4-200, जेल रोड, फ़रीदकोट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुगन माला जैन पत्नी परस कुमार वासी बी-4-200, जेल रोड, फ़रीदकोट

(अन्तरिती)

(3) जैसानं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थळकिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं० 3063 दिनांक जून अक्टूबर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, फ़रीदकोट ने लिखा। जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी संहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 29-1-83

प्रकृष वाहाँ. टी. एन. एस्.-----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी, 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3961—यतः मुझे, जे० एल०।गरधर

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध में ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या क्या आना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जवं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ए के जन्धरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के लुधीन, निब्नुलिखित व्यक्तियों, नृजीत् ःच-- (1) श्री जितन्द्र सिंह पुत्र बलदेव सिंह पुत्र जगत सिंह ए०डी०जे० एस० डी० गर्लज कालेज अमृतसर रोड, भटिन्डा जगरूप सिंह, भरपूर सिंहपुत्र जीत सिंह पुत्र करनार सिंह

(अन्तरक)

- (2) जगरूप सिंह पुत्र जागर सिंह पुत्र केहर सिंह गांव राना
 - (3) सुरजीत कौर पत्नी जीत द सिंह पुत्र बलदेव सिंह ए० डी० जे० एस० डी० गर्लज का लिज, स्रमृतसर रोड, भटिन्डा

(अन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभीग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त संभारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोब !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अमृसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1775 दिनांक जून, 1982 को स्जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिन्धर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 15-2-83

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनाक 15 फरवरी 1983 निदेश नं० ए० पी० नं० 3962---यनः, मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर 'पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---12---516 GI/82 (1) कुमारी पुष्पा देवी पुत्री श्री दीनानाथ पुत्र श्री देशी दत्ता कोटा (राजस्थान)

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती निर्माला देवी पत्नी राम प्रकाश पुत्र श्री भाग मल गुरु नानक मोहल्ला, भटिन्डा 2. विमला देवी पत्नी मोहिन्दर लाल, दुाईवर होमगार्ड ग्रापोजिट सिविल कोट, साईकिल शाप, भटिन्डा

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं० 2089 दिनांक जून 1982को एजिस्ट्रीकर्ती श्रीध हारी, भटिन्ड। ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, जालन्धर

तारीख: 15-2-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -----भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निवेश नं० ए० पी० नं० 3963—~यतः, मुझे, जे० एस० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ज. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैमा भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्द्रीवर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ते अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने का उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निभ्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री राज कुमार श्रौर रामेश कुमार पुक्त श्री भीम सैन बारा भोम सैन राजकुमार, मानसा मण्डी
 - (भ्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती तेज और पृत्नी धन्नः सिंह द्वारा श्री गुरदेव सिंह बरार, एस० डी० ग्रो०, कनाल विभाग,मुलतानिया रोड, भटिन्डा

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा ऋषांह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2143 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधशारी, भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15 – 2∼83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जिभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी, 1983

निर्देश नं ए० पी० नं 3964—यतः मृक्षे जे० एल० गिरधर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ में अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-ति अधि पारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, चिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने जा उत्तसे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीव, निस्तिविक व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह जगजीत सिंह पुत्र जून सिंह पुत्र बचन सिंह भटिन्डा

(ब्रन्तरक)

(2) श्री सुखदेव सिंह, मेहर सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह गांव धाऊला तहसील बरनाला

(श्रन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2145 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-83

प्रकृष बार्ड ही. एम्. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983 निर्देश नं० ए० पी० नं० 3965—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त निधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269- क ने न्धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाचार मूल्य 25,000/- रास निधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा मनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जन, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नड़ी किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त किंध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय पा किसी धन या नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) कुमारी जगीर कौर पुत्नी वीरभान सिंह पुत्र उत्तम सिंह भटिन्छ।।

(भ्रन्सरक)

(2) अंग्रेज सिंह पुत्र जलीर सिंह
पुत्र करतार सिंह भटिन्डा पता
गुरुनानक कालेज स्टोरेज
भटिन्डा (2) धर्मन सिंह पुत्र भाग सिंह
पुत्र नत्था सिंह पता गरुनानक स्टोरेज,
भटिन्डा।

(अन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है (बह ध्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सृचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्ति या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर श्रीतर में से किसी स्पित द्वारा:
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव व 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

अमुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2153 विनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता भन्टिश ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालस्थर

तारीख: 15--2--1983

मोहर

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायाल्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं ० नं ० ए० पी ० नं ० 3966--यत', मुझो, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार बृत्व 25,000/- रू. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वोंक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तौरत की गई है और मुन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्बेंक्त सम्मित्त का उचित बाजार कृष्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तिरित (अन्तिरीतवार) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कन निम्निलिखित उद्योग से जन्तरण किया बन्तरण निसित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

मतः जन, उन्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1). के नजीग, निम्नसिख्त व्यक्तियों, मृषी्त ह—

(1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी महाबीर प्रसाद द्वारा पापुलर टैक्सटाईस्ज शाप, भटिन्डा

(अन्तरक)

(2) (1) हरगोपाल गुप्ता पुत्न छेख राभ

(2) अवा रानी पत्नी सुरिन्यर मोहन पुत्र हर गोपाल अय सिंह बाला

(3) राकेश कुमार पुत्र विद्या कुमार पुत्र गुरदयाल चंद, रामपुरा फूल

(मन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

की यह सुधना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाभेप ---

- (क) इंड तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी वर्षा वाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूचों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवाय अधोहस्ताक्षरी के शक्त जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के नध्यायः 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ध्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2166 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, भटिन्डा ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर **ः**

तारीख: 15-2-83

मोहर 🌣

प्रकर धाई• टी• एन• एस•---

बावकर निध्नियन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारव तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निर्देश नं० ए०पी० नं० 3967---यनः मुझे, जे०एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं); की भार 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवरित विसका उचित वाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जैसा मनुमूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुन 1982

को पूर्वोक्त स्म्यित के उचित बाजार मूल्य ते कम के क्यमानं प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि अभ्रम्युवेक्ति संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन वा जन्य वास्तिवों की, जिन्हों भारतीय वावकर विधिनियम, 1922 (1922 द्या 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए जा, जिनाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्रीमती साविती देवी
पत्नी महावीर प्रसाद
पता पापुलर टैक्सटाईरूज काप,
भटिन्डा ।

(मन्तरक)

(2) श्री मनमोहन गुप्ता पुत्र चिरंजी लाल, रामपुरा फूल।

(प्रन्तरिती)

(3) औसानं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के जिल् कार्ववाहियां अरता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजवंत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वास्त या में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्भ किसी जन्म न्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए जा मकोगे।

स्वध्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो शक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

मन्त्रची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2209 दिनांक जून 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एस० गिरघर सक्षम प्राधिकारी, तहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रोंज, जासन्धर

तारी**ख** 15—2—83

प्ररूप् अरही. टी. एन. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के ज्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश न्० ए० पी० नं० 3968—यतः, मुझे, जे० एल० गिरंधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा, गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/-छ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को जिनत बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ण) एसे किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाक्षिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भुष्तयार सिंह पुत्र श्रनूप सिंह पुत्र रखा सिंह चन्दमार बस्ती, भटिन्डा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री क्रुष्ण कुमार श्रीर राज कुमार पुत्र जगन नाथ पुत्र धादी राम बरनाला

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में गिन रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्माचीकरण: — इसमें प्रयूक्त कव्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2210 दिनांक जुन, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-83

प्ररूप आइ े. टीं. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध् (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी 1983 निर्देश नं० ए० पी० नं० 3969—यन मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्ब 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर सिजकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्निलिखत उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1,1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रीतिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मुख्तयार सिंह पुत्र श्रन्प सिंह पृत्र रखा िनह, चन्द्रसार बस्ती. भटिन्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश पुत्र दौलत राम पुत्र मथरा दास गांव अबलू जिला भटिन्डा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग्रमें सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संस्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2244 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रधितारी भितन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

प्रक्रम आई • दी • एव • एस० ~ -

काथफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1982

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3970—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकृत कि निम्नितिबत उद्दंश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया मया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के, जनूनरण कों, मीं, अक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नीलिसित काक्तियों, जर्भात् ५—— 13—516 GI/82 (1) श्री हजारी/सिंह पुत्र बीर सिंह , पता हजारी कपूरा कालोनी नजदीक रोजा गार्डन, भटिन्डा

(म्रन्तरक)

- (2) श्री कैलाणचन्द्र पुत्र अलवन्त रास
 - (2) पुष्पा देवी पत्नी सत्यासकृप
 - (3) संजीव गुप्ता पुत्र शाम लाल
 - (4) सुरिन्द्र पाल पुत्र शान्ति सरूप, भटिन्डा (भ्रन्तरिनी)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूक्षें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित मों किए जा सकते।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2245 दिनांक जून 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में लिखा है

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी ेसहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर,दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3971—यन: मुझे जै० एल० गिरघर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रमिक्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अध, उत्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती काम्ता देवी पत्नी इन्दर पाल पुत्र कालू राम, कोटकपूरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेशमा रानी पत्नी गुरचरन मिह पुत्र मिलखा सिंह गांव संगार, मृक्तसर

(भन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अंविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्पीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2306 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , जालन्धर

तारी**ख**: 15-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ज (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश नं० ए० पी० नं० 3972-—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख जून, 1982

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिपति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लि में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, क्योंत्ः— (1) श्रीमती कान्ता देवी पत्नी इन्दर पाल पुत्र कालू राम, कोटकपुरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह पुत्र मिलखा सिंह पुत्र चनन सिंह गांव संगर, मुक्तसर

(ब्रन्तरिती)

(3) जैसानं 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(5) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना **चारी करके पूर्वोक्त** सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त-व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वीरी;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2428 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी, भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**च** : 15-2-83

माहर :

प्रकप आई. टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 15 फरवरी 1983 निर्देश नं० ए० पी० नं० 3973—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावंद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रित्तक्त को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922: (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुख्तयार सिंह पुत्र श्रन्प सिंह शन्दसर बस्ती, भटिन्डा

(अन्तरक)

- (2) गुरशरन वास पुत्र राम चन्द पुत्र जीवन मल सोनिया (2)गोपाल बिन्दर पुत्र बारूमल पुत्र मथरा दास सरदार गड़ जिला भटिन्डा
 - (3) सुरिन्दर कुमार पत्नी देस राज बहादुर
 - (4) निर्मेल श्रग्रवाल पत्नी मेघ राज पुत्र दौलत राम, भटिन्डा

(अन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिधोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो क्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2436 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, <mark>दिनांक 15 फरवरी 1983</mark> निर्देश नं० ए० पी० नं० 3974——यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख जून, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुदारण में, में उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::-- (1) श्री सुरजीस सिंह पुत्र निहाल सिंह चन्दसर बस्ती, भटिन्डा

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती सीता देवी पत्नी मुशील कुमार पुत्र जोगिन्सर सिंह तसयंडी साबे

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसानं 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(5) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 25/9 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**व**: 15-2-83

मोहर 🔞

प्ररूप नाइ¹. टी. एव. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 3975— यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत, उक्त अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आजितको को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिष्ठित व्यक्तियों, मर्थात् :—

(1) श्रीमती भगवन्स पत्नी चानन राम पुत्र राजा राम, वासी लक्ष्मी मैडीकल स्टोर, श्रस्पताल बाजार, भटिन्डाुं।

(म्रन्तरक)

(2) श्री श्रशोक कुमार गरग पुत्र मोहन लाल गरग कोटकपूरा

(म्रन्तरिती)

(3) जैसानं 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**त्र्वी**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2575 विनांक जून, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ती ऋधिकारी,भटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर **सक्षम प्राधिकारी** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण**) **ग्र**र्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-83

मोहर ः

प्ररूप आहाँ : टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983 निर्देश नं० ए० पी० नं० 3976—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्छा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्छा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनिथम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंसरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमधी चन्य कौर पत्नी मस्तान सिंह पुद्ध हीरा सिंह जन्दसर बस्ती, भटिन्डा

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री परवोत्तम दास पुत्र कस्तूर चन्द 2. मोहन लाल पुत्र रॉशन लाल, रामपुरा फूल

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसानं ० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्योहस्ताक्षरी है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ठिच रखता है
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे म श्रघोहस्ताक्षरी)
 जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं० 2617 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एस० गिरघर मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-83

मोहर 🛭

प्ररूप आई० टी• एन• एस•—

वासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के अभीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3977—यतः मुक्षे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जैसा ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जून, 1982

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्सरित की गर्दे हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जींभ-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में तृतिभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती कुनारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त विश्विषयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती **चन्द नौ**र पत्नी मस्तान सिंह पुत्र धीरा सिंह चन्दसर बस्ती भटिन्डा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरगोपाल गोयल पुत्र कृज लाल पुत्र सन्त राम सोनियाना मण्डी

(म्रन्तरिती)

(3) जैसानं 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वास अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

बन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 2618 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे० एक गिरधर सक्षम प्राधिकारी (सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-83

अरूप बाह .टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जावन्धर

. जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3978---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

धीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्छा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्याक्षय भटिन्छा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिबित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ;——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---14—516 GI/82

(1) श्री गिन वर सिंह पुत्र मस्तान सिंह चन्दसर बस्ती भटिन्डा पी० ए० श्राफ़ मिट्ठू सिंह

(अन्तरक)

- (2) (1) शाम लाल पुत्र लेखी राम
 - (2) सतपालपुत्र मेथा राम
 - (3) गगन सरूप पुत्र बाबू राम
 - (4) जनक दुलारी परनी जोगिन्दर पाल भटिन्डा

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जातना है कि वह सम्पत्ति में हित्तबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिशा गमा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2616 जून 1982 को रजिस्ट्रोक्ती ग्रीधकारी पटिन्डा ने लिखा।

> जे**० एल० गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहाय**ः ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जालन्धर

सारीख: 15-2-83

प्रसप् आई० ही॰ एन॰ एस॰----

भायकर अभिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सृचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जीलन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० ए० पी० नं० 3979—यतः, मुझे, जें० ए**ल०** गिरधर.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से पश्चिक है और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रथीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

कतः अज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिख व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री गिन्धर सिंह पुत्र मरतान सिंह चन्धरसर बस्ती मिटिण्डा पी/ए० श्राफ मिटू सिंह पुत्र सन्ता सिंह । (श्रन्सरक)
- 2. श्री शाम लाल पुत्न लक्खी राम (2) सत पाल पुत्न मेघ राज (3) गणन सरूप पुत्न बाबू राम (4) जनक दुलारी पत्नी जोगिन्दर पाल भटिण्डा (श्रन्सरिती)
- जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पित्त है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबा है)

को यह मुचना आणे करके पूर्वोच्य सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हु।

उस्त सम्पन्ति के पर्जन के सम्लग्ध में कोई भी धार्तिप: --

- (क) इस सूबन के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धवित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूबना की तामीन से 30 दिन की धवित्र, जो भी
 धवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रसाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहरता क्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण :---इसमें चयुक्त शब्दें भीर पदीं का, को उक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2619 विनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ली श्रधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जासन्धर

तारीख: 15-2-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० ए० पी० न० 3980—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त उधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप के वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय भटिण्डा में,रजिस्ट्रीकर्ण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1982।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, एसे श्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से इर्द किसी बाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

कतः कस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित् व्यक्तियों, अधितः— श्री बगा जिह पुल कुन्दा सिंह मुलतानिया रोड, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री करतार सिंह पुत्र भाग सिंह (भटिण्डा)। (श्रन्तरिती)

3. जैसाकि न० 2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में क्रश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा ज्याहस्ताक्षरी के शस निवस में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2642 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी भटिण्डा ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर, सर्वाम प्राधिकार सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारी**ख**: 15-2-1983

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० ए० पी० नै० 3981—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

धौर जिशकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिल्द्री क्तां ग्रधिकारों के कार्याजय भटिण्डा में, रजिल्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गाम लाल पुन्न राम चन्द, लाल सिंह बस्ती, भटिण्डा।

(भन्तरक)

 श्री गुरनाम सिष्टपुत्र गमदूर सिंह पावर हाउस रोड भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां भिक्ष करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्याष्ट्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2708 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

प्रकप आहें. टी एन. एस. -----

मावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

सं॰ ए॰ पी॰ नं॰ 3982--यतः मुझे, जे॰ एल॰ गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहत से अधिक है

भौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूषी में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूषी में श्रीर पूर्ण रूप सें विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे खरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिकत उदद क्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अपने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

जतः अब, उथत अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त, व्यक्तित्यों, अर्थात् ६── 1. श्री जिन्दर सिंह पुत्र श्री मस्तान सिंह मुख्तयारे-श्राम श्रॉफ श्री श्रजमेर सिंह पुत्र रोनक सिंह, लहरा मोहबत वासी चन्दसर बस्ती भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री कृष्ण लाल पुत्र राजा राम भटिण्डा। (प्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० में 2 लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति पुत्र राजा रामी भटिण्डा (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोइंभी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजप्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अमुसूची

व्यक्ति तथा सम्पृत्ति जैसा कि विलेख नं० 2646 जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी भटिष्का ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्घर

तारीख: 15-2-1983

मोहर 👵

प्ररूपु आई. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983 सं० ए० पी० नं० 3983—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपावश्च श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिण्डा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब् उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिसित व्यक्तियों, जर्भातः— श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री मस्तान सिंह मुख्तयारे-आम
 श्राफ ग्रजमेर सिंह पुत्र रोनक सिंह छेहरा मोहबत
 वासी चन्यसर बस्ती भटिण्डा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रीतम दास पुत्र ग्रोम प्रकाश भटिण्डा। (ग्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2646 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख**: 15--2--1983

मोहरू

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3984——यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती नन्द कौर पत्नी श्री मस्तान सिंह, वासी चन्दसर, बस्ती, घटिन्छा ।

(म्रन्तरक)

 श्री ग्रश्यनी कुमार पुत्र श्री मेहर चन्द, चण्डीगढ़।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त निधनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विशेख नं० 2647 दिनांक जुन, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मटिन्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 15-2-1983

प्रकपः नाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० मं० 3985---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्व 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्छा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कजी करने या उससे बजने में सुविधा के निए; बर्ट/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषधा के लिए;

जतः अब उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीक, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १८—- श्रीमती नन्द कौर पत्नी मस्तान सिंह अन्तसार बस्ती, भटिन्डा।

(ग्रन्तरक)

 श्री कंबर पाल सिंह पुत्र बलदेव सिंह एडवोकेट, सिविल कोर्ट, भटिन्डा ।

(भ्रन्सरिती')

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

अनु**सूची**

व्यक्ति तथा सम्पत्ति, जैसा कि विलेख नं० 2648 में दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी संहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीष 15-2-83 मोहर: प्रकण आही. टी. एन. एवा. ----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

नार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3986,—यतः **मुझे, जे० एल०** गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपति, विसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरप्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वत्त कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के दन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब वाचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण विश्वक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षियत्व में कमी करने वा उसते बचने में भूविधा के लिए; और/
- (स) श्रेकी किसी आय वा किसी धन अस्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विधिनयम, वा धन-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने के सुविधा के सिए।

अतः अस, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसर्ग में , व्राप्त अधिनियस की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित स्पितियों, अर्थात् :---- 15—516 GI/82

 श्री प्रयोत्तम लाल उप्पल, पुत्र श्री रयुराम वासी फिरोजपुर ।

(प्रन्तरक)

 तेजिन्दर सिंह, कर्मजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह सुख्वा सिंह, लम्बरदार, सुख्वा सिंह की कोठी, पीछे थर्मल कालोनी, भटिन्डा ।

(भन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्रों कह युष्पना चारी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिक् कार्यमाहियों करता हुं।

जनत संवरित के नर्णन के तंत्रंथ में काई आक्रोप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन कीं जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिश, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकांगे।

स्वयादिकरणः--इसमें प्रयुक्त जब्दों और वदों का, जो अजिस अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाविक्त हैं, वहीं अर्थहोगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

जनसभी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जेसा कि विलेख नं० 2723 विनांक जूम, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिर**छर** सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्राय**कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारी**व :** 15-2-1983

प्राख्य आहे टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं०ए० पी० नं० 3987—यतः मुझे, जे० ॄएल० निरंघर,

आवकर जिमित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्समें इसको परवात् 'सक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- एउ. से जिथक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (धौर इससे उपाबद धनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विशित है) रिजस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के सधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान भ्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास क्रिने का कारण है कि संभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ले, एसे ध्रवमान प्रतिफल के धन्त्रह प्रतिवात से बीधक है और जन्तरक (जन्तरका) और सन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिकत, निम्मीमिश्चित स्व्वेद्य से स्वक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक स्थ से अधिक महीं सिवा नया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्; और/या
- (क) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गुरनाम सिंह पुत्र वरियाम सिंह बासी रामपुरा फूल ।

(ग्रन्तरक)

 श्री नसीब कौर, पत्नी गुरनाम सिंह बासी रामपुरा फूल ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो स्थक्ति सम्पत्ति में रिव रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्रोहस्ताक्षरी
जानता कि वह तम्पत्ति में हितबद्ध है)

को **शह सूचना जारी** करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अधिक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्षतिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं. 1522 दिनांक जून, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी रामपुरा फूल में लिखा है।

> जे० एस० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज, जालन्धर

तारी**व** i5 फरवरी 1983 मोहर:

त्रक्य वाहाँ <u>८ दीत पुरात</u> पुरातुः ----

जायकर अधितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वामा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15-2-83

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 3988---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रवाद 'उक्त नृधिनियम' कहा गया हैं), की भाक 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा से निधक हैं

भौर जिसकी सं जैसा भनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी रामपुरा में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध भनुसूची में भार जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम् के अवस्थान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अभिक है और अन्त्रस्थ (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एते अन्त्रस्थ के लिए तथु पावा गया प्रतिकल, निम्निजित उद्देश्यों से उच्क अन्तरण निचित्त में वास्तिक स्व से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती जाय की बाबत, उक्त जिल्लामिय को जभीन कार दोने को अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उत्तसे बुजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'से किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के हैकर;

अतः अग, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, गिस्नीलिखित व्यक्तियों, मुर्थात् ६--- श्री कुलवन्त राम पुझ हरचरण सिंह बासी मण्डी फ़ूल ।

(मन्तरक)

 श्रीमती पुष्पा देवी पुत्री भनन राम पुत्र प्रस्तानन्य थासी गांध चौके।

(भ्रम्तरिती)

3. जैसानं ० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग म सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मैं हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो कारके पूर्वीवस सम्पत्ति के अर्थन के सिल्लू कार्यवाही गुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद् सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

अमृज्ञुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं 1440, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी राभपुरा फूल में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम् प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

मोहर

हरूव **नार्द**्धी पुन । इस्_र त्राराण्यकारण

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के जंबीन सूचता

भारत करकार

कार्याचन, उद्भवक भारकार नामुक्य (निराधान)

वर्जन रेज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3989---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

बावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इचर्ने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्थ 25000/- द० से प्रधिन है

श्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भोर बरत सिंह कला में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तलवंडी साबी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मूस्य से कन के स्वयंत्रण प्रतिपत्त को सिए जन्तरित की नई है जीर मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूस्य, उत्तर्भ स्वयंत्रान प्रतिपत्त से, एसे स्वयंत्रान प्रतिपत्त का पत्तह प्रतिशत अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरकों) और जैतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरक से जिए तब पाना क्या प्रतिपत्त निम्नसिवित उद्देश्य वे उच्त अन्तरक किविस में अस्तिक कम से कियत नहीं देखना नया है है—

- (क) जन्तरफ के दूर्व किसी जान की बावक्, उकक् अधित्रवयु के जधीग कर क्षेत्र अन्तरफ के बाजिएल के कानी कारने वा उक्के बुल्ले के बुल्लिश के जिस्सी कीर/जा

बतः बन्, समत विविद्यमः की भारा 269-न के बद्तरण में, में, उनत मीधीनयम् की भाषा 269-व की उनधारा (1) ने मधीन, निकासिक जिन्मों, वर्णन् :--- 1. श्री बाबू राम पुत्र बृंजलाल पुत्र श्रीचन्द श्रीर मनबारी पत्नी बृंजलाल पुत्र श्री अन्द , बासी बार्ख नं० 8/87, भोर मण्डी, ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुरदीप सिंह, हरप्रीत सिंह पुत्र गुरमेल सिंह गांव मोर चरत सिंह वाला।

(श्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह दूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्वरिता के अर्थन के बिए कार्वमाहियां करता हो।

उन्त वंगीत्य के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस तुकान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवित का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूका की ताबील से 30 दिन की अविध , जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किली क्योंनित ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पत्र विविद्य में किए वा सकेंगे।

त्र्यक्रिक्ट्य:--- इत्तर्भे प्रृत्तः वन्तां सौर पृत्तो का, को वन्तः सीध-विवस सी स्थाय 20-क में परिभाषित हो, वहीं वर्ध होता, जो उक्त स्थाय में विवा नवा ही।

नमृत्या

न्यन्ति तथा सम्पास जैसा कि विलेख नं 1062 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी तलबंडी साबो में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-2-1983 मोक्टर 3

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकार जायुक्त (निरीकण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरबरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3990—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भीर चरत सिंह कला में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तलबंबी साबो, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान मित्र के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयस करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाजा गडा प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण किकिन में जास्तिक रूप से काँथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण के झूर्च किंशी जाज की बाबत, उथत जीधीनबाश के लशीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य को नामी करने वा उत्तर वणने को सुविधा के लिए; जीर/बा
- (क) श्रेडी किसी जान ना किसी भन कर अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिभिनियम, वा भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अब: अब, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अभूकरण में, में, उक्का अधिनियम की धारा 269-च की उवधारा (1) के अचीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बृजलाल पुत्र श्री खन्द वार्ड नं. 8/87, भोर मण्डी।

(अन्तरक)

2. श्री गुरप्रीत सिंह हरप्रीत सिंह पृत्र गुरमेल सिंह भोर चुरत सिंह काला।

(अन्तरिती)

3. जैसा नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रलता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए क्यर्वविद्या करता हुं।

उनत सन्दर्शित के अर्जन के सन्दर्भ में कोई भी मार्क्ष :--

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जयिथ ना तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की त्वरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शत चिकित में किए या सकोंगे।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 1063, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी तलवंडी साबों में लिखा है।

> जे० एल० गिरध्नर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, जालन्मर

तारीख 15-2-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ण् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निर्शिक्षण)
श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3991—यत:, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी साबो में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवंडी साबों में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबक, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर औधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. नेक सिंह पुत्रं साधु सिंह

वासी तलवंडी; साको ।

(भ्रन्तरक)

 श्री सिमलो देनी पुत्र रखा राम पता: श्री दुर्गावास खतरी पुत्र नन्द लाल खतरी, कमीणन एजेंट, मोर मण्डी,

(श्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 732 दिनांक जून, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तलवंडी सामों में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जा्लन्धर

तारीख: 15-2-1983

श्रक्त्य जार्दः टी. एन्. एसः ---

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जाय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश नं० ए० पी० नं 3992—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० अनुसूची में लिखा है तथा जो तलबंदी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवंदी साबों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है, और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित् वाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पेबह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्न् लिखित उद्योष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की बाबत उक्त ऑधि-रियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अष्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री साधु सिंह पुत्र इन्द्र सिंह गाय तलवंडी, साबो ।

(भ्रन्तरक)

 श्री दुर्गादास खतरी, पुत्र नन्द लाल खतरी, कमीशन ऐजेन्ट, मोर भण्डी, भटिन्डा ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति, सम्पत्ति में कृचि रखता है।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी

बहुच्याक्त, ।जनक बार में अबाहुस्ताकरा जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह स्थना जारी करके पृत्रावित सन्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस 'सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रान्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1259 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी तलवंडी साबो ने लिखा है।

> जे**़** एल० गिरधर संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

पञ्च आडाँ, टी, एस, एस, ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

धारत परकार

कार्यालय, सङ्गायक जायकर जायुक्त निरीक्षण

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3993--यत: मुझे, जे० एस० गिरधर,

जावकर जिनितम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें परवात 'उपत अभिनिवय' मद्दा नवा हैं), की भारा 269-व के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्ब, 25,000/- रहे से जिथक हैं

श्रीर जिसकी सं श्रमुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी साबों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण इप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तलवंडी साबों में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्विक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफात के लिए बंतरित की गई है और बुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बनावासित वंपतित का उचित बाजार मून्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से, एसे व्यवसाम प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (बंतरितियों) से बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया प्रया वशिक न निम्निकित बच्चरेप से वस्त अन्तरण सिसित में बास्तिक इस से किया नय हैं:--

- (क्त) अन्तरण से हुद्द किसी अंत की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के खर्बिट्य में कभी करने या उससे अधिन में तृषिधा के लिक्द; अक्टि/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

बहः बब, उच्च अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण कों, बीं, उच्च अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नतिहित व्यक्तियों, जर्भात् श्री इंदर सिंह, भगत सिंह पुल में हुगा सिंह तलबंडी साबो ।

(भ्रन्तरक)

2. बलदेव सिंह, तरसेम सिंह पुत्र बलायती सिंह पता: मेसर्जे, बलायती सिंह तरसेम सिंह क्लाथ मरचैन्ट्स, तलवंडी साबो।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताझरी
जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवक स्वयुव्धि के वर्षन की सम्बन्ध में कोई ही आयोग्ड---

- (क) इस त्वना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ वा तरसम्बन्धी स्वक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यां किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस ब्रूचना के राज्यम में प्रकाशम की तारीन से 45 दिन के भीतर बक्त स्वावर सम्पत्ति में हित्यस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोइस्ताकारी के पाल सिचिक में किए वा सकते ।

स्युक्तीकरणः -- इदमें प्रयुक्त प्रकार की र नयां का, की उच्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में वीरभावित ही, यहीं अर्थ होता को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 799, दिनांक जून, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तलवंडी साबों ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकरजभायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

मोध्र :

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस. -----

अध्यकर किंशितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर,दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3994—यतः मुझे, जे०एल० गिरधर

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी साबो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय तलवंडी साबो में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एंगे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक अप में कांध्त नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वासत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

 श्री बलराज सिंह पुत्र दौलत सिंह पुत्र खेता सिंह गांव राम सरा ।

(ग्रन्तरक)

(2) गुरां सिंह, बूटा सिंह पुत्र हाकन सिंह गांव राम सरा।

(श्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति, सम्पि में किच रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूमना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भा समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति, जैसा कि विलेख नं० 842, दिनांक ज्न, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी तलवंडी साबो ने लिखा है।

> जे० एल० गिर्धर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

नतः अव, उक्त व्यक्षिनियम, की भारा 269-ए के अनुस्ररा ों, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) हे अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

16-516 GI/82

तारीख: 15-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 3995—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो तलबंडी साबों में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तलबंडी साबो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कुमारी सुधा पुलं श्रीमती जयकौर , विधवा श्रमर सिंह गांव तलवंडी साबो।

(म्रन्तरक)

 श्री बलौर सिंह, गुरबन्त सिंह पुत्र झात्मा सिंह गांव तलवंडी साबो।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 940, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी तलवंडी साबो में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारीखा: 15-2-1983

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3996---यतः मुझे जे० एस० गिरधर

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैंसा श्रनमूची मैं लिखा है तथ। जो तलवंडी साबों में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तलवंडी साबों में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वा कत सम्पत्ति को उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए:

गतः गयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- कुमारी सुधा पुत्री श्रीमती जयकौर विधवा भागर सिंह गांव तलवंडी साबो ।
 - (भ्रन्तरक)
- श्री बसंत सिंह पुत्र ग्राःका सिंह गांव तलकांकी साको

(श्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
 (वह अपित जिसमें ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🐎 -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा:
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धािकरणः --- इसमें प्रयूकत शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बच्चाय 20-क में रिरभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलख नं० 941 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलबंडी साबों ने जिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

रूप प्र आई० टी ० एन० एस०-

नायकर निध्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीत स्चना

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक गामकर गामुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 फ़रवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3997—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्छा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनसूबी में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जून, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण में बास्तिक क्य से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री बीरेन्द्र कुमार पुत्र बलवंत राय मलौट मण्डी।

(भ्रन्तरक)

2. हरिष्याल सिंह पुत्र निरंजन सिंह

(भ्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ती है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह ध्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ते संपरित के धर्जन के लिए 'कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकाये।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसाकि विलख नं० 1648 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डामें लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

प्रारूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 3998--यतः मुझे जे० एल० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कृष्ण कुमार पुत्र भगवान दास वासी भटिन्डा ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पवन कुमार पुत्र रोशन लाल, भटिन्डा
 - (2) श्री श्रभय कुमार पुत्र प्रम प्रकाश, भटिन्डा।
 - (3) गुरबचन कौर पुत्नी जीवन सिंह,
 - (4) निमला रानी पत्नी मथरा दास, भटिन्डा।
 - (5) मथुरा दास, पुत्र मेगराम सोहनलाल ग्रोवर दिमाल, भटिन्डा।
 - (6) श्री मोहन लाल ग्रोवर पुत्र परम राम
 - (7) सरला देवी पत्नी श्री सोहनलाल ग्रोवर दिमाल भटिन्छा ।

(अन्तरिती)

3. जसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्राधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकने।

स्पंच्छोकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं 1772 दिनौंक जुन 1982 को राजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी मटिन्डा ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

मोहर ः

प्रस्य नाह". टी. एन. एस.-----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1983

निर्देश नं० ए० पी० नं० 3999---यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची म लिखा है तथा जो भन्टिडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक जून, 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्विदेय से उक्त अन्तरण किसित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल जिभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुनिधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- जिसिन्द्र सिंह पुत्र बलदेव सिंह वासी मकान नं० 614, श्रमरीक सिंह भटिखन। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगरूप सिंह श्रीर भरपूर सिंह पुत्र जीत सिंह, गांव फूल श्रीर जगरूप सिंह पुत्र जागर सिंह श्रीर सुरजीत कौर वासी डब्रवाली।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में लिखा है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचित रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबब है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्वीक के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वण्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पढ़ों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, वही अर्च होगा, जो उस भव्याय में बिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्प्पति जैसा कि विलेख नं 1745 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटन्डा ने लिखा

> गे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ौजाकृत्सर

तारीख 15 -2-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

भागकर कृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालबु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4000—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थितहै (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिति की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृत्रयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रम्तरकों) भीर प्रम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से आधान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत छश्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; अरि√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में मृविद्या के निरु ;

ग्रतः सब, उन्त बिश्विनियम की श्वारा 269-व के प्रमुसरण वें; वें, उक्त अधिनियम की श्वारा 269-घ की उपग्रारा(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् :--- श्रीमती सरला देवी, पत्नी प्रीतम चन्द भटिन्डा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री प्रदीप कुमार पुत्र रूप चन्द, पता : रेसाला होटल, नजदीक रेलवे स्टेशन, भटिन्डा ।

(श्रन्तरिती)

जैसा नं० 2 में लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बादी कुरुचे पूचेंकित ईपित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव,र संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुतुची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेखनं० 1777 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** : 15-2-1983

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए०पी० नं० 4001—यत:- मुझे, जे० एल० गिरधर

वायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) र जिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनोक जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री छोटू राम पुत्र हीरा नन्द करियाना डीलर हीरा चौक, सिरकी बाजार, भटिंडा।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती जानकी देवी पत्नी हेम राज धनोला
 - (2) सावित्री देवी, पुत्नी हेमराज धनोला
 - (3) हेम राज पुत्र राम चन्द भटिन्डा ।
 - (4) जगपाल/सिंह.पुत्र चन्दा सिंह
 - (5) बलबीर सिंह पुत्र चनन सिंह
 - (6) निर्मला देवी पत्नी चमन लाल वासी भटिन्डा ।

∬(अन्तरिती)

3. जैसान० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारें में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक एण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1780 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15**-2-1**983

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

- कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4002---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 17—516 GI/82

- श्री श्रंग्रेज सिंह, पुत्र जलौर सिंह, यासी गुरु नामक कोल्ज स्टोरेज, भटिशन । (श्रन्तरक)
- 2. श्री जरनैल सिंह करनैल सिंह, पुत्र किशन सिंह, गांव मोहना ग्रौर चनन सिंह पुत्र चन्दा सिंह गांव मोहना (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसानं० 2 में तिखा है।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितंबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीयत संपत्ति के अर्जन के लिह कार्यवाहियां करता हं

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में करोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरमः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ंह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1894 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ज**: 15-2-1983

मोहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी, 1983

निर्देण सं०्री ए० पी० नं० 4003—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी॰ जैसा कि श्रिनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति- कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;
- अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उमा अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- रोगन सिंह पुत्र बन्ता सिंह, भासी गांव सम्रूली, तहसील गड शंकर, । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती स्वर्णकौर पत्नी श्री प्रीः राम, वासी माडल टाऊन, नजदीक एच० श्रो० साध राम (एम०पी०) फगवाड़ा।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा नं ० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त स्म्पत्ति के गर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति रवाय, ज्थोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 557, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीय: 15-2-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4004—यतः मुझे जे० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम इस्यंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रेह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बर्चने में मुखिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नेलिमित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- श्री म्रजीत सिंह पुत्र बन्ता सिंह वासी गांव सकस्ली, तहसील बड़ शंकर। (ग्रन्तरक)
- श्री प्रेतु राम पुत्र चूड़ा राम वासी माडल टाऊ , नजदीक स्व० श्री साधु राम (एम०पी०फगबाड़ा। (अन्तरिती)
- जैसा नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विलेख नं० 558, दिनांक जून, 1982 को रजिस्द्रीकर्ता भ्राधकारी फगवाडा ने लिखा है।

> जे॰ एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, जालन्धर

तारी**ख** 15-2-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. पून. पूस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 15 फरवरी, 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4005—यंतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो फाजिल्का में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बीणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सूनिधा के लिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या । कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसों, अर्थात्:---

 श्री कंवर सिंह पुत्र श्री प्रधान सिंह वासी नलौट ।

(भ्रन्तरक)

 श्री म्रानिक कुमार पुत्र नन्द लाल वासी फाजिल्का।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ती है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

ब्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 0 1714 दिनांक जन, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फाजिल्का ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख** 15-2-1983 मॉहरः प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी, 1983

निर्देण सं० ए० पी० नं० 4006-यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि नीचे श्रनुसूची में लिखा है तथा जो रैनक बाजार, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम जून, 1982

को पूर्वित सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अक्षः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री सन्तोख सिंह, पुत्र जीवन सिंह वासी ई-नयू-159/312, रैनक बाजार, जालन्धर। (भन्तरक)
- . 2. श्री हरजिन्दर पाल पुत्र बस्ती राम वासी डब्स्यू.डी. 94, श्रली मोहल्ला, जालन्धर । (ग्रन्तरिती)
 - जैसा ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्सीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान जो रैनक बाजार जालन्धर में स्थित है। तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1616 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा 15-2-1983

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी, 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4007 श्रीर 4008—यत: मुझे ज० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बंगा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रतिधकारी के कार्यालय बंगा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से शुर्द किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; सरि/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्सीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री कलवंत राय पाठक पुत्र विश्वम्भर दत्त
 वासी गुप्पा चौर, तहसील अंगा जिला जालन्धर।
 (ग्रन्तरक)
- 2. विद्यक मिश्र पुत्र लाहोरी राम ग्रौर श्रीमती तृष्ता वती पत्नी विकाश मिश्र वासी बंगा जिला जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है।)
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्वना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकारी।

स्परकोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा नवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं ४४११, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी बंगा ने लिखा है।

> ज० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख 14-2-1983 मोह्रा प्ररूप: माई: टी: एन: एस: -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर,विनांक 14 फरवरी, 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4009---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो चक हुसैना -लामा पिण्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहसमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से सुर्क किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री निरन्जन सिंह, शामा पुत्र बीरभान सिंह ग्रौर कूमन सिंह, बलबन्त सिंह पुत्र हाकम सिंह वासी लामा पिण्ड चक हुभैना जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी स्वर्ण सिंह
 - (2) गुरदीप सिंह पुत्र खजान सिंह
 - (3) मोहन सिंह पुत्र पाल सिंह वासी प्रति नगर, सोडल रोड, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2169 दिनोक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जासन्धर

दिमांक : 14-2-1983

∵हरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

THE STREET

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सँ० ए० पी० न० 4010—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उवत अधिनियम' कहा गया है। कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो लामा पिण्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्यिथा के सिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री निरन्जन सिंह शामा पुत्र वीरभान सिंह श्रीर कूमन सिंह, बलवन्त सिंह पुत्र हाकम सिंह वासी चक्क हुसैना, लामा पिण्ड, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चौगिया राज पुत्र रोशन लाल
 (2) पुष्पा रानी पत्नी भ्रमरनाथ और ग्राशा रानी
 पत्नि प्रभू कुमार ग्रीर कृष्णा रानी पत्नी दर्शन लाल
 वासी डी० बी० 148-ए किला मोहल्ला जालन्धर ।
 (भ्रन्तरिती
- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति , ज़िसके फ्रिधि-भोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबंब है)

का यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीझ है 45 विन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया समा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2176 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 14-2-1983

मोहर ः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश स० ए० पी० नं० 4013--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो सेंट्रल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जून 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितां (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त निपिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना षाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :---18---516 G1/82 (1) श्रीमती सरोज रानी उर्फ सुमिता पुत्री वेद कौर ग्रीर पत्नी भूपिन्द्र दास खन्ना वारसी 33/35 मोहल्ला नं० 23, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री हरविन्द्र सिंह पुत्र कर्म सिंह वासी 329/7, सेण्ट्रल टाऊन जालन्धर । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रांश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2584 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4014---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982

को पूर्वनित संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वनित सम्पृत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय वरी बासते, उकते अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर ब्रीभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती निरन्दर कॉर विधवा कन्तार सिंह श्रीर कुलतार कीर उर्फ करतार कीर पुत्री करतार सिंह द्वारा जगतार कॉर. । वासी 179, माडल टाऊन, जालन्धर । (श्रन्तरक)

TO DESCRIPT TEXT OF NOW THE EMPLOYMENT OF MEDICAL STREET, A SECOND OF THE STREET, A SECOND OF THE SE

- (2) श्री रामेक्वर सिंह पुत्र **डा**० कर्म सिंह् वासी 579—माहैल टाऊन जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं 2 में निखा है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधमोग में सम्पत्ति है)
- (त) जो व्यक्ति समाति में धीच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी कारकं पूर्वायत सम्पत्ति के अव्यंत के लिए जायजाहियां करता हो ।

उक्त सम्पात्त क अजन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 विन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाध्य होती हो, को भीतर पूर्यों कर जानिता में है किसी व्यक्ति दूराया.
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अबत स्थावर सम्पन्ति में हितगब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में विग्र शासकारी।

स्पट्टीकरणः — इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2235 दिनांक जुन, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी, 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4015—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जेतू में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जेतू में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून, 1982 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, नक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री तोता सिंह नाहर सिंह पुत्र श्रीर श्रीमती धनकौर विधवा सरवन सिंह वासी जेतू

(स्रन्तरक)

(2) श्री शिव लाल पुत्न ईशर दास वासी जेतू मण्डी

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 503 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी जेतु ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1983

प्ररूप आहूँ.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर 14 फरवरी 1983

निदेश नं० ए० पी० नं० 4016—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जेनू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जेनू में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मुकन्द सिंह पुत्न कपूर सिंह श्रीमती हरपाल कौर, तेज कौर पुत्नी कपूर सिंह वासी जेनू मण्डी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रासा सिंह, सुन्दर मिंह, सोहन सिंह पुत · सम्पूर्ण सिंह वासी----जेनू मण्डी ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुढ़ि रुखना है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में- कां भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 521 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जेतु ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर **ग्रायुक्त** (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 14-2-1983

मोहर 🚁

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

्जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० नं० 4017—यन: मुझे जे० एल० गिरधर, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जेतू में स्थित है (शौर इससे उपावउ अनुसूची में शौर पूर्णक्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जेतू में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मतः वय उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भार 269-थ की उपभारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गुरचरण सिंह, मेजर सिंह पुत्र बलवीर सिंह वासी जेनू मण्डी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह , जसमेल सिंह प्रगट सिंह, सरदारा सिंह पुत्र शाम सिंह वासी जेतू

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास सिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 532 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जेतू ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4018—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्दास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जेतू में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विजित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जेतू में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्लित में वास्तिवक रूप किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- .(1).श्री करतार सिंह पुत्र गुरवख्श सिंह . वासी गांव जेतू ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र सिंह देवेन्द्र सिंह सुपुत दशद्रन न सिंह वासी गांव जेतू

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिध-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रयोहस्ताक्षरी जानाता है कि वृह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया-गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 319 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जेतू ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4019—यतः मुझ, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्था सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र

ग्रीर जिसकी सं ्या कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जेतू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जेते में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं कया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया अन्तरित साहिए था। स्थितिया के सिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

(1) श्री दर्शन सिंह पुत्र प्रताप सिंह मार्फत मुख्योर-ए० ग्राम प्रताप सिंह पुत्र गुरबख्य सिंह गांव जेत्

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह सुपुत्र दर्शन सिंह वासी गांव जेतू

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सुबना जारी करके पुत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयायत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 461 दिनांक जून, 82 को रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी जेतू ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, जालन्धर

दिनांक: 14-2-1983

मोहर

प्ररूप बाहे. टी. एन्. एस.---

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेण सं० ए० पी० 4020— यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी मं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो जेतू में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबढ़ भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्णस्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जेतू में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वों क्त संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल जिल्ला निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ब्यीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भून या अल्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री करतार सिंह पुत्न गुरबख्श सिंह वासी गांव जेतू

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नगेन्द्र सिंह , राजेन्द्र सिंह सुपुत्न जगदीण सिंह वासी गांव जेते

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं ० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहश्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 367 दिनांक जून 1982 को रजिस्द्वीकर्ता श्रिधिकारी जेतू ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर

जतः अन्त, उनतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरः की, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, भूधीत् :--

दिनांक: 14-2-1983

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस॰---

गायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्वतीत स्वता

भारत सरकार

कार्यानय, सहाधक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1982

निदेश सं० ए० पी० 4021—यतः मुझे जे० एल० गिरधर, प्रायकर पश्चिम्यम, 1961 (१७६1 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनायम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• द॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो जेतू में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जेतू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान्
प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आिंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरुक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के जिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्हिलिकत व्यक्तियों अर्थात् :--- 19—516 GI/82

(1) श्री **दर्शन** सिंह पुत्र प्रताप सिंह नासी गांथ जेसू

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नेगन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह सुपुत्र जगदीण सिंह वासी गांव जेत्

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा न ० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिध-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति सें पिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह स्वना जारी करके पुर्वौक्त सम्पत्ति के ग्रर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सक्ती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 444 विनांक जून, 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जेतू ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4022—यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

ग्रायकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रिवित्यम' कक्षा गया है), की घारा 269-ज के प्रजीत सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्वि, जिसका छिवत बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से भिष्ठिक है

श्रौर जिस्तकी सं० जैसा कि श्रनुभूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौरपूर्णरूप से विणत है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन, दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भाग्य भास्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिलाने में सविधा के लिए।

अतः अन्, उन्कत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शशीवाला पत्नी डा० ग्रशोक कुमार वधवा श्रामी मुक्तसर

(ग्रांतरक)

(2) श्री बहादुर चन्द पुत्र सरदारी मल वासी जलालाबाद हरचरण सिंह पुत्र पूर्ण सिंह गांव सुबो तहसील मुक्तसुर ।

(भ्रंतरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (शह व्यक्तिः, जिनके बारे में भ्रश्वोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी क्रारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्रेप:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्त्रष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्यो का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में वियागया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 772 रि जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मुक्तसर ने लिख

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जानन्धर

विनांक : 15-2-1983

महिर :

प्रकथ आहें हो हो , एन , एस , ------

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए०पी० 4023—यतः मुझे जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

त्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावब ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)' रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितफल के लिए अन्तरित की यह है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिस्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आम या किसी थन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- डा० श्रशोक कुमार बधवा पुत्र मनोहर लाल वासी मुक्तसर ।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती राज रानी पन्नी तीर्थ राम वासी मुक्तसर श्रौर गुरदेव कौर पत्नी हरनेक सिंह वासी गांव सुबो तहसील मुक्तसर ।
- 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रबोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- . (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्शेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिड़ा-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर। औ पास लिखिस में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :-- त्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तक्ष अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस मध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जसाकि विलेख नं० 773, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

प्ररूप • भाई • टी • एन • एस •----

मामकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा '269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक शायकार मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4024—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पांस के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर सम्बर्ग (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथिस वहीं फिया यहा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ्कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अं\: बाब उम्रस अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण की, अंभे, उक्त अधिनियम की भाग 269-ण की उपभाग (1) के अभीन, निम्मसिणित व्यक्तियों, मंभीत् ६—

 श्रीमती रूप रानी पत्नी मनोहर लाल वासी मुक्तसर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरचरन सिंह पुत्र हरनेक सिंह गांव सुबो तहसील मुक्तसर, श्रीर तीर्थराम पुत्र सुमन राम वासी मुक्तसर।

(धन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह कूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उपन सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप 🗀

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हिना ग्या हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, असा कि विलेख नं० 774, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जं० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

भायकर स्थिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनोक 15 फ़रवरी 1983

निवंश सं० ए०पी० 4025--यत: मुझे, जे० एस० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सधीक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीलरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिसत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की पायत, उक्त प्रधिनियम् के ग्राचीन कर देने के ग्रन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थातु:——

- श्री गुरमीत सिंह पुत्र हरवंस सिंह और रण जीत सिंह पुत्र सज्जन सिंह वासी गांव सधीक, तहसील फरीवकोट। (ग्रन्तरक)
- रिबन्द्र कुमार, विनोद कुमार सुपुत्र नत्था राम मार्फत मैंसर्ज नत्था राम भोमरा राईस मिल गांव सधीक, तहसील फरीदकोट ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- े 4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है')

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त बब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं 1536 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक 15 फरवरी 1983 निदेश सं० ए० पी० 4026—ग्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हो

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सधीक, तहसील फरीदकोट में लिखा है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण-भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जून, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तीरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी अरने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयू या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया, जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अवतार सिंह पुत्र सण्जन सिंह मार्फत मुख्तयारे श्राम गुरजीत सिंह पुत्र हरवंस सिंह गांव सधीक, तहसील फरीदकोट।

(श्रन्तरक)

 रिवन्द्र कुमार विनोद कुमार सुपुल नत्था राम मारफत मैसर्ज नत्था राम, दोमरा राईस मिल्स, गांव सधीक, तहसील फरीदकोट।

(श्रन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्यन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1537 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

प्ररूप बार्चः टी. एन. एस.-----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत यहकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निवेश नं ए०पी० 4027—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सधीक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1982

को प्वांक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जम्लरण से हुई किसी नाय की नावत उक्त अभि-कियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने गा उससे वक्त में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, धिनह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- गुरदीप सिंह पुत्र साधु सिंह वासी गांव सधीक, तहसील फरीदकोट।

(भ्रन्तरक)

2. नरेन्द्र कुमार, प्रशोक कुमार सुपुत्र नत्था राम मार्फत नत्थाराम ,दोमरा राईस मिल्स, सधीक, नहसील फरीदकोट ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्यत्तिहै)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सिय में किए जा सकेंगे।

स्थल्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूखी

(सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेखनं ् 1607 दिनांक जून, 1982 रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4028—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख ध्हे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं प्रनसची में लिखा है तथा जो गाँव

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गाँव सधीक में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप थे वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, जिम्मिलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक क्य से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए?

नतः अव, उच्क अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शी गुरमुख सिंह पुत्र साधु सिंह वासी गांव सधीक, तहसील फरीदकोट, तिलक राज पुद्रत ईण्वर दास वासी गांव सधीक तहसील, फरीदकोट।

(श्रन्तरक)

2 श्री नरेन्द्र कुमार , श्रशोक कुमार , मुपुत्र नत्था राम मार्फत: नत्थाराम दोमरा राईस मिल, सधीक तहसील, फरीदंकोट ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1608, दिनांक जून, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप आई. टो. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4029 यतः मुझे, जे० एल० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एथमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- 20--516 GI/82

 श्री सतपाल पुत्र लुभाया राम वासी ई-बी- 155, काजी मोहल्ला, जालन्धर।

(म्रन्तरक)

2. मैसर्स मैटल वैह प्राइवेट लि॰ मार्फतः श्रोम सरन मुख्तयार-ए-ग्राम वासी 188-ए, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

2. जैसा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो हस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक़्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2167, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फरकरी 1983 निदेश सं० ए० पी० नं० 4030—यत: मुझे, जे० एल० गिरधर

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वांणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अम्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——ः

- 1. श्री कस्तूरी लाल पुत्र राजाराम वासी म० नं० एन० एन० 310, गोपाल नगर, जालन्धर ((ग्रन्तरक)
- श्रशोक कुमार पुत्र श्रमर नाथ वासी 31, विजय नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)
- वह व्यक्ति जो सम्पत्तिमें रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकोंगे।

वन्सूची

सम्पत्ति दुकान 2/5 हिस्सा एन० के० 6, जो सब्जी मन्डी, जालन्धर में स्थित है तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1803, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप आर्द. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983 निदेश सं० ए०पी० नं० 4031—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान गितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 कस्तूरी लाल पुत्र राजा राम वासी एन०एन० 310, गोपाल नगर, जालन्धर ।

(अम्तरक)

 हुकमन देवी पत्नी अमर नाथ वासी 31, विजय नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान एन० के० 6, जो सब्जी मण्डी जालन्धर में स्थित है। व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2160, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्बर

नारीख: 15-2-1983

मोहर 🗈

प्ररूप आई. दो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए०पी० नं० 4030—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो किंगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृत्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी धन गा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अभीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- शिवदेव सिंह पुत्र उजागर सिंह, रनबीर सिंह, ईन्दर बीर सिंह भीर रघबीर सिंह, पुत्र शिवदेव सिंह बासी किंगरा, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

 दि ग्रेजुएट एम्पलायर कोम्रापरेटिय हाऊस बिल्डिंग ्रसोसायटी, लिमिटेड, किंगरा ।

(अन्तरिती)

3. जैसों कि ऊपर नं ० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं 1551 में, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269=**म** (1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए०पी० नं० 4033—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

श्रायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है,

ग्रौर जिसकी संख्या जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव बरयाना में स्थित हैं (ग्रौर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलाखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम न हुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रिष्ठितियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/था
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी बन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिविनयम, बा अन-कर ब्रिविनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 प्रीतम सिंह पुत्र लदा सिंह वासी गांव वरयाना, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

 नरेन्द्र कुमार और मुरेन्द्र कुमार मेहता सुपुत श्री रामप्रकाश वासी 934-एल, माडल टाउन, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध मं कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त धानितयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 1613 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निर्देश सं० ए०पी०नं० 4034—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथो जो वरियाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांगय जालन्धर म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उमत अंतरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए,था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अतः, उक्तः शाधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सुभीन्, निम्नुसिवित् न्यक्तियों, अधीत् :-- श्री त्रीतम सिंह पुत्र लाधे सिंह, वासी विरियाना, तहसील जालन्धर ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री विजय कुमार मेहता पुत्त राम प्रकाश वासी 434-एल, माडल टाऊन जालन्धर भ्रीर विजय कुमार पुत्र लाजपत राय, रेलवे रोड, नवां शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसानं० 2 में लिखा है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति रिच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानका है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की बविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

सम्मिति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2006, दिनांक जून, 1982को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

प्रकार नाहाँ , टी. एव. एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी ^{*} 1983

निवेश मं० ए० पी० नं० 4035--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से निधक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन । दिनांक जुन, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसिक उद्देशों से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप में किशास नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या कर अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निभिषित मिन्तियों, वर्धात् :--- पिश्यीपाल सिंह पुत्र तीश्य सिंह,
 वासी गांव किंगरा, तहसील जालस्थर ।

(अन्तर्क)

 दिपंजाब स्टील कोआपरेटिव हाऊस बिल्डिंग मोसाईटी लि॰, किंगरा ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर संपन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्प्रित, जैसा कि विलेख नं० 2084 दिनांक जून, 1982 को र्राजस्ट्रीकर्ती श्रीवकारी जालन्धर में लिखा है।

> भे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ज्ञायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख : 15-2-1983

श्ररूप आहाँ, टी. एन. एस:------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निवेश सं० ए०पी० नं० 4036---यतः मुक्षे, जे० एल० गिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विजत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय जालन्धर में

बिलासपुर में 'रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 11 जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निकाचत उच्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कांशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जाँड/या
- (ख) एंसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उथतः अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, मिल्लिबिस क्यिक्सियों, स्थातः :---

- 1 श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह लासी गीव किजरा सहसील जालन्धर (अन्तरक)
- 2 श्रीमती सतिन्दर जीत कौर पत्नी कर्मजीत िह वासी 33, लाजपन नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभाग में सम्पत्तिहै)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड है)

को बहु सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित मों किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहाँ कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्भक्ति, जैसाकि विलेखनं ० 2104, दिनां क जून, 1982को रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4037—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

, श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--21---516 G1/82

(1) श्री प्रीणीपाल सिंह पुत्र तीर्थ सिंह वासी गांव किंगरा नहमील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) दी पुंजशील को-श्रापरेटित्र हाऊस बिल्डिंग सोसा-इटी लिमिटेड, किंगरा द्वारा सुखबीर सिंह प्रैसीडेंट ग्राफ दी सोसायटी ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्र) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति जमीन 22 कनाल 9 मरले जो गांव किगरा में स्थित है तथा 15-2-1983 व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 2272 दिनांक जून, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० सं० 4038——ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि स्रनुसूची में लिखा है। तथा गांव किगरा में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, न्त्रिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती जगतार कौर पुत्नी श्री करतार सिंह सैलक ग्रौर मुख्तियार-ए-ग्राम निरन्द्र कौर ग्रौर कुलतार कौर पुत्नी करतार सिंह वासी 519, माडल टाऊन, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश धीर पुत्र श्री धनी राम वासी 21, लाजपतनगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्तु होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के धास लिखित में किए जा सकों ।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया स्या हैं।

नन्स्ची

सम्पत्ति जमीन 4 कनाल जो गांव किगरा में स्थित है तथा जैसा कि विलेख सं० 2291 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० सं० 4039—प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि श्रनुमूची में लिखा है। तथा जो गांव किगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमिति जगतार कौर पुत्नी श्री करतार सिंह स्रौर जनरल श्रटारनी नरिन्द्र कौर विधवा श्रौर कुलतार कौर उर्फ करतार कौर पुत्नी करतार सिंह वासी 579, माडल टाऊन, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मन्जीत सिंह तुन्न मेला सिंह वासी 4, माडल टाऊन, जालंधर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अक्षि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क मे परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 4 कनाल जो गांव किगरा में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 2804 दिनांक जून, 1982 को राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-2-1983

मोहरू 🕄

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा _269-च (1), के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 15-2-83

निदेश संख्या ए० पी० नं० 4040—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

ग्रायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जित्तका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

स्रौर जसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव कोटक-पूरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन 1982

को पूर्वोकत सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से ग्रिमिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित प्रदेश ने इवन अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से क्यात नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (व) ऐसी किसा प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंखिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त ग्रंखिनियम, या धन-कर ग्रंखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के खिए;

श्रतः अव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुवरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रद्धीन, निम्निखित व्यक्तियों श्रषीत् :--

- श्रीमती माया देवी विधवा नानक चन्द द्वारा (ग्रन्तरक) सतरैण वासी शास्त्री मार्केट, कोटकपूरा ।
- बलजीत कौर पत्नी मलिकयत सिंह वासी कोठी वार्रानग, कोटकपूरा। (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे भें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणा-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित है, वही धर्ब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्त्यी

सम्पत्ति जमीन 32 कनाल 16 मरले जो गांव कोटकपूरा में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 0 1092 दिनांक जून 82 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 15-2-83

मोहरु 🖫

प्रकम बार्ड . टी . एव . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4041, यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की गरा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उपित वाचार मृश्य 25,000/-रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1098 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिण (अन्तर्कों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री हरनाम सिंह पूज श्री बचन सिंह ज्यैलरसी अस्पताल बाजार, भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) शक्ति विहार कोओपरटिय हाउस विन्तिगं सोसाइटी लि॰ भटिंडा ओर उसके सदस्यगण

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि स॰ 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिस्के अधिभोग में सम्पति है)

(4) जो अधिकत सम्पत्ति में रुचि रखता है)।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कार्यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप्:---

- (क) इस स्थमा के राज्यम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वयि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराह
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थावर संग्रीत में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थाय स्थोहस्ताल्यी के पास किसित में किए वा सकींगे।

स्थव्डोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 1575 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक :17-2-1983

प्ररूप आर्ट. टो. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निवेश सं० ए० पी० नं० 4042—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंखा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री बचन सिंह ज्वैलर्स अस्पताल रोड, भटिंडा मुख्यारे-याम आफ श्री मित करतार देवी विधवा हरवन्स लाल पुत्र — भूलामल ।

(अन्तरक)

(2) शक्ति विहार को-म्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि॰, भटिंडा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसानं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पति में हितबदध् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसािक विलेख नं० 1579 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी भटिंडा ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनाक :17-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4043—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिरो इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है(भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित विक ह्या से किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '—→

- (1) श्री तुर्गा दास पुत्र भूलन मल (सिंह) पुत्र गोपाल दास (मिंह) 66-गुडमैंन रोड, मिगापुर। (श्रन्सरक)
- (2) र्णाक्त बिहार को-म्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि० भटिंडा ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1577 दिनौंक जून, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-2-1983

प्रस्प बाइ. टी. एत. एत.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज, जालंघर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

म्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्वीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से श्रिष्टिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावश मनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1982

के मधीन जून, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करके का कारण है कि
स्थापूर्वोवण संपत्ति का उजित संजार मूस्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्मह
प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिकक
ह्य से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किमी श्राय की बाबत उपस प्रवि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्सरक के वायिस्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बाहितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए बा, छिपान में सुविधा के किए।

कतः ज्या, उकत अधिनियम् की धारा 269-ए को अवृत्तरण भौ, मौ, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) भीतन्वर सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह ज्वैलर्स, ग्रस्पताल बाजार, भटिशा। (श्रन्तरक)
- (2) शक्ति विहार कापरेटिक हाकस विलिदंग सोसाईटी लि॰ भटिका।

(अन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में श्रिच रखता है।) (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में बकायन की तारीख मे 45 विन की धर्विध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की भ्रवित, खो भी प्रवित वादमें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त एव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगरा ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1779 विनांक जून, 1982 के रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

विनांक : 17-2-1983

मोहरू 🚜

प्ररूप आद्र°. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की भार 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालनधर, विनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4046—-ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिका में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध, श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भटिका में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गावा प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में कार्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्तियों को जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :----

22-516 G1/82

(1) श्री ग्रमरिन्दर सिंह पुत्र हरनाम सिंह ज्वैलर्स ग्रस्पताल रोड, भटिंडा ।

(अन्तरक)

(2) ग्राक्ति बिहार को-प्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लि० भटिंडा ।

(प्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बह स्वना सारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भुरू करता हूं।

उक्स सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :——इसमें प्रयुक्त ज्ञान्दों और पर्वों का, जो उक्त् अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1580 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता, ग्रिधकारी भटिंडा ने लिखा।

> जे० एल० गिरद्यर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक :17-2-1983

ारूप बार्ड. टी. एन. एस..==---

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983 निदेश सं० ए० पी० नं० 4047—श्रत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इस्ते उपाबद्ध में श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 16) के ग्रिधीन,, जून, 1982

को पूर्वाक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अयिकतयों, अर्थात् हरू---

- (1) श्रीमती शांति देवी विधवा रघुराज वासी मुलतानिया रोड, भटिंडा ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री तीजिन्दर सिंह, करमजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह पुत्र सुजचा सिंह कोठी सुच्चा सिंह पीछे थर्म ल कालोनी, भटिंडा लखबीर कौर विधवा सुखदेव सिंह गांव गोविन्दगढ़।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभीग में सम्पत्ति
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यत्क्षेक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसािक विलेख नं० 1931 दिनांक जून 1982 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिंडा ने लिखा ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-2-1983

मोहर 🗵

प्ररूप **बाइ**रं, टी., **एन्**.; **एस्.,-----**

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मृता

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांकः 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4048----श्रत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25.,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद में भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन, जुन, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे व्यूने में सूदिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री वनक्याम दास और रामजी दास पुत्र रघुराम वासी मुलतानिया रोड, भटिडा ।
- (2) तेजिन्दर सिंह , कर्मजीत जिंह कोठी सुच्चा सिंह पीछे वर्मल कालोनी, भटिडा और लखबीर कौर विधवा सुखदेव सिंह पुत्र करतार सिंह गांध गोबिन्दगढ ।

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में संपक्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाद ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितिसम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसावि विलेख नं० 1934 दिनांक जून, 1982 भटिंडा में लिखा है।

> प जे० एल० गिरघर संसक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त, (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, जालंधर

दिनांक 15-2-1983 -

मोहर '

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालंबर

जालन्धर, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4049—ग्रात मुझे, जे० एस० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जैरह कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (शंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को ज़िन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हो अधीन, जिम्नीलीकत व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) श्री घनश्याम दास ग्रीर रामजी दास पुत्र रघुनाथ मुलतानिया रोड, भटिडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तेजिन्दर सिंह कमजीत सिंह पुत्र बलदेव सिंह कोठी सुट्वा सिंह पीछे थमल पावर कालोमी, भटिंडा । लखबीर कौर विधवा सुखवेब सिंह पुष्त करतार सिंह गांव गोबिन्द गढ़।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिख़ा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रभिश्लोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है) (वह व्यक्ति जिनके बारे में ब्रिघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1935 दिनांक जून, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालंधर

तारीख ' 15-2-1983

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, जालंघर

जालन्धर दिनांक 15 फरवरी 1983

निवेश सं० ए० पी० 4050— प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाधन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वत व्यक्तिसंग, अर्थात् :--- (1) श्री रिवन्द्र सिंह पुत्र गुलजार सिंह श्रीर पी० ए० मोहिन्दर कौर रनवत कौर पुत्री गुलजार सिंह भटिडा ।

(अन्तर्भ)

(2) श्री नरेन्द्र पाल कौर पत्नी सुरजीत सिंह नाहियां वाला ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रिधभोग में सम्पति है।)

(3) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**सूची**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1963 दिनांक जून, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्मर

बिनांक : 15-2-1983

प्रकृत काइ . टी., एन. एस.-----

अस्वकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालंधर जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983 निदेश सं० ए० पी०नं० 4051—श्चतः मुझे, जे०एल० गिन्धर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-ख के धंधीत संसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर संतिक, जिसका खिंच बाजार पूस्य 25,000/ छ . से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा ज भटिंडा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण का से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किभी जन या भग्य आहितयों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 19.22 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम किया चिनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा अक्तिरी अधिन (1957 का 27) के अयोजमार्च अन्तरिती अरा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अस, उन्नत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--

- (1) श्री प्रीतम सिंह पुत्न कुंघन सिंह भटिंडा । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रघुबीर सिंह पुत्र भाल सिंह रामपुरा कल 1. मुख्तयार कौर पत्नी रंजीत सिंह रामपुराकूल। 3. बलबीर सिंह पुत्र चनन सिंह, रामपुराकूल। (अन्तरिती)
- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रभियोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

का यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1975 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिंडा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-2-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4052—ग्रतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भटिंडा में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मँ, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-वें की उपधारा (1) के अधीन निम्निन्सित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री प्रीतम सिंह पुत्र कुंदा सिंह भटिंडा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरबन्स कौर पत्नी भाल सिंह ।
 - 2. मुखत्यार कौर पत्नी रन्जीत सिंह ।
 - हरपाल सिंह पुत्र ग्रजमेर सिंह वासी राम-पुराफूल ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वय्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1976 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिंडा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) को क्यीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4053---श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यायल, भटिंडा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के जीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) बूटा सिंह पुत्र हजूरा सिंह वासी क्पूर बसन्ती बरनाला रोड, भटिंडा ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री गुरतेज सिंह पुत्र बलवन्त सिंह दानेवाल विरन्द्र सिंह ग्रौर तेजिन्द्र सिंह सुपुत्र बलदेव विह वासी गांव बूमवाली नजदीक डववाली।

(ग्रन्तरितो)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है।)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 2004 दिनांक जून 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 17-2-1983

प्रारूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए.० पी० 4054---ग्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्गरून से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23-516 GI/82

(1) श्री ग्रंगरेज सिंह पुत्र जलोहर सिंह मार्फत गुरू नानक कोल्ड स्टोर, बीवी वाल रोड, भटिंडा ।;

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री बन्तसिंह पुत्न चतर सिंह गांव सीमा गला ग्रीर धनी राम पुत्न ईश्वर राम, भटिंडा ।
- (3) जैसा कि अपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ऋभिभोग में संपत्ति है।)
- (4) जो व्यक्ति, संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 2008 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिंडा में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकय आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालधर

दिनांक : 17-2-1983

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4055—म्ब्रत:, मुझे, जे० एल० गिरघर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी .सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भिटंडा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, भिटंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है वि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अनारण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :---

(1) श्री जुगराज सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह, मेहता मुहल्ला, भटिंखा ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जगमोहन सिंह गिल, सतीन्द्र कौर, कुलदीप कौर, गुरमीत कौर और झादर्श कौर, बचे झाफ हरशरण सिंह गिल बासी, बागा पुराना, तहसील, फरीदकोट
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्मित्त में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मित्त में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2036 विमांक जून 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता ब्रधिकारी भटिण्डा में है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रजेन रेंज, जालंधर

तारीख: 17-2-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4056--- ग्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके-पश्चात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,090/-रूपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूबी में श्रीर पूण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिप्त की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंदर प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का तिम्नलिस्ति उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में वास्तविक लप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्वों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मृह्य अन, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के सन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, सर्थात् ह— (1) श्रोमती पुष्वा देवी पुत्री दीनानाथ वासी फिरोज-पुर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री रामप्रकाश श्रीर विमला देवी पत्नी महेन्द्रपाल वासी भटिखा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्राधीहस्ताक्षरी
 जानता है जि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना कं राजध्व संप्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2041 **दिनांक** जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा **है।**

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-2-1983

प्रकप थाई • टी • एन • एस • ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंघर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4057--म्रातः, मुझो, जे० एस० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुट से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजरट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1983

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिनों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निश्चित वास्तिवक स्प से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री हरनाम सिंह पुत्न बचन सिंह पी० ए० ग्राफ करतार देवी पत्नी हरबन्स लाल पुत्न मूला राम वासी 66, गुडमन रोड, सिंगापुर।

(भ्रन्तरक)

(2) शक्ति विहार को-म्रापरेटिय हाऊस बिर्देडग सोसाइटी लिं० भर्टिडा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिसबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके प्वाँक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तर्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

अन्सूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 2062 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालंधर

तारीखा: 17-2-1983

प्रस्य ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भायलिय, सहायक अध्यक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 17 फरवरी 1983

निवेश सं० ए० पी० नं० 4058—ग्रतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंइसके नश्जात् 'उत्ता प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संस्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों उद्देश्य म उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक क्य से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूमिधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए।

जतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिविद्य अधिनियमें, निभीत ।——

- (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र बचन सिंह पी० ए० ध्राफ स्रो० दुर्गा दास पुत्र मूला मल (सिंह पुत्र गोपाल दास वासी 66, गुडमन रोड, सिंगापुर।
 - (अन्तरक) इन विकार को-गापरेटिय राज्यस सोमार्टरी

(2) शक्ति विहार को-ग्रापरेटिय हाऊस सोसाइटी लि०, भटिशा।

(म्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधमोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जारता है कि वह संपत्ति में हितबङ है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

'जनन सम्यन्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना क राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परशिकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रवं होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2063 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 17-2-1983

प्रारूप आह. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, **जालंधर** जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983 निदेश सं०ए० पी० नं० 4059—श्वतः, मुझे, जे० एल० गिरुधर,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रुधिकारी के कार्यायल, भटिडा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर ठिभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों,अर्थात् ः—— (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र बचन सिंह पी० ए० श्राफ बलदेव राज पुत्र मूला मल (सिंह) पुत्र गोपाल दास 16, सुखनरित रोड, एस० एच० 24, बैंकाक, थाईलैंड ।

(मन्तरक)

(2) भाक्ति विहार को-ग्रापरेटिय सोसाइटी हाउँसा बिल्डिंग लि०, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्च संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत संपरित के मर्जन के संबंध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छीक एणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

क्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं० 2064 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भटिंडा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-2-1983

प्रकृप खाई• टी• एन• एस•⊸~

ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983 निदेण सं० ए० पी० नं० 4060---ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,"

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रधिकारी को, गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार गुल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्छक्त प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) घीर प्रमुत्तरिती (अन्तरितियों) के योच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नानिक्तित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखिल में बास्तनिक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिषाने में सुविधा के लिए;

्रें अत: मब, उनत अधिनियम की धारा 209-ग के जनुसरण में, में, जनत अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के जभीम, निम्निसिश्वत अधिनतमाँ । जन्मी क्ष---

- (1) श्री जीत सिंह पुत्र कुन्दा सिंह मुचो मन्डी । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी ग्याम लाल भटिडा मार्फत वसंत टी कम्पनी सिरकी बाजार, भटिडा । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्य-वाहिमां शुरू करता हूं।

एकत सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (ए) इप सूबना के राहपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रत्रधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, को भी अविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुजना के राजपक्क में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-वक्क किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के नास निकास में किए जा सर्वेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त झब्दों ग्रीर पदों का, भी उक्त श्रीवनियम, के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा जो उस धव्याय में दिया तथा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2073 दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालंघर

तारीख: 17-2-1983

प्रकृप आह्र . दी . एन . एस . ------

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयेकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० प्री० 4061—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जासंधर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल का निम्नलिसित उद्दृश्य में उनत स्थनरण लिखित में वास्तिबक क्या से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छियाने में सविधा के लिए:

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के बमुतरण मों, मों, उक्त जिधिनियम की भारा 269-च करे उपकारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री प्रेमसागर शर्मा पृत्न दरैयादीक्ता वासी 22, टैगोर गार्डेन, जालंधर ।
 - (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरीपाल सिंह पुत्र लाभ सिंह वांसी डब्ल्यू० डी०-122, म्रली मोहल्ला, जालंधर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं॰ 2 ऊपर में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पृत्राँकत सम्पत्ति के वर्षनं के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

भ्रक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी को 45 दिन की अविभ मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति इपारा;
- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः —-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

संपत्ति जमीन 1 कनाल जो गांव मकसूदपुर में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2015 दिनांक 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, जालंधर में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 17-2-1983

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस. - - - ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज, जाल्धर जालन्धर, विनांक 17 फरवरी 1983

निवेश सं० ए० पी० 4062—-श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीत्:——
24—516 GI/82

- (1) श्री मुख्तयार सिंह पुत्र पाला सिंह बलदेव सिंह पुत्र गुरबचन सिंह वासी बस्ती नंकसर, फरीदकोट । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरमेल कौर पत्नी कुलदीय सिंह गसी नं० 1, डोगर बस्ती, फरीदकोट । (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर नम्पित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जमीन 35 कनाल 2 मरले जो फरीदकोट में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1615 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रावुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 17-2-1983

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

्र कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

जालन्धर, दिनोक 17 फरवरी 1983 निदेश सं० ए० पी० 4063—श्रनः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा '269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुट से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिष्त बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के नन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूमरण मे, मैं, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीतः :--- (1) भी मुख्तियार सिंह पुत्र गुरवजन सिंह उर्फ गुरचरन सिंह भीर मोहिन्द्र सिंह पुत्र पाला सिंह बस्मी नक्सर, फरीदकोट ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती गुरमेल कौर पत्नी कुलदीप सिंह पुत्र जसमेर सिंह गली नं० 1, डोगर बस्ती, फरीदकोट।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति, संपत्ति में रुचि रखता है)
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी)
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना जारी करके प्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जमीन 35 कनाल 2 मरले जो फरीइकोट में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 956 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फरीदकोट में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्यर

तारीख: 17-2-1983

मोह्नर:

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर **महिनियम, 1961 (1961 का 43)** की भाषा 26**9-म (1) के अबी**त सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4064---म्रतः **मुझे, जे०** एल० गिरधर

प्रायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- चपये मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रतुमूची में लिखा है । तथा जो फरीदकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है थोर मुझे यह जिन्दान करने का कारण है कि यदापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐते दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (धन्तरितियो) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अस्तरण से हुई फिसी ग्राय की बाबत खबत श्रिवियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के टायिस्व में कंसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एको किसी श्राय पा किसी धन या ग्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रविनियम, या धन-कर ग्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया भाषा किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के हिए;

भतः तब, बस्त अधिनियम की धारा ग 269- के बमुसरण में, में, उन्त बिबिनियम की धारा 269- की उपधारा (1) के अधीन निश्नतिश्वित स्वमितकों, अधीत।--- (1) श्री जखाँ सिद्द, कम्मीर सिद्द श्रीर वजीर सिद्द सुपुत सादा सिंह बस्ती नन्कसर फरीदकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुत्र जनरैल सिंह वासी फिरोज-शाह (केरूभेर)

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है । (बह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी कर को पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राचिप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो,
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चा उउत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जमीन 41 कनाल 17 मरले जो गांव फिरीदकोट में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1775 दिनांक 5 जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, फरीदकोट में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

ता**रीख** : 17-2-1983

मोइर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4065—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जन, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह, प्रगट सिंह, वजीर सिंह सुपुत्र साधा सिंह वासी बस्ती नन्कसर, फरीदकोट । (श्रन्तरक)
- (2) श्री नौनिहाल सिंह पुत्र जनरैल सिंह वासी फिरोजगाह (केरूशेर) तहसील फरीदकोट । (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 46 कनाल $16\frac{1}{2}$ मरले जो फरीद-कोट में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेखी नं० दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फरीदकोट में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

तारी**ख** : 17-2-1983

प्र**रूप ग्राई**० ही• त्त• **एस०--**--

स्रायकर प्रिंग्सिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालंधर जालंधर दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी०नं० 4066—-यतः मझे, जे० एल० गिरधर

श्रायकर अधिनियम 10%। (1261 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियश' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन पक्षम बाधिकारी की, या विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000'-कु से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है। तथा जो फरीदकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य। उसके पृश्यमान वितक्ति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्ति से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और सन्तरितों (मन्तरिका) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाम प्राप्त कन, निम्नां लोकन उद्देश्य में उन्त मन्तरण लिखित में स्टर्गेट का से कवित नहीं किया गया है

- (क) ग्रन्तरा से हुई कियी आप का बाबत उक्त ब्रिधिनियम के प्रबीत कर देने के ग्रन्थरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 - (ख) एँमो किसो आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का अ1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नत्थू राम पुत्र महेशा राम वासी फरीदकोट। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बलबीर सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी गांव ग्रार्थवाला कलां तहसील फरीदकोट । (ग्रन्तरिती)

(3) जसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो न्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह न्यक्ति, जिनके बारे में ग्रथीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति, में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (४) इस भूचा। ह राजात में प्रशासन हो तारोख स
 45 दिन की अवधि मा नस्तम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीनत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (खें) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की वारीख स 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

. अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 41 कनाल 18 मरले जो फरीदकोट में स्थित है तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1495 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, फरीदकोट में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालं**धर**

तारीख: 17-2-1983

प्ररूप आह्र . टी. एन. एस. - - - ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4067---ग्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि ऊपर ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1982

को पृषांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मत्थू राम पुत्र महेशा राम **वासी फरीद**-कोट ।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री जसबीर सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी गांव श्रार्य वाला तहसील फरीदकोट । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुखि रुखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके 'पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्कत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्यक्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

वन्स्ची

सम्पत्ति जमीन 41 कनाल 18 मरले जो फरीदकोट में स्थित है तथा व्यक्ति जसा कि विलेख सं०, 1438 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फरीदकोट में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालंधर

तारीख: 17-2-1983

प्रस्प नाहाँ, टी. एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालंधर जालंधर, दिनांक 19 फरवरी 1983

निदेश सं॰ ए॰ पी॰ 4068—ग्रतः नुसे, जे॰ एल॰ गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैंसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वो क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्:-- (1) श्री रूस्तम सिंह पुत्र इकबाल सिंह वासी 351, नवा जवाहर नगर, जालंघर ।

(भ्रम्तरक)

(2) मैसर्स लेसको इंजीनियरिंग कम्पनी बाई पास रोड, डाकखाना तिदरा, तहि, जालंधर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकरी जामता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया "" है।

अनुसूची

सम्पत्ति बिल्डिंग ग्रीर जमीन जो कि मकसूदा में स्थित है ग्रीर व्यक्ति जसा कि विलेख नं० 1950 ग्रीर 1988 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीक्र्स श्रधिकारी, जालंघर में लिखा है।

> जे० ए**ल० गिरधर** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 19-2-1983

प्ररूप भाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंघर

जालंधर, दिनांक 19 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० एण्ड 4070 पी० 4069—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर तहसील जालंधर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982 को पूर्वा कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यमान प्रतिफल हो, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्री नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वायित्थ में कभी करने मा उससे जवने में सुविधा के लिए; अपर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जतः सम उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन,, निम्नतिचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमितिगृरवस्था कौर वासी गांव खुनखुन । (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स लेसको इंजीनियरिंग कम्पनी बाई पास रोड, डाकखाना लिदरना तहसील जालंधर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह ब्यक्ति जिसके ग्रक्षिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह. व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन श्रौर बिल्डिंग जो कि मकसूदा में स्थित है ग्रौर व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1955 श्रौर 1987 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज; जालंधर

तारीख: 19-2-1983

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

प्राथकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के प्रभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंधर जालंधर,दिनांक 19 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी०नं० 4072 एण्ड 4073---भ्रतः मुझे, जे॰एल० गिरधर भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क्रे प्रयोज तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 25,000/-रपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मकसूदपुर, तहसील जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता **ग्रधिकारी** के कार्यालय, जालंधर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यनान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर पुने यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से प्रेएसे दश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रस्तरकों) भीर ग्रन्सरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनन ग्रस्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के म्रग्तरक के वायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधितियम 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उत्तन प्रिवितयम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संशीत् :--25-516 GI/82

- (1) श्री जगत सिंह पुत्र लाभ सिंह वासी गांव धुरे। (ग्रान्तरक)
- (2) मैसर्स लसको इंजीनियररिंग कम्पनी वाई पास रोड, डाकखाना लिंदरा, तहसील जालंघर । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं॰ 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के ग्रर्जन</mark> के <mark>लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।</mark>

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यष्टोकरगः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्रों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति जमीन भौर बिल्डिंग जो कि मकसूदा में स्थित है भौर व्यक्ति जो कि विलेख सं० 3042 श्रौर 3059, विनांक जुलाई 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी जालंधर में लिखा है।

> जे० एल*०* गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंघर

तारीख: 19-2-1983

प्रक्रम बाईं. टी. एन्. एक.-----

आप्रकार अधिनियम , 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंघर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश मं० ए० पी० 4074---श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 राम्स अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रोर इक्से उपावद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1982

की पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विद्यास करने को कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/वा
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन. निम्नीसिम्नित व्यक्तियों अधिन:---

- (1) श्रीमती प्रकाशवन्ती पत्नी सोमनाथ, भटिंडा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सतीश भल्ला पुत्र कुन्दन लाल (णराब का ठेकेदार) सिविल लाइन, भटिंडा ग्रौर श्रमृत पाल पुत्र चानन राम, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो. व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्साक्षरी जानता ह कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को वह सृजना जारी करके प्वॉक्त सम्बस्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

.उक्त संपह्ति के कर्जन के संबंध में को**र्डभी** अक्षेप ः----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सक³गे।

स्पब्लीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वितम् के वश्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं वर्ष होंगा वो उस वश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि थिलेख नं० 1879 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालंधर

सारीख: 17-2-1983

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालंधर जालंधर दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं॰ ए॰ पी॰ 4075—श्रतः मुझे, जे॰ एल॰ गिरधर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग्र की बावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास्

- (1) श्रीमती परवीन लाल पत्नी प्रेमनाथ भटिंडा । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री राकेण कुमार पुत्र बाबू राम गिदड़वाहा, मण्डी ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिष रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितझा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पथ्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1574 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भर्टिडा में लिखा है ।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, आर्लधर

तारीख: 17-2-1983

भोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.----

भायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4076— श्रातः मुझे औ० एस० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद में श्रनुसूचीं में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आहे/या
- (का) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) सरला रानी पत्नी बचन दास, भटिंडा । (धन्तरक)
- (2) श्रीमती रोसीला देवी पत्नी जगन नाथ 601, मरबन इस्टेट, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन सची

संपिश तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1878 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> जें० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-2-1983

प्ररूप नाई. टी. एन. एत.-----

भायकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहार्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० 4077—श्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 125,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण अमें, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ----

- (1) श्री जगननाथ पुत्रं दीना नाथ गांव गिलपती । (श्रन्तरक)
- (2) श्री ठाकुर राव सिंह ग्रीर रतन सिंह सुपुत खेम सिंह, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रुखता हैं। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सर्कोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अभूल्खी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख गं० 1795 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी; भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालंघर

नारीख : 17-2-1983

as a personal consumption

प्ररूप आई. टी एन्. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ं श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4078—ग्रत: मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपयं से अधिक हैं

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित से वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप को धावत, उच्ह अधिनियम कं अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार प्रश्लेषार्थ अपित्र का 1957 (1957 का 27) के प्रश्लेषार्थ अपित्र का प्रश्लेष व्यार प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री गजागीर सिंह मुकन्द सिंह सुपुत्र सन्ता सिंह गांव गिलपट्टी ।

(ग्रन्तरक)

- (2) सुरेन्द्र कुमार गुप्ता राम स्वरूप पुत्र कुलवन्त राय, श्रमरनाथ सिंगला पुत्र बाबू राम, भटिंडा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं 2 में है।
- (4) जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 । दान के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किया अन्य व्यक्ति व्यारा, अधारास्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2530 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी,भटिंडा में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंघर

तारीख: 17-2-1983

मोहरु 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी०नं० 4079—श्रतः सुझी, जे०एल० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की आयत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती प्रकाशवन्ती पत्नी सोमनाथ , भटिंडा । (धन्तरक)
- (2) श्रीमती दर्शन कुमारी पत्नी साधो प्रसाद विशन कुमार पुत्र सारूपचन्द, भटिंडा । (भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर पं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा, जो उत्तम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विश्लेख नं० 1880 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भटिंखा में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-2-1983

प्ररूप ग्राई० टी० एन∙ एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकारं

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 19 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी०नं० 4080-- ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 দা (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्कत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2439-ख से प्रश्रीन अभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/∙ रुपये से श्रधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भॉटडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जून, 1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से प्रविक्त है ग्रीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ्से मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया दे। ---

- (क) ग्रम्तरण से दूर्व किमी भाग की बाबन उक्त मंग्रि-नियम के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए: भौर/मा
- (च) ऐसी किमी ग्राय या किसी धन या ग्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या **धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के** प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधाके लिए।

धतः भव, उपत प्रधिनियम हो धारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उक्त प्रक्षितियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) को अभीना जिल्लालि वत अयुक्तियों 🖟 अर्थात् 🖫

- (1) श्री केवल कृष्ण पूत्र सोक्षाराम वासी मकान नं० 819-फ्रार॰, ग्रमरीक सिंह रोड, भटिंडा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दर्शन सिंह पुत्र गुरबचन सिंह वासी मकान नं० 819-आर०, अमरीक सिंह रोड, भटिंडा ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में संपत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्ज**न के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ।⊸

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारां, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखि। में किए जा सर्केंगे।

स्पवशोकरण:--इसमें प्रयुक्त सक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ब्रध्यात 20-क में परिभाषित है, बही ,ब्रर्थ होगा, जो उन ब्रह्माय में विवा गया है 🦈

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2238 दिनांक जुन, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 19-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4044---श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंग्डा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जन, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मल्य में स के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 26--516GI/82

(1) श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र हरनाम सिंह ज्वैलर्स, ग्रस्पताल रोष्ट, भटिका ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शक्ति विहार को-म्रापरेटिव हाऊसे बिल्डिंग सोसाइटो लि॰, मटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में लिखा है । (बह व्यक्ति, जिउके श्रधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में इचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्परितः के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धार, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा मकोंगे।

स्पक्तीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1578 विनाक जून, 1982 की रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, भेटिष्टा ने लिखा है।

> ंजे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 17-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जनवरी 1983

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या बी०-256/एक्बी०--यतः मुझे, ए० श्रसाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मकान सं० 126/19, (पूराना मकान नं० 24) बिशेश्वर नाथ रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 5-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1-श्रीमती अख्तर जौ बेगम । 2-श्री मोहम्मद श्रली उर्फ श्रासिक मियां। (धन्तरक)
- (2) शाहिदा परवीन ।

(भ्रन्तरिती)

(3) उपरोक्त विक्रेता श्रौर निम्न किराएदार :-1-श्री सैयद मोहम्मद तकी।
2-श्रीमती शोभा गर्मा उर्फ मार्टिन।
(वह व्यक्ति, जिस के श्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अवस्थि

दो किता मकान मं० 126/19 (पुराना नं० 26) रकमा 3515 वर्ग फुट स्थित बिगोध्वर नाथ रोड, लखनऊ, जिसका संपूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी० सं० 2272/82 में वर्णित है। जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5-6-1982 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

ता**रीख** : 11-1-1983

माहर:

प्रकंप बाई • ही • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1983

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 509/82-83---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० 4272 है, जो कानूह, विजयवाढ़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिख्त उद्योष में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक ख्रम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री पी० सत्यानारायणा, भ्ररंडलपेड, विजयवाङ्गः । (भ्रन्तरकः)
- (2) दी पंचायत राज डिपलोमा इंजीनियर्स को-म्रापरेटिय बिल्डिंग सोसाइटी नं० जी० 2778, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना
 की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीखा से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी भन्य न्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी
 के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण----इसमें प्रपुत्त सक्दों और पदों का जो 'खकन अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कानूरु विजयवाड़ा में नं० ग्रार० एस० 42/2 विस्तीर्ण 4 याकरसं 50 सेंटस रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 6842, 6582, 7149, 6582/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी विजय-वाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जझ रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1983

प्राप् आई. टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-ए (1) व्यवसीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 587/82-83—श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, 'जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 401 है, जो रानीगंज सिकन्दराबाद में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की वाबस, उपस अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के (11) कि में अपने कार समें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1972 का ११) या उक्ते अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया. गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) एम० एस० बाबुखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 एम० जी० रोड वाई० सी० गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के० बाबूखान, निशात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० वी० वी० जी० लक्ष्मन राव, वेलूर वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पान के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस 401, चौथा मंजिल में ग्राल-करीम ट्रेंड सेंटर भवन, म्युनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 1621 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 4787/82 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जे<mark>गन मोहन</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (गिरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारोख : 10-2-1983

प्ररूप बाइं.टी.एन.एत.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 फरवरी 1983 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 588/82-83---श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 111 है, जो रानीगंज सिकंन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल, निक्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायिएव में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के रिलए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय क्षायक र अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिका के नियम के नियम

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अभीतः :—- (1) एम० एस० बाबूखान जिल्डर्स, 5-4-86 से 92 एम० जी० रोड, बाइ० श्री गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के० बाबूखान, निशातबाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० कोटेस्वाराराव, वेलूर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथांकत् सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त स्थारित के वर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुमूची

प्लाट/म्राफिस नं० 111, पहला मंजिल में म्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, म्युनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 270 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4790/82 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, हैवराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाही, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० तं० 589/82-83—-श्रतः, मुझे, एम० जोगन मोहन,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 169-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 012 श्रीर 38 है, जो रानीगंज सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिक्तत से अभिक है और मंद्रारक (अंतरकों) और मंदरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पामा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्च देव से उक्त बन्दरण निचित में वास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बस्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के जभीन कर दोने के अस्तरक के धामित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था किया में सृविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधील्:— (1) एम० एस० . बाबुखान बिरुद्धर्स 5-4-86 से 92 एम० जी० रोड, बाइ श्री गियासुद्दीन बाबुखान पिता खेट ए० के० बाबुखान, निशांत बाग बेगमपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० कोंडाय्या, 1-8-430/100, चिक्काड-पल्ली, हैदराबाद ।

(श्रन्सरिती)

को वह सूजना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत जिथिनियम, के जध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/म्रोफिस 12 भीर 38, पहली श्रीर तीसरी मंजिल में श्राल-करीम ट्रेंड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्द्राबाद विस्तीर्ण 752 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4838/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद ।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः : 10-2-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्थालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवेश सं० श्रार० ए० सी० 590/82-83—श्रतः मुझे,. एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृला 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 301 है , जो रानीगंज सिकन्दराबाद में सिंग्यत है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- एम /एस बाबुखान बिलडरस, 5-4-86 से 92 एम जी. रोड बे. की गियासद्दीन बाबुखान पिता लेट ये. को. वाबुखान, निशात भाग, बेगमपैट हैवराबाद

(अन्तरक)

2. मैस्सारस सिंडिकेट स्टील री. रोलिंग मिल लिमि-टेड आरया सामाज मंदिर, दूसरा मंजिल, 15-2-676 किशन गंज हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी सक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वन्त्रची

प्लाट/ब्राफिस 301, तीसरा मंजिल में ब्राल-करीम ट्रेड मेंटर भवन, म्युनिसिपल नं० 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्द्राबाद विस्तीर्ण 1624 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4837/82 रिजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**व** : 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० 591/82-83 — भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 119 श्रीर 120 है, जो रानीगंज, सिकन्त्राबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्कट्रीरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अग्मरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 एम /एस बाबूखान बिलक्षरस, 5-4-86
 92 एम जी राड, बे. क्षी गियासुब्दीन बाब्खान,
 पिता लेट ए. के. बाब्खान, निशात भाग, दौगम-पेट, हौदराबाद ।

(भ्रन्तरकः)

2. संस्तरस दिलंश कामार फामिली ट्रस्ट, 5-5-23 रागिगंज, सिकिंदाराबाद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पाका करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट आफिस 119 श्रौर 120 मंजिल में श्राल करीम ट्रेड सेंटर भवन, म्युनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्त्राबाद विस्तीर्ण 1056 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4836/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **हैद**राबाद

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप जाई , ो . एह . एसी .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत मरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

ृ निदेश सं० ग्रार० ए० मी० 592/82-83—ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार यन्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 221 स्रौर 222 है, जो रानीगंज, सिकन्द्रावाद में स्थित है (स्रौर इसये उपात्रद्ध स्नतुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्रावाद, हैदराबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जुन 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार गृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से ग्रीथक है और अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिन्तित् उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी हाय की चावत उक्क ्ष्मीनयम अगाउँ १ ६ में मनारव के इतिहास ६ ६ में १ १ १ १ में स्विधा का स्थार कोष्ट्रिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अविविध्य, 1927 (1977 वर्ष 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 27-516 GI/82

(1) मैं वाब्खान विल्डर्स, 5-4-86 से 92 एम० जी० रोड मु० आ० गियागुद्दीन वाब्खान, पिता लेट ए० के० वाब्खान, निणान वाग, बेगमपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वाशिक्त्रिसा वेग ग्रौर ग्रन्य 6-3-866/2, वेगमपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाझन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए शासकींग

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट/ग्राफिस नं० 221 श्रौऱ 222 दूसरी मंजिल में श्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्द्रावाद, विस्तीर्ण 934 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4835/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन स्थन प्राप्तिकारी सहायक आयकर शायका (चिरोक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक कार्यकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं शार० ए० सी 593/82-83—यतः, मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 21 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रानीगंज, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, जून 1982

को पूर्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रात्तफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त विधिनयम के वधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में म्विधा के सिए; बार/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियाँ अर्थात :—

(1) मैं० बाबूखान विल्डर्स, 5-1-86 से 92 एम० जी० रोड, मु० आ० गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट, ए० के० वाबूखान, निसातबाग भवन, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर ए.० चन्द्राकांत, पिता डाक्टर घ्रदा-साराता नायडु ग्रमितयाल, करीमनगर, जिला । (अन्तरिती)

को यह सृषना भारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध्या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्या भी, अविध्याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसूची

प्लीट/म्राफिस 21, नीचे मंजिल में म्राल-करीम ट्रेंड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4*86 से 92 रानीगंज, सिकन्द्रा-बाद, विस्तीर्ण 400 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4834/82 रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर::

प्रारूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

.कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 594/82-83---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्या एडिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं लिधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 434 ग्रौर 435 है, जो सिकन्द्राबाद में स्थित है (ग्रौर इसने उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिजिकारों क कार्पा तथ, सिकन्द्रावाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को पूर्विक्त संपित्त के जिस्त नाजार यून्य में कम के दश्यमान प्रीतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथा ब्रेंबिंग संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरका (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की उधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में तमी करने या उनसे वनने में सूविधा के लिए अप्रीपा
- (क्ष) ऐसी कि दें अहम जा किसी वन अन्य करिस्तयों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उत्थत अधिनयम की पार। 269-ग क अनुसरण मं, में उदत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं वाबूखानं बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 एमवजीव रोड, मुवआव गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट एव केव बाबूखान, निशात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० वी० पुन्नाय्या सरमा, पिता डी० वी० रामाना सरमा वेलूर, वेस्ट गोदावरी जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्लाट/ग्राफिस नं० 434 ग्राँर 435, चौथी मंजिल में ग्राल-करीम ट्रेड सेंटर भत्रन. मृनिसियल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्द्राबाद, धिस्नीणं 698 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं • 4833/82 रिजस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, हैदराबाद।

एम**् जगन मोहन** संसम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबा**द**

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप आर्र्ड्ु टी., एन ., एस 🚊 -----

भायकर प्रविभियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी-०/595/——82-83 यतः मुझे; एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 49 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्भत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का भन्त्रह प्रतिशत से भिषक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खहेश्य ते उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित बहीश्य ते उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् ।——

(1) मैं० घाबूखान बिरुडर्स, 5-4-86 से 92 एम० जी० रोड, मु० आ० गियासुद्दीन बाबू खान, पिता लेट ए० के० बाबखान, निशात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुलतानुद्दीन खान, पिता मासूद प्राली खान, ग्राईवान ई०, बेगमपेट, सिकन्द्राबाद ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्तंबंधी अविकासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिंछ, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकासों में से लिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश्च किसी प्रश्य करित द्वारा, श्रद्योहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त ग्रिष्टि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही गर्थ होगा, जो उस श्रध्याय केंदिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/म्राफिस नं० 48, नीचे मंजिल में भ्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुर्निसपल नं० 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्द्राबाद, विस्तीणं 293 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4832/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर ≟

ध्रुष, शहं, दी एन. एस. -----

बायकर जिल्लाम, ५५६। (१२६) का 43) **की धारा** 269-४ (1) के अवतन सूचना

· । एक नास्कार

कायांन्य, राज्य अध्या अध्यक्त (निरीक्षण)

प्रभंत रंज, हैदराबाद

हैदरान द, दिताक 10 फरवरी 1983

निदेश संर अपरा ४० गो० 596/82-83—श्रतः मुझे, एम० जगन विश्वः

भायकर अधिनिता, १८६, (196) का 43) (जिसे इसमें इसके परचाएं उद्देश तिमाला काडा गया है), की धारा 269-ख के अर्थान उत्तर प्रत्यकारों के यह विश्वास करने का कारण ही ... - ... जिल्हा रिवर सामार मल्य 25,000 राज ना - निर्देश के

श्रौर जिसकी भं ा. ५८ ं. घर्नागंत सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रौर इक्त २००० अन् व्या में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ∗रजिस्ट्रोकना भीताला । घर्मात्मा हैदरावाद में रिजस्ट्रोकरम पंचिति में 190≈ (1908 का 16) के श्रधीन, जुन २९६०

को पूर्वेदित क्यान ते. अता अजा श्रुत्य से कम के दश्यमान प्रतिप्राल के लिए कर जन के अति हो दौर मुभ्ने यह निश्वास करने का कार्य हो कि जिल्लाका सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उन्ने के क्या के लिए तहा की कार्य के लिए तय पाया गया प्रतिप्राल कि कार्य के लिए तय पाया गया प्रतिप्राल कि कार्य के लिए तय पाया गया प्रतिप्राल कि कि कार्य के लिए तय पाया गया प्रतिप्राल कि कार्य के लिए तय पाया गया प्रतिप्राल कि कार्य के लिए तय पाया गया प्रतिप्राल कि कार्य के कि कार्य के लिए तथ पाया गया प्रतिप्राल कि कार्य के कि कार्य के कि कार्य के कि कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कि कार्य के कार्य क

- (क) अनारण न शह किसी आय की बांबत, जक्त प्रश्निमम के अनीन क्ष्म दोने के अन्तरक के श्रीयाद के करी करते का उससे बसने में स्विधा करिए जैंदरि।
- (स) करने जिल्ला करा च. रकसी धन का अन्य आस्तियों के उन्हों के उन्हों के उन्हों के अन्य का स्तियों के उन्हों के अन्य का किया किया के अन्य का किया का किया के अन्य का किया का लिए,

अतः अद ्या प्राप्ताच्यः संधारा 259-ग के अनुसरण मों, मों, उद्या विकीरण या स्टाप्ट्रिश-य की उपधारा (1) के अधीन, निकालिगेखन व्योक्षयो, अथान् :— (1) श्री घेठ बाब्खान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 एम० जी० रोड, पु० जा० नियामुद्दीन बाब्खान, पिना लेट ए० छे० बाब्खान, निमात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्र सिंह, 5-4-143, रानीगंज, सिकन्द्रा-बाद।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वादेह स्माप्त के अवन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में 'कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रधानन की तारीख से 45 दिन की अवधिय था तस्तेयंची व्यक्तियों पर स्चना की तारील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अधिय हाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसे, व्यक्ति द्वारा:
- (ख). इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारींच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्बीत पे कितनत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के, पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रमुवतः शब्दां और उन्तें का, जां उनत अधिनिपन के अध्याय १(:-क से परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो हैंभ अध्याय मां दिया गया हो।

अन्सची

प्लाट/म्राफिस २० 110. एडका प्रतित में भ्राल-करीम व ट्रेड सेंटर प्रवन, प्रितिपाल कः 5 4-36 में 32 राजीगंज, सिकन्द्रायाद, विस्तीर्ण 303 चतुर नतः राजस्तुक्कित विलेख नंष 4828/82 एकिस्ट्रीक्तां अस्तिकारंग, हबरायाच ।

> ्मात जगत माहत त्यसम प्राधिकारी गहायक ग्राधकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रकृति टेंज, हदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप अहर् . टी. एन . एस .-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-पू (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश स० आर्० ए० सी० 597/82-83—आतः मुझे एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 148 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण सिचित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; आर/का
- (स) एती किसी नाम मा किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
 - कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था का किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अष्ट: जब, उवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 एम० जी० रोड, मु० ग्रा० गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के० बाबूखान, निशात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भ्राएणा बेगम, 3-6-316/ए०, बागीरबाँग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वांना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांतिसों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया या है।

अनुसूची

प्लाट/भ्राफिस नं० 148, पहला मंजिल में भ्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रातीगंज, सिकन्द्राब्राद, विस्तीर्ण 317 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4830/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन केंज, हैदराबाद

नारीख : 10-2-1983

प्ररूप आहैं.टी एन.एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 598/82-83—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का ्र43) (जिसे क्समें सिके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दे से धिषक है

श्रीर जिसकी सं० 112 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति फल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, प्रत्रह प्रतिक्षत से स्रविक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर सन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच पेसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त सन्तरण विकात में वास्त्रविक रूप से कृषित नहीं भिना गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी प्राय की बाबत, अन्त अधिनियंस के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या धन्य आस्तियों के जिन्हें भारताय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं धन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एम० एस० बिल्डर्स बाबूखान, 5-4-86 से • 2 एम० जी० रोड, मु० आ० गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के० बाबूखान, निशात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री श्राएशा राहू, 3-6-361/17, बागीरबाग, हैदराबाद ।

(धन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षीप :---

- (क) इस मूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वध्नी चरण :--इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त सिध-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस नं० 112, पहला मंजिल में ग्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसियल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्द्राबाद। विस्तीर्ण 215 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4827/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक-आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 599/82-83—ग्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 133 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के क्रार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विष्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० वाबूखान निन्हर्भ, 5-4-86 से 92, एम० जील रोड, मु० ग्रा० गियासुद्दीन वाबूखान, पिता लेड ए० क वाबूखान, निशात बाग, वेगमपेट, हैदराबाद ।

-(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मेहहन्सा वेगम, 3-6-106, बाशीर बाग, हैंदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्साख्या व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र मं एकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

रपष्टोकरण :--इंसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिदियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस नं० 133, पहला मंजिल में ग्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 244 चतुर कोट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4826/82 रजिस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी, हैदर/वाद ।

एस० जगन मोहन पक्षम प्राधिकारी सहाप्रक प्रायकर ऋष्युक्त (निरीक्षण) ऋर्यन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्रमप आई टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983 निद्देश मं. आर. ए. मी. 600/82-83--

अतः, सुझे, एमः जगन मोहनः,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं 132 है, तथा जो रातीगज, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन वारीख जन 1982

अधीन, तारीय जून, 1982 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्नरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थास् :--- 28-516GI/82

(।) भी नानुकान निरुष्ट्य ,
5-4-86 से 92, एम जी राडि,
म् आ श्री गियास्द्दीन याबुखान पिता
लंट ए. के. बाबुखान ,
निशात बाग , बेगमपेट ,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहरूनिमा बेगम, 3-6-106, बसीराबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

. को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पर्क्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अन्सूची

ण्लाट/आफिस नं 132, पहला मंजिल में, माल-करीम ट्रोड सेन्टर भवन, म्निसिपल नं 5-4-86 में 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद। विस्तीर्ण 244 चत्र फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2845/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हौदराबाव।

> एमा जगन मोहन सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हैवराबाद

तारीख : 10-2-1982

भोहर :

प्रकर मार्ड . टी . एस . एस . ------

नायकर मुभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुम्बा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायकत (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हौदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निविष सं आर ए सी 601/82-83-अतः, मृझे, एम अगन मोहन,
बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे ।
इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्व
25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं. 11 है, तथा जो रानीगंज सिकन्दरांबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जून, 1982

को पूर्वों क्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम् के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितियों) के नीय एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य में उवन अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों क्यों, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिबधा के लिए;

बतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-च के बनुस्य में, में, उक्त जीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (१) म के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मैं. बाबूबान धिर्डर्स,
5-4-86 से 92, एम. जो रांड,
मृ. आ. श्री गियासदूदीन बाबूबान पिसा
लंट ए. के. बाबूबान,
निशात बाग, बेगमपेट,
हैंदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री ए. रामाचंद्राराव, 1005 मिनार अपार्टमेन्टस, बशीरबाग हैदराबाद।

(अन्तरिती)

ह सूचना चारी करके पृथाँकत सम्पृतित के वर्षन के निष् ग्राहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक के .45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थ्वितयों में से किसी स्थवित इवारा;
- (क) इस सूचमा को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड्डभ किसी बन्य व्यक्ति धुवारा वभोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियमं के बध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवा है।

अन्सूची

प्लाट/आफिस नं. 11, नीचे का मंजिल में आल-करीम दृंड संन्टर भवन, मूनिसिपल नं. 5-4-86 से 92, रानीगंज, मिकन्दराबाद विस्तीर्ण 228 चत्र फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 4789/82, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, हैवराबाद।

एम. जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हदराबाद

तारीख : 10-2-1982

सोहर :

क्पए से भिषक है

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निद्श सं आर ए सी /602/82-83— अत:, मूझे, एम जगन मोहन, आपकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस क पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

और जिसकी सं 442 सं 445 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, है दराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जून, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल किम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथ्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं. बाब्खान बिल्डर्स,
5-4-86 से 192, एम. जी रोड,
मू. आ. श्री गियास्त्वीन बाब्खान पिता
लेट ए. के. बाब्खान,
निकात बाग, बेगमपेट,
हैं बराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए. वा. अंबिका प्रसाद, वेल्र देस्ट, गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वस्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्भी

प्लाट/आफिस नं. 442 से 445 चीथा मंजिल में आल-करीम ट्रेड सेन्टर भवन, म्निगिपल नं. 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्द्राबाद विस्तीर्ण 1064 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विसंख नं. 4788/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हदराबाद।

> एम जगन मो**हन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निर्मक्षण) अर्जन रॉज, **ह**ैदराबाद

तारील : 10-2-1982

प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद, हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1,983

, नविश सं. आरे. ए. मी. 603/82-83--अत:, मूझे, एम. जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है** कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र_ा. में अधिक है

और जिसकी मं 242 है, तथा जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद मो स्थित है (और इससे जुपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप सं विणित हो), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रॉजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यभाग प्रतिफोल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सामन, उक्त अभिनियम के अधीन कर दने के अन्तरके के दासिस्व मी कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- ्(स्) एंसी किसी आय या किसी भन अन्य आरितयों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए।

अतः अतः, उत्रतः अभिनियमं की धारा 269-गं की, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत :---

(1) मैं. बाबखान बिरुडर्स, 5-4-86 सं 92, एम. जी राइ. म्. आ. श्री गियास्द्रदीन बाबुलान गिता लंट श्री ए. के. बाबुसान, निशात बाग, अंगमपट, है दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम राजेश्वरी, ज्ञान भाग कालोनी. होदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ं 45 दिन के भीत्र उवत रथावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उपक्त अभिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुस्ची

प्लाट/आफिस नं. 242, दूसरी मंजिल मं आल-करीम ट्रंड सेन्टर भवन, मुनिसिंपल नं 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 276 चत्र फीट, राजिस्ट्रीकृत विलेख, नं 4916/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हौदराबाद।

एम. जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्तं (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैदराबाद

भारोब : 10-2-198**2**

प्रकथ बार्ड . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैंदराबाद

हैंदराबाद,, दिनांक 10 फर्रवरी 1983

निदंश सं. आर. ए. सी. 604/82-83- अतः, मुझे, एम. जगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं 242 है, तथा जा रानीगंज, सिकत्द्राबाद मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की महं है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकाल अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निल में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण को बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; बॉर/या
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जोना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के किए;

मतः मभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के मन्मरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिस्त व्यक्तियों, अधीत (1) में. बाबूखान जिल्डर्स,
5-4-86 से 92, एम. जी रांड,
म् आ. श्री गियामद्दीन वाजूबान पिता लंट ए. के. बाबूखान, निशात बाग, बंगमपंट, हैंदराबाव।

(अन्तरक)

(2) श्री आर. दाननजाया, ज्ञान नाग कालानी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्राँक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उन्त सम्परित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पर्क्ति में हितबब्ध के किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला को किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

प्लाट आफिस गं. 242, दूसरी मंजिल में आल-करीम ट्रंड सन्टर भवन, म्मिसिपल नं. 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 276 चतुर फीट, रिजस्ट्रीकृत विलंख नं. 4917/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हौदराबाद।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, हैदराबाद

तारीष् : 10-2-1982 रोक्ट

शहर

प्ररूप बाई, टी. एन. एस् ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सहकाङ

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं. आर. ए. सी. 605/82-83---अतः, मुझे, एम. जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं 113 है, तथा जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल ले ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीक ऐसे अन्तरण के लिए तम पान क्या प्रतिफल निम्निलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत जकत अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने वा उससे वचने में सृत्था के निष्; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः, अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिसत व्यक्तितयां, अधीत् :--- (1) मैं. बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम. जी रोड, मृ. आ. श्री गियासूब्दीन बाबूखान पिता लंट श्री ए. के. बाबूखान, निशात बाग, बेगमपट, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुलताना सातून, पति श्री हमीद्द्वीन सान, बेगमपेट, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृयों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) ६स स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ष्लाट/आफिस नं. 113, पहली मंजिल में आल-करीम ट्रेंड संस्टर भवन, एम. सी. एच. नं. 5-4-86 में 92, रानी-गंज, सिकन्द्राबाद विस्तीर्ण 244 वर्ग फीट, रिजस्ट्रीकृत विव्यंक्ष नं. 4920/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैंदराबाद।

> एम. जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हेदराबाद

तारीय : 10-2-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, होवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं. आर. ए. सी. 606/82-83--- अतः, मुझे, एम. जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहें. से अधिक हैं

और जिसकी सं 231 है, तथा जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफलं के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) में. बाबूलान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92, एम. जी राड,
मू. आ. श्री गियास्त्दीन बाबूलान पिता लंट ए. के. बाबूलान, निशात बाग, बेंगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोपाका वजराम्मा, पति श्री वैन्कटय्या, चुडी क्षाजार, हीदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशत की नारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उसअध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ष्लाट/आफिस नं. 231, दूसरी मंजिल में आल-करीम ट्रेड सेन्टर भवन, एमं सी. एचं नं 5-4-86 से 92, रानी-गंज, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 280 वर्ग फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेस नं 4919/82,*रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हौदराबाद।

> एमं जगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, हैदराबाध

त्रारीच : 10-2-1982

प्ररूप् आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निद्देश मं. आर. ए. सी. 564/82-83— अत:, मुझे, एम. जगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 34 है, तथा जो बशीरबांग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब जुन, 1982

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंसरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ते अन्तरण लिखित में शास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जय, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) में. आनन्द विल्डिंग कारपोर्यंन, द्वारा श्री अनिल कंगार, जी. पी. ए., लक्ष्मीचन्द्र, पिता राज्मल, 126, एम. डी. रगेड सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी गंधारा, भेरमल मेनजन, बजीरबाग, हदिराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ा के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के गास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 34 गोपाल भवन में एम नं 5-9-29/40 बिशोरबाग, हौदराबाद रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं 4559/82 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हौदराबाद।

> एम. जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हंबराबाद

तारील : 10-2-1982

मोहर

प्ररूप भाइ". टी. एन. एस. =----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 566/82-83—श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।. की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिक्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 41 है, जो बशीरबाग, हैवराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ् पाया गया फल, निम्नचित्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम् के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—516GI/82

 मै० ग्रानन्त बिल्डिंग कारपोरेशन, द्वारा श्री अनिल कुमार, जी० पी० ए० लक्ष्मीचन्द पिता राजुमल, 126, एस० डी० रोड, सिकन्द्राबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजाराम मोहन, पिता सी० वी० कृष्णा राव, भेरमल मेनणन, बगीरबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित न", वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया डै।

अनुसूची

प्लाट नं० 41 गोपाल भवन में एम० नं० 5-9-29/40, बशीरबाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4558/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

> ए म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरायाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🤃

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 566/82-82—म्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 24 है, जो बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमृसरण भे, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) मैं० म्रानन्य विल्बिंग कारपोरेशन, द्वारा वी० म्रनिल कुमार, जी० पी० ए० लक्ष्मीचन्य, पिता राजुमल, 126 एस० डी० रोड, सिकन्द्राबाद । (म्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शीला गिल, पति चेरीँसग, बशीरबाग, हैवराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 24 गोपाल भवन में एम० नं० 5-9-29/40, ब<mark>शीरबा</mark>ग, **हैद**राबाद रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 4557/82 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, **हैद**राबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983 I

प्ररूप आहें. सी. एन. एत्.-----

कामकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी०/567/82-83—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रोर जिसकी सं प्लाट नं है, जो बणोरबाग हैदराबाद में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखन में दास्तावक कप में किशत नहीं किया गया है हैं ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी करने या उससे व्यन में नृश्चिधा के लिए; और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः कव, उक्त किंपिनियम की भारा 269-ग के बन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविसित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) मैं ॰ म्रानन्द बिल्डिंग कारपोरेशन द्वारा बी॰ म्रनिल कुमार, जी॰ पी॰ ए॰, लक्ष्मीचन्द, पिता राजुमल, 127 एस॰ डी॰ रोड, सिकन्द्राबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें वी द्ता केश्वरश्चाफ, भेरमल मेनणन, वशीरशाग, गोपाल भवन, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यतम् की

प्लाट नं० गोपाल भवन में एम० नं० 5-9-29/40 बशीरबाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4398/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनौंक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 568/82-83---म्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है, जो बागीरबाग. हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से, अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— (1) मैं श्रानन्त बिल्डिंग कार्पोरेशन, द्वारा बी० श्रनिल कुमार, जी० पी० ए० लक्ष्मीचंद पिता राजुमल, 126, एस० डी० रोड, सिकन्दाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नालिनी जे० श्रीरंगाबादकर, गोपाल भवन, प्लाट नं० 3, बशीरबाग, हैवराबाद।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3 गोपाल भवन में एम० नं० 5-9-29/40 बग्नीरबाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4399 /82 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी, हैदराबाद ।

> एम॰ जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर 🚁

प्ररूप धाई • टी • एन • एव •

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

- **ग्रार० ए० सी० 569/82-83**——- ग्रत:, मुझे, एम० जगन मोहन,

भ्रायकर अजिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्तों इसके पत्रवान् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), को घारा 269-ख के बधीन संभग गाधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उित् बाजार मृत्य 25,000/० द० से ग्रधिक श्रीर जिसकी सं० प्लाट---है जो बशीरवाग, हैदराबाद में में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मुख्य से कम के पुरसमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीस्त सम्पत्ति का खिचत बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का परब्रह प्रतियात से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिये तम काना गया प्रतिफन, निम्नलिखित उर्देश्य से उस्त मन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर्/या
- (क्रं) ऐसी किसी आयाया किसी धनाया अन्य आस्तिय को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ क्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या का या किया जाता जाहिए चा छिपामे में सुविधा के मिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की नारा 269-ग के अनुसरण

म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) मसर्स म्रानन्द बिल्डिंग कारपोरेशम, वै० वी० भ्रतिल कुमार, जी० पी० ए० लक्ष्मीचन्द, पिता राज्मल, 126, एस० डी० रोड, सिकन्द्राबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मांलिनी प्रभाकर दोशी, प्लाट नं० 3, गोपाल भवन, बाशीरबाग, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के **लिए कार्यवाहि**यां **कर**ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

इत सूबता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी बंबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दो सरण :--इसर्ने प्रवृक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिकाशित है, नहीं अर्थ दीगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० गोपाल भवन में एम० सं० 5-9-29/40, बशीरबाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4400/82 रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 10-2-1983

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 570/82-83—श्रत:, मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 21 है, जो बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित थाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ं-- (1) म० भ्रानन्द बिल्डिंग कारपोरेशन, द्वारा बी० भ्रनिल कुमार, जी० पी० ए० लक्ष्मीचन्द; पिता राजुमल, 126 एस० डी० रोड, सिकन्द्रावाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इकबाल करन,
 10-7-287/17, शांतिनगर,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यविकारों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जन्स जीधीनयम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

प्लाट सं० 21 गोपाल भवन में एम० स० 5-9-29/40, बशीरवाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विक्षेख नं० 4566/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप बार्द टी, एन, एस.--- /----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983 निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 571/82-83—-श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

धायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्वित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्तम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/-ष्पार से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है, जो बगीरबाग हैदरा-बाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिन्त की पई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त अंपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत अधिक है और अस्तर्क (अस्तरकों) भीर अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निस्निविधे उद्देश्य से उसत प्रस्तरण निचित में वास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (न) अन्तरण से तुई किती यात्र की बाबत उक्त अधि-नियम के समीन कर देने के अम्बरक के बायस्य में कमी करने या उससे बजने में सविधा के खिए; भीटाया
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) भै० म्रानन्द बिस्डिंग कारपोरेशन, द्वारा श्री म्निल कुमार जी० पी० ए० लक्ष्मीचन्द, पिता राजुमल, 126, एस० डी० रोड, सिकन्द्राबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजय लक्ष्मी सक्सेना, पति डाक्टर रामपाल प्रताप माथुर, 5-9-24/42/9, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध शाद में समाप्त होती हो, जो भीतर न्वांवत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हित के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्भ किसी जन्म व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकारी।

स्थक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 गोपाल भवन में एम० नं० 5-9-29/40 बशीरबाग, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4562/82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप खाई• टी• एन• एस• ------

भायकर प्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर भ्रायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 572/82-83—म्रतः मुझे, ए म० अगन मोहन

ष्ठायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनिधम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूह्य 25,000/- हुपये में अधिक है

भौर जिसकी सं० नं० 14 है, जो बशीरवाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, जून 1982

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से प्रुई किसी आय की बाबस, उक्त आध-तियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कभी करने या इससे बचने में गुविधा के लिए; भीए/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिम्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) एम० एस० श्रानन्द बिल्डिंग कारपोरेशन, बै श्रनिल कुमार, जीः० पी० ए० लक्ष्मीचन्द, पिता राजुमल, 126 एस० डी० रोड, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) डाक्टर तुलजाराम पाटाले, पिता बी० श्रार० पाटाले, पदमाराव नगर, सिकन्धराबाद ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भो
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:।
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

प्लाट नं० 14 गोपाल भवन में एस० नं० 5-9-29/40 बाशीरबाग, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4561 /82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 10-2-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक जायकर जायुक्त (नि<u>र्</u>रीकृण्) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 573/82-83—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3 है, जो बाशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) कें भ्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) नस्तरण से हुई किसी आय की नावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कार्यने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--- 30--516 GI/82

(1) एम० एस० श्रानन्द बिल्डिंग कारपोरेशन, बै श्रिनिल कुमार जी० पी० ए० लक्ष्मीचन्द, पिता राजुमल, 126 एस० डी० रोड, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) कामाला रामचेन्द सानधनी, भेरमल मेनशन, बाशीरबाग, हैदराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई बाधोप !!--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्परक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

जनसूची

प्लाट नं० 3 गोपाल भवन में एम० नं० 5-9-29/40 बांगीरबाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4560 /82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस ु-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ,हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 574/82-83—श्रतः मुझे एमं० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 276 है, जो रानीगंज, है सिकन्ब्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम॰ एस॰ बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम॰ जी॰ रोड, बैक्षी गियासुदीन बाबुखान,
पिता लेट ए० के॰ बाबुखान,
निशात बाग, बेगम पेट,
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के॰ नागामानी,
 5-3-1069,
 निजामशाही रोड,
 हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स, सम्पृति, के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वृर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरों वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

मन्स्ची

प्लाट/म्राफिस नं० 276, दूसरा मंजिल में म्रालकारीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रामीगंज, एम० जी० रोड, सिकन्त्राबाद, विस्तीर्ण 276 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4914/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैसराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर 🖫

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रावकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269•व (1) के प्रधीत पुत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० थार० ए० सी० 575/82-83—- प्रतः मुझे एम० जगन मोहन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्तर प्रधिनियम कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रुपये से यक्षिक है

और जिसकी सं० 244 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियय 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान श्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और अन्तरिक (भन्तरिक) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरित्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित श्रिक्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तिविया रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त भन्नि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1), के अधीन,, निम्नीनिवतः व्यक्तियों,, अर्थात् ः— (1) एम० एस० बाधूबाम बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, बै क्षी गियासुद्दीन बाबुखान पिता लेट ए० के० बाबुखान, निशात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेपाका लक्ष्माय्या, ग्यान भाग; हैदराभाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाद्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से भिक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारी से 45 दिन के भीतर अक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य क्यन्ति द्वारा अधीद्दस्ताक्षरी के पास निष्कित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दोकरणः → इसमें प्रयुक्त शम्बों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अख्याय 20-क में परिभाषित हैं; बही अयं होगा, जो सम ग्रध्याय में दिया गया है।

अमृ**स्**चीं

्लाट/ग्राफिस नं० 244, दूसरा मंजिल में ग्राल-करीम द्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, एम० जी० रोड, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 276 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4915/82 रजिस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर छ

श्**रम् वार्**.टो.एम्.एस्....------

आयुक्तर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) को वादा 269-म (1) के व्यीत सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक भायक द भायनक (रिन्टीक्र्ण), प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 576/82-83--श्रतः मुझ एम० जगन मोहन

शायकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त लिपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रु. से लिपिक हैं

भीर जिसकी सं० 243 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ब्रास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत न उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बारियल में कभी करने वा उससे मुजने में सुविधा के रियुश्न और ना
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर्ट नहीं किया गुया था वा किया जाना जाहिए था, अधिनाने में हिन्दा में हिन्दा

अतः अन्, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त निधीनयम की भारा 269-च की सप्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों। अर्थात् ह— (1) एम० एस० बाबुखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोज, बै० की गियासुद्दीन बाबुखान
पिता किट ए० के० वाबुखान;
निशात बाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेपाका वीराय्या, ज्यान भाग, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

सबे यह श्वाना वारीं करके पृक्तित सम्पृतित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की सर्वाभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वाना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए का सकोंगे हैं।

रनुष्यांकरण्ड- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अध्याय में दिया ग्या है।

श्र**नुसूची**

प्लाट/ग्राफिस नं० 243, दूसरा मंजिल में ग्राल-करीम द्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, एम० जी० रोड, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 276 चतुर फीट रस्ट्रिकृत विलेख नं० 4913/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाव ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

भोहरु 🖫

प्ररूप आहें , टी., एन., एस.,-----मायकर मधिनियुम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 577/82-83---ग्रत: मुझे एम ० - जगन मोहन

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गायकर अधिनियम, इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 2.5-,000 ∕-रु. से अभिक**ह**ै

श्रौर जिसकी सं० 42 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ए'से दूरयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन क्राप्ट दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कर्त् या उससे बुचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः। अव, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) एम० एस० बाब्खान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, बै० क्षी० गियासुद्दीन बाबुखान पिता लेट ए० के० बाबखान, निमात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मुताजीबद्दीन, पिता भोहम्मद मुनीरुद्दीन ; प्लाट नं० 1, दिल्लू अपार्टमेंट, हाकी स्टेडियम के सामने, सिकन्द्राद्यादः ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जनुके लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसर चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्लाट/म्राफिस नं० 42, नीचे मंजिल में श्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 , रानीगंज, एम० जी० रोड, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 205 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4911/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🛭

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 578/82-83—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रोर जिसकी सं० 432 श्रौर 433 है, जो रानीगंज, सिकन्द्रा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, जून 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों) धीर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आधु की बाबत उक्त बहुँभ-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायिस्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या घन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उन्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए।

शतः सब, उनत सिवित्यमं की घारा 269ना के धनुसरण में, में उनत सिवित्यमं की घारा 269ना की अपवारा (1) के अभीन निम्नुलिक्त अवित्यम् । (1) एम॰ एस॰ बाबुखान, बिल्टर्स, 5-4-86 से 92, एम॰ जी॰ रोड, ब शी॰ गियासुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए॰ के॰ बाबुखान, निशात बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भन्तरक)

(2) कुमारी ए० क्षी० सुब्बालक्ष्मी, पिता ए० मुराली किशना मोहानाराव, पेद्धापाडु, येलूर, वेस्ट गोदावारी जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कुरको पूर्वोक्त सम्पृतित के बर्बन भी लिए कार्यवाहियां करता हुए।

धकत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रंबिध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रंबिध, जो भी ग्रंबिध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हितबक किसी मन्य व्यक्ति बारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्ठीकरण !---इसमें प्रयुक्त सन्दों भी द पदों का, जो उन्त अधि-नियम के बड़्याय 20-के में परिभाषित है, बही भये होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

नुपूर्वी

प्लाट/म्राफिस नं० 432 श्रीर 433 वीथी मंजिल में भ्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, एम० जी० रोड, सिकन्नाबाद, विस्तीण 698 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4912/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिकारी, हैवराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच : 10-2-1983

मोहरु 🛭

श्ररूप पाई•डी•एन•इख•----

भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घार। 269-थ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० भार० ए० सीं० 579/82-83—अत: मुक्षे एम० जगन मोहन

भायनर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-क के प्रधीय बक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्वाय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 41 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, जून 1982

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी झन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या झन कंद प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें प्रस्तरिती झारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था; छिपाने में सुविका के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) एम० एस० बाबुखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोज,
बै० क्षी० गियासुद्दीन बाबुखान,
पिता लेट ए० के० बाबुखान,
निमात बाग, बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्धुल खैर खान, पिता राफीयुद्दीन खान, पुलिस लाइन्स, बेगमपेट, सिकन्द्राबाद ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बर्ध में कोई भी प्राक्षिप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो छक्त भीविनयम के शम्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/म्राफिस नं० 41, नीचे मंजिल में म्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, एम० जी० रोड, सिकन्द्राबाद, विस्तीर्ण 252 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4910/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10- 2-1983

मोहर 🛚

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवेश सं० श्रार० ए० सी० 580/82-83—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 35 है, जो रानीगंज, सिकन्दरासाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरफ को वायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) एम/एस बाबुखान बिलडर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, बै० झी० गियासुद्दीन बाबुखान,
पिता लेट ए० के० बाबुखान,
निशात बाग, बेगमपेट,
हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

(2) कुमारी ऊष्सुन्निसा, पिता हामीदृध्दीन खान पोलीस लैनस, बेगमपेट, सिकन्दराबाद ।

(अन्तर्दिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्तु सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसुची

प्लाट/म्राफिस नं० 35; नीचे मंजिल में म्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, एम० जी० रोड, सिकन्दाराबाद, विस्तीर्ण 212 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4909/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 10-2-1983

मोहर 🗄

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

प्रायक्तर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवेश सं० श्रार० ए० सी० 581/82-83—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिन्हा उवित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 34 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिजित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखित में मास्तिविक क्य से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रिधिक नियम के अधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिल्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा क लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त ग्राधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 31--516 GI/82

(1) एम/एस बाबुखान बिलंडर्स, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, बै० क्षी० गियासुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान, निशात भाग, वेगमपेट, हैंदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नासीरद्दीन खान, पोलीस लेनस, वेगमपेट, सिकिन्दाराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस पुनता के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्नम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति हारा प्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्ररण - इसमें प्रमुक्त ग्रन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिचित्रयम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयं होगा, जो उन ग्रन्थाय में दिया गया है।

जनसूची

प्लाट/श्राफिस नं० 34, नीचे मंजिल में म्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपत नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 212 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4908/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आहरे. टी. एन., एस., ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

सं० ग्रार० ये०सी० नं० 582/82-83-श्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० नं० है जो रानिगंज सिकन्दाराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकां प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती एवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

अतः अब उक्त राधिनियम की धार 269-म के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एम/एस बाबुखान बिलंडरस, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, वे क्षी शियासुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान, निणात भाग, वेगमपेट हैंदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) एस० रावीकुमार 15-6-8 सिद्धियम्बर बाजार, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संप्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण "--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्स विभिनयम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

ण्लाट/म्रिफिस नं० 235, दूसरा मंजिल में म्राल-करीम ट्रेड सेंटर, भवन, मुनिसिपल, नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज एम० जी० रोड, सिकिन्दाराबाद विस्तीर्ण 304 चतुर फोट रजिस्ट्रीकृत विलेखं नं० 4907/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन गध्य प्राधिकारी सहस्यक आयकार आयुक्त (सिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारी**ख**ः 10-2-1983

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 फरबरी 1983

सं० श्रार०ये०सी० नं० 583/82-83--श्रतः मुझे एम. जगन मोहन

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 237 है जो राजीगंज सिकिदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रानुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जून 1982।

को पूर्वीवत संपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण सं हुई किसी आम की बाबत उक्त पछि-नियम के श्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) एम०एस/बाबुखान बिजडरस,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, प्रिक्तिक द्वारः
गियासुद्दीन बाबुखान, पिता लेट, ये० के०,
बाबूखान, निशात भाग,
वेगमपेट हैंदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) समुद्राला रागावुलुगारी चन्द्रय्या ट्रस्ट, 15-6-8, सिद्धियम्बर, बाजार, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध विमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/म्राफिस नं० 237 दूसरा मंजिल, में भ्रान-करीम ट्रेंड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 में 92 रानी गंज, एम० जीं० रोड, सिकिंदराबाद, विस्तीर्ण 314 चतुर फीट रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 4906/82 रिजस्ट्रीकर्त्ती श्रिधकारी हैंदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

शृरूप् बाई ्टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत् सुरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज हैंदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 फरवरी 1983

सं० द्यार०ये०सी० नं० 58 4/82-83—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 236 है जो रानीगंज सिकिंदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून; 1982।

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत्। :--

(1) एम/एस बाबुखान, बिजडरस,
5-6-86 से 92,
एम० जी० रोड, प्रतिनिधिद्वारा गियासुद्दीन बाबुखान,
पिता लेट ये० के०, बाबुखान,
निणात बाग, बेगमपेट,
हैवराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) यस० सिवा कुमार, पिता यस० चंद्राय्या, फीलकाना हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अन्स्ची

प्लाट/ग्राफिस नं० 236 दूसरा मंजिल में ग्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज एम० जी० रोड, सिकिंदराबाद विस्तीर्ण 304 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4905/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र**र्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

नोहर:

प्रस्पृ **आई**् टी_ट एन् , एस् , - = - =-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैधराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

सं 0 5 8 5 / 8 2 - 8 3 --- अत: मुझे, एम 0 जगन मोहन,

आयकर श्रिं नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 246 है, जो रानीगंज सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई िकसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं व बाबूखान बिल्डसं,
5-4-86 से 92,
एम व्याप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त बाबूखान,
पिता लेट एव केव बाबूखान,
निशात बाग, बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) के० नालिनी बाई०16-6-69/5, भादरगाट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट/ग्राफिस नं० 246, ग्रौर दूसरी मंजिल में भ्राल-करीम ट्रेंड सेंटर भवन, मुनिसपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 276 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4903/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैंदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन र एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

र्ह्मार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 फरवरी 1983

सं० ए०सी० नं० 586/82-83-अत:, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 234 है, जो रानीगंज सिकंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में र्जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

करो पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी हश्यमान प्रतिकल से एसे ख्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यमित्यों, अधीत :--- (1) मैं व बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम व्याप्त पांच, मुक्याव, गियासुद्दीन बाबूखान,
पिता लेट एव केव बाबूखान निशात बाग बेगमपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) पवमा वेंकाटेस्वारा राव,
 15-8-330/1,
 फीलकाना,
 हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट/म्राफिस नं० 234, 2 री मंजिल में श्राल-करीम ट्रेंड सेंटर भवन मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 304 चतुर फीट रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4904/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी, हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई^{*}० टी० एन**० एस०-------**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन **सुचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (ानराक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० म्रार०ए०सी० नं० 622/82-83--म्रातः, मुझे, एम जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो मदीनागूडा गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रंगा रेड्डी जिला में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरित्यों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हु, ई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती चन्द्रादेवी श्रौर श्रन्य जी० पी०ए० चन्द्रजीत सिंह 21-1-400, रकाबगंज, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विधनसवरा को श्रापरेटिय हाउस, बिल्डग सोसायटी लि० बाई० काशीनाथ श्रीर श्रन्य, नारसिंगी, हैदराबाद-8,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 54 बी० डिवीजन, 1.4 एकड़, मदीनागूडा, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5469/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता ब्रिधिकारी रंगारेड्डी जिला।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-1983

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० म्रार० ए०सी० नं० 623/82-83--म्रातः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सेडल नं० सी० 18 है, जो सनतनगर हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1982

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण , में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन, निम्निचिख व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ईस्वर राव, जी०पी०ए० ए०पी० म्राई०म्राई०सी० लि० 8─3~315/70, येलारेड्डी गूडा, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स प्रेमीयर इंडस्ट्रीज लि० एस० पूरलच्या, 3-5-119/11, काचीगूडा रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

जनसूची

गौड नं० सी/18, सनतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्णे 1192.22, चतुर गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4377/82, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोह्न, सक्षम प्राधिकारी₃ सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15—2—1983

मोहर 🛭

प्रकृष बाह् , दी. एन् , एस् ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० प्रार० ये०सी० नं० 624/82-83-यतः मुझे; एम० जेगन मोहन,

हायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4 है, जो भ्रापणी भ्रपार्टमेंट्स बेगम-पेट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधनियम, 1908 (1908का 16)-के श्रिधीन तारीख जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कीचत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुद्दे किसी नाय की कावत उक्त अधि-निवस को अवीन कड़ बने के अन्तरक के दायित्व में कसी कड़ने वा उत्तरी वचने में सुन्धा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी अन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के जनुसरण क्नों, में, उवत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के शक्ति, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---32---516GI|82 (1) श्रीमती यस० प्रेमलता, घर नं० 133, वेस्ट, मारेड, पल्ली. सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० जी० नायर, घर नं० बी० ज्योजी, श्रपार्टमेंट, स्रमीरपेट हैवराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपरिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी स्थितियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए था सकोंगे।

स्वष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

फ्लैट नं० 4, प्रथम तल. श्रपार्टमेंट्स बेंगमपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 492/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी बल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983

निर्देश सं० भ्रार० ये०सी० नं० 625/82-83-यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8-2-324/1, है, जो जूबली, हीलस्, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुन्तिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन जिम्मितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती जी० एसं० कोंथवाला, 21, स्रोलकोर्ट हाउस, वेस्ट फील्ड, इस्टेट, भोलाभाई देसाई रोड, बम्बर्ड।

(ग्रन्तरक)

(2) यच० जी० सूर्यकुमार, 6-3-347/47, द्वारिका पुरी कोलानी, पंजीगृट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

घर नं० 8-2-324/1, जूबली हीलस्ं, रोड नं० 3 ग्रौर 7, बंजाराहीलस्, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4468/82 रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-1983

प्रस्य आइ.टी..एन..एस.-----

आयकर निर्मातम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत् सरकार

कार्वालय, सहायक जायक र आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद विनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 626/82-83—-यक्षः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (सिसं इसमें इसके पश्चात 'उम्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 8-3-978/16 है, जो यत्लारेड्डी गूडा, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विश्वति है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिशत से बधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कारियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दाबित्व में कजी करने या उससे बचने में तृबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आम मा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थास् अ--- (1) श्री भ्रामतूल हामीद श्रीर झयना फरझाना, पार्ट नं० 2, 10-2-304/12, हैदराबाद-28 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शहा मोहम्मद खान, 34-2 भ्रार० टी० चन्द्र्लाल बिरावरी, हैदराबाद ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्शिक के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्भ किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अभाष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे?

स्पष्टिकिरण:—-इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-3-978/16 यस्लारेड्डी गूडा, श्रीनगर, भूमि तल श्रीर प्रथम तल का क्षेत्र भूमि तल, 590 चौ० फुट प्रथम तल, 60 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4637 सौर 4638/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी हैदराबाध।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-1983

मःहर:

प्रस्य नार्दः, टी. एत्. एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्मल्ब, सहादक शायकार शायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1983

निवेश सं० भ्रार० ये०सी० नं० 627/82-83--्यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है, जो सोमाजीडागू हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16)के भ्रधीन तारीख जून 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया अवा था या किया जाना था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म् के अनुसरणं भें, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसिक व्यक्तियों, अ्थीत् :--- (1) श्रीमती जी० प्रमदा जी०पी०ए० श्री जी० र्यबद्वराव घर नं० 4-117/बी० सक्रतगर हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी यशोदा देवी मेडापल्ली नरसमपटेल तालूक जिला वरंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उमत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 18 सर्वे नं 29/बी, सोमाजीगृष्ठा, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 4646/82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 9-2-1983

मोहर 🗈

प्रस्प आह². टी. एन. एस.----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ये०सी० नं० 628/82-83-यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह मिश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्तिं जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 3-5-873 है जो हैदरगूडा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इतसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीत कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त पण्यति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान श्रतिकत का पन्दर् प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिकों (जन्तरिक्षिकों) के कोण ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसा आय या किसी अन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिजिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्र4, उक्त श्रधिनियम को घारा 269-म के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन. निम्निखित व्यक्तियों श्रथीत्ः— (1) मातृश्री इंजीनियर्स ग्रौर बिल्डर्स, प्रा० लि० 3-5-873 हैदरगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जी० गंगा सरस्वती पर्ति लेट, सूर्यनारायणामृतीं, 3-5-45/2, हीडन बाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दितबद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यस्थीकरण :-- इसमें प्रयुक्त गण्डों भीर पर्यो का, की जनत अभितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं प्रयं होगा जो उस ग्रम्थाय में दिल्य गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी० ब्लाक नं० 401, मातृश्री स्रपार्ट मेंटस विस्तीर्ण 1074, चौ० फ़ीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 703/82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हदराबाद

तारीख: 15-2-1983

मोहर् 🛭

प्रस्प आर्च. टी. एन्. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

भायांलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ये०सी० नं० 629/82-83--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर िसकी संख्या एस० नं० 59 है, जो, करमनघाट हैंदराबाद में स्थित हैं (स्रीर इसमें उपाबछ श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधि तरी के वार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफाल, निम्नुलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रावित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीए/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, धारा उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री टी० केशव रेड्डी,
 टी रामा रेड्डी श्रीर अन्य,
 मुसापेट, रंगारेड्डी, जिला

(ग्रन्तरक)

(2) पंचायत टीचरस को-श्रापरेटीय हाउस बिरुडंग सोसायटी, लि० करमनघाट, टी० बी० नं० 316, हैदराबाद 27-ए, श्रोल्ड एम० एल० ए० क्वाटर्स, हदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है। गया है।

अन<u>ु</u>सुची

कृषि भूमि, सर्वे नं० 59, 40 एकर, करमनघाट, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4121/82, रिजस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी हैंदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

त(रीख: 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आव्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदश सं० म्रार० ये०सी० नं० 630/82-83- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-10-196/208 है जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का जानित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक ल से, एसे दृश्यमान प्रतिक का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितिबत उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हर्ष किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ऊमाकरन तज करन जयंती, पेलैंस,
 1-10-179/206,
 हैदराबाद-16

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आयेशा मुनीब सीहीकी, 8-3-166 सी०/7 यरागुड्डा, हैदराबाद-18

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

फ्लंट नं 104 प्रथम तल, श्रपार्टमेंटस, बेगमपेट हैंदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 820/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वस्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1933

निदेश सं० श्रार० ये०सी० नं० 631/82-83--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भदनात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-10-84/142 है जो, वेगम पेट हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदास अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे इन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण जिबिस में बास्तियक छप में किश्त नहीं किया ग्या है क्य

- (क) नलर्द्रक ते हुए किसी नाग की नाद्ता, उन्सर विभिन्नियम के नभीन कर दोने के मृत्तरण को वासित्व में कमी करने या उसते स्थान में सुविधा के सिए; सहि/का
- (क) एती किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के सुदिशा के सिद्ध;

बात: वक, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भाँ, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमती जी० ई० चीग्नौडेत्ती,
 1-10-84/142,
 बेगमपेट, हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री कॅ० वेनूगोपालरेड्डी, 1-10-84/142, बेगमपेट, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हुनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-10-84/142, विस्तीर्ण 905 चौ गज वेगम-पेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1245/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिष्ठकारी हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर 👉

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवेश सं० भार० ए० सी० नं० 632/82-83—यतः, मुझे, एम० जेगन भोहन्।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 134, 181/1, है, जो गड्डिशानाम, सरुर-नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्या-लय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एरेति किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 33 —516 GI/82

(1) श्रीमती बी० रमानारयकम्मा पति लेट वेंकटम्बराराव श्रौर ग्रन्य, श्रदाडा गांव, जिला कृष्णा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिवलिंगप्पा ग्रौर श्रन्थ, टूप बाज्तर, हैदराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसअध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

खुली जमीन नं० 314, 318 विस्तीर्ण 1637.9 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4311, 4312 श्रीर 4338/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983 •

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश स० म्रार० ए० मी० 633/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16-7-774 से 776 है, जो श्राभ्रामपूरा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का 16) के श्रधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हासन बानू बेगम पति लेट मोहम्मद महबूब श्राली, घर नं० 16-7-776, श्राञ्चमपूरा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० झऊर ग्राहमद पिता के० मोहम्मद, ग्राइसा, घर नं० मी० ग्राई० बी० नं० 56, ग्रोल्ड मलकपेट, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध भो कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 16-7-774 से 776 ग्राझमपूरा, हैंदराबाद विस्तीर्ण 264 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2067/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, श्राझमपुरा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्रकृष् आहे. दी. एन्., एस्., ------

द्यायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 634/82-83——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थीवर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कल्लूर, करनूल में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, करनूल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते मह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रिक है और धन्तरक (ग्रम्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बायत, उकत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी जा या किसी बन या अन्य आस्तियों हो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1933 का 11) या. उक्त अधिनियम, या यन-कर अधिनियम, या या-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० सिवय्या पिता लेट, ए० स्वामी रेड्डी, नं० 46/347, बुधवारपेट, करनूल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्सिरा ट्रेडर्स करनूल, मनेजिंग पार्टनर, टी० वीरा मेखरम गौर श्रन्य, 18/111, पोस्टल कालोनी, करनूल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अभंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारी खा से कि 45 दिन के भीतर उसते स्थावर सम्पत्ति में हितन खा कि किसी ध्रम्य क्यिकत द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त गक्दों और पदों का, जो सकत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कल्लूरु गांव, करनूल, विस्तीर्ण 0.75 एकड्ड्र रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2489/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी; करनूल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख : 10-2-1983

प्रस्प आहें. टी. एन्. एस्.,------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्राबाध

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं प्रार० ए० सी० नं ० 635/82-84—यतः सुझे;

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ... 3 परेषास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कल्लूरु, करनूल में स्थितं है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1982 की पूर्वीक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति- अनिवित्त से विश्व उद्वेश्य से अक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जुन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे व्यन में सुविधा के हिए; बोर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विभा को सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियमें अर्थात् हिन्स

(1) श्री के० नारायनम्मा पति यल्लाप्पा और श्रन्य, लक्ष्मीपूरम, करनूल ।

(भ्रन्तरके)

(2) श्री मिलकार्जूना मनेजिंग पार्टनर, श्री के० गुरुवय्या शाप नं० 29, शरॉफ़ बाजार, करनूल ।

(प्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिसंबत में किए जा सकेंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;

स्थव्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिष भूमि, कलूरु गांव, करनूल विस्तीर्ण 1 एकड़, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2734/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, करनूल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० ग्रार०ए० सी० नं० 636/82-83---यनः मुझो,, एम्० जेगन मोहन,

गार्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इस्कू पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

भूगिर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर गाँव करनूल स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनूल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, जून 1982

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बामस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों आरतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण हें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**म की उपभारा (1)** हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात ः— (1) श्री जी० भिवारेड्डी पिता संजीवा रेड्डी, दीनेदेवरापाडू गांव, करनूल ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स लेपायसी इनटेट ट्रेडर्स करनृल, मैनेजिंग पार्टनर, श्री वाइ, बालीरेड्डी, 66/45, कोटा, करनृल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

क्रिप भूमि, विस्तीर्ण 1 एकड़, कल्लूरु गांव, -करनूल, र रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2568/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, करनुल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाक्ष

तारीख: 10-2-1983

मोहर् 🕄

श्रुक्य भार्चः टी. एन. एस्.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 637/82-83---यतः। मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 4-1-306 है, जो ट्रप बाजार, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय,, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फेल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जुन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे बच्चने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्नतः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो मती के० सुजाता पति के० विनोद रेड्डी, ट्रप बाजार, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुमन कुमार पिता लेट नंदलाल, 4-1-306, द्रूप बाजार हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृतित के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ढामील से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पर्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही सर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-306, द्रूप बाजार, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4554/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख :10-2-1983

भोहर :

प्रकप वार्षः डी., इत्, एसं. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- था (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायसिय, सहायक बायकर बायूक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० 638/82-83--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त् अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ध्यों जिसको सं् सर्वे नं 12 है, जो बाग लिंगमपरुली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का -16) के श्रिधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीजित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नीजित में बास्त-विक रूप से माथित महीं किया का हैं---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावत अपन् अधि-तियम के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरक के वायित्व में कानी करने या उससे ब्याने में सुविधा के निमा; और/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:-- (1) श्री नवाब फलिस श्रहमद खान, मुबारक मंजिल, रामकोट, हैदराबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री बालाजी भाग्यनगर कोआपरेटिव हाऊसिंग मोगाइटी लि०, बाई श्री डी० सुरेन्द्रराव, ब्यू एम० एल० ए० क्वार्टर्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यकाहिया करता हो।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सृष्टना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन काँ अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्टना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हाँ, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी बन्ध व्यक्ति च्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि सर्वे नं० 12, बाग लिगमपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 600 वौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4778/82, रजिस्ट्रीक कर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 10-2-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० स्रार० ए० सी० 639/82-83--यतः, मुझे, एम० जेगन भोहनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० 3-5-784/15/1 है, जो कीग कोटी, हैदरा-बाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- '(क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंत्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मैं सर्भ कुणल श्रापार्टमेंटन, 3-5-784/15/1, कींग कोठी हैदराबाद, बाइ सुरेन्द्र मल लूनानी, मुलतान बाजार, हैदराबाद।

(श्रन्तरक

(2) श्री राकेह मेहता पिता कृष्णाचन्द्र मेहता, 101, कुशाल श्रपार्टमेंटस , कींग कोठी, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आजंप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-5-784/15/1, नींग कोठी हैदराबाद विस्तीर्ण 1435 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4806/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

सारीख : 15-2-198**3**

प्ररूप आहरै. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 15 फ़रवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 640/82-83—ग्रतः मुझी एम० जेगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य *25,000/- रहा से अधिक है

गौर जिसकी सं० 3-5-784/15/1 है, जो कींग कोठी हैदराबाद में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्री (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---43 --- 516 GI/82

(1) मसर्स कुशल श्रपार्टमेंटस, 3-5-784/15/1, कींग कोठी, हैदराबाद बाइ सुरेन्द्रमल लूनानी, सुलतान बाजार, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी पति श्याम सुन्दर दमीनी, और श्रन्य, घर नं० 3-5-784/15-1, कींग कोठी, हैसराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-5-784/15/1, कींग कोठी, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 435182 रिजस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैकराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 फरवरी 1983

ग्नार० ए० सी० नं० 641/82-83--यत: मुझे. एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या 3-5-784/15-1, है जो कींग कोठी हैदरा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1982

को प्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उक्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आब्स, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मसर्स कूशल श्रापार्टमेंट्स, 3-5-784/15/1, कींग कोठी हैदराबाद वाइ सुरेंद्रमल लूनानी, सुलतान बाजार, हैदराबाद। (श्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेखा देवी पति भवरलाल,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त शबदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मनुस्ची

स्रविभाजित 1/31 भाग, एम० नं० 3-5-784/15/1, कींग कोठी, हैवराबाद, विस्तीर्ण रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4352/82, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैवराबाद ।

एम० जेगन मोहन उसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायु (निरीक्षण) पर्जन रेंज, हैदराबाद ।

ता**रीख**: 15-2-19४३

म्बन् बाइ ् बी., एत् , एत

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **पारा 269-ण (1) के मधीन** स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्राबाक दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० श्वार० ऐ० सी० नं० 642/82—83——श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्च है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3-5-784/15/1 है जो कींग कोठी हैं बराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय हैं बराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क्स, मिम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-रिक कप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुए किसी नाय की वावत उक्त शीध-विश्वम् के वृथीन कर दोने के ब्लाएक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिये; बीप/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैससं कुशल भ्रपार्टमेंटस, कींग कोठी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मससं सुबोध कस्ट्रक्शन प्रा० लि०, प्रशोक कुमार रनवाल, एफ० 9 बत्तगुरू, सोसायटी, चंबर, बम्बई-88।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

ग्रविभाजित शार 1/29.75 एम०सी०एच० नं० 3-5-784/15/1 कींग कोठी हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4354, 82 रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-2-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा २69-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद दिनांक 19 फरवरी 1983

सं० म्रार० ऐ०सी० नं० 643/82-83-म्ब्रसः मुझे एम० जेगन मोहन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उप्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 103 है, जो जनता श्रपार्टमेंटस दराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबब श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, वरूलभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्बलिखित इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक छुप से स्थित वहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई कियो प्राय की बाबत, उनत चिक् नियम, के अधीत कर केने के अन्तरक के दायिका में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, घीर/वा
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्राविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिविनियम, या धनन्कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा कियाने में स्विद्या के लिए।

भ्रत: धव, उक्त भ्रष्ठितियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रष्ठितियम की घारा 289-भ की उपचारा (1) के बचीन निम्नलिखित व्यक्तियों क्यांत:— (1) उमाकरन तजकरन, जयतीपैलेस, 1-10-179/206, बगमपेट, हैदराबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीता करन 8-2-547, धरम मेनशन, बंजाराहीस्स, हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उथत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप > → -

- (क) इस जून को राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामी ते में 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि काई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजरत में प्रकाशन की गरील से 43 दिन के मीतर उच्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहरताक्षरी के जान लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त भाग्दों भीर पर्वो का, जो उत्तर मधि-नियम के भाष्याय 20-क में परिभाषित है, बहो पर्ये होगा, जो उा यध्यार में दिया गया है :

अनुसूची

फ्लैट नं० 103 जनताम्रपार्ट मटस बेगमपेट, हैंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 819/82 रजिस्ट्रीकर्सा म्रिमिकारी वल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैक्साबाद

तारीख: 19-2-1983

प्ररूप आहे. टी. एनं. एस.- - - ----

आयकर ख्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० भार० ऐ० सी० नं० 644/82-83--- म्रतः मुझे एम० जोगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलट नं० 304 है जो जनता अपार्टमेंटस हैंदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए; और/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित ः— (1) श्रीमती कमाकरन तजकरन, जयतीपैलेस, 1-10-179/206, बेगमपेट, हैदराबाद-16

(ग्रन्तरक)

(2) मोहम्मद सालमन III, ब्रांबायन श्रपार्टमेंटस, महफबाद, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 304, जनता श्रपार्टमेंटस 1-10-19/208 ब्रेगम-पेट हैंदराबाद, रिजस्ट्रीकृत बिलेख नं० 824/82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी बस्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हवराबाद

तारीख: 15~2-1983

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस्. -----

आव्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 फरवरी 1983

सं० श्रार० सी० नं० 645/82-33 श्रतः मुझे एम० जेगन मोहा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाग 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/ रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-5-784/15/1 है, जो, कींग कोठी हैंपराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में 'ग्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख जून, 1982।

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गृहीं किया गया हैं:---

- (क) बलाइक वे हुइ किसी बाव की बाबत, उनक अधिन्यम के स्थीन कड वेने के ब्लाइक के बाबिटक में कभी करने वा उबसे बचने में कृतिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनुकर अधिनियम, वा धनुकर अधिनियम, वा धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिस्नीलिंखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैसर्स कुशल भाषाटेंमेंटस् कींग कोठी, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशन लाल जेवर, पिता स्नागर चंद जेवर, 4-7-918 इसामीयाबाजार, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति भी वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निसम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुसूची

भ्रविभाजीत शार 1/29.75 एम०सी०एच० नं० 3-5-784/ 15/1 कींग कोठी,हैंदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4636/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, हैंदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 15-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के मधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैंबराबाद

हैदराबाद विनांक 10 फरवरी 1983

सं० प्रार० ए० सी० नं० 514/82-83-प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ं नं 202 है, जो मोगल कोर्ट ग्राफ़ डेंल्कान टार्बस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1982।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुइ जिल्ली आय की वावत, उनस् अर्जियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) एम/एस० हैंदराबाद बिस्हर्स,
5-9-60 बाजीरबाग
हैंदराबाद मैं० गियासुद्दीन बाबखान,
निशास मंजिल
6-3-4, बेगमपेट,
हैंदराबाद ।

(मन्तरक)

(2) मास्टर हेच लक्ष्मीनारायणा, 3-5-886, हिमायतनगर, हैक्साबाह ।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृष्ता आरी करके पृत्रांतिल सम्पृतित के वर्षत के जिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन की अविध् मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को अस् अध्याय में दिया गवा है।

अमुसूची

प्लाट/म्राफ़िस/गारेज/मोरूम, पार्किंग, जामा नं० 202 मंजिल में 2 मोगल कोर्ट म्राफ़ डक्कन, टार्वेस, एस० नं० 5-9-60 बशीरजाग, हैदराजाद विस्तीर्ण 1608 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4958/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराजाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी ससायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रजन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्रकृष आर्घ .टी . एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्रण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

सं० ग्रार० ए०सी० नं० 515/82-83-प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी संव नंव 102 है जो मुगल्स कोर्ट आफ खक्कन टबरस में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (वंतिशतियों) के भीच एसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्दर्भय से उस्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

(1) मै० हैदराबाध बिल्डर्स,
5-9-60 बाशीरबाग,
हैसराबाद, बै० गियासुद्दीन बाब्खान,
निभात मंजिल,
6-3-4, बेगमपेट,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) बी० वीना रेड्डी पति, डाक्टर, बी० सुरेन्द्र रेड्डी 2-2-1138, न्यू नल्लाक्टा, हैंदराबाद।

(मन्तरिती)

ना गह नुमान कारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्ची

ण्लाट/म्राफ़िस/गारेज/शोरूम/पारिक्ग, जागा नं० 102 मंजिल में 1 मुगस्स कोर्ट ग्राफ़ वक्कन, टावर्स, एम० नं० 5-9-60 बशीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1608 वर्ग फ़ीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4959/82 रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जनरेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 10-2-1983

मोहार 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए०सी० नं० 516/82-83-श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव नंव 2 है, जो मुगल्स कोर्ट ग्राफ़ इक्क्न टायर्स में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाध में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित में मास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आप की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर बुचने में सुविभा के निष्ट; और/या
- (ख) एसी किमी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा क्षेतिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविश्वित न्यक्तियों, मुर्थात् :--- 35—516 GI/82

(1) मैं० हैदराबाद बिल्डसे,
5-9-60 बाणीरबाग, हैदराबाद बै०
झयासुद्दीन बाबूखांन, निशात गंजिल
6-3-4, बेगमपेट, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

(2) भ्रब्दुल करीम बाबूखांन, फ़्रींमिली, ट्रस्ट, 5-9-58/1 बाशीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्प्रिक के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहास्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/भ्राफ़िस/ गैरेज /शोरूम, पार्किंग स्पेस नं० 2 मंजिल में मुगल्स कोर्ट भ्राफ़ दक्कन, टार्वस, एम० नं० 5-9-80 बाशीरबाग, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 2400 वर्ग फ़ीट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 960/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी, हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षय प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण स्रजन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

साहुर 🕫

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 517/82-83---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 1 है, जो मोगल कोर्ट आफ डेक्कान टवरस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी

के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उज्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिप्राने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) एम० / एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
5-9-60,
बामीरबाग, हैदराबाद
बैं० गियासुद्दीन बाबूकान,
निमात मंजिल,
6-3-1111,
बेगमपेट,
हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम॰ ए॰ नायीम, पिता एम॰ एम॰ काजा, 5-9-303, गनफ़ेनड्री, हैदराबाद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) ध्रम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/म्राफ़िस /गारेज/शों क्म/पार्किंग जागा नं० 1 मंजिल में—— मोगल कोर्ट म्राफ़ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-60 बशीरबाग, हैंदराबाद विस्तीर्ण 2400 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4961/82 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आहर्षे. टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 518/82-83--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० गैराज 24 है, जो मोगल कोर्ट श्राफ़ डक्शन टावर्स में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है), जिल्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैशाबाद में रिजिल्ह्रोकरण श्राविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और स्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्नलिखित उद्देश्य हे उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से जिथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नींजिखित व्यक्तियों। अर्थात् :--- (1) एम० / एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
5-9-60,
बाशीरबाग,
हैदराबाद बैं० गियासुद्दीन बाबूकान,
निशात मंजिल,
6-3-1111,
वेगमपेट, हैदराबाद।

(मन्तरक)

(2) श्री एम० सुन्दर क्याम स्वामी,
 पिता एम० जे० स्वामी,
 3-6-15/2,
 हिमायतनगर,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट/प्राफ़िय/गैरेज/णो स्म/पाक्ति /गैराज नं० 24 मंजिज में---भोगल कोर्ट श्राफ़ डैक्टान टबरम, एम० नं० 5-9-60 बशीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण---चतुर फीट रिजस्ट्री-ष्टत विलेख नं० 4962/82 रिजर्ट्रावर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद

> एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, हैयराबाद

सारीखा: 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983 निदेश सं० श्रार० ए० सी० 519/82-83—श्वतः मुझे, एम० जगन भोडन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 103 है तथा जो मोगल कोर्ट आफ़ डेक्कान टावर्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्रीकर्ती श्रधि-कारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात्:--- एम० / एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60,
 बशीरबाग,
 हैदराबाद बै० गियामुद्दीन बाबूकान,
 निशास मंजिल,
 6-3-1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनं की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट/म्राफ़िस/गेराज/शो रूम/पार्किंग जागा नं० 103 मंजिल में 1 मोगलस कोर्ट म्राफ़ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-60 बाशीरवाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1508 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4963/82 रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, हैसराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारी**ख** : 10-2-1983

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983 निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 520/82-83—ग्रतः

मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 101 है तथा जो मोगल कोर्ट आफ डेक्कान टावर्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची को ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- ं अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) एम० एप० हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60, बशीरवाग,
 हैदराबाद बै०
 गियासुद्दीन बाबूकान,
 निशात मंजिल,
 6-3-1111,
 बैगमपेट,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गियामुद्दींन बाबूकान फाँमिली ट्रस्ट,
 6~3~1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त घड्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

प्लाट/श्राफिय/गारेज/भो क्य/पार्किग श्रामा तं० 101 मंजिल में 1 पोगल कोर्ट श्राफ डेक्कान टावर्में, एम० तं० 5-9-60 बागीरवाम, हैदराबाद विस्तीर्ण 1518 चत्र फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख त० 4964/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 521/82-83—म्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 801 है, जो मोगल कोर्ट श्राफ डेक्कान टावर्स, हैदराबाद में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्त में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों:
 को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922'
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा
 के लिए।

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की अपभाश (1)! के अधीन, निकालिखित व्यक्तियों, अभीत् :--

(1) एम० / एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60,
 बणीरबाग, हैदराबाद
 बैं० गियासुद्दीन बाबूकान,
 निणात मंजिल,
 6-3-1111,
 बैंगमपेट,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

 (2) एम० अनुराधा केर, ग्रामप्रो फूड प्रोडक्टग, 15-4-188, उसमान शाही, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपस्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुसा है।

अनुसूची

प्लाट/म्राफिस/गैरेज/मो रूम/पार्किंग जागा नं० .801 मंजिल में 8 मोगल कोर्ट ग्राफ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-60 बामीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1518 चतुर फीट रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 5418/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनाँक: 10-2-1983

प्ररूप शह². टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 522/82-83—म्रतः मृक्षे, एम० जगन मोहन

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृस्व 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 702 है जो मोगल कोर्ट ग्राफ डेक्कान टावर्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्ठीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मून्य से कम के क्यमाय प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है 'और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिवित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्तः अर्ब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्यरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) ए.स० / ए.स० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-60, बशीरबाग, हैदराबाद बै०, गियासुद्दीन बाबूकान, निशात मंजिल, 6-3-1111, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० सांतम्मा, 6-3-890, सोमाजिगडा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों वंत संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना करे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्लाट/म्राफ़िस/गैरेज/शो रूम /गार्किंग जागा नं० 702 मंजिल में 7 मोगल कोर्ट ग्राफ डेक्कान दावर्स, एम० नं० 5-9-60 बाशीरवाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1608 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4684/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्राप्तकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 10-2-1983

प्ररूप आई . टा . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 523/82-83---म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 701 है, जो मोगल कोर्ट ग्राफ़ डेक्कान टावर्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है (रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः एम/ एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
5-9-60,
बाशीरबाग, हैदराबाद,
बै० गियासुद्दीन बाबूकान,
निशात मंजिल,
6-3-1111,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० रंगारेड्डी,6-3-890,सोमाजीगूडा,हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफ़िस/गरेज/शो रूम/पार्किंग जागा नं० 701 मंजिल में 7 मोगलस कोर्ट ग्राफ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-60 बाशीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1518 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4683/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 524/82-83—म्श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 302 है, जो मोगल कोर्ट ग्राफ़ डेक्कान टावर्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख जुन 1982

को पूर्लीक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36--516 GI/82

एम० एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60 बांगीरबाग,
 बैं० गियासुद्दीन बाबुकान,
 निशास मंजिल,
 6-3-1111,
 बैंगमपेट,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० यू० श्रलीम, नं० 5~9—303 गनफ़ैनडारी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट/भ्राफ़िस/गैरेज/शो रूम/पाकिंग जागा नं० 302 मंजिल में 3 मोगलस कोर्ट श्राफ़ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-60, वाशीरवाग, हैदगवाद विस्तीर्ण 1608 चतुर, फ़ीट रजिस्ट्रीक्कत विलेख नं० 4682/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मनेहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 10-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983 निदेश मं० ग्रार० ए० सी० 525/82-83--श्ननः मुझे एम० जगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी फ्लट सं० 301 है, जो मोगल कोर्ट श्राफ़ डेक्कान टावर्स में स्थित है श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— हैचराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60,
 बाईबाधीरबाग, हैचराबाद,
 वै० गियासुद्दीन बाब्खान,
 निभात मंजिल,
 6:3-1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एम० खाजा, 5-9-303, गनफाउड़ी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः— इसमें प्रयुक्त घब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पसैट/म्राफ़िस/गैरेज/शो रूम/पार्किंग जगह नं० 301 तीसरी मंजिल में मोगल कोट म्राफ़ डेक्कान टावर्स, नं० 5-9-60 बाशीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1518 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4681/82 रजिस्ट्रीकृती म्राधि-कारी, हैदराबाद ।

> एम० अगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्रकल आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० भार० ए० सी० 526/82-83—भातः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

थार जित्तको फ्लैंट सं 303 है, जो मोगज कोर्ट थाफ़ डेक्कान टावर्स में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ग ला से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, जून 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच तम पाया गया एसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसूसे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिषधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) हैदराबाद बिल्डर्स,
5-9-60,
बाइबाशीरबाग, हैदरावाद,
गियासुद्दीन बाब्रूखान.
निशात मंजिल,
6-3-1111,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मित युसफ पाणा, परिन एम० एम० खाजा, 5-9-303, गनफाऊन्ड्री, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि कोई हो ती

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नंपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयूक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

पलैंट/म्राफिस/गरेज/शो रूम/पार्किंग जगह नं० 303 तीसरी मंजिल में मोगल कोर्ट म्राफ़ डेक्कान टावर्स न० 5-9-60 बागीरबांग हैदराबाद विस्तीण 1508 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4680/82 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1982

अधिक है

प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983 निदेश सं० आर० ए० सी० 527/82-83—प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन आयकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से

श्रीर जिसकी सं० 309 है, जो मोग कोर्ट आफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन, जून 1982

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिन्ति की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निस्नलिखित उद्देश्य से उध्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (स) ऐसी किसी ग्राय या किमी घन या ग्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय ग्रन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-त के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीता, ीन्छन-िलिबत व्यक्तियों, जर्यात् ह—

मैं० हैदराबाद बिल्डसं,
 5-9-60,
 बणीरबाग, हैदराबाद बाई
 श्री गियासुद्दीन बाबूखान,
 निणात मंजिल,
 6-3-1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० एम० सलीम,5-9-60,वाशीरबाग,हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्रिक्ट सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्संसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, शोभी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाँ गया है।

अनुस्ची

प्लाट/गरेज/म्राफिस/शो रूम/पार्किग जामा नं० 309 तीसरा. मंजिल में, मोगल कोर्ट श्राफ डेक्कान टावर्स सं० 5-9-60 बाशीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1435 चतुर फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4679/82 रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आईं. टी. एन्. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 528/82-83---श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ्गैरेज नं 23 है, जो मोगल कीर्ट श्राफ़ डेक्कान टावर्स में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60 बाशीरबाग,
 हैदराबाद,
 बाइ गियासुद्दीन बाबूखान,
 निशात मंजिल,
 6-3-1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नारिता करन, माप्ता लीला करन, चारमिनार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस/गैरेज/शो रूम/पाकिंग जगह नं० 23 मोगल कोर्ट ग्राफ डेक्कान टावर्स, नं० 5-9-60, बाशीरवाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 171 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4935/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आहाँ. टी. एत. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 529/82-83---श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी गैरेज सं० 10 है, जो मोगल कोर्ट श्राफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यांलय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दुदेश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुभीन, निस्नीस्तिका स्पीनत्यों,, मुर्मात् :--- हैवराबाद बिल्डर्स,
 5-9-69, बशीरबाग,
 हैदराबाद,
 बाई गियासुद्दीन बाबुखान,
 निशात मंजिल,
 6-3-1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० पद्माजा रेड्डी, पित बी० वासुदेव रेड्डी, 4-1-2/1, ईडेनबाग, किंगकोटी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अयिध बाद में समाप्त होती हो, अ भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/स्राफिस/गैरेज/शोरूम/पार्किंग जगह नं० गैरेज नं० 10 मोगल कोर्ट डेक्कान टावर्स, नं० 5-9-60, बाशीरबाग हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4936/82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** : 10-2-1983

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983 निदेश सं० श्रार० ए० सी० 530/82-83—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी फ्लैट सं० 204 है, जो मोगल कोर्ट श्राफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः । शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्- ः--- हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60 बाणीरवाग,
 हैदराबाद,
 बाई गियासुदीन बाबुखान,
 निशात मंजिल,
 6-3-1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० बी० श्रष्पाराव, श्रीर ए० एस० माधवाराब, नं० 1-1-750/3, गांधीनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/गैरेज/ग्राफिस/शो रूम/पार्किंग जगह नं० 204 मोगल का कोर्ट डेक्कान टावर्स नं० 5-9-60, बागीरकाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 346 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4937/82 रजिस्ट्रीकर्ता, श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप अहाँ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 531/82-83--श्रत:, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 10 है जो मोगल कोर्ट श्राफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौरपूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुन 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~-

- (ক) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिर व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) मैं० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-60 बाशीरवाग. हैदरावाद बाई, गियासुद्दीन बाब्खान, निशात मंजिल. 6-3-1111, बेगमपेट. हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सय्यद ग्रालमदार हस्सेन, प्लाट नं० 604, मोगल श्रपार्टमेंट्स, डेक्कान टावर्स ' बाशीरबाग, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

प्लाट/गरेज/म्राफिस/मो रूम/पार्किंग जामा नं० दुकान नं० 4, मोगल कोर्ट डेक्कान टावर्स, श्राफ नं० 5–9–60 बाशीरक्षाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4938/82, रजिस्टीकर्ता **श्रधिकारी, हैदराबा**द ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269÷ष (1) के ग्रिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 532/82-83—ग्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी प्लाट सं० 1 है, जो मोगल कोर्ट भ्राफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त पम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, खक्त भ्राधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिष्: भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 37 — 516GI/82

(1) एम०/एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60, बाशीराबाग,
 हैदराबाद बै०,
 गियासुद्दीन बाबुखान,
 निशात मंजिल,
 6-3-1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर एम्० ए० नाईम, पिता एम० एम० काजा, 5-9-303, मैनफैनड्री, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उर्न सम्वति के ग्रर्ज । के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से • 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील न 30 दिन का अविधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राज्यत्त में प्रकाशत को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्सीनरण:--इसमें प्रपृक्त गब्दों और पर्दों का, जो छक्त अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस ग्रध्याय में दिया क्या है।

अनुसुची

प्लाट/गरेज/म्राफिस/शो रूम/पार्किंग जामा नं० 1 मंजिल में मोगलस कोर्ट म्राफ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-60 बाझीर वाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 2175 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4939/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🖫

प्रकृप कार्च. टी. एत्. एत. -----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) -ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983 निदेश सं० म्रार० ए० सी० 533/82-83—म्रतः, मुझे,

एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंदूर्में इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० है, जो मोगल कोर्ट ग्राफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए बन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्स का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी नाय की गावस, उन्तर अभिनियम के नृभीन कर देने के नन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; ब्रोट/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाडिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सत्तः अस्त, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मों, में उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सुभीन, निम्नुसिन्ति, व्यक्तियों,, अर्थात् ः— एम०/एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-60 बाशीरवाग,
 हैदराबाद, बै० गियासुद्दीन बाबूखान,
 निशात मंजिल,
 6-3-1111,
 बेगमपेट,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्दुल करीम, बाबूखान फैमिली ट्रस्ट, 5-9-58/1, बागीरबाग, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारील से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पाद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट/श्राफिस/गैरेज/शो रूम/पार्किंग जामा नं० 2, ग्राऊंड मंजिल में मोगलस कोर्ट श्राफ डेक्कान टावर्स एम० नं० 5-9-60 बाशीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 2175 चतुर फीट रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4940/82:

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🖫

- man man emine

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० मी० 534/82-83—-श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 704 है, जो मोगल कोर्ट भ्राफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल जिम्मितिषत उद्दं ज्य में उक्त अन्तरण निम्मित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उबल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- एम०/एस० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-60 बाशीरवाग, हैदराबाद बैं० गियासुदीन बाबूखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, बेगमपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती फरीवा बाबू, 5-9-60, बाशीरबाग, हैदराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस/गैरेज/णो क्म/पार्किंग जामा नं० 704 मंजिल में 7, मोगलस कोर्ट ग्राफ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-60 बाशीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1435 चतुर फीट रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4941/82।

> एम० जगने मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 535/82-83—-श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्बात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 604 है, जो मोगल कोर्ट ग्राफ डेक्कान टावर्फ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

एम०/एस० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-80, बाशीरबाग, हैदराबाद, बै०, गियासुद्दीन बाबूखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, बेगमपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० समयुक्ता, 10-2-4, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकन्द्राबाद-500026।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्ष्लाट/श्राफिस/गैरेज/शो रूम/पार्किग जामा नं० 604 मंजिल में 6, मोगल कोर्ट ग्राफ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-80 बाशीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1435 चतुर फीट रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4942/82।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायांलय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रजीन रेंज, हैदराबाइ

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 536/82-83—श्रतः, मुझे, एम० जनन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 504 है, जो मोगल कीर्ट श्राफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन , जन 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिम मे बान्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्नरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी भाय या फिसी बन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था बन-कर अधिनियम, विश्व प्राप्तिक का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए।

प्रतः प्रत, उक्त प्रिवितियम की भारा 269-च के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-60 बाशीरबाग, हैदराबाद, प्रतिनिधि गियासुद्दीन बाब्खान, निशात मंजिल, 6-3-1111, बेगमपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वीर्० शारदा देवी, पति श्रालवार, मास्टर वी० श्रीनिवासाराव, पिता वी० श्रालवार, घर नं० 4-2-16 से 18, श्रार० पी० रोड, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेपः---

- (क) इस मूजना के राजपद में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 504 पांचवीं मंजिल में मोमल कोर्ट श्राफ डेक्कन टावर्स, एम० नं० 5-9-60 बाशीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1435 चतुर फीट रिजस्ट्रीक्वट श्रधिकारी, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4943/82 ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

न्ययंनिय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के जभीन राक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित्त वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101 है, जो मोगल कोर्ट श्राफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (और इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल, भिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे अधने में सूबिधा के निष्; आर्'वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी घन या जन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सिवधा के लिए:

अनः मस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में: उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिचित व्यक्तियों, कर्थात्:—— (1) मैं मर्स हैवराबाद बिल्डर्स,
5-9-60 बाशीरबाग,
हैदराबाद प्रतिनिधि द्वारा
गियासुद्दीन बाबूखान.
निशात बाग,
6~3-1111,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती अफसारुप्तीसा बेगम,
 जी० अहमद,
 3-5-874/13,
 हैदरगूडा,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/म्राफिस/गरेज/णो रूम/पार्किंग जागा मंजिल में मोगल्स कोर्ट म्राफ डेक्कान टावर्स, एम० नं० 5-9-60, वाणीरबाग, हैदराबाद । विस्तीर्ण 1435 चतुर फीट, रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, हैदराबाद र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4944/82 ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरावाद

तारीख: 10-2-1983

प्रकाप बाई.टी.एन्.एस्. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के भूभीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 538/82-83---- प्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 804 है, जो मोमल कोर्ट स्नाफ डेक्कान टावर्स में स्थित है (स्नौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जून 1983

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल लिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- बिक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बासत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियर्त को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के सिए;

अतः अव, उन्द अधिनियम की धारा 269 म के. अनुस्थम में, मैं, उन्द अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मसर्स हैवराबाद विल्डर्स,
5-9-60 बाशीरबाग,
हैवराबाद, प्रतिनिधि द्वारा
गियासुद्दीन वाबूखान,
निशात मंजिल,
6-3-1111,
बेगमपेट,
हैवराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० श्रीदेवी द्वारा ग्रामश्री फूड श्रोडक्ट्स, 15-4-188, उस्मानशाही, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सुभना आरी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ही।

अनुसूची

प्लाट/म्राफिस/गरेज/शो रूम/पार्किंग जामा नं० 804 8बीं मंजिल में मोगल कोर्ट भ्राफ डेक्कान टावर्स, नं० 5-9-60, बाशीरयाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1435 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4945/82 रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 10-2-1983

मोंहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -- -बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 607/82-83—ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 232 है, जो रानीगंज, सिकन्द्राबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुन 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के यीच एसे अतरण के लिए तर पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बम्बत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं निष्टा ६४२ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड,
प्रतिविधि द्वारा गियासुद्दीन बाबूखान,
पिता लेट ए० के० बाबूखान,
निशात बाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी॰ विनोदा, 15-4-125/3, गौलीगुडा, हैदरराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस नं० 232, दूसरा मंजिल में ग्राल-करीम ट्रेंड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीण 304 चतुर फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4918/82 रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेण सं० श्रार० ए० सी० 608/82-83—श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव 114 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रींकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 38—516 GI/82 (1) मैं अर्स बाबूखान बिल्ड सं,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड,
प्रतिनिधि द्वारा गियासुद्दीन बाबूखान,
पिता केट ए० के० बाबूखान,
निशातबाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तहसील मुनावार, पति मैय्यद मुनावर श्रक्तवार हुस्सेनी, मालकपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित . है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट/ग्राफ़िस सं० 114, पहला मंजिल में श्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिफिल सं० 5-4-86 स 92 रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 213 चतुर फ़ीट रिजम्ट्रीकृत विलेख 4921/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन चलम प्राधिकारी महायक स्रायक स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

महिर:

भक्ष आह. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवेश सं० धार० ए० सी० 609/82-83—श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/रू से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 134 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जून 1982

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उत्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधः के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सूविधा के लिए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधित :—— (1) मैंसर्स बाबूखान बिरुडर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड; प्रतिनिधिद्वारा
श्री भियासुद्दीन बाबूखान,
पिना लेट ए० के० बाबूखान,
निशातबाग, वेगमपेट
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नसरीन यूसफ, मालाकपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्<mark>च</mark>ना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति <mark>के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिक्ति पे किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस नं० 134, पहला मंजिल में श्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुंनिफल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 244 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4922/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी, हैसराबाध ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहरः

प्ररूप. बार्च. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैबराबाद

हैदराबाष, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निवेश सं० म्रार० ए० सी० 610/82-83---भ्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव नंव 131 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रंधीन, जन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, प्रतिनिधि द्वारा
श्री गियासुद्दीन बाबूखान,
पिता लेट ए० के० बाबूखान,
निशातबाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सैय्यद इक्राहीम, पिता सैय्यद इमाम, कालाडेरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्मा है।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफ़िस नं० 131, पहला मंजिल में ग्राल-करीम ट्रेंड सेंटर भवन, मृतिफ़ल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्यराबाद,विस्तीर्ण 252 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4923/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगनं मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 10-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबार्द

हैदराबाद, दिनाक 10 फ़रवरी 1983

निवेश सं० श्रार० ए० सी० 611/82-83--श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है.

श्रीर जिसकी सं० 130 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति किक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

अतः अत्र, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :— (1) मैंसर्स बाब्खान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, प्रतिविधि द्वारा
श्री गियासुद्दीन बाब्द्खान,
पिता लेट ए० के० बाब्द्खान,
निशासबाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री तहसीन मुनवार, मलकपेट, हैदराबास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख डे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पृष्टों का, को जनस विधिनियम, को अभ्याय 20-क में पृरिभावित है, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्राफ़िस नं० 130, पहला मंजिल में श्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिफ़ल नं० 5-4-86 में 92 रानीगंज, मिकन्दराबाद, विस्तीण 244 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4924/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैक्रा**बाद**

तारीख: 10 -2-1983

मोहार :

प्ररूप आर्द्:टी.एन.एस. -----

आयकर क्रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 612/82-83-अतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 230 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्द्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविध के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 में 92, एम० जी० रोड, ब, श्री गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के ० बाबूखान, निशात भाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री के० ए० कृष्णामूर्ति,5-3-1069,निजामशाही रोड,हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 230, दूसरा मंजिल में श्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसक्कल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 304 चतुर फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4925/82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैषराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 613/82-83—म्रातः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 233 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशन नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उत्कतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैंसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, व
श्री गियासुद्दीन बाबूखान,
पिता लेट ए० के० बाबूखान,
निशात भाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद।

(मन्तरक)

(2) श्री पी० जगदीयवारा राव, पिता पी० नारासिंहुलु पान बाजार, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 धिन की अविभिया नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल सें 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विक्त व्यक्तियों भें से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० 233, दूसरा मंजिल में श्राल करीम ट्रेंड सेंटर भवन, मुनिफ़ल नं० 5-4-86 में 92 रानीगंज, सिकन्दराबादें विस्तीणें 304 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4926/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैक्टाबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-ष** (1) के **वधी**न सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 614/82-83—ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण, है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 108 है, जो रानीगंज, सिकन्दराब में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्मान् प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कल्लरण से हुई किसी लाग की बावश उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने को अल्लरण के दायित्व में क्यी करन या नयसे वसने में मृतिका के लिए; बीर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनिधन १९२२ माने १८० वर्ग १९८७ के अधिनिधमा १५५७ ११५६७ के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैंसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 स 92,
एम० जी० रोड, वाई
श्री गियासुद्दीन बाबूखान,
निशात भाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० राघट्या,
 पिता सी० सादासिवय्या,
 1-1-720/1,
 गांधी नगर,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट नं० 108, पहला मंजिल में भ्राल करीम ट्रेंड सेंटर भवन, मुनिसफ़ल नं० 5-4 86 से 92 रानीगंज, सिकन्दरा-बाद विस्तीर्ण 320 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4927/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप आहर् .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फ़रवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 615/82-83—ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 141 है, जो रानीगंज, सिकन्दरावाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उददेश्य में उक्त अन्तरण निविद्यत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिं--

(1) मैं ससं बाबूखान बिल्डसं,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, बाई,
श्री गियासुद्दीन बाबूखान,
निशात भवन,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज बिलग्रामी, पित सैय्यद ग्राली बिलग्रामी, किपा रोड नं० 3, बजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 141, पहला मंजिल में म्राल करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसफ़ल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिवन्दराबाद विस्तीर्ण 382 चतुर फ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4928/82 रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) र्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहरः

प्रकप आई॰ टो॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 616/82-83---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्स 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० नं० 127 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कय के दृष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्कित में वास्तविक, अर्ज जन्मिं। तिथा गया है।——

- (का) इन्सरण से हुई किसी थाए की पास्त प्रका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
39—516GI/82

(1) मसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड बाई श्री गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के० बाबूखान, निशात भाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वोमीरुद्दीन खान, पिता हामीदुद्दीन खान, बेगमपेट, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्दों का, जो उनक्ष अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुस्ची

प्लाट नं० 127, पहला मंजिल में ब्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिपल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दरा बाद विस्तीर्ण 337 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 4929/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद

> एम० जगन मोःॄन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अग्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🗓

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 617/82-83--श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है,

भीर जिसकी सं० 126 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे गह विद्याम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और, अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त जंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स बाबूखान विल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, बै० श्री गियामुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान, निशास बाग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नासीरुद्दीन खान, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट सं० 126, पहला मंजिल में **आल करीम ट्रेड सेंटर** भवत, मनिसिपल तं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दरा-बाद, विस्तीर्ण 335 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4930/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी, **है**दराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 618/82-83--श्रत: मुझे, एम० अगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 334 श्रौर 335 है, जो रानीगंज, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का जिल्ला बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मेननिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधीनग्रम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित क्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, बाई श्री गियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के० बाबूखान, निशात बाग, बेगमपेट, हैदराबाव ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गोभा मोहन राव, परिन मोहन राव, रोड नं० 3, हाऊस नं० 84, बेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाग ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकींगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस नं० 334 ग्रीर 335 तीसरी मंजिल में ग्रल करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिफल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 698 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4933/92 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन नोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

त्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 289-च (1) के सभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 619/82-83---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-छ के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छचित बाजार मृत्य 25,000/ द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 337 है, जो रानीगंज सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उझके दश्यमान प्रतिफल से, एंडे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शित्फल, निम्नों को इन उद्देश्य से उनत अन्तरण दिश्वित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के याधिरल ही कमी करने या उससे बचने की सविध्य के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी घर था अरूए आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या इक्त अविनियम, या धन-कर अविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशाजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, सुभात है — (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, बाई
श्री गियासुद्दीन बाबूखान,
पिता लेट ए० के० बाबूखान,
निशात बाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नजीमा जासीन जैन, पित्न श्री जैनुद्दीन शेक इमाम, चंचलगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त हाती हो, जो भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ से संक्रिमी क्यन्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से %5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइन्ताक्षरी के पान जिख्ति में किए जा सकारों।

स्पर्ध्यकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 337, तीसरा मंजिल में श्रल करीम ट्रेंड संटर भवन, मुनिसिफल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दरा-बाद, विस्तीणं 349 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4931/82 रजिस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🔢

प्रकृप आहाँ. टी. एन. ऐस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंजं, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्ट्यात 'उक्त किधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 145 से 148 है, जो रानीगंज. सिकन्दराबाद में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने दा कारण है कि प्रधाप्नोंक्त मंपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आयं की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ ज्न्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में नृविधा के लिए:

कतः कवः, उक्त अधिनियम् कौ भारा 269-गं के अनुसरण कौ, साँ उक्त अधिनियम की भारा 259-मं की उपभारा (1) के अ्थीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थीत् :---

(1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, बाई
श्री गियामुद्दीन बाबूखान,
पिता लट ए० के० बाब्खान,
निशात भाग,
बेगमपेट,
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमातुल करीम हाशमी, 23-3-66, सुलसान शाही, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील में (30) दिन की अवधि , जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंदी- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पर्धाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में हरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

अन्सूची

प्लाट नं० 145, 146 धौर 148 पहला मंजिल में अल करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुमिसिफल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1011 चतुर फीट रजिस्ट्री- कृत विलेख नं० 4934/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मौहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1983

मोहर 🔝

पुरूष आहें, टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अ**धी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 621/82-83--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 32 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जन 1982

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और गुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिख्त में बास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्त्रण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा—— (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड, बाई,
श्री गियामुद्दीन बाबूखान,
पिता लेट ए० के० बाब्खान,
निशात भाग, बेगमपेट
हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अलताफ णेख इमाम, पिता इकरामुद्दीन णेख इमाम, मलकपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

्उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में करेड्र भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट/ग्राफिस नं० 32, तीसरा मंजिल में ब्राल-करीम ट्रेड सेंटर भवन, मुनिसिफल नं० 5-4-86 से 92 रानीगंजं, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 212 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4932/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मो**हन** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, *हैदराबाद*

तारीख : 10-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2038-ए० सी०-क्यू०-23-II/82-83--श्रत: मुझे, स्रार० श्रार शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधक है

श्रोर जिसकी मं० सर्वे नं० 273/3-6, मीटी सर्वे नं० 3023 है तथा जो नवसारी में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्याख्य, नवसारी में जून 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बम्निविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

(1) 1. श्री बाबूभाई भुन्नी लाल राणा, गोलवाड, नवसारी, 2. रमणलाल परषोत्तम भगत, लुन्सीकुई, नवसारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मफतलाल, धूडालाल शाह, जनता श्रपार्टमेंट, साह्याजी गंज नवसारी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~-

- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इंस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मलि में हित-बद्ध किसी भ्रन्य भ्यक्ति धारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिनेकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्तर प्रिक्षित नियम के मध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया (१)

अनुसूची

मिलिकयत जो नवसारी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 273/3-6(पी०) सीटी सर्वे ,नं० 3023/3 है श्रीर कुल क्षेत्रफल 5584 चौ० फिट है जून 1982 में रिजस्टर्ड हुन्ना है।

म्रार० म्रार० माह् मक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु⊶

तारीख 24-12-82

प्ररूप आई.दी.एन.एस.-----

भाग्यकर अभिनियम, 1961 (106) का 43) की धारा 259-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

►कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रह्मदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2038/ए०-एक्वी०-23-II, 82-83----म्रतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सर्वे नं० 273/3-6 (पी०) सी० एस० नं० 3023/3 है, जो नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, इसके दश्यभान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा छो। लए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री बाक्माई चुन्नी लाल राणा, गोलवाड, नवसारी ।
 - श्री रमनलाल परणोत्तम भक्त लुनसीकुणी, नमसारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति भारतीबेन मफतलाल साह, जनता श्रपार्टमेंट, सह्याणी रोड, नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकयत जो सर्वें नं० 273/3~6 (पी) सी० एस० , नं० 3023/3 नवसारी, जून 1982 में रजिस्ट्री की गई हैं ।

> ग्रार० श्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 24-12-82

प्रकृष आई. टी. एन . एस . ------

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाश्राद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 2041-ए० एस० क्यू०-23— II/82-83---श्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 412/1 (पी) टी० पी० एस०-3 है तथा जो कसागांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जन 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त शीधनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सूविभा के लिए; जोर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम का बारा 209-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-----40----516 GI/82 (1) श्री हरगोविन्द दास नाथा लाल पटेल, पटेल फलीया, गोटलावाड़ी, कतारगांव, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र सोमचन्द्र सवेरी, माहीधारपुरा, भाटगेटी, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से , 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास भिवित में किए वा सकींचे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुई, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकयत जो कांसगांव में स्थित है जिसका सर्वे नं० 412/1, (पी०), टी० पी० एस० 3 कसागांव, जून 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> झार० झार० झाह० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ता**रीख**: 22-12-82

मोहुद्ध 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2041-बी० एस०क्यू०-23- II/82-83—-श्रत: मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 412/1 (पी०) टी० पी० एस० नं० 3 है तथा जो कनारगांव में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रानुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1902 का 11) के उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाता जाता जाता था का किया जाता जाता का किया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री बाबूभाई नाया भाई पटेल, 63, शांतिनिकेतन सोसाइटी, बस्तादेवड़ी रोड, सूरत ।

(ग्रन्तरव

(2) श्री नरेंद्र, रसमुख लाल शाह, माहीधारपुरा, धीयाशेरी, सुरत ।

(ग्रन्तरिर्त

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी।
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूव
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर यदों का, जो स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में 1 स्या है।

बन्स्ची

मिलिकियत जो कतारगांव में स्थित है जिसका सर्वे । 412/1(पी॰), टी॰ पी॰एस॰ 3 है और जून, 1982 रजिस्टर्ड की गई है ।

श्रार० श्रार० १ सक्षम प्राधिक सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाब

तारीख : 22-12-82

प्रारूप नाइ टी एमं एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आवकर आवृक्त (निरीज्ञण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 1 फरवरी 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० श्रार० उल्लासनगर/795/82-83—श्रतः सुझे, शशिकांत कुलकर्णी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

269 च के अभाग सक्षम प्राप्तिकारों का यह । वश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अभिक हैं जीन कि के 140 ज्यान

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 101 जी० नं० 140, प्लाट नं० 762 सेक्शन नं० 6-ए० श्रौर 7 -ए० तथा जो उल्लासनगर-2 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध है श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, उल्लासनगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 29 जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्तिक को वास्त में वास्तिवक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उसत अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; और/य
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भरतीय आयखार अधिनियम, 1922 (1922 का :1) या उका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं र क्या गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा जे जिला ।

बतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बरहोमल बुकसोमल वालेच्छा,
2-श्री घनश्याम दाउ वरहोमल वालेच्छा,
बी० के० नं० ए०/44/261,
उल्लासनगर-1।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केवलराम सिनलदास हास्पीटल एरिया, बी॰ के॰ 732 के सामने, उल्लास नगर-3।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोंद्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 101, जी०, नं० 140, प्लाट नं० 762, सेक्शन 6-ए०, ग्रीर 7-ए० बी० के० 502 के सामने उल्लास नगर-2 (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम 2374 जो 29-6-82 को दुर्यम निबंधक उल्लास नगर के सामने लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूणे

तारीख : 1-2-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० सी'० ए० 5/798/एस० आर० हवेली/82-83

ग्रत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० सी० टी॰ एस॰ नं० 1103/ए०/13, एफ॰ पी० नं० 481-ए०/13, है तथा जो पूना-411016 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक हवेली-I में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चितामणि वासुदेव कुलकर्णी, एफ० पी० नं० 481-ए, माझल कालोनी, शिवाजी नगर, पूना-16।

(ग्रन्सरक)

- (2) 1. श्री रमेश श्रीधर दीक्षित,
 - 2. श्री कमलाकर हरी देशपांडे।
 - 3. श्री चितामणि वासुदेव कुलकर्णी ।।
 - 4. श्री कृष्णाराव रामचन्द्र कुलकर्णी ।
 - श्री प्रहलाद राव निरुमल राव देसाई।
 - 6 श्री आर० सी० वैष्णव । सहनिवास को-आप हाऊसिंग सोसाइटी लि० वेणु श्रपार्टमेंटस 1103/ए०/13, माङल कालोनी विद्या भवन, स्कूल के नजदीक पूना -411016। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 1103/ए॰/13 एफ॰ पी॰ नं॰ 481/ए॰ /13, शिवाजी नगर, पूना-16, भूमि क्षेत्र 3531 स्केव॰ फीट (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रम 1767 जो जून 1982 को दुय्यम निबंधक हवेली-र पूना के दफ्तर में लिखा है।)

गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 14 फरवरी, 1983

सं० एल० सं० 613/82-83:—यतः मुझे बी० ग्रार० नायर,

त्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क से अधिक है और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हिर्ममान श्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह निरमास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण । लिखत में बास्तरिक रूप म कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण अमें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

1. श्रीमती त्रेया जार्ज।

(ग्रन्सरक)

श्रीमती बल्ला मात्यु

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्कब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

24.630 cents of land as per schedule attached 10 Doc. No. 1943 dt. 1 6 1982

बी० ग्रार० नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजन रेंज, एरणाकूलम

तारी**ख**ः 14-2-1983

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 19th February 1983

No. A.32018/1/83-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri J. K. Khanna, a permt. Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission to officiate as Manager (E.D.P.) (Group 'A'; Rs. 1500-60-1800) in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a period of three months or till the Recruitment Rules are notified whichever is earlier with effect from 18-2-1983;

2. The appointment as Manager (E.D.P.) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon any title for regular appointment or seniority to the post of Manager (E.D.P.)

S. K. F. KUJUR,
Deputy Secy. (Admn.)
for Chairman.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th December 1982

No. A.11016/1/81-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officers on ad-hoc basis in the Office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier:—

- S. No., Name & Period
 - 1. Shri S. C. Jain-7.12.82 to 6.3.83.
 - 2. Shri P. S. Rana-7.12.82 to 6.3.83.
 - 3. Shri Krishan Kumar-7.12.82 to 6.3.83.
- 2. The above officers shall draw special pny (\bar{a}) Rs. 75/pct month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(1) dated 11th December 1975.

The 2nd February 1983

No. A.32014/1/82-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Bhagwati Charan, Assistant of the C.S.S. cadre of U.P.S.C. to officiate as Section Officer on ad-hoc basis with effect from 12.1.83 to 28.2.83 or until further orders, whichever is earlier.

Y. R. GANDHI, Under Scey. (Admn.) Union Public Service Commission.

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd March 1983

No. A.19036/1/79-AD-V.—The services of Shri B. K. Sharma. Dy. Supdt. of Police on deputation on to Central Bureau of Investigation from Gujarat State Police on repatriation, were placed at the disposal of Government of Gujarat with effect from 21st February, 1983 afternoon.

No. A-19036/17/80-AD-V.—The services of Shri S. Ramaswamy, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Pondicherry on repatriation, were placed at the disposal of Government of Pondicherry with effect from 21st February, 1983 afternoon.

No. A-19036/1/81-AD-V.—The services of Shri Ranjit Kumar Ghosh, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Assam State Police on repatriation, were placed at the disposal of Government of Assam with effect from 21st February, 1983 afternoon.

No. A-19036/12/82-AD-V.—Shri D. Bhuyan, deputationist Inspector from Assam Police who was appointed as Dy. Supdt. of Police in the CBI on deputation from 26-7-1982, is reverted as Police Inspector with effect from 16th February, 1983 afternoon.

The 5th March 1983

No. A-19013/1/80-AD.V.—The services of Shri M. Mahender Reddy, IPS (Andhra Pradesh-1953) Join Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment, on repatrlation, were placed at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from the afternoon of 25th February, 1983.

The 8th March 1983

No. R-9/65-AD-V.—Shri Rajinder Lal, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, New Delhi, on expiry of his extended term, retired from Government service with effect from the afternoon of the 28th Feb., 1983.

No. S-161/67-AD.V.—Shri S. P. Bhardwaj, Additional I egal Adviser, Central Bureau of Investigation, New Delhi on expiry of his extended term retired from Government service with effect from the afternoon of the 28th Feb., 1983.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E). Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110003, the Feb., 1983

No. P. VII-4/80-Estt.-I.—Reference this Die. Genl. Notification No. P.VII-4/80-Estt-I dated 2-2-82.

2. The dates of taking over on promotion to the rank of Dy. S.P. in respect of the following officers are amended as me at the area:—

1. Shri Virender Singh	For 11-3-81 Read 14-2-81		
2. Shri Karam Singh	For 9-3-81 (AN) Read 16-2-81		
3. Shri Daya Nand	For 18-2-81 Read 14-2-81		
4. Shri Sattar Singh	For 29-3-81 Read 16-2-81		

The 1st March 1983

No. O.II-1098/78-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Rabnidra Nath Behra, GDO Grade-II of Group Centre Nagpur with effect from the afternoon of the 2nd March, 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS(TS) Rules, 1965.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 23rd February 1983

No. E-16013(2)/3/74-Pers.—On repatriation to his State cadre, Shri Sheo Raj Singh, IPS (SPS: UP) relinquished charge of the post of assistant Inspector General (Int.), Central Industrial Security Force, New Delhi, with effect from the afternoon of 21st February, 1983.

The 24th February 1983

No. E-16013(1)/2/82-Pers.—On transfer on deputation, Shri Hans Raj Swan, IPS (Har: 57) assumed charge of the post of Dy. Inspector General (Western Zone), Central Industrial Security Force, Bombay, with effect from 8th December, 1982.

SURENDRA NATH Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

Now Delhi, the 4th March 1983

No. 10/4/80-Ad.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated the 17th July, 1982, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the under-mentioned Console Operators in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director (Programme) in the same office upto the 30th June, 1983 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions:—

SI.	Name	 	Hendquarters
1.	Shri R.L. Puri		New Delhi
2.	Shri A.P. Gupta		New Delhi
3.	Shri Satya Prakash		New Delhi
	_•	 	

P. PADMANABHA Registrar General of India

MINISTRY OF FINANCE (DEPIT. OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 23rd February 1983

No. M-6/12469.—In continuation to this office Notification No. M-6/9365 dated 9-12-1982, the ad-hoc appointment of Shri B. L. Sharma as Assistant Engineer (Mech.) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- is extended for a peroid upto 30th June. 1983 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, WEST BENGAL

Calcutta, the 28th February 1983

No. Admn.J/1038-XIX/5869.—The Accountant General-1, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis S/Shri Sidhangshu Kumar Das and Santipada Basu, permanent Section Officers, to officiate as Accounts Officers, in temporary and officiating capacity with effect from the date(s) on which they acutally take over charge as Accounts Officers until further orders. It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during the pendency of the Rules in the Calcutta High Court and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case no. 14818(W) of 1970.

The services of S/Shri Das & Basu on their promotion to Accounts Officers' cadre are placed at the disposal of the office of the Accountant General-II, West Bengal vice S/Shri C. R. Purkait and N. Mazumder, A.O.S. transferred from that office.

The services of S/Sri C. R. Purkait and N. Mazumdar, Accounts Officers on being transferred from the office of the Accountant General-II, West Bengal are placed at the disposal of the office of the Director of Audit, Central against the existing vacancies in that office.

J. S. MEHROTRA Sr. Dy. Accounant General (Adm.,)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS & TELEGRAPS

Delhi-54, the 4th March 1983

No. Admn. 1U-564/23(A)(2)—The following Audit officers of P&T Audit Organisation have retited from service on superannuation with effect from the dates and the P&T Branch Audit Offices noted against each:

S. No.		P&T Branch Audit office from which retired	
1.	Shri Sumat Prasad Jain	Delhi	31-7-82 A.N.
2.	Km. Padma Raghavan Rajalakshmi	Madras	30-4-82 A.N.
3.	Sh. B. Narayanaswamy	Hyderabad	30-11-82 A.N.
4.	Sh. Pungathu Vadivalu Indraprakasham	Madras	31-7-82 A.N.
5.	Sh. Sudhir Chand Bhatia	Delhi	31-5-82 A.N.
6.	Sh. Ramjana Pandeya	H.Qrs.	31-1-83 A.N.
7.	Sh. Kishan Pal .	Kapurthala	31-10-82 A.N.
8.	Sh. Arun Kumar Sen Gupta	Calcutta SWTC	31-12-82 A.N.
9.	Sh. Anil Baran Chakraborty	Calcutta	31-12-82 A.N.
10.	Sh. D.N. Prasad .	Patna	31-1-83 A.N.
11.	Sh. Vishwalingam Ramaswamy-l	Bombay	31-5-82

B. B. SRIVASTAVA Audit Officer.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL, OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 3rd March 1983

No. AN/E/1877/5|I.—Shri N. Somasundaram, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 14-8-1983 (his date of birth being 15-8-1925) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-8-1983 AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 31-8-1983 (A/N) in terms of FR 56 (a).

R. K. MATHUR Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin).

MINISTRY OF DEFENCE ORDANCE FACTORY BOARD DGOF HORS. CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 22nd February 1983

No. 4/83/A/F-I(NG)—The DGOF is pleased to promote Shri Yashpai Bhasin Stenographer Gr. B/Sr. PA as Stenographer Gr. A/P.S. (Group B' Gazetted) in Offg. capacity in an existing vacancy from 1st January, 1983 until further orders.

D. R. IYER DDG/Personnel for Director General, Ordnance Factories.

Calcutta-700016, the 2nd March 1983

No. 12/G/83.—Shri S. Srinivasan, Offg. General Manager Gr. I (Subst. & Permt. Gr. II/Dy. GM) retired from services with effect from 1st August 1979 (F/N) consequent on his permanent absorption in Indian Drugs & Pharmaceuticals 1.td., Madras with effect from the same date.

V. K. MEHTA Director/Esta for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-700016, the 4th March 1983

No. 13/83/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri J. W. Kawathekar, Offg. General Manager (SG)/Level I (Subst. & Permt. General Manager, Grade-II) retired from service with effect from 28th Feb. 1983 (A/N).

No. 14/G/83.—Shri Y. C. Subrahmanya, Offg. DDGOF Level-I retired Voluntarily from service with effect from 28th Feb., 1983 (AN).

V. K. MEHTA Director/Estt.

MINISTR YOF COMMFRCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 1st March 1983

IMI'ORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1381/82-Admn (G)/1434.—The President is pleased to permit Shri V. Seshan an officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Service and Joint Cheif Controller of Imports and Exports in this office to retire from Government service with effect from the afternoon of the 28th February, 1983.

V. K. MEHTA Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 25th February 1983

No. A-38012/1/83-Admn.II(A).—The President is pleased to permit Shri Harihar Pandey, Assistant Director Grade-I (Wenving) in the Weavers Service Centre, Varanasi, under the Office of the Development Commissioner for Handlooms, (Department of Textiles), Ministry of Commerce, to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1983 on attaining the age of superannuation.

VINAY JHA

Additional Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A--6)

New Delhi the 5th March 1983.

No. A-6/247(340)/61.—Shri R. P. Mondal, n permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Inspecting Officer (Fngineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Engineering Branch) in the Office of Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service on the afternoon of 31st January, 1983 on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 28th February 1983

No. El-12(54)/82(.).—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Jagabandhu Ghosh, Superintendent on promotion to officiate in the post of Assistant Commissioner of Payments in this office w.e.f. 1-2-1983 (F.N.).

S. C. MAZUMDER
Joint Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 3rd March 1983

No. 1591D/A-32013(AO)/82/19A.—Shri Gupteshwar Singh Superintendent, Geological Survey of India, is appointed on Promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-EB-810-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on adhoc basis with effect from the forenoon of 20-10-82 to 22-10-82 (F/N) against the leave vacancy of Shri S. Rudra, Administrative Officer, Western Region, Jaipur, Geological Survey of India.

The 4th March 1983

No. 2027B/A-19012(3-AKG)/80-19B.—Dr. A. K. Gupta. Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 24-7-83 (A&N).

No. 2037B/A-19012(4-HRK)/82-19B.—Sri Hamant Raoji Kathane, I.T.A. Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28th December 1982 until further orders.

No. 2050B/A-19012(4-RSS)/82-19B.—Shri Randhir Singh Saini, S.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India, is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20th December, 1982, until further orders.

S. K. MUKHERJEF, Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th March 1983

No. A.19011(42)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri J. Das, permanent Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 31-1-83.

The 19th March 1983

No. A-19011(58)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. Venkata Ramaiah, permanent Senior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, to the post of Regional Mining Geologist on ad-hoc basis in the Indian Bureau of Mines with effect from 17th February, 1983 (forenoon)

B. C. MISHRA
Head of Office
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 4th March 1983

No. E1-5916/PF(Swapan Chakrabarty).—The resignation tendered on 6th October, 1982 by Shei Swapan Chakrabarty, who was appointed as Assistant Manager (Map Reproduction) in G.C.S. Group 'B' Service vide this Office Notification No. EI-5333/594-Managers dated 16/17-1-1978, is hereby accepted, with effect from 11th November, 1982 (A/N).

G. C. AGARWAL Major General, Surveyor General of India. Appointing Authority

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES M (F&S) SECTION

New Delhi, the 18th February 1983

No. A.32014/3/81(JIP)/Admn.I|M(F&S).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Jayaraman to the post of Librarian at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on a purely ad hoc basis, with effect from the forenoon of the 24th May, 1982 to 12th Sept., 1982 (A/N).

Consequent on his reversion to the post of Assistant Librarian Shri K. Javaraman relinquished charge of the post of Librarian at the same Institute, on the afternoon of the 12th September, 1982.

P. N. THAKUR Deputy Director Admn (C&B).

New Delhi, the 26th February 1983

No. A-12025/1/82-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Sehgal, to the post of Deputy Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhin a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th July 1982 and until further orders.

No. A-12025/1/82-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Gian Inder, to the post of Deputy Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the forenoon of the 17th January, 1983, in a temporary capacity and until further orders.

Consequent upon his appointment as Deputy Architect, Shri Giran Inder relinquished charge of the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services with effect from 17th January, 1983 (Forenoon).

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

TRACTOR TRAINING CENTRE

Hissar-125001, the 21st February 1983

No. 2-1-/83-PF.—Shri H. L. Verma a regular Superintendent of Central Ground Water Board, Faridabad, is appointed on deputation to the temporary post of Administrative Officer, Tractor Training Centre, Hissar (Haryana) w.e.f. 21-2-83 F/N.

V. A. PATIL, Director.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 23rd February 1983

No. J/159/FRD/Estt.II/422.—Shri Puthen Purakkal Sam Jacob relinquished charge of the post of SO/Engr-Grade SF on 31-12-1982 (AN), consequent on Retirement, 41-516 GI/82

The 2nd March 1983

No. R./1891/DD/Estt.II/6020.—Shri Gudipati Ramanutham relinquished charge of the post of SO/Engr-Grade SD on 18-12-1982 (AN), consequent on Resignation.

The 3rd March 1983

No. D/166/HWD/Estt.II/589.—Dr. Shoradchandra Mansukhlal Dave relinquished charge of the post of SO/Engr-Grade SF on 11-2-1983 (AN), consequent on Voluntary retirement.

P. N. KRISHNAMOORTHY, Controller

Bombay-85, the 16th February 1983

No. Ref. PA/79(4)/80-R.III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Gonalan Krishnamurthy, Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960), in this Research Centre on an *od-hoc* basis for the period from 17-11-1982 (FN), to 31-1-1983 (AN).

The 2nd March 1983

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller. Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vasant Puvushottam Kulkarni, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer /Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 20-1-1983 (FN), to 25-2-1983 (AN).

The 5th March 1983

No PA/79(6)/82-R-III.—Controller. Bhabha Atomic Research Centre annoints Dr. Inlit Hari Sharme temporary Senior Hindi Translator to officiate as Hindi Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of March 1, 1983, until further orders.

B. C. PAL, Dv. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENPRGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

P.O. NAPP Township, the 2nd March 1983

No. NAPP/Adm/26(1)/83-S/2417.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri Mukund Singh a permanent Assistant in the Atomic Minerals Division and officiating Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre. Nuclear Research Laboratory, Srinagar to officiate as Assistant Personnel Officer in the Narora Atomic Power Project in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 with effect from the forenoon of January 29, 1983 until further orders.

M. S. RAO, Chief Administrative Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 1st March 1983

Ref. No. DPS/41/2/83-Adm./6939.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mulivapounath Raiu 2 normanent Stores keeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hocknisis in the scale of nav of Ps. 650-30.740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from 19-5-1982 (FN), to 19-6-1982 (AN), in the same Directorate vice Shri M. S. Gangnaik, Assistant Stores Officer promoted as Stores Officer.

Sd./- ILLEGIBLE for Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hvderabad-16, the 28th February 1983

No. AMD-J/25/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. Bangara Raju as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in

the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forencen of February 16, 1983 until further orders

T. D. GHADGF.
St. Administrative & Accounts Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd February 1983

No. A. 32013/16/82-E.I.—In continuation of this Office Notification No. 32013/16/82-E.I dated the 1-12-1982 the President in pleased to sanction the continued ad hoc appointment of Shri V. K. Kalra, as Director of Communication from 11-12-1982 to 29-12-1982.

The 25th February 1983

No. A. 35018/6/79-EI.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Upadhyay, I.P.S. (TN: 1976) on deputation to the post of Assistant Director, Civil Aviation Security at Madras in the pay scale of Rs. 1200-50-1500-60-1800 (Plus special pny of Rs. 300/- per month) in the Civil Aviation Department, Ministry of Civil Aviation for a period of three years from 17-2-1983 (FN), to 16-2-1986 (AN).

S. GUPTA, Deputy Director of Administration.

New Delhi, the 24th Feruary 1983

No. A. 38013/1/82-EC—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining age of superannuation on the dates indicated against each:—

S. Name & Designation No.		Station of posting	Date of Retirement	
S/Shri				
S. Sankaranarayanan Comm. Officer		ACS Madras	30-6-82 (AN)	
2. S.S. Gill Communication Officer		C/o. RD Delhi	31-7-82 (AN)	
3. R.N. Banerji Technical Officer		ACS Calcutta	31-8-82 (AN)	
 A.K. Bagchi Technical Officer 	٠	ACS Calcutta	30-9-82 (AN)	
5. R.G. Rao Technical Officer		ACS Madras	31-10-82 (AN)	
6. J.C. Roy Technical Officer		ACS Calcutta	Do.	
7. S. Jayaraman Sr. Tech. Officer		ACS Madras	Do.	
8. B.K. Dey Sr. Tech. Officer		RCDU, New Delhi	30-11 - 82 (AN)	
 S.N. Sampath Tech. Officer 		RCDU, New Delhi	Do.	
0. A.K. Munshi, Comm. Officer		ACS Calcutta	31-12-82 (AN)	
1. S.R Aiyer, . Comm. Officer		ACS Delhi	Do.	
2. N.K. Roy, Technical Officer		ACS Calcutta	Do.	
13. K.B. Kripalani, Asstt. Tech. Officer		ACS Bombay	Do.	
14. K.N.S. Mani, Sr. Tech. Officer		ACS Mdras	Dσ.	
 N.K. Sen, Technical Officer 		ACS Calcutta	31-1-83	
 M.V. Ramanan, Tech. Officer 		ACS Madras	31-1-83 (AN)	

The 28th February 1983

No. A. 32013/7/80-EC.—The President is pleased to approve the proforma promotion of Shri A. K. Mishra, Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department, at present on deputation to the Govt. of Iraq to the grade of Deputy Director/Controller of Communication on a regular basis w.e.f. 29-9-82 and upto 11th Februray, 1983.

PREM CHAND, Assistant Director (Admn.)

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES,

Dehradun, the 29th January 1983

No. 16/292/77-Ests.I.—Consequent upon his selection to the post of Asstt. Soil Survey Officer at All India Soil & Land Use Survey Organisation of Ministry of Agriculture, the President, F.R.I. & Colleges, Dehradun has been pleased to relieve Shri R. K. Rathore, Research Officer, Forest Soil Branch w.e.f. 28-12-82 (AN).

RAJAT UMAR.
Registrar,
Forest Research Institute & Colleges.

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN.) & COMMISSIONER OF INCOME-TAX, WEST BENGAL-1

Calcutta, the 31st December 1982

Order No. 767

I. Promotions:

F. No. 2E/28/75-76,—The following Inspectors of Incometax are hereby promoted to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- with effect from the dates they take over and until further orders:—

S/Shri

- 1. Ranendu Sen.
- 2. Tek Bahadur Chhetry.
- 3. Mukul Kr. Das.
- 4. Nepal Chandra Pandey.
- 5. Tarun Kanti Majumdar.
- 6. Dilip Roy.

The appointments are made on purely temporary and provisional basis and will confer on them no claim either for retention or seniority vis-a-vis other promotees. Their services are liable to termination without notice and they are liable to reversion at any time, if after a review of the vacancies, it is found that their appointments are in excess of the vacancies available for promotees, or direct recruits become available for replacing them. They are also liable to transfer any where in West Bengal at any time.

II. In exercise of the powers concerned under Section 124 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) I hereby direct that—

S/Shri

- Ranendu Sen.
- 2. Tek Bahadur Chhetry.
- 3. Mukul Kr. Das.
- 4. Nepal Chandra Pandey.
- 5. Tarun Kanti Majumdar,
- 6. Dilip Roy.

on their appointments as Income-tax Officer, Group 'B' shall perform all the functions of an Income-tax Officer under the said Act in respect of such persons or classes of persons of such income or classes of Income or in respect of such areas as may be allocated to them from time to time,

III. Postings

On promotion all the above Officers are hereby posted as O.S.D. in the office of the Chief Commissioner (Admn.) and C.I.T., W.B.-I, Calcutta.

S. N. SEN. Chief Commissioner (Admn.) & Commissioner of Income-tax, West Bengal-1.

Calcutta, the 7th February 1983 INCOME-TAX ESTABLISHMENT

F. No. 2E/41/82-83—No. 533.—Shri Indradeo Prasad has, with effect from the forenoon of 24-11-1982, been appointed to officiate as Hindi Officer in the Income-tax Department, West Bengal, Calcutta, in the pay scale of Rs. 530-740-35-810-FB-35-880-40-1000-40-1200/- plus usual allowances admissible under the rules, on temporary basis.

D. R. CHAKRABORTY, Chief Commissioner (Admn.) and Commissioner of Income-tax, West Bengal-I.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX (CADRE CONTROL AUTHORITY)

ORDER

Establishment—Central Services—Group 'B' Gazetted— Promotion Transfer & Posting of—

Kanpur, the 10th February 1983

No. 121.—Shri Ranjit Singh (SC) Inspector of Income Tax, Meerut Charge is appointed to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- from the date of taking over the charge and until further orders. He will be

liable to reversion in case it is subsequently found that his appointment have been made in excess of the vacancy available. On Promotion his services are placed at the disposal of the Commissioner of Income-tax, Meerut who will issue his posting orders.

SUDHAKAR DWIVEDI, Commissioner of Income-tax, Kanpur.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (ACQUISITION RANGE)

Corrigendum

A. In 'The Schedule' appended to the Notice u/s 269D(1) in place of "Sale deed No. 2064 of May, 1982" the following may be read:

"Sale Deed No. 2065 of May, 1982".

- B. Against Cl. No. 3 of the Notice u/s 269D(1), instead of the names of 8 parties already mentioned the following names may be read:
 - "1. Sh. Lachhman Dass S/o Sh. Prithi Chand,
 - 2. Sh. Joginder Singh S/o Sh. Jaswant Singh,
 - 3. Sh. Prem Chand S/o Sh. Roshan Lal,
 - 4. Sh. Panna Lal S/o Sita Ram,

all C/o House No. B.IV-1983, Chaura Bazer, Ludhiana."

SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

ANJIPARAMBIL BLDGS., ANAND BAZAAR COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 14th February 1983

Ref. No. L.C. 614/82-83.—Whereas, I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. Noil as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 25-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mittibai alias Subaida, CC. 38/82 (1), Market Road, Ernakulam

(Transferor)

(2) Smt. Ayshu, W/o Sri A. A. Patel, CC. 38/235, Convent Road, Ernakulam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

8.881 cents of land with a residential house as per schedule attached to Doc. No. 2166 dt. 25-6-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernnakulam

Date: 14-2-1983

Seal:

معسر بنتيء

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BLDGS., ANAND BAZAAR COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 15th February 1983

Ref. No. L.C. 615/82-83.—Whereas, I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 7-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. P. Joseph for Sri K. P. Antony, Koithara House, Kadvanthara, Cochin-20.

(Transferor)

(2) Sri S. Vijayaraghavan, XIII/266A, Tipani, Pushpagiri Hospital Junction. Tiruvalla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.568 cents of land with a double storeyed building in sy. No. 707/1 of Ernakulam village vide doc. No. 1936 dated 7-6-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernnakulam

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BLDGS., ANAND BAZAAR COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 15th February 1983

Ref. No. L.C. No. 616/82-83.—Whereas, I, V. R. NAIR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Ernakulam on 19-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuaunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri V. J. Joseph, (Vilangattil House), Manager, Bank of Cochin, Boat Jetty Branch, Ernakulam.

(Transferor)

 Smt. Omana, 2. Smt. Bhuvaneswari,
 Smt. Radha D/o Late K. G. Bhaskaran, Ernakulam, Cochin-18.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18,975 cents of land with a builtding in sy. No. 1383/2 of Nadamma village in Tripuunithura, vide doc. No. 2100/82 dated 19-6-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernnakulam

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 15th February 1983

Ref. No. AR-I/4743/82-83.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

N.S. No. 10/3722 (pt.) and C.S. No. 1/750 (pt.) of Mazgaon Division situated at Ghorupdeo Road & Tank Bunder Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-6-1982 Document No. Bom. 2154/81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Maniben Nanji Wd/o Shri Shivji Ramji Keshavji

(Tansferor)

(2) Shri Mukesh Manilal Shah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Born. 2154/81 and registered on 18-6-1982 with the Sub-Registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rangel,
Bombay

Date: 15-2-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 17th February 1983

Ref. No. AR-I/4833/82-83.—Whereas. I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovab-property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Plot No. 33A Sandhurst Road (West) Fstate of Bombay
Municipality & building known as 'Kothari Mansion' situated

at Sandhurst Road (West Bombay)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-6-1982 Document No. 1/4524.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Chandkunwari Jain Databya Aushadhalaya Trust.
- (2) Messrs. Rakesh Traders (P) Ltd.

(Tansferor)
(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 1/4524 and registered with the Sub-Registror, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition RangeI,
Bombay

Date: 17-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 17th February 1983

Ref. No. AR-III/2200/82-83.—Whereas, I, R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.T.S. Nos. 1075, 1076 & 1107 situated at Vakola, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-6-1982 Document No. S. 550/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—516GI/82

- Munir Asgarali
 Muqbil Asgarali
 Mehmood Asgarali
 Gold Coin Builders, (Tansferor)
- (2) Oasis Industrial Premiscs Co-operative Society Limited.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-550/78 and registered with the Sub-Registrar., Bombay on 5-6-1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th February 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1695.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Sojat City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Soiat on 4-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 S/Shri 1. Gopi Kishan, 2. Bastiram,
 Bhanwerlal, 4. Tikamram,
 Kheema Ram, 6. Mohan Lal
 Ss/o Shri Ganeshimal 7. Ganeshimal S/o Ridhaji, Bhera Bhavi, Sojat City.

(Transferor)

Shri Hemraj, S/o Shri Hirachandji Jadan, Near Dak Bunglow, Sojat City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bigha, near Dak Bungalow. Sojat City and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sojat City vide registration No. 1171 dated 4-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th February 1983

Ref. No. Raj/IAC: Acq)/1697.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acr, 1961 - 3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Sojat City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Soiat on 4-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

(1) S/Shri 1. Gopi Kishan, 2. Bastiram, 3. Bhanwarilal, 4. Tikamram,

5. Kheeva Ram, 6. Mohan Lal

S/o Shri Ganeshji

7. Ganesh Ram

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxmichand,

S/o Shri Pukhraj 2. Shri Harakchand S/o Shri Bastimalji,

3. Shri Javerilal, S/o Shri Ghisalalji,

4. Shri Ashok Kumar, S/o Shri Hukami Chand, Sojat City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 11½ bigha situated Near Dak Bungalow Sojat City and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sojat City vide registration No. 1173 dated 4-6-82

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 16th February 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1696.—Whereas, J, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing No.

Land situated at Sojat City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sojat on 4-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri I. Gopi Kishan, 2. Bastiram,
 Bhanwerlal; 4. Tikamram,
 Mohan Lal s/o Ganeshji
 Ganesh Ram S/o Ridhaji, Pali
- (2) Marudhar Association C/o Hukmichand Bros., Sojat City.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 highs situated near Dak Sojat City, and more fully described in the sale registered by the S.R. Sojat, vide registration No. 1172 dated 4-6-1-982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-2-1983

PART III—SEC. 1]

Kharar in August, 1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1983

Ref. No. KHR/12/82-83.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Plot No. 37, situated at Phase-IX, Mohali, Distt. Ropar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jaswinder Singh S/o S. Mehar Singh, R/o G.T. Road, Goraya, Distt. Juliundur.

(Transferor)

(2) Shri Bakshinder Singh S/o Shri Milkha Singh R/o House No. 14, Sec. 33A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 37, Phase-IV, Mohali, Distt. Ropar. (The property as mentioned in the sale ded No. 2573 of August, 82 of the Registering Authority, Kharar).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquuisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th February 1983

Ref. No. CHD/70/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 2 Kanal 15 Marlas situated at Vill. Burail, U.T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income for any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inconse-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh S/o Shri Shiv Raj Singh R/o Vill. Burali, U.T. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Kumar Nandwani S/o Shri Kesho Ram Nandwani R/o Kothi No. 17, Sector 19-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals 5 Marlas situated in Vill. Burail U.T. Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 363 of June, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 14th February 1983

Ref No. CHD/71/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 719, Sector 40-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Murarai Lal Gulati
 S/o Sh. Gopal Dasa Gulati and
 Smt. Shavinder Gulati
 W/o Sh. Murari Lal Gulati
 R/o 1386-A, Sector 20, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Capt. Purshotam Lal Tandon S/o Sh. Sobun Lal Tandon and Mrs. Indra Lal W/o Capt. Purshotam Lal Tandon R/o 2125, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 719, situated in Sector 40-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No 395 of June, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th February 1983

Ref. No. KHR/8/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 803, Phase 3-B-I, Mohali situated at Khurar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurar in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Shri Vasu Dev
 S/o Sh. Bhima Ram
 R/o Nehru Nagar, Model Town,
 Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Raghbir Kaur Gill W/o Sh. Dharam Singh Gill House No. 203, Phase-I, Mohali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 803, Phase No. 3-B-I, Mohali. (The property as mentioned in the Registered deed No 1948 of June 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-2-1983

energy (1911) and the Company of the Company State State (1911) and the Company of the Company o

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING **LUDHIANA**

Ludhiana, the 10th February 1983

Ref. No. CHD/76/82-83.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 335, Sector 35-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Actin respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

43--516GI/83

(1) Sh. Tilak Raj Trehan, Smt. Surinder Bala Smt. Pawan Bhasin R/o 216, Sector 16-A. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur W/o Shri Charanjit Singh R/o R-38, Rajauri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 335, situated in Sector 35-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No 427 of June, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th February 1983

Ref. No. CHD/74/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 35, Sector 27-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Satral Kapoor S/o Sh. Bal Kishan R/o I. B. I., Housing Colony, Jakhu, Simla (H.P.).

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Hora (Minor) S/o Subash Chander Hora and Dr. (Mrs) Seema Hora W/o Dr. Subash Chandra Hora H. No. 119, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. J. L. Sondhi R/o H. No. 35, Sector 27-A, Chandigarh. (Person in occupation of the Property.)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 35, situated in Sector 27-Λ, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No 416 of June, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1983

Ref. No. CHD/73/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1290, Sector 34-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Capt. Sukhdev Singh Grewal S/o Sh. Chaman Singh Block Development and Panchayat Officer, Jullundur East.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Goyal and Sh. Varinder Paul Goyal SS/o Sh. Chiranji Lal Grover C/o M. V. Industries. 87, Phase II, Industrial Area, Chandigarth.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1290, situated in Sector 34-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No 402 of June, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1983

Ref. No. CHD/65/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

H. No. 495, Sector 20-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ganpat Ram Sharma S/o Late Sh. Shankar Dass and Smt. Mukla Sharma W/o Sh. Ganpat Ram Sharma R/o H. No. 1572, Sector 18-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Lal and Sham Lal SS/o Sh. Ash Kiran R/o H. No. 495, Sector 20-A, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 495, situated in Sector 20-A, Chandigarh, (The property as mentioned in the Registered deed No. 326 of June, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.),

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1983

 Shri Bhag Chand, Pali, Birsala, Udha SS/o Shri Teja S/o Sh. Mukh Dass, 4/5 share, Shri Balwan, Kolu, SS/o Kalia 1/5, all RS/o Satroad, Hissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Vinod Oil & General Mills, Delhi Road, Hissar through Shri Bhagwan Dass partner.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. HSR/37/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 15 kanals 7 marka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 15 kanals 7 marla, Satroad, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1024 dated 7-6-82 with the S. R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Rohtak

. Date: 16-2-1983

Seul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. HSR/66/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land measuring 100 kanals situated at Bir, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Husnab Singh S/o Dalip Singh, S/o Shri Chand Singh R/o Additional Pira wali Gali, Bir Hissar,

(Transferor)

(2) S/Shri Lajpat Rai, Yaswant Rai, Virender Kumar, Surender Kumar, Narender Kumar all SS/o Shri Balwant Rai S/o Sh. Bhagwan Dass, Baztar Khazanchian, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 100 kanals situated at Bir, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1262 dated 22-6-82 with the S. R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the -16th February 1983

Ref. No. HSR/49/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 88 kanals 19 marla situated at Bir, Hissar (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair mar ket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of thoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Kumar Khera S/o Sh. Sukh Dayal Khera R/o Hisser through Smt. Sudesh Kumari Khera Wd/o Shri Sukh Dayal Khera R/o New Delbi.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajinder Kumar, Vijender Kumar SS/o Shri Kunj Lal & Smt. Mewa Wati Wd/o Shri Kunj Lal & Smt. Saroj Rani W/o Shri Rajinder Parshad & Shri Santosh Rani W/o Sh. Vijender Kumar all Rs/o Hissar C/o Ravee Emporium, Rajguru Market, Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 88 kanals 1 marla situated at Bir Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1322 dated 23-6-82 with the S. R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. HSR/61/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 100 kanals situated at Bir, Hissar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karam Chand S/o Sh. Gopi Nath, Shri Ram Chander R/o Bir, Plot No. 11-P, Hissar. (Transferor)
- (2) Shri Laxmi Narain, Nathu Ram & Girdhari Lal, Suraj Bhan, Chander Bhan SS/o Shri Narain R/o Sanian, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 100 kanals situated at Bir and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1207 dated 17-6-82 with the S. R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F COLONY

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. HSR/52/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 50 kanals situated at Bir, Hissar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hissar in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said persons, namely :-44--516/GI|82

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of with said Act, to the following (1) Dr. G. D. Agnihotri S/o Sh. Som Nath, Smt. Jiwa Bai, Bir, Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Singh & Sons, HUF through Dr. R. S. Malik,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 50 kanals at Bir, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1419 dated 29-6-82 with the S.R. Hissar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. HSR/217/82-83.—Wherens, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 3 kanals 8 marla situated at Vijay Nagar, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 /16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Anil Kumar & Vipan Kumar
 SS/o Raj Kumar under the guardianship of
 Smt. Pushpa Devi Quarter No. 15,
 Marla Colony, Patel Nagar, Hissar.

(Transferoi)

(2) 1. Krishan Lal & Subhash Chander SS/o Baksha Ram R/o Abadi Bagh Sheikhan Multani Chowk, Hissar 32/100 2. Bhanjan Dass S/o Mool Chand R/o B. XII-108, Hissar 12/100 3. Rajinder Kumar S/o Gordhan Dass, B-XIII-263, Hissar, 4. Ram Partap S/o Gordhan Dass, B-XIII, 263, Hissar 5/100 5. Subhash Chander S/o Bhajan Dass, B-XII, Hissar, 12/100 6. Krishna Wanti W/o Sh. Ram Kishan, Geeta Bhawan, Rampura, Hissar 8/100 7. Ladha Ram S/o Ganga Ram 8/100, 4-Marla Colony, Gatehabad 8. Om Parkash S/o Ladha Ram R/o Rly, Road, Bikaner, 5/100 9. Ram Piari W/o Hari Chand R/o Lal Masjid, Bhiwani, 5/100.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 kanals 8 marlas being 68/382 share of land 19 kanals 2 marla at Vijay Nagar, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 988 dated 5-6-82 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. HSR/202/82-83.--Whereas, J. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 43/382 share in 19 Kanals 2 marla situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

56-506GT/82

(1) Shri Nand Kishore, Madan Lal, Raman Kumar SS/o Smt. Bimlesh daughter & Smt. Parmeshar Bai Wd/o Shri Dina Nath, Char Marla Colony, Fatche-

(2) 1. Ravinder Kumar S/o Bhim Sain,

Shri Anjna Devi W/o Yagdut,
 Shri Satpal, Ashok Kumar SS/o Sh. Udha Ram, H. No. 221 Block 18 Mohla Dogram, Hissar.

4. Om Parkash S/o Gordhan, Multani Chowk, Hissar

5. Shri Ramesh Kumar S/o Parmatma Ditta Mal Dhani

6. Sanchla, Fatehlabud.

7. Bhajan Dass S/o Mool Chand,

Shri Subhash Chander S/o Bhajan Dass, Rajinder Kumar S/o Gordhan Dass, Multani Chowk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 43/382 share in 19 kanals 2 marla situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2389 dated 15-9-82 with the S.R. Hissar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. HSR/220/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 51 kanals 7 marla situated Bir Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sarla Devi D/o Smt. Vidya Wanti, Plot No. 52-AP, Bir Hissar P. O. Sector-2, Hissar.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagpal Singh, Radha Krishau, Ganga Bishan Raghubir Singh, Kanshi Ram & Sukhbir Singh SS/o Sh. Chandu Lal Guja, Parao Gujran, Hissar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 51 kanels 7 marla situated at Bir and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1135 dated 12-6-82 with the S.R. Hissar,

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. PNP/77/82/83.—Whereas I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 2 bigha 8 Biswas 9 biswani situated at Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Devi Ram S/o Chiranji Lal, S/o Shri Hira Lal & Kishan Chand, Om Parkash, Jagdish Parshad SS/o Shri Rati Ram S/o Tirkha Ram, Ward No. 11, Panipat.

(Transferor)

(2) M/s Kewal Krishan Mehra S/o Shri Dhani Ram, Textile Mills 1/5 Ghec Mandi Gate, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha 8 biswas 9 biswani situated at Patti Insar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1561 dated 3-6-82 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UND 3R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. PNP/78/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land 2 bigha 8 biswas 9 biswani situated at Taraf Insa, Panipat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipai in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Chand S/o Shri Rati Ram. s/o Tirkha Ram r/o Ward No. 11, Panipat.

(Transferor)

(2) M/S Kewal Krishan S/o Sh. Dhani Ram, Textiles Mills 1/5 Ghee Mandi, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha 8 biswas 9 biswani situated at Taraf Insar Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1662 dated 3-6-83 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. RTK/50/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 847-2/9 sq. yds. situated at Rohtak, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rohtak in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gurmeet Singh S/o Sh. Chanchal Singh, Shri Sukh Chain Singh S/o Sh. Darshan Singh, H. No. 580/W-16, Arya Nagar, Rohtak.
- (2) Shri Laxmi Narain Singh S/o Sh. Bakhtawar Singh, Shri Jain Narain Singh S/o Sh. Bakhtawar Singh, Shri Jagbir Singh S/o Sh. Gaje Singh, Shri Virende Singh S/o Shri Mahla Ram, Industrial Colony, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 847-2/9 sq. yds. situated at Induserial area, Circular Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1610 dated 30-6-82 with the S.R. Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

Seal ;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. SPT/38/82-83.--Whereas 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop at situated at Lajpatrai Mandi, Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dalip S/o Sh. Jodha, S/o Badlu, Shri Risal Singh, Chander Bhau, Shri Karrar Singh S/o Shri Jai Lal S/o Shri Nonand r/o Kidoli Pehladpur.
- (2) Smt. Raj Rani w/o Sh. Sewa Ram Shri Rameshwar Dasa r/o Besan Mandi, Sonepat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop at Lajpat Rai Mandi, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 881 dated 9-6-82 with the S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. SPT/39/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop at situated at Lajpatrai Mandi, Sonepat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—516GI/82

(1) Shri Kripa, Bansi, Juglal ss/o Shri Lachhman, Sh. Danya s/o Shri Behari Lal, Shri Ved Parkash s/o Om Parkash, Shri Rum Pal S/o Rain Karan r/o Kidolj Pahladpur.

(Transferor)

(2) Sint. Surnitra Devi W/o Shri Roshan Lal, S/o Shri Janki Dass r/o Basan Mandi, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop at I ajpat Rai Mandi, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 883 dated 9-6-82 with the S.R. Sonepat,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. SPT/43/82-83.—Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Land 5671 sq. yds. situated at Kundli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bharat Bhushan C/o M/s Mohan Lal & Sons, 27/29, East Patel Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. N. Kejriwal S/o Shri N. P. Kejriwal, C-6, South Extension Part-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 5671 sq. vard at Kuudli and as more mentioned in the sale deed registered at No. 941 dated 11-6-82 with the S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE .INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. SPT/40/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop at situated at Lajpat Mandi, Sonepat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sonepat in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Shri Jagoal Singh S/o Shri Sardara, Mor Kheri.

(Transferor)

(2) Shri Ram Niwas S/o Shri Rameshwar Dass, Sh. Roshan Lal S/o Janki Dass. Shop No. 35-A, Laipat Rai Mandi, Sonepat. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop at Mandi Rajpatrai, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 886 dated 9-6-1982 with the S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. SPT/57/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 5680 sq. yds. situated at Kundli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bharat Bhusan s/o Shri Man Mohan, r/o Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K. N. Keiriwal S/o Shri N. P. Keiriwal, r/o C-6, South extension Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5680 sq. yards, Kundli and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1243 dated 29-6-82 with the S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1983

Ref. No. HSR/36/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

No. House No. 59-P, situated at Model Town, Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Attar Chand s/o Bishan Dass s/o Niya Ram, Model Town, Hissar, Ram Gopal S/o Shri Darshan Ram, Hissar. (Transferor)
- (2) Shri Narender Nath S/o Dr. Dawarka Dass, Shri Anil Kumar S/o Shri Nand Lal S/o Shri Jhangi Ram, r/o H. No. 59-R, Model Town, Hissar.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 59-E, Model Town, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 999 dated 7-6-82 with the Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th February 1983

No. 510/82-83.—Whereas. I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C.S. 122/1 Block No. 15, Ward No. 3, situated at Mosur, Hubli,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on 23-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri B. S. Tippeswamy, No. 407, Sadashiyanagar, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Lalge, Saraff, Hattikal Sal, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 706/82-83, dated 23-6-1982). Property situated in Mosur Hubli, bearing C.S. No. 122/1, Block No. 15 in ward No. 3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 14th February 1983

C.R. No. 62/3599/82-83/ACQ/B.—Whereas, J. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

142/4, situated at V cross, Rajmahal, Vilas Extension (First floor portion only), Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 947/82-83 on 30-6-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri R. Anantharajaiah, A. Rajan (Minor, A. Sajora, No. 142/4-A, V cross, Rajmahal Vilas Exth. Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri V. S. Velayutham, 142/4, Rajmahal Vilas Extn., Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 947/82-83 dated 30-6-1982) All that property bearing No. 142/4, situated at V cross (I floor only) Rajmahal Vilas Extension, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date . 14-2-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th February 1983

C.R. No. 62/35308/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. 2997, situated at Temple road, Vanivilas Mohalla, Mysore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mysore under document No. 1255/82-83 on 15-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shri D. Sri Kantappa,
 D. V. Nagaraja Rao by P.A. Holder D. S. N. Rao.
 - D. Srinivasa,
 - D. V. Sethuram Rao,
 D. Vishalakshamma,

6. D. Saralamma, 2997, Temple road, V. V. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri P. M. Channabasavanna, S/o Sri P. Mallanna, No. 2707, I Main, V. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1255/82-83 dated 15-6-1982). All that property bearing No. 2997 situated at Temple road, Vanivilas Mohalla Mysore,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date . 9-2-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri M. S. Prabhakar,
 S/O Sri A. Seenappa,
 No. 14, 9th Main 36th Cross,
 5th Block, J. Nagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shrimathi Neela Mcghanathan, No, 85, Pipeline, 11th cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th February 1983

C.R. No. 62/35447/82-83/ACQ-B.—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. MTM 719/506, situated at 9 Pete Beedi, Mandya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandya under document No. 804/82-83 on 24-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 804/82-83, dated 24-6-82). All that property bearing No. 719/506 situated at Pete Beedhi Mandya.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-2-1983 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

46---516G/|82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th February 1983

C.R. No. 62/35431/82-83/ACQ-B.—Whereas, I MANIU, MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. Nos. 120, 121, 135, 136 and 137 situated at Kalalavadi Village, Jayapur Hobli, Mysore Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore under document No. 227/82-83 on 23-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Shivaji Mohiddin
 No. 3207/6, Lashkar Mohalla, Mysore,

(Transferor)

(2) Shrimathi Sheik Munirabi, W/O Sri Sheik Abit Mohamed, No. 166 (1666) Hanumantha Rae Street, Devraja Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 227/82-83 dated 23-6-82). All that property bearing Sy. Nos. 120, 121, 135, 136 and 137 situated at Kelalavadi Village Javapur Hobli, Mysore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-2-1983*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 14th February 1983

C.R. No. 62/35200/82-83/Acq.B—Whereas, I MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

No. 142/4, (Ground portion only) situated at V cross, Rajmahal vilas Extn., Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 948/82-83 on 5-6-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri R. Anantharajaiah,
 A. Rajan (Minor),
 A. Saroja, No. 142/4A V Cross,
 Rajmahal Vilas Extn., Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri V. S. Rajagopal, No. 142/4, V Cross, Rajmahal Vilas Extn., Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 948/82-83 dated 5.6-1982. Ail that property bearing No. 142/4 situated at V Cross (Ground portion only) Rajmahal Vilas Extu., Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1983 Seal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 14th February 1983

No. 62/509/82-83/ACQ/B.—Whereas, [MANJU, MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS Nos. 542 & 543D situated at Hathikabala, M.G. Market, Hubli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hubli under document No. 3344/82-83 on 30-6-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mahadeva Narayanasa Miskina, Savadi Grama, Rona Taluk, Smt. Venkubai W/O Sri Venkatesh Chavana, Islampuroni, Gangavathi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Dada Saheb Namdev Jadhav, Hathikalasala, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 787/82-83 dated 30-6-1982). All that property bearing CTS Nos. 542 & 543 D situated at Hathikalasala M. G. Market, Hubli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri M. M. Poonacha.
 S/o Sri M. P. Mandaya, Asst. Engineer, P.W.D. Virajpet Coorg.

(Transferor)

(2) Dr. Jossie Pereira, s/o G.A. Pereira. "Sweet Home" Kinnigoly, D.K.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 10th February 1983

No. C.R. 62/35836/82-83/ACQ-B,—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Sy. No. 56/55, H.N. 9/26, situated at Karavale Badga, Block No. 9, Madikeri Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madikeri under document No. 434/82-83 on 2-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 434/82-83 dated 2-7-1982). All that property bearing Sv. Nos. 56/55, situated at Karavale Badaga, Block No. 9, Madikeri Town.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore 560001, the 11th February 1983

No. C.R. 62/35355/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 58, situated at Dharmaraja Koil Street, Shivajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at

Shivajinagar under document No. 874/82-83 on June 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Janab K. Mohd. Zainulabuddeen
 Bhaiju, No. 61/58, Dharmaraja Koil Street,
 Civil Station, Bangalore-1.

Transferor(s)

(2) Shri K. L. Mohamed Khasim & 6 Others No. 9 E. No. 2nd Street, Lubbay Masjid Street cross, Civil Station, Bangalore.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 874/82-83 Dated June 82) All that property bearing Old No. 61, New No. 58, at Dharmaraja Koil Street, Division. 54, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-2-83

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th February 1983

No. C.R. 62/35439/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 158/2, 160/7, 160/2 and 154/4 situated at

Mekeri Village, Madikeri Tq., Coorg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mercara under document No. 382/82-83 on 15-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sri P. Uthaiah Sri P. U. Anandaiah Sri P. U. Balakrishn Makeri Village. Balakrishna, Madikeri Tq., Coorg.

Transferor(s)

(2) Smt. Neela Sukumaran, w/o S. Sukumaran, c/o Mrs. C. K. Muthanna, Temple Road, Madikeri Town. Coorg

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 382/82-83 dated 5-6-1982) All that property bearing Sy. No.s 158/2, 160/7, 160/2, 154/4, Mekeri Village, Madikeri Tq.

MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-2-83

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR. BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th February 1983

Ref. No. III-662/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the himborable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 5225 and 14850, Khata No. 28, Khesara No. 1150, Ward No. 34, Holding No. 478/267 situated at East Boring

Road. Patna

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 4-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely :--

Smt. Ila Rani Devi W/o Late Gupteshwar Prasad Singh R/O Tundu, P.S. Baghmara, P.O. Tundu, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Madhurendra Kumar S/o Sidheshwar Prasad Village-Bhelwa, Thana—Ghoda Sahan P.O. Bhelwa Circle, Dist. East Champaran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 5 Dhurs 11 Dhurki with building situated at East Boring Road, Patna P.S. Kotwali, Dist. Patna morefully described in deed no. 5325 dated 4-6-82 registered with D.S.R. Patna.

> P. K. DUBEY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 14-2-83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR. BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th February 1983

Ref. No. III-663/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Touzi No. 5225 and 14850, Khata No. 28, Khesara No. 1150, Ward No. 34, Holding No. 478/267 situated at East Boring Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 4-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the morefully described in deed No. 5326 dated 4-6-82 registered (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—47—516GI/82

 Sint. Ila Rani Devi W/o Late Gupteshwar Prasad Singh R/o Tundu, P.S. Baghmara, P.O. Tundu, Dist, Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Shailendra Kumar S/o Shri Sidheswar Prasad Village-Bhelwa, Thana-Ghoda Sahan P.O. Bhelwa Circle Dist. East Champaran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 5 Dhurs 11 Dhurki with building situated at East Boring Road, Patna P.S. Kotwali, Dist. Patna morefully described in deed No. 5326 dated 4-6-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 15-2-83

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR. BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th February 1983

Ref. No. III-664/Acq/82-83.—Wheeras, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 5225 and 14850, Khata No. 28, Khesara No. 1150, Ward No. 34, Holding No. 478/268 situated at East Boring Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 4-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Ila Rani Devi W/o Late Gupteshwar Prasad Singh R/o Tundu, P.S. Baghmara, P.O. Tundu, Dist. Dhanbad.
- (Transferor)
 (2) Shri Sidheswar Prasad S/o Late Shri Baijnath
 Prasad
 Village-Bhetwa, Thana-Ghoda Sahan P.O. Bhelwa

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Circle Dist, East Champaran.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 5 Dhurs 11 Dhurki with building situated at East Boring Road, Patna P.S. Kotwali, Dist. Patna morefully described in deed No. 5324 dated 4-6-82 registered with D.S.R. Patna,

P. K. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 15-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR.
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th February 1983

Ref. No. III-665/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Touzi No. 5225 and 14850, Khata No. 28, Khesara No. 1150, Ward No. 34 Holding No. 478/268 situated at East Boring Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 4-6-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Ila Rani Devi W/o Late Gupteshwar Prasad Singh R/o Tundu, P.S. Baghmara, P.O. Tundu, Dist, Dhanbad,
- (2) Shri Yogendra Prasad S/o Shri Sidheswar Prasad Village-Bhelwa, Thana-Ghoda Sahan, P.O. Baelwa Circle Dist. East Champaran.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and increasing 1 Katha 5 Dhurs 11 Dhurki with building situated at i art depart Road, Patna P.S. Kotwali, Dist. Patna morefully described in deed no. 5325 dated 4-6-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 15 2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 15th February 1983

Ref. No. III-666/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 51, Thana No. 189; Ward No. 2, Holding No. 697 situated at Nawatoli, Town: Daltongani, Distt. Palamau (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at palaman, on 30-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- Siri Vasudeo Lallu Bhai Vyas, Alis: Vasudeo Vyas, S/o Sri Lallu Bhai Vyas, Mohalla: Nawatoli, P.O. & P.S. Daltonganj, Distt. Palamau. (Transferor)
- 1. Smt. Sharda Ben Patel,
 W/o Shri Chhote Bhai Patel,
 2. Smt. Manjula Ben Patel,
 W/o Shri Gordhan Bhai Patel,
 Mohalla: Nawatoli, P.O. & P.S. Daltonganj,
 Distt. Palamau.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The, terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 decimals with pucca house situated at Mohalla: Nawatoli. (Station Road), P.O. & P.S. Daltonganj, Distt. Palamau and moretully described in Deed No. 5787; dated 30-6-82 registered with D.S.R., Palamau.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 15th February 1983

Ref. No. III-667/Acq/82-83.—Whereas, 1. P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 51 Thana No. 189, Ward No. 2, Holding No. 737 situated at Nawatoli, Town: Daltonganj, Distt. Palamau (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalamau, on 30-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fedr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vasudeo Lallu Bhai Vyas, Alias: Vasudeo Vayas, S/o Sri Lallu Bhai Vayas, Mohalla: Nawatoli, P.O., & P.S. Daltongani, Distt. Palamau.

(Transferor)

(2) M/s. Gordhan Bhai Patel and Bros. Through its Partners
 1. Shri Gordhan Bhai Patel S/o
 Late Moti Bhai Patel,
 2. Smt. Sharda Ben Patel

W/o Shri Chhota Bhai Patel and others Nawatoli, P.O. and P.S. Daltonganj,

Dist. Palamau.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23 Decimal with two Godowns, two outhouses situated at Mohalla Nawatoli (Station Road), P.O. and P.S. Daltonganj, Dist. Palamau and morefully described in deed No. 5788 dated 30-6-82 registered with D.S.R. Palamau.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar. Patna

Date: 15-2-1983

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Paina, the 14th February 1983

Ref. No. III-668/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Mouza No. 7. Khata No. 136, Plot No. 3114, Ward No. 2 (old) 4 (New), Holding No. 640 (old) 132 (New) situated at Mouza Hirapur, Pragana-Jharia, P.O./Dist-Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Danbad on 1-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Deb Narayan Banerjee S/o

Late Stidhir Kumar Banerjee,
(2) Smt. Purnima Devi W/o
Late Sudhir Kumar Banerjee,
R/o Hirapur, Pragana-Jharia,
P.O./Dist-Dhanbad.

(Transferor)

(2) Smt. Phoolmani Devi W/o Sri Binod Behari Mahato R/o Chiragora, Pragana-Jharia, P.O./Dist-Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Kathas with building situated at mouza Hirapur, Pragana-Jharia, P.O./Dist-Dhanbad and morefully described in deed No. 6815 dated 1-6-82 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Paina, the 14th February 1983

Ref. No. III-670/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. Plot No. 372, Khata No. 560, Tauzi No. 303, Thana No. 11-situated at Village Sandalpur, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 17-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sukhdeo Prasad S/o Shri Ram Deo Mahto R/o Sandalpur P.S. Sultanganj, Dist. Patna. (Transferor)
- (2) The Alka Sahakari Grih Niaman Samiti Ltd. Patna. Through Secretary Sri Raj Kewal Sharma S/o Late Rup Lal Singh . R/o Village Amhara, P.S. Bihta, Dist. Patna. Present Address Jagat Narain Lal Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 Decimals equal to 8 Kathas 19 Dhurs and 4 Dhurkies situated at Village Sandalpur P.S. Sultanganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3341 dated 17-6-82 registered with S.R. Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th February 1983

Ref. No. III-669/Acq/82-83.—Whereas, I. P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. Plot No. 878, Khata No. 53, Tauzi No. 40, Thana No. 11 situated at Sandalpur, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 17-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Indradeo Prasad S/o Shri Ram Deo Mahto R/o Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna.
- (Transferor)

 (2) The Alka Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna Through Secretary Sri Raj Kewal Sharma S/o Late Pup Lal Singh R/o Village Amhara, P.S. Bihta, Dist. Patna. Present Address Jagat Narain Lal Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 32 decimals equal to 10 Kathas 4 dhurs and 16 dhurkies situated at village Sandalpur, P.S. Sultauganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3337 dated 17-6-82 registered with S.R. Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th February 1983

Ref. No. III-671/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. Plot No. 878, Khata No. 53, Tausi No. 40, Thana No. 11 situated at Village Sandalpur, Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna City on 17-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

48-516GI/82

- (1) Smt. Geeta Sinha W/o Shri Kamaldeo Prasad Sinha R/o Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna.
 (Transferor)
- (2) The Alka Sahakari Grih Niiman Samiti Ltd. Patna Through Secretary Sri Raj Kewal Sharma S/o Late Rup Lal Singh R/o Village Amhara, P.S. Bihta, Dist. Patna. Present Address Jagat Narain Lal Road, P.S. Kadamkuan, Patna.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 Decimals equal to 9 Kathas 12 Dhurs situated at Village Sandalpur P.S. Sultangani, Dist. Patna and more fully described in deed No. 3340 dated 17-6-82 registered with SR Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Paina, the 14th February 1983

Ref. No. III-672/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. Plot No. 878, Khata No. 53, Tauzi No. 40, Thana No. 11 situated at Village Sandalpur Dist, Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 17-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chandradeo Prasad S/o Shri Ram Deo Mahto R/o Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna. (Transferor)
- (2) The Alka Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna Through Secretary Sri Raj Kewal Sharma S/o Late Rup Lal Singh R/o Village Amhara, P.S. Bihta, Dist. Patna. Present Address Jagat Narain Lal Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 decimals equal to 9 Kathas 12 dhurs situated at village Sandalpur P.S. Sultanganj, Dist. Patna and more fully described in deed No. 3339 dated 17-6-82 registered with S.R. Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th February 1983

Ref. No. 111-673/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. Plot No. 878 & 883, Khata No. 53 & 992, Touzi No. 40 situated at Sandalpur, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna City on 17-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sudha Mehta W/o Alakha Narain Mehta Moballa---Nagla, P.S. Malsalami, Patna City. (Transferor)
- (2) The Alka Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna Through Sccretary Sri Raj Kewal Sharma S/o Late Rup Lal Singh R/o Village Amhara, P.S. Bihta, Dist. Patna. Present Address Jagat Narain Lal Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 decimals equal to 9 Kathas 12 dhurs situated at village Sandalpur P.S. Sulanganj Dist. Patna and more fully described in deed No. 3333 dated 17-6-82 registered with S.R. Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th February 1983

Ref. No. 111-674/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. Plot No. 879, Khata No. 563, Tauzi No. 303, Thana No. 11 s'tuated at Village Sandalpur, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 17-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arundeo Prasad Singh S/o Shri Basudeva Prasad Sinha R/o Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna. (Transferor)
- (2) The Alka Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna Through Secretary Sri Raj Kewal Sharma S/o Late Rup Lal Singh R/o Village Amhara, P.S. Bihta, Dist. Patna. Present Address Jagat Narain Lal Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 decimals equal to 8 Kathas 19 dhurs 4 dhurkies situated at village Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna and more fully described in deed No. 3338 dated 17-6-82 registered with S.R. Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th February 1983

Ref. No. III-675/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.S. Plot No. 879 and 372, Khata No. 560 and 563, Touzi No. 303. Thana No. 11 situated at Sandalpur, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Patna City on 17-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sakaldeo Prasad Mehta S/o Shri Ramdeo Mahto R/O Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) The Alka Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna Through Secretary Shri Raj Kewal Sharma S/o Late Rup Lal Singh R/o Village Amhara, P.S. B.hta, Dist. Patna. Present Address Jagat Narain Lal Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE ·

Land measuring 17½ Decimals equal to 8 Kathas 17 dhurs and 12 dhurkies situated at village Sandalpur, P.S. Sultangani, Dist. Patna and more fully described in deed No. 3342 dated 17-6-82 registered with S.R. Patna City.

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 26°D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 14th February 1983

Ref. No. III-676/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

C.S. No. Plot No. 878, Khata No. 53 Touzi No. 40 and Thana No. 11 situated at Village Sandalpur, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 17-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Smt. Sonapati Devi W/o Sri Basudeva Prasad Sinha R/o Sandalpur, P.S. Sultanganj, Dist. Patna.

 (Transferor)
- (2) The Alka Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna Through Secretary Sri Raj Kewal Sharma S/o Late Rup Lal Singh R/o Village Amhara, P.S. Bihta, Dist. Patna. Present Address Jagat Narain Lal Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 decimal equal to 9 Kathas 12 dhurs situated at village Sandalpur, P.S. Sultanganj Dist. Patna and morefully described in deed No. 3348 dated 17-6-82 registered with S.R. Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-2-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref No. A.P. No./3941,--Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and

as per schedule situated at V. Chak Hussaina Lama Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri. Pritam Singh. S/o Bhagel Singh & Avtar Singh S/o Maluk Singh r/o V. Chak Hussaina Lama Pind Teh. Jalandhar.

(2) Shrimati Taripta Rani W/o Surrinder Pal, r/o 935-D. Mohalla Riaz Pura, Jalandhar. 2. Tarsen Lal S/o Behari Lal r/o V. Pohlriwala Teh. Jalandhar. T.al 3. Smt. Usha Sharma w/o Prem Parkash, Central School No. 2, Jalandhar Cantt.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 30 Mls. situated in V. Chak Hussaina Lama Pind & persons as mentioned in the registration sale deed 1621 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3942.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Chak Hussaina Lama Pind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Singh S/o Bhagel Singh & Avtar Singh S/o Maluk Singh, r/o V. Chak Hussaina Lama Pind, Teh, Jalandhar

(Transferor)

- (2) Sint. Sukahla Devi W/o Kishan Lal N.C. 33, Rly. Road, Jalandhar. 2. Santosh Rani W/o Charanjit Nath r/o E.G., 1035, Gobind Garh, Jalandhar. 3. Gurdev Singh S/o Gurbachan Singh r/o Hoshiapur Road, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 35 Mls. situated in V. Chak Hussaina Lama Pind & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1622 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3943.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Wariana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—516GI/82

Shri Mangu Ram S/o Bhulla Ram, General Attorney of Salig Ram & Sat Pal, R/o 615-R, Model Town, Jalandhar.

(2) Shri Raj Kumar S/o Amer Nath and Jeewau Ram S/o Hem Raj r/o Jalandhar City.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 10 Kls situated in V. Wariana and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1511 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

FORM (.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3944.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

as per schedule situated at V. Wariana,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any, income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mangu Ram S/o Bhuka Ram, Mukhtiar-ai-am Salig Ram Sat Pal r/o 615, Model Town, Jalandhar.
- (2) Shri Rej Kumar S/o Amar Nath alias Om Parkash and Jeewan Lal S/o Hem Raj r/o Jalandhar City. (Transferce)
- (3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 10 Kls. situated in V. Wariana and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2059 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3945.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair marke value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shankar Dass S/o Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Pal R/o V. Balandpur Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Jasbir Singh S/o Capt. Balwant Singh Khera. 2. Surjit Singh S/o Mohinder Pal Singh, 3. Swaran Singh, S/o Thaman Singh r/o Khera Fauja Singh, Tehsil Nakodar.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 2 Kls. 11 Mls. situated in V. Maksoodpur & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1533 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TEX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3946.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shankar Dass S/o Attra through Mukhtiar-aiam Joginder Pal R/o V. Balandpur Teh, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Anup Kumar S/o Sardari Lal r/o H. No. 31, Mohalla No. 18 Jalandhar Cantt. 2. Rajesh Kumar S/o Sardari Lal r/o as above. 3. Sumitra Devi w/o Mata Din r/o H. No. 21, Moh. No. 7, Jalandhar Cantt. 4. Ashok Kumar Chopra S/o Bal Krishan r/o E.K. 133, Moh. Shiv Raj Garh, Jalandhar and 5. Om Parkash Julka S/o Ram Parshad, r/o 57-A, Moh. 10, Jalandhar Cantt.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made 'n writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kls. 9 Mls. situated in V. Maksoodpur & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1578 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3947.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evaplen of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri Shankar Dass S/o Attra through Joginder Pal Mukhtiar-ai-am R/o V. Balandpur Teh. Jalandhar.

(Transferor)

Shri Ashok Diwan S/o Isshwar Dass and Smt. Pushpa Diwan W/o Ashok Diwan r/o H. No. 12, Moh. No. 6, Jalandhar Cantt. and Sudesh Rani W/o Mangat Ram, r/o W.S. 263, Basti Sheikh, Jalandhar and Smt. Kaushaliya Devi W/o Diwan Chand r/o 9-Swaran Park, Kapurthala Road, Jalandhar and Dipak Rani W/o Kamal Dev Kamal r/o H. No. 48, Moh. No. 10. Islandhar Cantt (2) Shri Ashok Diwan S/o Isshwar Dass Moh. No. 10, Jalandhar Cantt.

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 11 Mls. situated in V. Maksoodpur persons as mentioned in the registration sale deed 1609 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÒF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3948.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
as per schedule situated at Maksoodpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908; in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Shankar Dass S/o Attra through Joginder Pal Mukhtiar-ai-am R/o V. Balandpur Tch. Jalandhar.

(Transferor) (2) Shri Ram Singh S/o Sunder Singh r/o Darapur (Tandawali), 2. Harbans Kaur W/o Tarlok Singh.
3. Pushpa Devi wd/o Kharalti Ram r/o H. No. N.H. 31, Nila Mahal, Jalandhar, 4. Niranjan Singh Kaisi S/o Amar Singh //o Nizra Teh, Jalandhar. S. Vijay Kumar S/o Sohan Lal r/o Model House, Jalandhar, 6. Paramjit Singh Bedi S/o Krishan Dyal Singh r/o Dhariwal Distt. Gurdaspur. 7. Jaspal Kaur w/o Paramjit Singh r/o Shivrajgarh, Jalandhar.

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 11 Mls, situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1702 of July, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3949.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing land

as per schedule situated at V. Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under, the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shri Shanker Dass S/o Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Pal R/o V. Balandpur Teh. Jalandhar. (Transferor
- (2) Shri Kirpal Singh S/o Santokh Singh, Phullan Snri Kirpal Singh S. o Santokh Singh, 2. Phullan Rani W/o Mohinder Singh 3. Sardar Singh S/o Santokh Singh, 4. Pushpa Wati W/o Sardar Singh, 5. Banwari Lal S/o Santa Bitta Mal, 6. Som Nath S/o Lal Chand r/o Bazar Sheikham, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As SI. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perlod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kls. 18 Mls. situated in V. Makscodpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2082 of June, 1982 of the registering authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhai

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3950.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- Shankar Dass S/o Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Pal R/o V. Balandpur Teh. Jalandhar.
- (2) Shri Sandal Lal S/o Bhanpat r/o Model House, Jalandhar. 2. Retd. Sub. Major Gian Chand Kalia S/o Mohan Lal r/o Ravi Dass Nagar, Jalandhar. 3. Surjit Kaur W/o Kanwaljit Singh Gill r/o E.Q. 344, Rainak Bazar, Jalandhar. 4. Bimal Kumar S/o Sohan Lal r/o W.D. 9, Bazar Sheikhan, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.)
(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 7 Mls. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2163 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3951,—Whereas, I. J. I. GlRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Julandher in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or wher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-50-516GI/82

(1) Shankar Dass S/o Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Pal R/o V. Balandpur Teh. Jalandhar. (Transferor)

(2) Shri Baljinder Kaur W/o Ramji Dass and 2. Nirmal Devi Woo Kewal Krishan r/o E.K. 220/4 Phagwara Gate, Jalandhar, 3. Saweeti Narang W/o Devki Naodan r/o 98 Vijay Nagar, Jalandhar, 4. Kamal Kishore Mehra S/o Lt. Roshan Lal Mehra r/o 94-Vijay Nagar, Jalandhar, 5. Smt. Dhan Rani W/o Vijay Nagar, Jalandhar, 5. Smt. Dhan Raui W/o Sahib Dass Gogiya and 6. Pushpinder Mohan Gogiya S/o Dass r/o F.R. 5. Pucca Bagh, Jalandhar, (Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.) (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to

be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichavor period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and 2 Kls. 16 Mls. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2236 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3952.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Land

as per schedule situated at V. Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shankar Dass S/o Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Pal R/o V. Balandpur Teh. Jalandhar.
(Transferor)

(2) Shri Amar Nath S/o Thaker Dass r/o Vijay Nagar, Jalandhar. 2. Smt. Devi Vasudeva W/o Balraj r/o Rly. Mandi, Hoshiarpur. 3. Rajinder Singh Schi S/o Bhagat Singh r/o Basti Sheikh, Jalandhar. 4. Satya Bhama W/o Om Parkash r/o H. No. 34, Moh. No. 13, Jalandhar Cantt. 5, Ram Avtar S/o Bhagwan Dass r/o H. No. 19, Moh. No. 8, Jalen dhar Cantt.

(Transferce)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Gls. 8 Mls. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2314 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Julandhur

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A. P. /3953.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule at V. Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shankar Dass S/o Attra through Mukhtar-ai-ant Joginder Pal R/o V. Balandpur Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Pushpa Lata W/o Ashok Kumar r/o W.G. 94, Islamabad, Jalandhar. 2. Surjit Singh S/o Jamu Singh r/o N.M. 49, Moh. Qarar Khan, Jalandhar. 3. Arjinder Kaur Batra W/o Harbir Singh r/o 16, Banda Bahadur Nagar, Jalandhar. 4. Angreja Devi W/o Ram Lal r/o W.D. 71, Bazar Sheikhan, Jalandhar.

(Transferces)

- (3) As Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kls. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2501 of July 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3954.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shankar Dass S/o Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Pal R/o V. Balandpur Tch. Jalandhar. (Transferor)

(2) Shrimati Usha Gupta W/o J. P. Gupta and 2. Kamlesh Gupta W/o Satya Pal r/o H. No. 10, Moh. No. 7, Jalandhar Cantt. 3, Rajinder Kumar S/o Gobinda Ram r/o Shahkot. 4. Bimal Dev S/o Dev Raj, Moh. No. 10, H. No. 48, Jalandhar Cantt.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property.)
 (4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2643 of July, 1982 of the Registering Authority, Jalandbar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFITE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3955.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the registering officer at Jalandhar in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shankar Dass S/o Attra through Mukhtiar-ai-am Joginder Pal R/o V. Balandpur Teh, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Anil Chopra S/o Ram Chand Principal, Saint Soldiers Public School, 324 Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar. 2. Neelam Katiyal W/o Ravi Katyal, r/o V. Maksoodpur Teh. Jalandhar. (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. 6 Mls. situated in V. Maksoodpur and Persons and mentioned in the registration sale deed No. 2785 of July 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dato: 29-1-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A.P. No./3956.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdial Singh & Swaran Singh Ss/o Samund Singh r/o V. Khurla Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Mahalakshmi Co-op. House Building Society, Ltd. C/o 'The Jalandhar Marble Co. Nakodar Road, Jalandhar.

((Transfree)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 16 Kls. situated in V. Khurla and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1569 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 29-1-1983.

AND THE RESERVE TO A CONTROL OF THE PROPERTY O

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A. P. 3958,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

Jalandhar in June, 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gian Chand S/o Sohna Mal Jain R/o BIV-200, Jail Road, Faridkot.
 (Transferor)
- (2) Smt. Sugan Mala Jain W/o Paras Kumar R/o BIV-200, Jail Road, Faridkot. (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. M.C. 200-BIV situated at Faridkot & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1919 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income ax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 29-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A. P. 3959.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gian Chand S/o Sohna Mal Jain R/o BIV-200, Jail Road, Faridkot.

(Transferor)

- (2) Smt. Sugan Mala Jain W/o Paras Kumar R/o BIV-200, Jail Road, Faridkot. (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above.
 (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House M.C. BlV-200 situated at Faridkot and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2977 of September, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jajandhar.

Date: 29-1-83,

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th January 1983

Ref. No. A. P. No. 3960.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—51—516GI/82

(1) Shri Gian Chand S/o Sohna Mal Jain R/o BIV-200, Jail Road, Faridkot. (Transferor)

(2) Smt. Sugan Mala Jain W/o Paras Kumar R/o BIV-200, Jail Road, Faridkot.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property House No. M.C. 200-BIV situated at Faridkot & persons as mentioned in the registration sale deed No. 3063 of Oct., 82 of the Registering Authority, Faridot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 29-1-83.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A P. No./3961-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per sechedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appartent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Shri Jatinder Singh S/o Baldev Singh S/o Jagat Singh Adj S. D. Girls College, Amritsar Road Bhatinda.

(Transferor)

Jagroop Singh, Barpur Singh
 S/o Jit Singh S/o Kartar Singh, Phool
 Jagroop Singh S/o Jaggar Singh
 S/o Kehar Singh Vill. Rana,
 Surjit Kaur W/o Jatinder Singh
 S/o Baldev Singh Adj. S. D. Girls College
 Amritage Road Physinds

Amritsar Road, Bhatinda.

(Transferees)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

'Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable poperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale decd No. 1775 June, 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. 3962.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tuan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

— (1) Kumari Pushpa Devi D/o Sh. Dina Nath Sh. Devi Dutta, Kota (Rajasthan)

(Transferoi)

- (2) Shrinati Nirmal Devi W/o Ram Parkash S/o Sh. Bhag Mal, Gurunanak Mohalla, Bhatiuda 2. Binda Davi w/o Mohinder Lal Driver, Home Guards, Opposite Civil Courts, Cycle shop, Bhatinda.
 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2089 June, 82 of the Registering Authority Bhatinda,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15.2.1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. / 3963.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Uhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have realons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raj Kumar & Ramesh S/o Shri Bhim Sen C/o Bhim Sen Raj Kumar, Mansa Mandi.

(Transferor)

(2) Kumari Tej Kaur D/o Sh. Dhanna Singh C/o Sh. Gurdev Singh Brar SDO Canal Department, Multania Road, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2143 of June, 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. No/3964.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Bhatinda tand more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Joginder Singh Jagjit Singh S/o Joon Singh S/o Bachan Singh Bhatinda.
- (2) Shri Sukhdev Singh, Mohar Singh S/o foginder Singh Vill, Dhaela Teh. Barnala (Transferee)
- (3) As \$. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2145 June, 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

Soal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Rcf. No. A. P. No./3965.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Jangir Kaur D/o Waryam Singh S/o Uttar Singh, Bhatinda

(Transferor)

(Transferee)

- (2) Shri Angrej Singh S/o Jallour Singh S/o Kartar Singh, Bhatinda C/o Gurunanak Cold-Siorage, Bhatinda,
 2. Darshan Singh S/o Bhag Singh S/o Natha Singh,
 C/o Gurunanak Cold Storage, Bhatinda.
- (3) As S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 21.53 June, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. No./3966,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Savittri Devi W/o Mahavir Prashad C/o Popular Textiles Shop, Bhatinda. (Trapsferor)
- (2) 1. Shri Hargopal Gupta C/o Lokh Ram
 2. Uma Raul W/o Surinder Mohan
 S/o Hargopal Jal Singh wala
 3. Rakesh Kumar S/o Vidya Kumar
 S/o Gurdial Chand, Rampura Phool
 (Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2166 June, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. No./3967.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Savitary Devi W/o Mahavir Proshad C/o Popular Textiles Shop, Bhatinda (Trausferor)
- (2) Shri Manmohan Gupta S/o Chiranji Lal, Rampura Phool.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2209 June, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. No./3968.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—516GI/82

- (1) Shri Mukhtiar Singh S/o Anoop Singh S/o Rakha Singh Chandsar Basti, Bhatinda.

 (Transferor)
- (2) Shri Krishan Kumar & Raj Kumar Ss/o Jagan Nath S/o Sudhi Ram Barnala.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Pers as as mentioned in the Registration Sale deed No. 2210 hane, 82 cf. the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. No./3969.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmen of any theore or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mukhtiar Singh S/o Anoop Singh S/o Rakha Singh Chandsar Basti, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Ved Parkash S/o Daulat Ram
 S/o Mathra Das Vill, Abu Dist, Bhatinda.
 (Transféree)
- (3) As Sl. No. 2 above.

 (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2244 June, 82 of the Registering Authority. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. No./3970.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

 Shri Hazoora Singh S/o Vir Singh C/o Hazoora Kapoora Colony near Rase Garden, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Kailash Chander S/o Balbant Singh Rai
 - Pushpa Devi W/o Satya Saroop
 Sanjiv Gupta S/o Sham Lal
 Surinder Pal S/o Shanti Saroop,
 - Bhatinda'.

(Transforce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person'in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2245 June, 82 of the Registering Authority. **Bhatinda**

> I. I. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI! OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. No./3971 - Whereas, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a), facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kanta Devi W/o Inder Pal R/o Kaloo Rai, Kothapura,

(Transferor)

- (2) Shrimati Roshma Rani W/o Gurcharan Singh S/o Milkha Singh Vill. Sangar, Teh Mukhsta
- (3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saki immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2306 June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983,

(Transferor)

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A P. No./3972.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Kanta Devi W/o Inder Pal S/o Kaloo Rai, Kotakpura.
- (2) Shri Gurcharan Singh S/o Milkha Singh S/o Chanan Singh Vill Sangar Teh. Muktsar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2428 June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983.

(Transferor)

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A .P No. 3973.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mukhtair Singh S/o Anoop Singh Chandsar Basti, Bhatinda,
- (2) Shri Gursaram Dass S/o Ram Chand S/o Jiwan Mal, Soniana, 2. Gopal Binder S/o Baroo Mal S/o Matara Dass, Sardargarh Distt. Bhatinda 3. Surinder Kumari W/o Des Rai
 - Surinder Kumari W/o Des Raj Bhadarpur.
 - 4. Nirmal Aggarwal W/o Megh Raj, S/o Daulat Ram Bhatinda.
- (3) As S. No. 2 above. (Transferee)
- (Person in occupation of the Property)

 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration side deed No. 2428 June, 1982 of the Registring Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th Febuary 1903

Ref. No. A.P. No./3974.—Whereas, I. J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Bhatinda on June 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surjit Singh S/o Nihal Singh Chandear Basti, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Sita Devi W/o Susil Kumar S/o Joginder Singh Talwandi Sabo

(3) as S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 2519 of June, 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquivition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3975 .-- Whereas, I, J. L. Girdhar, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shrimati Bhagwanti W/o Chanan Ram S/o Raja Ram C/o Laxmi Medical Store, Hospital Bazar, Bharinda.
- (Transferor) (2) Shri Ashok Kumar Grag S/o Mohan Lal Garg, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 2575 June, 1982 of the Registering Authority Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A. P. No. 3976.—Whereas I, J. L. Girdhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

53--516G1/82

(1) Shrimati Chand Kaur W/o Mastaw Singh S/o Hira Singh, Chandsar Bati, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Parshotam Dass S/o Kastoor Chand (2) Mohan Lal S/o Roshan Lal, Rampura Phool.

 (Transferce)
- (3) As SI. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 2617 June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3977.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Chand Kaur W/o Mastan Singh S/o Hira Singh, Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Hargopal Goel S/o Brij Lal E/o Sant Aam, Goniana Mandi.
- (3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 2618 June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

Scal

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE .INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3978.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per scheduled at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ginder Singh S/o Mastan Singh, Chandsar Basti, Bhatinda R/o of Mithoo Singh. (Transferor)
- (2) 1. Sham Lal S/o Lakhi Ram,
 2. Sat Pal S/o Megh Rai,
 3. Gagan Sarup S/o Baboo Ram,
 4. Janak Dulari W/o Joginder Pal Bhatinda.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property) iterested in the property

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2616 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3979.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per scheduled at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:---

(1) Shri Gindar Singh S/o Mastan Singh, Chandsar Basti, Bhatinda, P/A of Mithoo Singh S/o Santa Singh.

(Transferor)

(2) 1. Sham Lal S/o Lakhi Ram,

2. Sat Pal S/o Megh Rai, 3. Gagan Sarup S/o Baboo Ram,

4. Janak Dulari W/o Joginder Pal,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2619 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

SonI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3980.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per scheduled at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bagga Singh S/o Kunda Singh, Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Kartar Singh S/o Bhag Singh, Bhatinda.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2542 of June 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3981.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Sham Lal S/o Ram Chand, Lal Singh Basti, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Gurnam Singh S/o Gamdoor Singh, Power House Road, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale dccd No. 2708 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3932.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beraing

No, as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ginder Singh S/o Sh. Mastan Singh Mukhtiar-aam of Sh. Ajmer Singh S/o Ronak Singh, Lehra Mohabbat, R/o Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal S/o Raja Ram, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Persons in occupation of the property)

(4) Any other person intersted in the property.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2682 of the Registration Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 15-2-1983 Setal :

20th :

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3983.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Shri Gurdev Singh S/o Sh. Mastan Singh Mukhtiara-am of Ajmer Singh S/o Ronak Singh, Lerha Mohabbat, R/o Chandsar Basti, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Parshotam Das S/o Om Parkash Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Persons in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2647 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 15-2-1983

Send:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3984.— Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54---516GT/82

- Shrimati Chand Kaur W/o Mastan Singh R/o Chandsar Basti, Bhatinda.
- (2) Ashvani M Kumar S/o Sh. Mehar Chand, Chandigarh.

(Transferee)

(3) As per Srl. No. 2 above.

(Person in occupation of

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2648 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. 1. GIRDHAK Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983.

Scal;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- . TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3895.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Chand Kaur W/o Mastam Singh Chandsar Basti, Bhatinda.

(Transferor)

(Transferee)

- (2) Shri Kauwar Rajpal Singh S/o Baldav Singh, Advocate Civil Court, Bhatinda.
- (3) As per Sl. No. 2 above.

(Persons in occupation of the property)

(4) Any other person intersted in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2649 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3986.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per scheduled situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Parsotam Lal Uppal S/o Sh. Rangu Ram, R/o Ferozepur.
 - (Transferor)
- (2) Tejinder Singh, Karamit Singh Ss'o Baldev Singh S/o Sucha Singh Lambardar, Sucha Singh's Kothi, Backside of thermal Colony, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person intersted in the properly.

(Person whom the understand knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2723 of June. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3987.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Rampura Phul.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rampura Phul in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurnam Singh S/o Waryam Singh R/o Rampura Phul.
- (Transferor)
 (2) Shrimati Nasib Kaur W/o Gurnam Singh,
 R/o Rampura Phul.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1522 of June, 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3988.—Whereas, f, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Mandi Rampura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at

Rampura Phul on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kulwant Rai S/o Harcharan Singh R/o Mandi Phul.

(Transferor)

(2) Shrimati Pushpa Devi D/o Chaman Ram S/o Brahma Nand R/o Vill. Chowke.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1440 of June, 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM NO. I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3989.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Vill. Maur Charat, Singh Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwadi Sabo on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Babu Ram
S/o Shri Brij Lal
S/o Shri Siri Chand and
Smt. Manbari
W/o Shri Brij Lal
S/o Shri Siri Chand
R/o Ward No. 8/87. Maur Mandi.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurpreet Singh, Harpreet Singh S/o Shri Gurmail Singh R/o Vill. Maur Charat Singh Wala.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1062 of June, 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3990.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. as per scheduled situate at Vill. Maur Charat, Singh Wala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Brij Lal
 S/o Shri Gurmail Singh
 R/o Ward No. 8/87, Maur Mandi.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurpreet Singh, Harpreet Singh S/o Shri Gurmail Singh R/o Vill. Maur Charat Singh Wala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1063 of June, 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3991.—Whereas, I, B. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

.

Shri Nek Singh
 S/o Shri Sadhu Singh
 R/o Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) Smt. Simlo Devi D/o Shri Rakha Ram C/o Sh. Durga Dass Khatri S/o Shri Nand Lal Khatri Commission Agent, Maur Mandi.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 732 of June, 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandbar

Date: 15-2-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3992.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Talwandi Sabo on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-55-516GI/82

(1) Shri Sadhu Singh S/o Shri Inder Singh R/o Vill. Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) Shri Durga Dass Khatri S/o Shri Nand Lal Khatri Commission Agent, Maur Mandi, Distl. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1259 of June, 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3993.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovely able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Inder Singh, Bhagat Singh Ss/o Shri Mahenga Singh R/o Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) S/Shri Baldev Singh, Tarsem Singh S3/o Shri Walaiti Singh C/o M/s. Walaiti Singh Tarsem Singh, Cloth Merchant, Talwandi Sabo.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 799 of June, 1982 of the Registering Authoriey, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-2-1983

(1) Shri Balraj Singh S/o Shri Daulat Singh S/o Shri Kheta Singh R/o Vill. Ramsara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S/Shri Guran Singh Boota Singh Ss/o Shri Hakam Singh R/o Vill. Ramsara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3994.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at Talwandi Sabo on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 842, June, 1982 of the Registering Authority Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under 'subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-2-1983

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./3995.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Talwandi Sabo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Sauda D/o Smt. Jai Kaur Wd/o Shri Amar Singh, R/o V. Talwandi Sabo.

(Transferor)

(Transferce)

- S/Shri Balour Singh, Gurbant Singh Ss/o Shri Atma Singh R/o Vill. Talwandi Sabo.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 940 of June, 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3996.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing
No. as per schedule situated at Talwandi Sabo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Talwandi Sabo on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sauda D/o Smt. Jai Kaur Wd/o Shri Amar Singh, R/o V. Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) Shri Basant Singh S/o Shri Atma Singh R/o Vill, Talwandi Sabo.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 941 of June, 1982 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3997.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Barinder Kumar S/o Shri Balwant Rai Balout Mandi.

(Transferor)

(2) Shri Hardial Singh S/o Shri Niranjan Singh Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

t-xplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1648 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

The second secon

FORM I.T.N.S.---

A Consideration of the control of th

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3998.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Ircome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Krishan Kumar S/o Shri Bhagwan Dass R/o Bhatinda.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Pawan Kumar S/o Shri Roshan Lal, R /o Bhatinda.
 - Shri Abhey Kumar S/o Shri Prem Parkash R/o Bhatinda.
 - 3. Smt. Gurbachan Kaur D/o Sh. Jewan Singh R/o Bhatinda.
 - Smt. Nirmala Rani W/o Sh. Mathra Dass, R/o Bhatinda.
 - 5. Dr. Mathra Dass S/o Sh. Megh Ram C/o Dr. Sohan Lal Grover, The Mall, Bhatinda. R/o Bhatinda.
 - 6. Dr. Sohan Lal Grover S/o Sh. Paras Ram,
 - R/o Bhatinda. Smt. Sarla Devi W/o Dr. Sohan Lal Grover, The Mall, Bhatinda.

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1772 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inchapting Accietant

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 3999.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jatinder Singh
 S/o Shri Baldev Singh
 R/o H. No. 614, Amrik Singh Road,
 Bhatinda.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagroop Singh & Bharpoor Singh Ss/o Shri Jeet Singh R/o Vill. Phul, and Shri Jagroop Singh S/o Shri Jagar Singh & Smt. Surjit Kaur R/o Dabwall.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1745 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Sarla Devl W/o Shri Pritam Chand Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4000.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---56---516GJ/82

(2) Shri Pardeep Kumur S/o Shri Roop Chand C/o Rosella Hotel, Near Railway Station, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1777 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4001.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chothu Ram S/o Shri Hira Nand, Karyana Dealer, Hira Chowk, Sirki Bazar, Bhatinda

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Janki Devi W/o Sh. Hem Raj,
 - R/o Dhanela.
 2: Smt. Sarbati Devi D/o Sh. Hem Raj, R/o V. Dhanola
 - 3. Sh. Hem Raj S/o Sh. Ram Chand,
 - R/o Bhatinda
 4. Sh. Jagpal Singh S/o Sh. Chanda Singh,
 R/o Bhatinda
 - R/o Bhatinda
 5. Sh. Balbir Singh S/o Sh. Chanan Singh,
 R/o Bhatinda
 - 6. Smt. Nirmala Devi W/o Ch. Chaman Lal R/o Bhatinda

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.

Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1780 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Rcf. No. A.P. No. 4002.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Angerej Singh S/o Shri Jallour Singh R/o Guru Nanak Cold Storage, Bhatinda.

(Transferor)

(2) S/Shri Jarnail Singh, Karnail Singh Ss/o Shri Kishan Singh R/o Vill. Mohma and Shri Chaman Singh S/o Shri Chanda Singh R/o Vill, Mohna.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1804 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4003.—Whereas, I.J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Pragwara on June, 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Roshan Singh
 S/o Shri Banta Singh
 R/o Vill. Sakruli Teh. Garhshankar.
 (Transferor)

(2) Smt. Sawaran Kaur W/o Shri Pretu Ram R/o Model Town, Near Late Sh. Sadhu Ram (M.P. Phagwara,)

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 557 of June, 1972 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Julandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4004.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Phagwara on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Sction 269C of the said At, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ajit Singh
 S/o Shri Banta Singh
 R/o Vill. Sakruli
 Teh. Garhshankar.

(Transferor)

(2) Shri Pretu Ram S/o Shri Chura Ram R/o Model Town, Near Late Sh. Sadhu Ram (M.P.) Phagwara.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 558 of June, 1982 of the Registering Authority Phagwara.

J, L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4005.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Fazilka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanwar Pal Singh S/o Shri Pardham Singh, R/o Malout.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar S/o Nand Baklal, R/o Fazilka.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1714 of June 1982 of the Registering Authority, Fazilka.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Rcf. No. A.P. No./4006 -- Whereas, I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Rainak Bazar, Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1982,

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Santokh Singh S/o Jiwan Singh, R/o EQ-195/312, Rainuk Bazar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shii Harjinder Pal S/o Wasti Ram R/o W.D. 94, Ali Mohalla, Jalandhar. (Transferce)
- (3) As per St. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop situated in Rainak Bazar, Jalandhar & persons as mentioned in the registration safe deed No. 1616 of lune 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4007 & 4008.—Whereas, I J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Banga.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Banga in June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kulwant Rai Pathak S/o
Bushamber Datt r/o V. Guna Chaur, Teh. Banga,
Distt. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shti Vishwa Mitter S/o Lahori Ram and Smt. Tripta Wati W/o Vishwa Mitter, R/o Banga Distt, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop-cum-Godown situated at Banga and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 399 and 419 of tune 1982 of the Registering Authority, Banga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAĽANDHAR.

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4009.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Chak Hussaina, Lama Pind, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Niranjan Singh, Shama Ss/o Waryam Singh and Phuman Singh, Balwant Singh Ss/o Hakam Singh r/o V. Lama Pind, Chak Hussaina, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shrimati Jaswant Kaur W/o Swaron Singh Gurdip Singh S/o Khazan Singh and Mohan Singh S/o Pal Singh R/o Preet Nagar, Sodal Road, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (d) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. 21/2 Mls. situated in V. Chak Hussaina Lama Pind and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2169 of June 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983 Seal:

57-516GI/82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4010.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Lama Pind,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

(1) Shri Niranjan Singh, Shama Ss/o Waryam Singh and Phuman Singh, Balwant Singh Ss/o Hakam Singh R/o Chak Hussiana, Lama Pind, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Yagya Rai S/o Reshan Lal, Pushpa Rani W/o Amar Nath, and Asha Rani, W/o Prabhu Kumar and Krishna Rani W/o Darshan Lal r/o E.B. 148-A, Qilla Mohalla, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 37 Mls. situated in V. Lama Pind and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2176 of June 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4013.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Central Town, Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Saroj Rani 'urf' Sumitran,
 D/o Ved Kaur and wife of Bhupinder Dass Khauna,
 R/o 33/35, Moh. No. 23, Jalandhar Cantt.
 (Transferor)
- Shri Harvinder Singh S/o Karam Singh, r/o 329/7, Central Town, Jalandhar.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 330/7 situated in Central Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2584 of June 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4014.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as per schedule situated at V. Boot

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per schedule situated at V. Boot,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Narinder Kaur Wd/o Kartar Singh and Kultar Kaur 'urf' Kartar Kaur D/o Kartar Singh through Jagtar Kaur r/o 179, Model Town, Jalandhar.

(2) Shri Rameshwar Singh S/o Dr. Karam Singh r/o 579-Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 80 Mls. situated in V. Boot and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2235 of June 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE IALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4015.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Jaitu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Tota Singh, Nahar Singh Sons, and Smt. Dhan Kaur Wd/o Sarwan Singh R/o V. Jaitu.
- (2) Shri Shiv Lal S/o Ishar Dass r/o V. Jaitu Mandi.

(Transferor)
(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 13 Kls, 19 Mls. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 503 of June 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4016.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at V. Jeitu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mukand Singh S/o Kapoor Singh, Smt. Harpal Kaur, Tel Kaur Ds/o Kapur Singh, R/o Jaitu Mandi.

(Transferor)

(2) Shri Asa Singh, Sunder Singh, Sohan Singh Ss/o Sampuran Singh, R/o Jaitu Mandi.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 10 Kls. 11 Mls. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 521 of June 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4017.—Whereas, I

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at V. Jaitu,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gurcharan Singh, Major Singh Sa/o Balvir Singh r/o Jaitu Mandi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Balvir Singh, Jasmail Singh, Parget Singh, Sardara Singh Ss/o Sham Singh r/o V. Jaitu.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, ir any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 12 Kls. 12 Mis. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 532 of June 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

Seal

(Transferor)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4018.—Whereas, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Jaitu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in June 1982,

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Shri Kartar Singh S/o Gurbax Singh, r/o V. Jaitu.
- (2) Shri Mohinder Singh, Devinder Singh ss/o Darshan Singh r/o V. Jaitu.
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 18 Kls. 9 Mls. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 319 of June 1982 of the Registering Authority Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4019.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Jaitu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—
58-516GI/82

(1) Shri Darshan Singh S/o Partap Singh through Mukhtiar-ai-am Partap Singh s/o Gurbax Singh r/o V. Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh, Devinder Singh, Ss/o Darshan Singh r/o V. Jaitu.

(Transferee)

(3). As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 Kls. 15 Mls. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 461 of June 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4020,-Whereas, I

L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Jaitu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Karter Singh S/o Gurbax Singh r/o V. Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Naginder Singh, Rajinder Singh Ss/o Jagdish Singh R/o V. Jaitu.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and land 19 Kls. 10 Mls. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 367 of June 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1983

Ref. No. A.P. No./4021.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Jaitu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daruhan Singh S/o Partap Singh, R/o V. Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Naginder Singh, Rajinder Singh Ss/o Jagdish Singh r/o V. Jatu.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 Kls. 16 Mls. situated in V. Jaltu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 444 of June 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1983

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4022.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar in June 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Shashi Bala W/o Dr. Ashok, Kumar Wadhwa r/o Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Bahadur Chand S/o Sardari Mal r/o Jalalabad Tehsil Faziika, and Harcharan Singh adopted s/o Puran Singh r/o V. Sobhu Teh, Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herela as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House and Shop and vacant site situated at Bank Road, Muktsar and persons as mentinoed in the registration sale deed No. 772 of June 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1983

Scal:

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4023,—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Ashok Kumar Wadhwa, S/o Manohar Lal r/o Muktsar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Raj Rani W/o Tirath Ram.
 r/o Muktsar and Smt. Gurdev Kaur w/o
 Harnek Singh r/o V. Sobha Teh. Muktsar.
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property House, Shop and vacant Site situated in Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 773 of June 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4024.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Roop Rani W/O Manchar Lei R/O Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh S/O Harnek Singh r/o V. Sobha Teh. Muktsar and Sh. Tirath Ram s/o Sunam Ram r/o Muktsar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House, Shop & Vacant Site situated in Muktsar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 774 of June, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4025.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule and situated at V. Sadio.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of ony income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurmeet Singh 3/o Harbel Singh and Ranjit Singh S/O Sajjan Singh s/o V. Sadiq Tehsil Faridkot.

(Transferor)
(2) Shri Ravinder Kumar, Vinod Kumar Ss/o Nathu Ram C/o M/S Nathu Ram Dumra, Rice Mills.
V. Sadiq Tehsil Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable

 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1536 of June, 1982 of the Registering Authority, Faridgot.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983,

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4026.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. as per schedule situated at

V. Sadiq

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to poy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

 Shri Avtar Singh S/O Sujjan Singh through Mukhtiar-ai-am Gurmit Singh s/o Harbel Singh r/o V. Sadiq Teh, Faridkot.

(2) Shri Ravinder Kumar & Vinod Kumac Ss/o Nathu Ram C/O M/S Nathu Ram Dumra Rice Mills, V. Sadiq Ten. Faridkot.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1537 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4027.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule and situated at V. Sadiq

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—516GI/82

(1) Shri Gurdit Singh S/o Sadhu Singh R/o V. Sadiq Teh. Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shri Narinder Kumar, Ashok Kumar ss/o Nathu Ram C/O M/S Nathu Ram Dumra Rice Mills, Sadiq, Teh. Faridkot.
 - (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1607 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot,

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983.

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. /4028.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule and situated at V. Sadiq

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the Office of the Registering Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said insrtument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Gurmakh Singh S/O Sadhu Singh r/o V. Sadiq Teh. Faridkot. and Tilak Raj S/O Ishar Dass r/o V. Sadiq Teh. Faridkot.
- (Transferor) (2) Shri Narinder Kumar, Ashok Kumar Ss/o Nathu Ram C/O M/S Nathu Ram Dumra Rice Mills, Sadiq Teh. Faridkot.

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1608 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4029.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule

and situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sat Pal S/O Labha Ram R/O EB-155, Kazi Mohalla, Jalandhar.
- (2) M/S Metal Ways Pvt. Ltd. through Sh. Om Sharan, Mukhtiar-ai-am r/o 188-A, Industrial Area, Chandigarh.
- (3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop situated at Romak Bazar, Jalandhar & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2167 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983.

FORM No. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4030.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kasturi Lal S/O Raja Ram r/o H. No. N. N. 310, Gopal Nagar, Jalandhar. (Transferor)
 - (2) Shri Ashok Kumar S/o Amar Nath r/o 31, Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop 2/5 share N.K. 6 situated in Subzi Mandi, Jalandhar & persons as mentioned in the registration salt deed No. 1803 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4031.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Kasturi Lal S/O Raja Ram r/o NN-310, Gopal Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shrimati Hukman Devi W/o Amar Nath r/o 31-Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop N.K. 6 (portion) situated in Subzi Mandi, Jalandhar & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2160 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4032.—Wheeras, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at V. Kingar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Shiv Dev Singh s/o Ujagar Singh and Rajbir Singh r/o V. Kingro, Teh. Jalandhar. Singh r/o V. Kingra, Teh. Jalandhar.
- (2) The Graduate Emp. Co-op. House Building Society, Ltd., Kingra.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 24 Kls. 14 Mls, situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1551 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4023.—Wheeras, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing

No. as per schedule situated at V. Wariana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Singh S/O Ladhe Singh r/o V. Wariana Teh, Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shri Narinder Kumar and Surinder Kumar Mehta Ss/o Rum Parkash r/o 434-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. 6 Mls. situated in V. Wariana & persons as mentioned in the registration sale 'deed No. 1613 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4034.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Wariana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pritam Singh S/O Ladhe Singh r/o V. Wariana Teh, Jalandhar,

(Transferor) Parkash

(2) Shri Vijay Kumar Mehta S/O Ram Parkash r/o 434-L, Model Town, Jalandhar. & Vijay Kumar S/O Lajpat Rai r/o Rly, Road, Nawan Shehar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. 6 Mls. situated in V. Wariana & persons as mentioned in the registration sale deed No 2006 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

(1) Shri Prithi Pal Singh S/O Tirath Singh 1/0 V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Punj Sheel Co-op. House Bldg. Society Ltd. Kingra.

(Transferec)

(3) Λs S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4035.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing No.

No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 22 Kls. 9 Mls. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2084 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

60-516 GI/82

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th Phruary 1983

Ref. No. A.P. No./4036.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Haripal Singh S/o Ujagar Singh r/o V. Kingar Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Satinder Jit Kaur W/o Karamjit Singh r/o 33, Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 15 Mls. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2104 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4037.—Wheeras, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prithi Pal Singh S/O Tirath Singh r/o V. Kingra Teh. Jalandhar.
- (2) The Punj Sheel Co-op. House Bldg. Society Ltd. Kingra, through Sukhbir Singh, President of the Society.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.
 Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given an that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 22 Kls. 9 Mls. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2084 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM ITNO-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4038.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Jagtar Kaur D/O Kartar Singh self and Mukhtlar-ai-am of Narinder Kaur and Kultar Kaur D/O Kartar Singh r/o 579, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Dhir s/o Dhani Ram r/o 21, Lajpat Nagar, Jalandhar,

(Transferee)
(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2291 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4039.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Jagtar Kaur D/O Kartar Singh self and Mukhtiar-ai-am of Narinder Kaur widow and Kultar Kaur urf Karter Kaur D/o Kartar Singh r/o 579, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Manjit Singh S/o Mela Singh r/o 4-Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. situated in V. Kingra & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2804 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4040.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule at V. Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sent. Mayadavi Wel/o Nanak Chandi through But Narain R/o Shastri Market, Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Smt. Baljit Kaur. W/o Malkiat Singh R/o Kothe Warring, Kot Kapura.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 32 Kls. 9 Mls. situated at V. Kot Kapura & persons as mentioned in the registration sale deed No. 1092 of June, 82 of the Registering Authority, Farldkot.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4041.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Rs. 25,000/- and bearing No. having a fair market value exceeding

As per scheduled situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

- (1) Sh. Narnam Singh S/o Sh. Bachan Singh, Jewellers, Hospital Bezar, Bhatinda Mukhtiare-am of Baldev Raj/Booya ratna-Sachathmakul S/o Moola Mall (Singh) S/o Gopal Das (Singh), 16-Sukhumrit, 501-24, Bengkok. (Transferor)
- (2) Shakti Bihar Co-operative House Building Societý Ltd., Bhatinda & its Members,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1575 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-2-83 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4042.—Whereas, f. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely—

(1) Sh. Harnam Singh S/o Bachan Singh, Jewellers, Hospital Road, Bhatinda Mukhtiare-am of Smt. Kartar Devi Wd/o Harbans Lal S/o Moola Mal.

(Transferor)

(2) Shukti Bihar Co-op, House Building Society Ltd. Bhatinda,

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1576 of June 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-2-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4043.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid ing persons, namely:-

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-61--516GI/82

(1) Sh. Durga Dass S/o Moola Mal (Singh) S/o Gopal Dass (Singh) 66-Goodman Road, Singapore.

(Transferor)

(2) Sh. Shakti Bihai Co-op. House Building Society Ltd., Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Officia Glazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1577 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-2-83

Sent:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4045.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhatinda in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Sh. Bhatinder Singh S/o
Sh. Harnam Singh, Jewellers, Hospital Bazar,
Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shakti Bihar Co-op, House Building Society Ltd., Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1579 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-83

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4046.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per scheduled situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amarinder Singh S/o Harnam Singh Jewellers, Hospital Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shakti Bihar Co-op, House Building Society Ltd, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given

THE SCHEDULE

'Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1580 of June 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. /4047.—Whereas, I, I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and

bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatinda in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shanti Devi Wd/o Rangu Ram R/o Multaina Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Tejinder Singh, Karamjit Singh Ss/o Baldev Singh S/o Sucha Singh, Kothi Sucha Sinih Back Side of Thermal Colony, Bhatinda Lakhbir Kaur Wd/o Sukhdev Singh V. Gogindgarh.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1931 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalendhar.

Date: 15-2-83

FORM I.T.N.S....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4048.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. As per schedule situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhatinda in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ghansham Dass & Ramji Dass Ss/o Rangu Ram R/o Multaina Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Tejinder Singh, Karamjit Singh Ss/o Baldev Singh S/o Sucha Singh Kothi Sucha Singh Back Side of Thermal Colony, Bhatinda. and Lakhbir Knur Wd/o Sukhdev Singh S/o Kartar Singh Vill. Gobindgarh. (Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1934 of June 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No./4049.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per scheduled situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ghansham Dass & Ramji Dass Ss/o Rangu Ram, Multaina Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Tejinder Singh, Karamjit Singh Ss/o Baldev Singh, Kothi Sucha Singh, Back side of Thermal Colony, Bhatinda. Lakhbir Kaur Wd/o Sukhdev Singh S/o Kartar

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

Singh Vill, Gobindgarh.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1935 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 15th February 1983

Ref. No. A.P. No. /4050.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃. 25,000/-and bearing

No, as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Savinder Singh S/o Gulzar Singh & P/A Mohinder Kaur, Ranwant Kaur Ds/o Gulzara Singh, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Narinder Pal Kaur W/o Surjit Singh V. Nahianwala.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein' as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1963 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-2-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1982

Rcf. No. A.P. No./4051.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Sh. Pritam Singh S/o Kunda Singh Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Raghubir Singh S/o Mal Singh Rampura Phool.
2. Mukhtiar Kaur W/o Ranjit Singh, Rampura Phool.
3. Balbir Singh S/o Chanan Singh R/o Rampura Phool.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1975 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Julandhar.

Date: 17-2-83

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4052.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-62--516GT/82

(1) Sh. Pritam Singh S/o Kunda Singh Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur W/o Mol Singh 2. Mukhtiar Kaur W/o Raujit Singh 3. Harpal Singh S/o Ajmer Singh R/o Rampura Phool.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1976 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1982

Ref. No. A.P. No./4053.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhatindo in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Boota Singh S/o Hazoora Singh R/o Kapur Basti, Barnala Road, Bhatinda. (Transferor)

(2) Gurtej Singh S/o Balwant Singh Danewal 2. Virender Singh & Tejinder Singh Ss/o Baldev Singh R/o Vill. Doomwali near Dabwali.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2004 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Julandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 17-2-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 4982

Ref. No. A.P. No./4054.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Angrej Singh S/o Jallour Singh C/o Guru Nanak Cold Store, Bibiwala Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Bant Singh S. o Chatter Singh Vill. Sema Kalan and Dhani Ram S/o Ishar Ram Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2008 of June. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1982

Ref. No. A.P. No./4055.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

under Section 269B of being the Competent Authority the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhatinda in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Jugraj Singh S/o Sucha Singh Mehna Mohalla, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Jagmohan Singh Gill, Satinder Kaur, Kuldip Kaur, Gurmit Kaur & Adarsh Kaur Children of Harsharan Singh Gill R/o Bagha Purana Teh. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2036 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-2-83

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1982

Ref. No. A.P. No./4056.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25000/- and

bearing No. As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule nunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpa Devi D/o Dina Nath R/o Ferozepur.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi W/o Ram Parkash and Bimla Devi W/o Mohinder Lal R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2041 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 17-2-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTITON RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4057.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. -

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatada on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harnam Singh S/o Bachan Singh P/A of Kartar Devi W/o Harbans Lal S/o Moola Mal R/o 66, Goodman Road, Singapore.
- (2) Shakti Bihar Co-op. House Building Society Ltd., Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2062 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandbar

Date: 17-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4058.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the composition of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harnam Singh S/o Bachan Singh P/A of Kartar Devi W/o Harbans Lal S/o Moola Mal R/o 66, Goodman Road, Singapore.
- (Transferor)
 (2) Shakti Bihar Co-op. House Building Society Ltd.,
 Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr No. 2 above. (Person in accupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2063 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983

(Transferee)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalundhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4059.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding able property, Rs. 25,000/- and

bearing No.

As per Schedule situated at Bhatnda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Harnam Singh S/o Bachan Singh P/A ot Baldev Raj S/o Moola Maj (Singh) S/o Gopal Dass 16-Sukhumrit Road, SH-24, Bangkok, Thailand.
 - (Transferor)
- (2) Shakti Bihar Co-op, House Building Society Ltd., Bhatinda
- (3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2064 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalanchar

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4060.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in June. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 Cof the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—53—516 GI/82

(1) Shri Jit Singh S/o Kunda Singh Bhucho Mandi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala W/o Sham Lal Bhatinda C/o Bastant Tea Coy., Sirki Bazar, Bhatinda

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the endersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2073 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalardhar

Date: 17-2-1983,

NOTICE UNUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4061.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Maksdoopur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Prem Sagar Sharma S/o Daryaditta R/o 22, Tagore Garden, Jalandhar

(Transferor)

(2) Shri Haripal Singh S/o Labh Singh R/o WD-122, Ali Moballa, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2015 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Rcf. No. A.P. No. 4062.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at transfer on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mukhtiar Singh S/o Pala Singh Baldev Singh S/o Gurbachan Singh R/o Basti Nanksar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmel Kaur W/o Kuldip Singh Gali No. 9, Dogar Basti,

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

Faridkot.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 35 Kls. 2 Mls. situated in Faridkot and Person as mentioned in the Registration sale deed No. 1615 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4063.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mukhtiar Singh S/o Gurbachan Singh urf Gurcharan Singh and Mohinder Singh S/o Pala Singh R/o Basti Nanksar, Faridkot,
- (2) Smt. Gurmel Kaur W/o Kuldip Singh R/o Gali No. 9, Dogar Basti, Faridkot,

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 35 Kls. 2 Mls. situated in Faridkot and Person as mentioned in the Registration sale deed No. 956 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Rcf. No. A.P. No. 4064.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Lakha Singh, Kashmir Singh and Wazir Singh Ss/o Sadha Singh R/o Basti Nanksar, Faridkot.
- (Transferor) (2) Shri Balhar Singh S/o Jarnail Singh,

R/o Feroze Shah (Feru Sheher).

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official (Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 41 Mls. 17 Mls. situated in V. Faridkot and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1775 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4065.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Mohinder Singh, Parget Singh and Wazir Singh Ss/o Sadha Singh R/o Basti Nanksar, Faridkot.
- (2) Shri Naunihal Singh S/o Jarnail Singh R/o Feroze Shah (Feru Shaher) Teh. Faridkot.

(Transferce)

(Transferor)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons wanchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMILANATION:—The terms and expressions used herein 33 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 46 Kls. 6 mls. situated in Faridkot and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1774 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983.

(1) Shri Nathu Ram S/o Mahesha Ram R/o Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh S/o Dalip Singh R/o V. Arya Wala Kalan Teh. Faridkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4066.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering *Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 41 Kls. 18 Mls. situated in Faridkot and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1495 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. 4067.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Nathu Ram S/o Mahasha Ram R/o Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shri Balbir Singh S/o Dalip Singh R/o V. Arya Wala Kalan Teh. Faridkot. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 41 Kls. 18 Mls. situated in Faridkot and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1438 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983,

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Rustam Singh S/o Iqbal Singh R/o 351, New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Lasco Eng. Co. Bye-Pass Road, P.O. Teh. Jalandhar. Jalandhar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 19th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4068 & 4071.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No.

bearing No.
As per Schedule situated at Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Building and land situated in Maksoodpur and persons as mentioned in the registering sale deed Nos. 1950 and 1988 of June, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

ng Date: 19-2-1983

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—64-516 GI/82

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 19th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4069 & 4070.—Whereas, J, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Maksoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurbax Kaur, R/o V. Khun Khun.

(Transferor)

 M/s. Lasco Eng. Co. Byenass Road, P.O. Lideran, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sl. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land and building situated in Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 1955 and 1987 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 19th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4072 & 4073.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagat Singh S/o Labh Singh R/o V. Dhure.

(Transferor)

(2) M/s. Lasco Eng. Co. Byepass Road, P.O. Lideran, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land and building situated in Maksoodpur and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 3042 and 3059 of July, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-2-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No. 4074.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C et the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parkash Wanti W/o Som Nath, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Satish Bhalla S/o Kundan Lal (Wine Contractors) Civil Lines, Bhatinda.
2. Amrit Pal S/o Chanan Ram, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as tere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1879 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4075.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which hhave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shrimati Parveen Lata W/o Prem Nath Bhatinda.
- (2) Shri Ramesh Kumar S/o Babu Ram
- (2) Shri Ramesh Kumar S/O Babu Ram Gidderbaha Mandi.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 1574 of June 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4076.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sarla Rani W/o Bachan Dass Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Rasuecla Devi W/o Jagan Nath 601, Urban Estate, Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be

 (interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1878 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4077.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagan Nath S/o Neem Nath Vill, Gill Patti.

(Transferor)

(2) Shri Thakur Ram Singh & Rattan Singh Ss/c Shem Singh, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(1) Any other person interested in the property.
(1) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1795 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4078.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bering

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-text Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jangir Singh, Mukand Singh Ss/o Santa Singh Vill. Patti Gill.

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. Surinder Kumar Gupta,
 - 2. Ram Saroop S/o Kulwant Rai,
 3. Amar Nath Singla S/o Baboo Ram Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be

interseted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration cale deed No. 2530 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Inlandhar

Date: 17-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. AP. No./4079.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—516GI/82

(1) Shrimati Parkash Wanti W/o Som Nath Bhatinda

(Transferor)

(2) Shrimati Darshana Kumari W/o Sadho Parshad, Bishan Kumar S/o Saroop Chand, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(1) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1880 of June, 1982 of the Registering Authority. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th February 1983

Rcf. No. A.P. No./4080.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kewal Krishan S/o Sobha Ram R/o House No. 819-R, Amrik Singh Road, Bhatinda.
- (Transferor)
 (2) Shri Darshan Singh S/o Gurbachan Singh R/o H. No. 819-R, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interseted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2238 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 19-2-1983

FROM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1983

Ref. No. A.P. No./4044.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed

hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Inderjit Singh S/o Harnam Singh, Jewellers, Hospital Bazar, Bhaitnda.

(Transferor)

(2) Shakti Bihar Co-op. House Building Society Ldt., Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1578 of June, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th January 1983

No. G.I.R. No. S-256/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 126/19 (Old No. 27) situated at Bisheshwar Nath Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 5-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1 Smt. Akhtar Jahan Begum

2. Shri Mohd. Wali Alias Arit Mian

(Transferor)

(2) Smt. Shahida Parveen

(Transferce)

(3) Above sellers and the following tenants:

Shri Syed Mohd. Taqi
 Smt. Shobha Sharma Alias Martin

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 126/19 (Old No. 27), measuring 3515 sq. ft. situated at Bisheshwar Nath Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2272, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 5-6-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-1-1983

FORM 1.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 626/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 8-3-978/16 situated at Yellarddy guda Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Amtul Hameed & Zaiba Farzana part No. 2 10-3-304/12 Hyderabad-28.

(Transferor)

(2) Shah Mohmmed Khan 34-2RT Chndulal Baradori Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8-3-978/16 Yellareddyguda, Srinagar (Both Ground floor & first floor) (area G.F. 950 sft. F.F. 650 sft) registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4637 & 4638/82:

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-83

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 587/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat 401 situated at Ranigunj Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, ;1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

M/s Babukhan Builders,
 No. 5-4-86 to 92, M. G. Road,
 Represented by Shri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Sri A, V, V. G. Laxman Rao, Eluru, West Godavary Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Shop/Show Room No. 401 in 4th floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 1621 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4787/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 588/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 111 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
- (2) P. Koteswara Rao, Eluru.

(Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 111 in First Floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 270 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4790/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-2-1983

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 589/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 12 & 38 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o Late A. K. Babulhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
- (2) B. Kondalah 1-8-430/10 Chikkadapally, Hyderabad.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 & 38 in 1st & 3rd lloor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 752 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4838/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOMF-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD
Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 590/82-83.—Whereas I, M. JFGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 301 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—66—516GI/82

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Syndicate Steel Re-Rolling Mill Ltd. Arya Samaj Mandir, 2nd Floor, 15-2-676, Kisan Gunj, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 301 in 3rd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabud area 1624 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4837/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 10-2-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 591/82-83.—Whereas 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Iroome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 119 & 120 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

- M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o Lato A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
- (2) M/s. Dinesh Kumar Family Trust, 5-5-23, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fint No. 119 & 120 in floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 1056 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4836/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 10-2-1983

Seal:

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 592/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Hat No. 221 & 222 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Babukhan Builders,
 No. 5-4-86 to 92, M. G. Road,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan,
 S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.
- (2) Smt. Basheerunnisa Baig, and others 6-3-866/2, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 221 & 222 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 394 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4835/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 10-2-1983

FORM I.T.N.S. (1) M/s. Babukbar

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 593/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 21

situated at Ranigunj Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

aster A. Chandra Kant, (Transferor)

 Master Λ. Chandra Kant, S/o Dr. Adasaratha Naidu, Jagtial, Kareemnagar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 21 in Ground floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 400 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4834/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 594/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 434 & 435 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri D. V. Punnaiah Sarma, S/o Sri D. V. Ramana Sarma, Eluru, West Godavary Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 434 & 435 in 4th floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 698 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4833/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

Her THIS -

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 595/82-83, -Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat 48 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execueds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa I property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sultanuddin Khan S/o Sri Masood Ali Khan, R/o Aiwan-E-Begumpet, Police Lines, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 48 in Ground floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises' bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 293 sq ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4832/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 596/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

No. Flat 110 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaids property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bhupendr Singh 5-4-143, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person, interested in the said immovable, property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 110 in 1st floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 303 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4828/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 597/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Flat 148 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92 M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ayesha Begum, 3-6-316/A, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 148 in 1st floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 317 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4830/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Babukhan Builders,
 No. 5-4-86 to 92, M. G. Road,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ayasha Rahu, 3-6-361/17, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 598/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat 112 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—67—516GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 112 in 1st floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 215 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4827/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 10-2-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HVDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 599/82-83.—Whereas I, M. JEGAN

MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing
No. Flat 133 situated at Raniguni Secunderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyerabad on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely :--

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Meherunisa Begum, 3-6-106, Bashirbagh, Hyd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Room No. 133 in 1st floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 244 sq. ft. registered with Sub-registrar, Hyderabad vide document No. 4826/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 600/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 132, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Chiasuddin Babu Khan, S/o. Late Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Meharunnisa Begum 3-6-106, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 132 in 1st floor in the building known as A1-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigun, M. G. Road, Secunderabad area 244 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4825/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet. Hyderabad.

(Transferor)

 A. Ramachandra Rao, R/o, 1005, Minar Aparaments, Bashcerbagh, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 601/82-83.—Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat 11 situated at Ranigunj Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 in Ground Floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 228 sq. ft. registered with Sub-Registrar in Hyderabad vide document No. 4789/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 602/82-83.—Where I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 442 to 445 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ambica Prasad, Eluru, West Godavary District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Shop/Show Room 442, 443. 444 445 Fourth floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad areas 1064 sq. ft. raegistered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4788/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref No. RAC No. 603/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat 242 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at Hyderabad on June. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

2. Smt. Medisetti Rajeswari, Gyan Bagh Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 242 in 2nd floor in the building known as A1-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 276 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4916/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Repaka Dhanajya Gyan Bagh Colony, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RΔC No. 604/82-83,—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 242 situated at Raniguni Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 242 in 2nd floor in the building known as A-1 KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 276 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4917/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 605/82-83.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat 113 situated at Ranigunj Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

2. Smt. Sultana Khatoon, W/o Sri Hameeduddin Khan, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 113 in First floor in the building known KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 82, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 244 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4920/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 606/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat 231 situated at Ranigunj Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
68—516GI/82

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Repaku Vajamma, W/o. R. Venkataiab, R/o, Chudi Bazar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 231 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 280 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4919/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. No. 564–82-83.—Whereas I, M. JEGAN $\hat{\mathbf{M}}$ OHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Flat 34 situated at Basheerbugh Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

- (1) M/s. Anand Building Corporation by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand s/o. Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Smt Lakrhmi Gandhari, Bherumal Mansion, Basirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flt. No. 34 in Gopal Bhavan M. No. 5-9-29/40 at Basheerbach. Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4559/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref.. No. RAC No. 565/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat 41 situated at Basheerbhga Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Anand Building Corporation by Sri Anil Kumar, GFA Mr. Lakshmichand s. o. Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad. (Transferree)
- (2) Shri Rajaram Mohan S. o C. V. Krishna Rao, Bhermal Mansion, Bashirbagh, Hyderabad, (Transferree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41 in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Basheerbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabda vide Document No. 4558/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Resf. No. RAC No. 566/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat 24 situated at Basheerbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 M/s. Anand Building Corporation by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand s/o. Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad. (Transferor)

Mrs. Sheela Gill,
 W/o. Chersingh, Bashirbagh, Hyderabad.
 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24 in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-/40 at Basheer-bagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4557/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Dated: 10-2-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

Ref. RAC. No. 567/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Anand Building Corporation, by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand S/o. Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Sri K. V. Dhoot, C/o. Bhermal Mansion, Bashirbagh, (Gopal Bhavan) Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. —— in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Basheerbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4398/82.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

Ref. RAC. No. 568/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat 9 situated at Basheerbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Anand Building Corporation,
 by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand
 S/o Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad.
 (Transferor)
- (2) Mrs. Nalani J. Aurangabhadkar, Gopal Bhavan, Flat No. 3, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grantes.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Basheerbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4399/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

Ref. RAC. No. 569/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

No. Flat —— situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Anand Building Corporation, by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand S/o. Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Nalini Prabhakar Doshi, Flat No. 3, Gopal Bhavan, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. —— in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Basheetbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4400/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

Ref. RAC. No. 570/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat 21 situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or e
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Anand Building Corporation, by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand S/o. Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Iqbal Karan, 10-7-287/1/7, Shantinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Basheerbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4566/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

Ref. RAC. No. 571/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat 2 situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
69-516GI/82

 M/s. Anand Building Corporation, by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand S/o. Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad.

Transferor(s)

(2) Smt. Vijayalakshmi Saxena, W/o. Dr. Rampal Pratap Mathur, 5-9-24/42/9, Hyderabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Bashcerbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4562/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

Ref. RAC. No. 572/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

at Hyderabad on June, 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Flat 14 situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Anand Building Corporation, by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand S/o Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Dr. Tuljaram Pataley, S/o. V. R. Pataley, Padmaraonagar, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14 in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Basheerbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4561/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE; HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

Ref. RAC. No. 573/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat 3 situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Anand Building Corporation, by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand S/o. Razumal, 126, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Miss Kamala Ramachand Sandhani, Bherumal Mansion, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 (S.M.C.H. 9-5-29) in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Basheerbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4560/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

Ref. RAC. No. 574/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 276 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
 (Transfexor)
- (2) Smt. K. Nagamani, 5-3-1069, Nizamsahi Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 276 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 276 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4914/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 575/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat 244 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagb, Begumpet, Hyderabud.

(2) Repaka Laxmaiah, Gyan Bagh, Hyderabad. (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 244 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderábad area 276 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 4915/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad (Transferor)

(2) Repaka Veeraiah, R/o Gyan Bagh, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 576/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat 243 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Office No. 243 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 276 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 4913/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad, A.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC No. 577/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 42 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
- (2) Mohd. Muntajebuddin S/o Sri Mohd. Muntajebuddin, Flat No. 1, Dillu Apartment: Opp. Hockey Stadium, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 42 in Ground floor in the building known as Al-KARIM- TRADE CENTRH in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road Secunderabad area 205 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4911/82.

M, JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, -S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad. (Transferor)

(2) Kum. Chi A. Srisubbalakshmi, D/o A. Muralikrishna Mohana Rao, R/o, Peddapadu, Eluru, West Godavary District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 578/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 432 & 433 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moone of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Queette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 432 & 433 in 4th filoor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 698 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4912/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1983.

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Khair Khan, S/o Rafiuddin Khan, Police Lines, Begumpet, Scunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 579/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 41 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 41 in Ground floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 252 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4910/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—70—516GI/82

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 580/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 35 situated at Ranigunj, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad,

(2) Miss. Urusunnisa,
D/o Hameeduddin Khan,

Police Lanes, Begumpet, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 35 in Ground floor in the building known as A1-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 212 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4909/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 581/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Flat No. 34 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Naseeruddin Khan, Police Lines, Begumpet, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 34 in Ground floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 212 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4908/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. . . .

Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Srî S. Ravi Kumar, 15-6-8, Siddim Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 582/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 235 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

M/s. Babukhan Builders,
 No. 5-4-86 to 92, M. G. Road,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Room No. 235 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 304 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4907/82.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 583/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flet No. 237 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Samudrala Raghavulugari Chandriah Trust, 15-6-8, Siddiambar Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 237 in 2nd floor in the building known as A1-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 314 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4906/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 584/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 236 situated at Ranigunj, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Babukhan Builders,
 No. 5-4-86 to 92, M. G. Road,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S Shiva Kumar, S/o S. Chandraiah, Feelkhan, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 236 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 304 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4905/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 585/82-83.—Whereas, I, M. 1EGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 246 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Nalini Bai, 16-6-69/5, Chanderghat, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 246 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj. M. G. Road, Secunderabad area 276 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4903/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 586/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 234 situated at Ranigunj, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under pub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

.... (1). M./s. Babukhan Builders,
No. 5-4-86 to 92, M. G. Road,
Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan,
S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh,
Begumpet, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Padma Venkateswara Rao, 15-8-330/1, Feelkhana, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 234 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 304 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4904/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC No. 622/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Land situated at Madinaguda village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. R. Dt. in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of tha foresaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

71---516GI/82

(1) Smt. Chandra Devi & others GPA Indrajit Singh 21-1-400 Rikabgunj Hyderabad.

(Transferor)

(2) Vighneswara Co-operative House Building Society Ltd, Rep. By Kasinoth & others Navsinghi Hyedarabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 54B Division I 4 Acres at Madinaguda Hyderabad registered with Sub-Registrar R. R. Dt. vide Doc. No. 5469/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1)-Sri Iswar Rao GPA of A.P.II.C Ltd. 8-3-315/70 Yellareddyguda Hyderabad.

5/70 Yellareddyguda abad. (Transferor)

(2) M/s Premier Industries Ltd. S. Pullaiah 3-5-119/11 Kachiguda 'X' Roads Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 623/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Shed No. C 18 situated at Sanathnagar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. C-18 Sanathnagar Hyderabad area 1192.22 sq. yards registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 4377/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Daté: 15-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. G. Nayar House No. B-3 Jyothi Apartments Amecapet Hyderabad.

(1) Smt. S. Premalatha

Secunderabad.

H. No. 133 West Maredpally

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Rcf. No. RAC 624/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.6 and bearing No. Flat No. 4 situated at

Aparna Apts, Begumpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhanagar in June 82

for an apparent consideration-which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 First floor Aparna Apartments Begumpet Hyderabad registered with Sub-Registrar Vallabhnagar vide Doc. No. 492/82.

M. IEGANMOHAN, Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-2-83

Scal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hydernbad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 625/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 8-2-324/1 situated at Jublilce Hills Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 for an apparent consideration which is less than the fair of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in June 82 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of study coppipuls out that the said instrument of study copping the said instrument of said instrument of study copping the said instrument of said ins

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. G. S. Kothwala 21 Wolkort House West field Estate Bholabai Desai Road Bombay.

(Transferor)

(2) H. G. Suryakumar 6-3-347/47 Dwarakapuri Colony Panjagutta Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8-2-324/1 Jubilee Hills Road No. 3 & 7 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4468/82.

M. JEGANMOHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-83

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1983

Ref. No. RAC-No. 509/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. 42/2 situated at Kanuru Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Vijayawada in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which kave not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Satyanaraya Arandalpeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Panchayat Raj Diploma Engineers Co-op., Building Society Regd. No. G-2779, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official "Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Kanuru of Vijayawada in R. S. No. 42/2 area of Ac. 4-50 Cents registered with S.R.O., Vijayawada in 4 documents, documents Nos. 6842, 6582, 7149, 6582/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 1 4-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th February 1983

Ref. No. RAC 627/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 18 situated at Somajiguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income, arising from the transfer; and/οτ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. G. Pramada GPA Sri G. Ravinder Rao H. No. 4-117/B Saroornagar Hyderabad.

 Smt. G. Yesoda Devi Medapally Narasampet Taluk Warangal Dt. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18 in Survey No. 19/B somajiguda, Hyderabad registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 4646/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderubad (A.P.)

Date: 9-2 1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 628/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3-5-873 situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the morefully described in deed No. 5326 dated 4-6-82 registered (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Matrusri Engineers & Builders Pvt. Ltd. 3-5-8/3 Hyderguda Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Gade Ganga Saraswati W/o Late Suryanarayana murthy 3-5-45/2 Hiden Bahg Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 'C' Block 404 Matrusri Apartments area 1074 sq. ft. registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc. No. 703/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC 629/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 59 situated at Karmanghat Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad East in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri T. Kesava Reddy, 2. T. Ram Reddy and Others, Moosopet village. R.R. Dt.
- (2) Panchayatraj Teachers' Cooperative Housing Society Ltd., Karmanghat, T.B. No. 316, Hyderabad 27-A, Old M.L.A, Quarters.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land part of S. No. 59, 40 acres situated at Karmanghat Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad East vide document No. 4121/82:

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Γ_{cl} and Jalandhar

Dated: 10-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 630/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-10-196/208 situated at

Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or cher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

72—516GI/82

- (1) Uma Karan Tej Karan Jainti Place 1-10-179/206, Begumpet, Hyderabad-500 016. (Transferor)
- Smt. Ayesha Munceb Siddique 8-3-166/C/7 Erragadda, Hyderabad-18.

(Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104—1st floor, Jainti Apartments, Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O. Vallabhnagar, vide document No. 820/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-2-83

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 631/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-10-84/142 situated at Begumpet, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. G. E. Chiodetti, 1-10-84/142, Begumpet, Hyderabad.
- (2) Sri K. Venugopal Reddy, 1-10-84/142 Begumpet, Hyderabad-16.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the aervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-10-84/142, area 905 sq. yds. at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1245/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 10-2-83

- - M. H

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC No. 632/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 134, 181/1 situated at Gaddiannaram Saroornagar Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. B. Ranga Navakamma, W/o late Venkateswata Rao, 2. Sri V. Venkataratnam and Sri B. S. K. Chowdary, R/o Addadda village, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) Sri Shivalingappa and Others, Troop Hazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open lands S. Nos. 314, 318 admeasuring 1637,9 sq. yds. registered by the S.R.O. Hyderabad vide documents Nos. 4311, 4312 and 4348/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 10-2-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 633/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

House No. 16-7-774 to 776, Azampura, Hyderabad area (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Hasan Banu Begum W/o late Mohd. Mahmood Ali H. No. 16-7-776 at Azampura, Hyderabad.
- (Transferor)
 (2) Sri K. Zahoor Ahmed, S/o K. Mohd. Eisa
 II. No. CIB, No. 56, Old Malakpet,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16-7-774 to 776, Azampura, Hyderabad areas 264 sq. yds. registered by the S.R.O. Azampura, vide document No. 2067/82.

M. JEGAN MOHAN; Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 10-2-83

ear:

Sti N. Sivaiah \$/o Late N. Swamireddy No. 46/347, Budhavarapupet, Kurnool,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sci Indira Traders, Kurnool Managing partner Sri T. Veera Sekharam and Others, 18/111, Postal Colony, Kurnool. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 634/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Kallum Kurnool

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kurnool on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Kalluru village Kurnool area 0-75 acres registered by the S.R.O. Kurnool vide document No. 2489/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 10-2-83 Seal:

FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Rcf. No. RAC No. 635/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at

Kalluru Kurnool

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Narayanamma, W/o Yellappa and other Lakshmipuram, Kurnool.
- (2) Mallikarjuna Traders, Managing partner Sri K. Guruvaiah, shop No. 29, Sharoff Bazar, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Agricultural lands at Kalluru village, Kurnool area 1 acre registered by the S.R.O., Kurnool vide document No. 2734/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
sapecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 10-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Rcf. No. RAC No. 636/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

land situated at

Kalluru Village, Kurnool

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) Sri G. Siva Reddy, S/o Sanjeeva Reddy, Dinnedevarapadu village, Kurnool Tq.
- (2) M/s Lepakshi Estate Traders, Kurnool Managing partner Sri Y. Balireddy, 66/45, Kota, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1 acre at Kalluru village, Kurnool town registered by the S.R.O., Kurnool vide document No. 2568/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 10-2-83

Scal;

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC No. 637/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

4-1-306 situated at

Troop Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 127 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. K. Sujatha, W/o K. Vinod Reddy, Troop Bazar, Hyderabad,
- (2) Sri Suman Kumar, S/o Late Nandalal, 4-1-306, Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-1-306, Troop Bazar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4554/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated: 10-2-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Hyderabad. (2) Baluii Bhagyanagar Co-ope

(1) Sri Nawab Fazal Ahmed Khan, R/o Mubarak Manzil, Ramkote,

(Transferor)

(2) Baluji Bhagyanagar Co-operative Housing Society Ltd., Rep. by Srl D. Surendra Rao, New M.L.A. Quarters, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD. (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

RAC No. 638/82-83.—Whereas, I, M. IEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.12 situated at Bagh Lingampally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 12, Bagh Lingampally, Hyderabad area 600 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 4778/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

73—516GI/82

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 639/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-5-784/15/1 situated at King Koti, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

M/s Kushal Apartments,
 3-5-784/15/1, King Koti, Hyderabad,
 Rep: by Sundermal Lunani,
 Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Rakesh Mehta, S/o Shri Kishanchand Mehta, 101, Kushal Apartments, King Koti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-5-784/15/1, King Koti, Hyderabad area 1435 sq. yds, registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 4806/82

M, JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 640/82-83.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1981) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3-5-784/15/1 situated at King Koti, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Kushal Apartments, Rep: Sri Sundermal Lunani, S/o Indermal Lunani, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Devi. W/o Shri Syam Sunder Damani, and others, H. No. 3-5-784/15/1, King Koti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-5-784/15/1, King Koti, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 4351/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1983

(1) M/s Kushal Apartments, King Koti, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rekha Devi W/o Shri Bhawarlal Madras.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 64/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-784/15/1 situated at King Koti, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/31 share in M. No 3-5-784/15/1 King Koti Hyderabad area registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 4352/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 15-2-1983

. Seal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 642/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. 3-5-784/15/1 situated at King Koti, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Kushal Apartments, King Koti, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Subodh Construction Pvt, Ltd. Ashok Kumar Runwal F-9 Dathaguru Society, Chamber, Bombay-88.

. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided Share 1/29,75 MCH No. 3-5-784/15/1 King Kothi, Hyderabad, registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 4354/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1983

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION-269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 643/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 103 situated at Janata Apartments, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Uma Karan Tejkaran Jainti Place 1-10-179/206, Begumpet, Hyderabad-16.

(Transferor)

(2) Smt. Gita Karan 8-2-547 Dharam Mansion Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 Janta Apartments Begumpet, Hyderabad, registered with Sub-Registrar Vallabhnagar vide Doc. No. 819/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 644/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 304 situated at Januta Apartments, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vallabhnagar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-try Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Uma Karan & Tejkaran Jainti Palace 1-10-179/206, Begumpet, Hyderabad-16.

(2) Shri Mohd Salman 111 Brindavan Apartments Saifabad, Hyderabad

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 Janata Apartments 1-10-19/208 Begumpet Hyderabad registered with Sub-Registrar Vallabhnagar vide Doc. No. 824/82.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1983

Ref. No. RAC 645/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-5-784/15/1 situated at King Kothi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor so pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Kushal Apartments, King Kothi, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kishanlal Jawer S/o Shri Agarchand Javer 4-7-918 Esamia Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undevided share in M.C.H. 3-5-784/15/1 King Kothi Hyderabad registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 4636/82.

M. JEGAN MOHAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC 514/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 202 situated at

Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

71---516GI/82

(1) M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master H. Laxshminarayana, 3-5-886, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 202 in the 2nd floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up supper plinth area of 1608 sft. registered with the SRO, Hyderabad vide Doc. No. 4958/82

M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydernbad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983.

Ref. No. RAC 515/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 102 situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and, more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair' market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S o late A. K. Babukhan Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.
- (2) Smt. B. Veena Reddy, W/o Dr. Surender Reddy, 2-2-1138/2, Newnallakunta,

Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-hoom/Parking space No. 102 in the 1st floor of Mogul's Court of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1608 sft. registered with S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 49959/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad A P

Date: 10-2-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC 516/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Show Room No. 2 situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Show Room No. 2 situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderaoad Hyderabad on June, 1982

(1) M/s Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Kareem Babukhan, Family Trust, 5-9-58/1, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the _____ , rty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mecaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. Show Room No. 2 in the Offound floor of 'MOGUL'S COURT' of Decean Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built-up super plinth area of 2400 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc, No. 960/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad A.P.

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC 517/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Show Room No. 1 situated at

Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income for any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Nayeem, S/o Shri M. M. Khaja, 5-9-303 Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space S.R. No. 1 in the Ground floor of 'Mogul's Court of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built-up super plinth area of 2400 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4961/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC 518/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. 24 Garrage situated at

Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o late A. K. Babukhan,
 Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Sunder Sham Swamy, S/o Sri M. J. Swamy, 3-6-15/2, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 24 Garrage in the floor of 'Mogul's Court' of Decean Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirgabh, Hyderabad with a built-up super plinth area of 4 sq. ft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4962/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Rcf. No. RAC 519/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority -under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 103 situated at

Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-69, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Amrender Reddy, S/o Sri G. Sudhakar Reddy, Fl. No. 302, Mogul Apartments, Decean Towers, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective. persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 103 in the 1st floor of 'MOGUL'S COURT' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1508 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4963/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad A.P.

Date: 10-2-1983

Sctal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC 520/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 101 situated at

Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hyderabad Builders, 5-9-69, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ghiasuddin Babukhan, Family Trust, 6-3-1111. Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

"Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 101 in the 1st floor of 'MOGUL'S COURT' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1518 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4964/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Juspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad A P.

Date: 10-2-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC 521/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 801 situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

Hyderabad on June, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Anuradha, C/o Ampro Food Products, 15-4-188, Osmanshahi, Hyderabad-500 012.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 801 in the 8th floor of 'MOGUL'S COURT' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1518 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 5415/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad, (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 522/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 702.

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, -Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. G. Santhamma, 6-3-890, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 702 in the 7th Floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1608 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4684/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

75—516GI/82 .

Date: 10 2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 523/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovab-property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 701,

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on June, 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.
- (2) Sri G. Ranga Reddy," 6-3-890, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

(Tansferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 701 in the 7th Floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 15/8 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4683/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date ; 10-2-1983

Seal ?

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 524/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 302,

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Aleem, H. No. 5-9-303, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/OfficeGarrage/Show-room/Parking space No. 302 in the 3rd floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1608 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4682/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10,2-1983

· Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX. ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TEX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 525/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 301,

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair, market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. M. Khaja, 5-9-303, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 301 in the 3rd floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1518 sft, registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4681/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Rcf. No. RAC. 526/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No-Flat No. 303 situated at Mogul's Court' Deccan Towers, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed, hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiæsuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-11[1] Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Yousuf Pasha, w/o M. M. Khaja, 5-9-303, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transefrec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 303 in the 3rd floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1508 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4680/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC 527/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 309,

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Saleem, 5-9-60, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 309 in the 3rd floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirpagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1435 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4679/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10 2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 528/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Garrage No. 23,

situated at Mogul's Court, Decean Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60. Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Narithakaran, d/o Mrs. Leela Karan, Charminar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. Covered Garrage in the floor of 'Mogul's Court, of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashiroagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 171 aft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4935/

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 529/82-83,---Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Garrage No. 10,

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Padmaja Reddy, w/o V. Vasudev Reddy, 4-1-2/1, Edenbagh, Kingkoti, Hvderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space Garrage No. 10 in the floor of 'Moguls Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4936/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 530/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 204,

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
76—516GI/82

(1) M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. V. Appa Rao & Mr. A. S. Madhav Rao, H. No. 1-1-750/3, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Elat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. Flat No. 204 in the Ground floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 346 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Moc. No. 4937/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 531/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 4,

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad-(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukban,
 s/o late A. K. Babukhan,
 Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Alamdar Hussain, Flat No. 604, Mogul Apartments, Deccan Towers, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. S. No. 4 in the Ground floor of 'Mogul Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 390 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc No. 4938/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 532/82-83.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax-Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Baxmt No. 1, situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :---

(1) M/s. Hyderabad Builders, N. Fryderabad Binders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master M. A. Nayeer s/o Sri M. M. Khaja, 5-9-303, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. Baxmt No. 1 in the Cellar floor of 'Mogal's Court' of Decean Towers complex in the premises No. 5.9-60 Bashirbagh, Hyderabad with the S.R.O., Hyderabad vide Doc No. 4939/ 82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 533/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Show room No. 2. situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on, June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons. namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Kareem Babukhan, Family Trust, 5-9-58/1, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferce)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a, c, ..., c, aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A.M., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. Show No. 2 in the Ground floor of 'Mogul's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 2175 st. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4940/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Rcf. No. RAC. 534/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-und bearing

Flat No. 704.

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Farida Banu, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704 in the 7th floor of 'Mogal's Court' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-50 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1435 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4941/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 535/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hydcrabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(2) Smt. N. Samyukta, 10-2-4, East Maredpally, Secunderabad-500026.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604 in the 6th floor of 'Mogul's Court' of Decean Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1435 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4942/

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 536/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 504.

situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. V. Sharada Devi, w/o V. Alwær, Master V. Srinivasa Rao, s/o V. Alwar, H. No. 4-2-16 to 18. Rastrapati Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. 504 in the 5th floor of 'MOGUL'S COURT' of Decean Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1435 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4943/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC. 537/82-83. Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. situated at Mogul's Court, Decean Towers, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Hyderabad Builders, No. 11 Metabata Binders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Afzarunnisa G. Ahmed, 3-5-874/13, Hydergunda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/Office/Garrage/Show-room/Parking space No. in the floor of 'MOGUL's COURT' of Deccantowers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1435 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4944/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

Ref. No. RAC, 538/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 804 situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

77-516GJ/82

(1) M/s. Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M. Sridevi C/o Ampro Food Products, 15-4-188, Osmanshahi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 804 in the 8th floor of 'MOGUL'S COURT of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1435 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 4945/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983.

Scal:

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC No. 607/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 232 situated at Raniguni, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmen of any theore or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Babukhan Builders,
 No. 5-4-86 to 92 M. G. Road,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/o Late A. K. Babuhan, Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. Vinoda, 15-4-125/3, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office 232 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 304 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4918/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983. Seal:

Deni

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAL

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 608/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 134 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Tahseen Munawar, W/o Syed Munawar Akbar Hussaini, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 114 in 1st floor in the building Known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 213 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4921/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 609/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 134 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92 M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
- (2) Smt. Nasreen Yousuf, Malakpet, Hyderabad.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 134 in First floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 244 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4922/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983.

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 610/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat 131 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92 M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S'o Late A. K. Babuhan, Nishut Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

6459

(2) Sri Syed Ibrahim S/o Syed Imam, R/o Kala Dera, Hyderabal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Room No. 131 in 1st floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigauj, M. G. Road, Secunderabad area 252 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4923/82.

> M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983.

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 611/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Flat No. 130 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92 M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babuhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Tahseen Munwar, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 130 in 1st floor in the building nown as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigun, M. G. Road, Secunderabad area 244 sq. ft, registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4924/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983.

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 612/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Flat No. 230 situated at Raniguni, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or ally moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Babukhan Builders,
 No. 5-4-86 to 92 M. G. Road,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan,
 S/o Late Λ. K. Babukhan, Nishat Bagh,
 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. A. Krishna Murty, 5-3-1069, Nizamsahi Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 230 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 304 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4925/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983,

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICI! UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI! OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC, No. 613/82-83,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 233 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92 M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babuhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) P. Jagadeshwara Rao, S/o P. Narsimulu, Pan Bazar, Secunderabad.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 233 in 2nd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 304 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4926/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad, A.P.

Date: 10-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 614/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereflafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 108, situated at Ranigunj, Secunderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
78—516GI/82

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Renuka Radhyai, S/o C. Sadasivaiah, 1-1-720/1, Gandhinagar, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 108 in 1st floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE In the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, Secunderabad area 320 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4927/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

IIYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 615/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 141 situated at Ranigunj, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, SIo Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Bilgrami, W/o Syed Ali Bilgrami, R/o Kripa, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expres

are defined in Chapter XXA of the said Act,

shall have the same meaning as given in that

Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 141 in 1st floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE In the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 382 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4928/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 616/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Flat No. 127 situated at Ranigunj, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, SIo Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

Sri Omeruddin Khan, S/o Hameeduddin Khan, Begumpet, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 127 in 1st floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE In the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 337 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4929/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983.

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 617/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Flat No. 126 situated at Ranigunj, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, SIo Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Nasecruddin Khan, Begumpet, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 126 in First floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE In the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 335 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4930/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 618/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 334 & 335, situated at Ranigunj, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shobha Mohan Rao W/o Mohan Rao Road No. 3, H. No. 84, West Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as and defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 334 & 335 in 3rd floor in the bldg, known as Al-KARIM TRADE CENTRE In the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 698 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4933/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BLDGS., ANAND BAZAAR HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th February 1983

RAC. No. 619/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat 337 situated at Raniguni, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D, of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, SIo Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
- (2) Smt. Nazima Jašeen Zuin, W/o Sri Zainuddin Shaik Imam, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 337 in 3rd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE In the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj; M. G. Road, Secunderabad area 349 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4.931/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1983

RAC. No. 620/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

Flat No. 145 to 148 situated at Raniguni Secunderabod (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at the derabad in June, 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Amathul Kareem Hashmi, 23-3-66, Sultanshahi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 145, 146 & 148 in First floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Raniguni, M. G. Road, S-cunderabad area 1011, sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4934/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hydernbad (A.P.), the 10th February 1983

RAC No. 621/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat 32 situated at Ranigunj Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuaunce of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Babukhan Builders, No. 5-4-86 to 92, M. G. Road, Represented by Sri Ghiasuddin Babu Khan, S/o. Late A. K. Babukhan, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.
 - (Transferor)
- (2) Sri Altap Shaik Imam, S/o. Sri Ikramuddin Shaik Imam, Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 32 in 3rd floor in the building known as Al-KARIM TRADE CENTRE in the premises bearing MCH No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, M. G. Road, Secunderabad area 212 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 4932/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1983

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLQOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2038 Acq.23-11/82-83.---Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 273/3-6 C. S. No. 3023/3 situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Babubhai Chunilal Rana, Golwad, Navsari Shri Ramanlal Parshottamdas Bhagat. Luncikul, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Mafatlal Dhudalal Shah Janta Apartment, Sabyaji Ganj, Navsari,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 273/3-6(P) C.S. No. 3023/3 at Navsari admeasuring 5584 sq. ft. registered in June 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 24-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR; HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1982

Ref. No. P. R. No. 2038/A-Acq.23-II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a rair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. S. No. 273/3-6(P) CS. No. 3023/3 situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on June 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Babubhai Chunilal Rana, Golwad, Navsari Shri Ramanlal Parshottam Bhagat, Luncikui, Navsari.

(Transferor)

(2) Smt. Bharatiben Mafatlal Shah Janta Apartment, Sahyaji Road, Navsari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 273/3-6(P) C.S. No. 3023/3 at Navsari, registered in the month of June 1982.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HQUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P.R. No. 2041/A Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 412/1(P) TPS-3, situated at Katargam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hargovandas Nathubhai Patel,
Patel Falia, Gotalavadi, Katargam, Surat
(Transferor)

(2) Dineshchandra Somchand Zaveri, Mahidharpura, Bhut Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 412/1(P) TPS. 3, Katargam, registered in June 1982 at No. 3364.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 22-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1982

Ref. No. P.R. No. 2041/B-Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R., R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 412/1(P) TPS, 3, Katargam situated at Katargam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Babubhai Nathabhai Patel
 Shantiniketan Soclety, Vastadevdi Road,
 Surat.
- (2) Shri Narendra Hasmukhlal Shah Mahidharpura, Ghia Sheri, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

Property at S. No. 412/1(P) TPS. 3, Katargam, registered in June 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 22-12-1982

FORM I.T.N.S.—

(1) (1) Shri Varhomal Bukshomal Valechha,
 (2) Shri Ghanshamdas Verhomal Valechha,
 Bk. No. A/44/261, Ulhasnagar-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kewalram Sitaldas, Hospital Area, Ulhasnagar-3 Opp. Bk. 732, Ulhasnagar-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, 1st February 1983

Ret. No. CA5/795/SR Ulhasnagar/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 1019, U. No. 140 portion of Plot No. 762, Section 6-A, and 7-A Opp. Bk. 502 situated at Ulhasnagar-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Ulhasnagar on 29-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCENDULE

Shop No. 1019, U. No. 140, Portion of Plot No. 762 Section 6-A and 7-A Opp. Bk. 502, Ulhasnagar-2. (As described in the sale deed registered under document No. 2374 in the office of the Sub-Registrar, Ulhasnagar on 29-6-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th February 1982

Ref. No. CA-5, 798/SR-Haveli/82-83.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.T.S. No. 1103/A/13-FP. No. 481-A/13 Model Colony, situated at Pune-411 016

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Haveli-1 on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1^f 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act ₹57 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Kulwant Rai Pathak S/o
- (I) Shri Chintaman Vasudeo Kulkarni, F. No. 1, 481-A, Model Colony, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Ramesh Shridhar Dixit,
 - (2) Shri Kamalakar Hari Deshpande,

 - (3) Chintaman Vasudeo Kulkarni (4) Krishnarao Ramchandra Kulkarni, (5) Shri Prahladrao Tirumalrao Desai

(5) Shri Pantaurao Thunango Desar
(6) Shri R. C. Vaishnav
Sahanivas Co-op. Housing Society Ltd., Venu Apartments, 1103-A/13, Model Conoy Near Vidya Bhavan School, Pune-411 016.
(Transferes)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1103/A/13 F. P. No. 481-A/13 Shivaji Nagar, Pune-16.

(Arcu—3531 sq. ft.)

(As described in the sale deed registered under Doc. No. 1767 registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I in the month of June, 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 25-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP-TAX.

ACQUISITION RANGE
ANUPARAMBIL BLDGS., ANAND BAZAAR
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 14th February 1983

Ref. No. L.C. 613/82-83.—Whereas, I, V. R. NAIR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as pe schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 11-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Thresia George, Thycootathil veedu, Kunnathaya, Kadavanthara.

(Transferor)

(2) Smt. Valsa Mathew, W/o Dr. George Mathew, Kozhencheri Muri, Pathanamthitta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24.630 cents of land as per schedule attachem, idoc. No. 1943 dated, 11-6-1982.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernnakulam

Date: 14-2-1983